

The Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 12]

नई विल्ली, शनिवार, मार्च 24, 1984 (चेत्रा 4, 1906)

No. 12] NEW DELH!, SATURDAY, MARCH 24, 1984 (CHAITRA 4, 1906)

्स भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जितने कि यह अलग संकलत के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग 111-खण्ड 1

[PART III-SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघलोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संज्ञान और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जनवरी 1984

सं०-ए० 32014/1/84-प्रणा०-III (1)—संघ लोक सिवा श्रायोग में के० स० से० मंवर्ग के निम्नलिखित सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा 30-12-83 से श्रागामी श्रादेशों तक श्रनुभाग श्रिक्किएरी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:--

%म० नाम सं०

- 1. श्रीकरन सिंह (ग्र० जा०)
- 2. श्री मोत्ती राम (ग्र० जा०)

दिनांक 9 फरवरी 1984

भाग श्रधिकारियों को 9 फरवरी, 1984 के श्रपराह्म से इस कार्यालय में कार्यभार से मुक्त किया गया है:---

ऋम० सं०	नाम	संयर्ग जिसमें ग्रावंटित किया जाना है
<u> </u>	तनन्द, ग्रनुभाग ग्रधिकारी	श्रम विभाग जहाजरानी एवं परिवहन
		मंत्रालय

 श्री पी० एस० भटनागर, धनुभाग प्रधिकारी

श्री श्रद्धानन्द श्रथवा श्री पी० एस० भटनागर के विरुद्ध कोई सतर्कता मामला न तो लम्बित है श्रौर न ही विचाराधीन है।

दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० ए०12025/1/83-प्रशा०-1---विधि, न्याय श्रीक कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधायी विभाग तथा विधि कार्य (6361) विभाग) में के० स० स्टे० से० संवर्ग के ग्रेड म स्टेनोग्राफर श्री भरतराम को राष्ट्रपति ब्राग 17 फरवरी, 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रावेशों तक सम्मिलत मीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1982 (रैंक 34) के श्राधार पर संघ लोक सेवा श्रायोग में के० स० स्टे० से० संवर्ग में श्रस्थायी स्टेनोग्राफर ग्रेड ख के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है। तथापि उनकी नियुक्त दिल्ली उच्च न्यायालय में 1975 की लिखित सिविल रिट याचिका सं० 284 के निर्णय के श्रध्यधीन होगी।

एम० पी० जैन श्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1984

सं० 2/1/83-प्रणासन—केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतद् द्वारा इस भ्रायोग के स्थायी सहायक श्री जगदीश चन्द्र कपूर को तदर्थ श्रनुभाग भ्रधिकारी के पद पर रु० 650 (710)-30-740-35-810-द०ग्र०-35-880-40-1000-द० ग्र०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से दिनांक 30-1-1984 से 28-4-1984 तक या भ्रगले भ्रादेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

क्रष्ण लाल मल्होत्ना श्रवर सचिव **कृते** केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

गृह मंत्रालय क एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो नई पिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1984

सं० ए०-19021/1/81-प्रशासन-5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एच० के० चक्रवर्ती (ए० एण्ड एम०: एस० पी० एस०), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सिल्चर शाखा, की सेवाएं दिनाक 24 फरवरी, 1984 के श्रपराह्न से श्रमम सरकार को सौंधी जाती हैं।

> श्चार० एस० नागपाल प्रशासनिक म्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

कर्मचारी चयन ग्रायोग

नई बिल्ली-110003, विनांक 20 फरवरी, 1984

सं० 10/41/76-प्रणा०—राष्ट्रपति, गृह मंत्रालय के संवर्गें में केन्द्रीय सिवालय भ्राणुलिपिक सेवा के श्रेणी 'ए' के स्थायी भ्राणुलिपिक, श्री एन० सी० कपूर को कर्मचारी चयन श्रायोग के कार्यालय में 30-1-84 से 21-3-84 तक 52 दिन की भ्रवधि के लिए तदर्थ भ्राधार पर स्थानापन्न भ्रवर सिवव नियुक्त करते हैं। गुरवचन सिह

भ्रवर सचिव (प्रशा०)

महानिदेशाल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 फरवरी 1984

सं० भ्रो० दो०-1900/84-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री भूपेन्द्र सिंह को श्रगले भ्रादेश जारी होने तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में पुलिस उप-श्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर नियुक्त करते हैं। वह दो साल तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

2. उन्होंने भ्रपने पद का कार्यभार 2 वाहिनी, के० रि० पु० बल में 21-12-83 (श्रपराह्म) को संभाल लिया है।

दिनांक 1 मार्च 1984

सं० ग्रो० दो०-1612/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्रा० पी० सी० निगम जनरल इयूटी श्राफिसर ग्रेड-II (डि० एस० पी० कम्पनी कमान्डर) का त्याग-पत्र दिनांक 15 फरवरी 1984 श्रपराह्म से सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 मार्च 1984

सं० 10/29/80-प्रणा०- —राष्ट्रपति, निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को उनके नामों के सामने दिशत कार्यालयों में तारीख 29-2-1984 तक की भौर श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर पूर्णत: श्रस्थायी रूप से तक्यं श्राधार पर सहायक निदेशक (श्रांकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

कम सं०	भ्रधिकारी का नाम		कार्यालय जहां कार्यरत हैं	विहित मुख्यालय
1	2		3	4
	भ्रो०पी० श्राहूजा एस० भ्रार० गर्ग	•	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली . भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली नई दिल्ली

1	2	3	4
3.	श्री के० बी० रोहतगी	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
4.	श्री पी०एन० बवेजा	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
5.	श्री ग्रार० एन० पोंगुरलेकर	. जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र	बम्बई
6.	श्री ए० बी० वल्लिनाथन्	. जनगणना कार्य निदेशक, तमिलनाडु	मद्रास
7.	श्री जी० डी० ग्रग्रवाल	. , जनगणना कार्य निदेशक, राजस्थाम	जयपुर
8.	श्री जी० सी० मिश्र	. जनगणना कार्य निदेशक, बिहार	पटना
9.	श्री एम० एम० ए० खेग	जनगणना कार्य निदेशक, उत्तर प्रदेश	लखनऊ
10.	श्री बी० एम० पटेल	. , जनगणना कार्य निदेशक, गुजरात	ग्रहमदाबाद
71.	श्री ए० जी० श्रोक	. , जनगणना कार्य निदेशक, मध्य प्रदेश	भोपाल
12.	श्री ग्रार० वाई० रेवाणेट्टी	जनगणना कार्य निदेशक, कर्णाटक	बंगलौर
1 3.	श्री एल० सी० गर्मा	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
14.	श्री एन०के० भटनागर	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
15.	श्री के० बी० लखनपाल	जनगणना कार्य निदेशक, संघ राज्यक्षेत्र, चण्डीगढ़	चण्डीगढ़
16.	श्री एन० के० पुरोहित	जनगणना कार्य निदेणक, राजस्थाम	जयपुर
17.	श्री चि० पी० सी० राव	जनगणना कार्य निदेशक, ग्रांध्र प्रदेश	हैदराबाद
18.	श्रीके० के० शर्मा.	जनगणना कार्य निदेशक, आंध्र प्रदेश	हैदराबाद
19.	श्री डी० पी० चटर्जी	जनगणना कार्य निदेशक, पश्चिम बंगाल	कलकत्ता
20.	श्री एस० जयशंकर .	जनगणना कार्य निदेशक, केरल	त्रिवेन्द्रम
21.	श्री ए० एस० ढिल्लो	जनगणना कार्य निदेशक, चण्डीगढ़	चण्डीगढ़
22.	श्री पी० के० रौत .	. , जनगणना कार्य निदेशक, उड़ीसा	भुवनेश्वर
23.	श्री जे० थोमस मकाडो	. जनगणना कार्य निदेशक, तमिलनाडु	मद्रास
24.	श्री भ्रार० सी० भार्गव	जनगणना कार्य निदेशक, राजस्थान	जयपुर
25.	श्री टी० डी० ग्रग्रवाल	जनगणना कार्य निदेशक, उत्तर प्रदेश	लखनऊ
26.	श्री जे० पी० बरान्वल	जनगणना कार्य निदेशक, उत्तर प्रदेश	लखनऊ
27 .	श्री एस० एस० कश्यप	. भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
28.	श्री एस० एम० नेहल हुसैन	. जनगणना कार्य निदेशक, बिहार	पटना
29.	श्री ग्रार० सी० कथुरिया	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	नई दिल्ली
30.	श्री एन० सी० सरकार	. जनगणना कार्य निर्देशक, पश्चिम बंगाल	कलकत्ता

2. सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी धौर तदर्थ ध्राधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में विरुठता धौर आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी।

वी० एस**० वर्मा** भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय स्रार्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 26 फरवरी 1984

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/5/84—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० बी० एन० पी०/सी०/5/83 दिनांक 13-8-83 के अनुक्रम में श्री एच० एस० रोनाड की तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर की गई नियुक्ति की अविध दिनांक 9-2-84 से छः माह के लिए उन्हीं शती एवं प्रतिबन्धों पर और बढ़ाई जाती है।

मु०वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई दिल्ली-2, दिनांक 7 मार्च 1984

प्रशा०-1 का० आ० संख्या 507—इस कार्यालय के स्थानापक लेखापरीक्षा प्रधिकारी श्री भारत पी० वर्मा को भारत हैं वी इलैक्ट्रीकल्स लि० नई दिल्ली में विनांक 7-12-83 से संलग्न विवरण में समाविष्ट भर्नों पर स्थायी रूप से विनियत कर लिया गया है।

इसे भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के पत्र सं० 308- जी० ई० 11/29-83 दिनांक 17-2-84 के द्वारा सम्प्रेषित भारत सरकार का श्रनुमोदन प्राप्त है।

(ह०-) भपठनीव उप-निदेशक ले**॰** प० (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार-1 बिहार

रांची:-834002, दिनांक 17 जनवरी, 1984

का०न्ना० सं० प्रणा०-II-गोपनीय-1490-महालेखाकार (1), बिहार, रांची ने निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित तारीख से उसी संवर्ग में मूल पद (सब-स्टैटिव कैंपे सिटी) में नियुक्त किया गया है।

मह नियुक्ति वरिष्ठ व्यक्तियों (जिन्हें मूल पद में नियुक्त घोषित नहीं किया गया है तथा जिनके मामले विचाराधीन हैं) के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना की गयी है।

नाम			तारीख
1. श्रो टी० पी० सिन्हा	•		1-1-83
2. श्रो राम अवतार कुमार 11		•	1-1-83
3. श्री ए० बी० प्रसाद	•		1-1-83

दिनांक 7 फरवरी 1984

का० भ्रा०-प्रज्ञा०-I !-गोपनीय-1529-महालेखाकार (1), बिहार, रांची ने निम्नलिखित स्थानापन लेखा अधिकारियों को 1-12-83 से उसी संवर्ग में मूल पद (सबस्टैंटिन कैपेसिटी) में नियुक्त किया है।

यह नियुक्ति वरिष्ठ व्यक्तियों (जिन्हें मूल पद में नियुक्त घोषित नहीं किया गया है तथा जिनके मामले विचाराधीन हैं) के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना की गयी है।

- 1. श्री धिरेन्द्र नाथ विशवास
- 2. श्री सत्या नारायण चटर्जी
- 3. श्रीनाबाकुमार राय
- 4. श्री आए० पी० शास्त्री

- श्री आए० बी० सिन्हा
- 6. श्री एस० आर० गौगुंली
- 7. श्री अमिय कुमार मित्रा।

दिनांक 10 फरवरी 1984

काआसं ० – प्रशा० – II – गोपनीय – 1572 – महालेखाकार (1), बिहार, रांची ने निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित कारीख से उसी संवर्ग में मूल पद (सबस्टैंटिय कैपेसिटी) में नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति विष्ठ व्यक्तियों (जिन्हें मूल पद में नियुक्त घोषित नहीं किया गया है तथा जिनके मामले विचाराधीन हैं) के अधिकार पर प्रतिकृत प्रभाव डाले विना की गयी है।

नाम			तारीख
 श्री दीप नारायण झा श्री अमिबका प्रसाद दुवे 			1-2-84 1-2-84
८० श्राजनावका प्रसाद पूर्व	•	•	1-2-84

दिनांक 29 फरवरी 1984

सं०-का० आ० प्र० 2-1601—सहालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री खुदी राम रौशन को अपने कार्यालय में दिनांक 14-2-84 (अपराह्न) से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोक्षत करते हैं।

सं० प्रशा० 2-1607-- महालेखाकार-1, बिहार, रांची अपने कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री नव गोपाल लायक को अपने कार्यालय में दिनांक 15-2-84 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापक लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

आर० भाष्यम् वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन) बिहार

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-1100666, दिनांक 25 फरवरी 1984

सं० प्रशा/II/2158-84—रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित स्थायी ग्रनुभाग ग्रधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के -समक्ष लिखी गई तारीख से, स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारियों के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं:---

क्रम सं०	नाम		संगठन	तारीख
1	2		3	4
	श्री राज नारायण लाल		. र० ले०नि०, पटना	31-5-83
	श्री प्रार० रामामूर्ति	•	. र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास	4-5-83
	श्री रमा पति श्रीवास्तव		. र० ले० नि <i>०</i> (श्रन्य रैंक), उत्तर मेरठ	19-4-83
	श्री ग्रान्नद स्वरूप शर्मा	•	. र०ले० नि० पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़	29-4-83
5.	श्री पी० चन्द्र दास		. र०ले० नि० (म्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास	19-4-83

6. श्री एस० एस० वालकृष्ण र० वेत विश्वाणी कसान, पूणे विश्व नियंत्रक (फेन्स्न्रीज), कलकत्ता त्र केत कार्मी ।	4	3		2	1
8. श्री मुदेश कुमार बीधरी 9. श्री कंठ केठ शनी II 10. श्री एमे पीठ लेले 11. श्री डीठ जान्छी, 12. श्री चुंटें कुमार खन्ना 13. श्री रिशे कहमार नागणल 14. श्री डीठ जान्छी, 15. श्री रिशे कुमार नागणल 16. श्री त्री त्रीठ प्रमास नागणल 17. श्री सान नाम गुला 18. श्री सान नाम गुला 19. श्री पीठ प्रमास नागणल 19. श्री पीठ एमे आठे 19. श्री त्रीठ गुल मुंहि 19. श्री त्रीठ मुल मुंहि 19. श्री त्रीठ गुल मुंहि 19. श्री त्रीठ गुल मुंह	19-4-83	र०ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे		श्री एस० एम० बालक्वडण	6.
9. श्री फॅo के o शर्मी II 10. श्री एम० पो० लेले 11. श्री डी जमटसा 12. श्री सुरेट कुमार सामपाल 13. श्री रमेश कुमार सामपाल 14. श्री सीता राम गुला 15. श्री समन लाल 16. श्री समन लाल 17. श्री समर लाल 17. श्री समर लाल 18. श्री एम० पौ० खटावकर 19. श्री एम० पौ० खटावकर 19. श्री एम० ही o सहसा 19. श्री पौ० एम० साहे 19. श्री पौ० एम० साहे 19. श्री पौ० एम० साहे 19. श्री दी o के लाल महि 19. श्री ति एम० साहे 19. श्री ति एम० श्री साता 19. श्री ति एम० साहे 19. श्री ति एम० श्री साता 19. श्री ति एम० साहे 19. श्री ति एम० श्री साता 19. श्री ति एम० साहे 19. श्री ति एम० श्री साता 19. श्री ति एम० साहे 19. श्री के एम० जसदास 19. श्री के एम० जसदास 19. श्री के एम० अवादाता 19. श्री त्री एम० श्री कोटनाला 10. श्री यार० बी कोटनाला 10. श्री यार० बी कोटनाला 10. श्री यार० बी कोटनाला 10. श्री योगपाल निह 11. श्री त्री एम० पोश्री 11. श्री पा० एम० श्री साता 11. श्री पा० एम० श्री साता 11. श्री पा० एम० श्री साता 12. श्री योगपाल निह 13. श्री योगपाल निह 14. श्री एम० पोश्रेय 15. श्री पा० पा० श्री साता 16. श्री त्री कमान, पुणे 17. श्री ति एम० एम० श्री साता 18. श्री ति एम० एम० श्री साता 18. श्री ति एम० एम० श्री साता 18. श्री ति एम० एम० श्री साता 19. श्री ति कमान, पुणे 10. एम० श्री ति साता 10. श्री एम० श्री त्रा साता 10. श्री एम० श्री रमावा 10. श्री एम० साता 10. श्री एम० श्री रमावा 10. श्री एम० साता	2-6-83	लेखा नियंत्रक (फेक्ट्रीज), कलकत्ता		श्री ग्रार० चन्द्रन .	7.
9. श्री फेंठ केंठ आर्थी II 10. श्री एमंठ पीठ लेल रहे लिंग (बायु सेना), देहराहून नेबा नियंत्रक (फैस्ट्रीज), कलकत्ता रठ लेठ निठ (बायु सेना), देहराहून नेव निवंद्र से प्री सुरेन्द्र कुनार खन्ना रठ लेठ निठ पुष्पान्य, नई दिल्ली रठ लेठ निठ (बायु सेना), देहराहून रठ लेठ निठ (बायु सेना), देहराहून रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), मध्य नागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), सध्य नागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), सध्य नागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), सध्य नागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), कलकत्ता रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), सध्य मागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), सध्य मागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), सध्य मागपुर रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), कलकत्ता रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), कलकत्ता रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), देहराहून रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), देहराहून रठ लेठ निठ (प्राप्त सेना), देहराहून रठ लेठ निठ (प्राप्त सेना), देहराहून रठ लेठ निठ (प्राप्त सेना), देहराहून रठ लेठ निठ प्राप्त सेना), देहराहून रठ लेठ निठ प्राप्त सेना, प्राप्त रठ लेठ निठ प्राप्त सेना, सेना, प्राप्त रठ लेठ निठ प्राप्त सेना, सेना, स्राप्त रठ लेठ निठ प्राप्त सेना, सेना, स्राप्त रठ लेठ निठ प्राप्त सेना, सेना, स्राप्त रठ लेठ निठ (प्राप्त रेक्स), दक्तिण महास रठ लेठ निठ (प्राप्त	19-4-83	र० ले० नि० पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़		श्री सुरेश कुमार चौधरी	8.
11. श्री डी० जमटस्, नेषा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 12. श्री सुरेख कुमार बाशा 13. श्री रमेण कुमार नापाल 14. श्री सीता राम गुला 15. श्री वान लाल 16. श्री बीठ बीठ प्रमाद 17. श्री आरठ जीठ कटावकर 18. श्री पीठ एमठ साठे 19. श्री पीठ एमठ साठे 19. श्री पीठ एमठ साठे 10. श्री दी० केठ मुख्या 10. श्री पीठ एमठ साठे 10. श्री पाठ एन० श्रीवास्तव 11. श्री ही० केठ मुख्या 12. श्री ही० केठ मुख्या 13. श्री एमठ ही० सुप्रवाल 14. श्री एमठ ही० सुप्रवाल 15. श्री पाठ एन० श्रीवास्तव 16. श्री वाठ केठ मुख्या 17. श्री पाठ एन० श्रीवास्तव 18. श्री एमठ एन० श्रीवास्तव 19. श्री पीठ एमठ मिह् 10. श्री एमठ एन० श्रीवास्तव 11. श्री ही० केठ मुख्या 12. श्री ही० केठ मुख्या 12. श्री ही० केठ मुख्या 13. श्री एमठ पीठ दला 14. श्री एमठ पीठ दला 15. श्री एमठ पीठ दला 16. श्री यारठ वीठ कोटनाला 17. श्री यारठ वीठ कोटनाला 18. श्री हुण्ण चन्द्र तिगम 18. श्री हुण्ण पाठेव 19. श्री सेठ एमठ श्रीवास्तव 19. श्री सेठ एमठ श्रीवास्तव 10. श्री योगपाल मिह 10. पाठ पाठेव 10. श्री योगपाल मिह 10. पाठ पाठेव 10. श्री सोठ एमठ पाठेव 10. श्री सोठ श्री स्राम, सम्य पाठेव 10. श्री एमठ पाठ पाठेव 10. श्री साठ, देहपापुट 10. श्री साठेव 10. श्री साठेव 10. श्री साठेव 10. श्री साठेव 10. श्री साठ	19-4-83	—-यथोपरि		_ -	9.
11. श्री डी॰ जसटस] 12. श्री सुरेन्द्र कुमार खाशा 13. श्री रमेश कुमार नापाल 14. श्री सीला राम गुला 15. श्री चमन लाल 16. श्री चील शरमाद 17. श्री मान लाल 18. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 19. श्री पी॰ एम॰ साठे 19. श्री पी॰ एम॰ साठे 19. श्री पी॰ एम॰ साठे 10. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 19. श्री पी॰ एम॰ साठे 10. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 10. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 11. श्री ही॰ के॰ मुखर्जी 12. श्री ही॰ के॰ मुखर्जी 13. श्री मान लाल 14. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 15. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 16. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 17. श्री पार॰ एन॰ श्रीवास्तव 18. श्री एम॰ डी॰ अप्रवाल 19. श्री पी॰ एम॰ साठे 19. श्री पी॰ एम॰ साठे 10. श्री एम॰ एन॰ श्रीवास्तव 11. श्री ही॰ के॰ मुखर्जी 12. श्री ही॰ के॰ मुखर्जी 13. श्री एम॰ पी॰ दला 14. श्री के॰ एम॰ असवास 15. श्री एम॰ पी॰ दला 16. श्री यो एम॰ पी॰ दला 17. श्री यार॰ वी॰ कोटनाला 18. श्री हुएण चन्द्र निगम 18. श्री हुएण चन्द्र निगम 18. श्री हुएण चन्द्र निगम 19. श्री सी॰ एम॰ श्रीवास्तव 19. श्री सी॰ एम॰ श्रीवास्तव 10. श्री योगणाल मिह 10. श्री योगणाल मिह 11. श्री एम॰ एम॰ पार्थे 13. श्री एम॰ एम॰ पार्थे 14. श्री एम॰ एम॰ पार्थे 15. श्री पी॰ अपेरामचन्द्रन 16. श्री दी॰ एम॰ पार्थे 17. श्री दी॰ एम॰ पार्थे 18. श्री एम॰ एम॰ पार्थे 18. श्री पार पार्थे	19-4-83	र० ले० नि० (बायु सेना), देहरादून		श्री एम० पी०लेले .	. 10.
13. श्री रमेश कुमार नागपाल 14. श्री सीता राम गुला 15. श्री चमन लाल 16. श्री बीन वीन प्रमाद 17. श्री जमन लाल 17. लीन (बायू सेना), देहरादूत 17. श्री जमन लाल 18. श्री ग्रान जीन खटावकर 18. श्री एमन डीन खटावकर 19. श्री पीन एमन साठे 19. श्री पीन एमन साठे 20. श्री एसन एसन श्रीवास्तव 21. श्री दीन एमन साठे 22. श्री बीन एमन मिह 23. श्री भगवान दास 24. श्री के एसन जसदास 25. श्री पास पीन दस्ता 26. श्री यान वास 27. लीन कि प्रमाद सिन्म 28. श्री श्री निन्म क्रिया 29. श्री के एसन श्रीवास्तव 30. श्री योगपाल मिह 31. श्री एमन एसके 32. श्री सीन सत्यम्पि 33. श्री एमन एसके 34. श्री एमन एसके 35. श्री एमन एसके 36. श्री वीन प्रसन्दा 37. श्री एमन एसन रावस 38. श्री एमन एसन रावस 39. श्री सीन सत्यम्पि 31. श्री एमन एसन श्रीवास्तव 33. श्री एमन एसन रावस 34. श्री एमन एसन रावस 35. श्री पीन प्रसन्दा 36. श्री जीन वीन सुख्याराव 37. श्री टीन एसन रावस 38. श्री एमन एसन रावस 39. श्री वीन एसन रावस 31. श्री एमन एसन रावस 31. श्री एमन एसन रावस 32. श्री सीन सत्यम्पि 33. श्री एमन एसन रावस 34. श्री एमन एसन रावस 35. श्री पीन श्रीरामचन्द्रम 36. श्री जीन वीन सुख्याराव 37. श्री टीन एसन रावस 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी 39. श्री विक्रम सिंह 31. श्री एमन एसन रावस 32. श्री मान एसन रावस 33. श्री एमन एसन रावस 34. श्री एमन एसन रावस 35. श्री पीन श्रीरामचन्द्रम 36. श्री जीन वीन सुख्याराव 37. श्री टीन एसन रावस 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी 39. श्री विक्रम सिंह 31. श्री एमन एन रिनेट्य 32. श्री एमन एन रिनेट्य 33. श्री एमन एन रावस 34. श्री एमन एन रावस 35. श्री मान मोहन श्रवस्थी 36. श्री जीन वीन सुख्याराव 37. श्री टीन एसन रावस 38. श्री मान मोहन श्रवस्थी 39. श्री विक्रम सिंह 39. श्री विक्रम सिंह 39. श्री विक्रम सिंह 39. श्री विक्रम सिंह 39. रावसणी मिह 30. रावसणी मिह 30. रावसणी मिह 31. रावसणी मिह 32. रावसणी मिह 33. श्री एमन एन रिनेटस 34. श्री एमन एन रिनेटस 35. श्री एमन एन सिंह 37. रावसणी मिह 38. श्री मान एसन रिंह 38. श्री मान एसन सिंह 39. श्री विक्रम सिंह	19-4-83	The state of the s		श्री डी० जसटस	11.
13. श्री रमेण कुमार लागपाल 14. श्री सीता राम गुप्ता 15. श्री चमन लाल 16. श्री बीठ बीठ प्रमाद 17. श्री आर जीठ खटावकर 18. श्री एमठ डीठ खप्रवाल 19. श्री पीठ एमठ साठे 20. श्री एमठ पाठ अवस्तव 21. श्री एमठ पाठ अवस्तव 22. श्री होठ फेठ मुखर्जी 23. श्री मगवान वास 24. श्री होठ फेठ मुखर्जी 25. श्री पमठ मिह 26. श्री योठ पपठ साठ 27. श्री एमठ पाठ अवस्तव 27. श्री एमठ पाठ अवस्तव 28. श्री वीठ एमठ आर पाठ 29. श्री केठ एमठ जीवस्तव 20. श्री एमठ मठ मठ 21. श्री होठ फेठ मुखर्जी 21. श्री होठ फेठ मुखर्जी 22. श्री वीठ एमठ मंह 23. श्री मगवान वास 24. श्री केठ एमठ जसदास 25. श्री एमठ पीठ दता 26. श्री वीठ स्त्रवम्मति 27. श्री खार० बीठ कोटनाला 28. श्री कुछण चन्द्र निगम 27. श्री खार० बीठ कोटनाला 28. श्री कुछण चन्द्र निगम 27. श्री योगपाल मिह 28. श्री योगपाल मिह 29. श्री केठ एनठ श्रीवास्तव 30. श्री योगपाल मिह 31. श्री यूठ एनठ श्रीवास्तव 33. श्री एमठ एसठ रावत 34. श्री एमठ एसठ रावत 35. श्री पीठ श्रीरामच्यत 36. श्री कीठ वीठ सुख्याराव 37. श्री हीठ एसठ श्रीवास्तव 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी 39. श्री विक्रण सिह 40. श्री एमठ एसठ राव 41. श्री एमठ एसठ राव 42. श्री एमठ एसठ साव 43. श्री एमठ एसठ साव 44. श्री एमठ एस राव 45. श्री पमठ एसठ साव 46. श्री पमठ एसठ साव 47. श्री एमठ एस राव 48. श्री पमठ एसठ साव 49. श्री विक्रण सिह 41. श्री एमठ एस 41. श्री एमठ एस 42. श्री एमठ एस 43. श्री जीठ वीठ कुष्णामूर्ति 44. श्री एमठ एस 45. श्री पमठ एस 46. श्री पमठ एस 47. श्री एमठ एस 48. श्री पमठ एमठ स्था 48. श्री जीठ वीठ कुष्णामूर्ति 48. श्री जीठ वीठ कुष्णामूर्ति 48. श्री पमठ एमठ स्था 49. श्री पमठ एमठ स्था 40. श्री एमठ एमठ स्था 41. श्री एमठ एमठ मायुर 42. श्री एमठ एमठ मायुर 43. श्री पमठ एमठ स्था 44. श्री एमठ एमठ मायुर 45. श्री पमठ एमठ मायुर 46. श्री केठ कोन्दला राव 47. श्री एमठ एमठ सिह 48. श्री वीठ एमठ कुष्णामूर्त 48. श्री वीठ एमठ कुष्णामूर 48. श्री व	19-4-83			-	12.
14. श्री सीता राम गुप्ता 15. श्री चमन लाल 16. श्री बीर नाल ति रु लें लिं , पटना 16. श्री बीर ने नि । श्री सार जी लंदानकर 17. श्री सार जी लंदानकर 18. श्री एम शि । पम शांठे 19. श्री एम शांठे 20. श्री एम । एम । श्री टें । रु ने लें नि । (श्री में हर । श्रिप)) अन्वहर्ष 21. श्री टी० कें ठ मुखर्जी 22. श्री ती० एम । सिंह 23. श्री भगवान दास 24. श्री कें ० एम जसवास 25. श्री वी० एम जसवास 26. श्री बीठ पम जसवास 27. श्री एम । पी० दत्ता 28. श्री हों । कें ० एम । सिंह 29. श्री कें ० एम । श्री हों । कें लें । हि एम । सिंह 29. श्री कें ० एम । श्री हों । कें लें । हि एम । सिंह 30. श्री योग पम सिंह 31. श्री एम । पी० दत्ता 32. श्री सीठ मत्यम्ति 33. श्री एम । एस । एस । सिंह 34. श्री एम । एस । राखर 35. श्री एम । एस । राखर 36. श्री जीं वि मुख्याराव 37. श्री टों । क्रियासवा 38. श्री मत मोहत श्रवस्थी 39. श्री दें । एस । राखर 39. श्री ति० श्री । सुर पार । सुर । 39. श्री ति० श्री । सुर । सुर । 30. श्री पार । एस । राखर 31. श्री एम । एस । राखर 32. श्री सीठ मत्यम्ति 33. श्री एम । एस । राखर 34. श्री एम । एस । राखर 35. श्री पी० श्री रामचन्दर 36. श्री जीं वि पार पार । सुर । 37. श्री टों । एस । राखर 38. श्री मत मोहत श्रवस्थी 39. श्री दिल एस राखर 39. श्री दिल एस श्री सास । सुर । 39. श्री दिल एस कें राख 30. श्री एम । एल राख । रु लें । ति । श्री सुम । काम्पू 31. श्री एम । कें राख 32. श्री एम । एल राख । रु लें । ति । श्री सुम । काम्पू 39. श्री दिल एक राख 39. श्री दिल एक । सुम सुम । 39. श्री दिल एक राख 30. श्री एम । सुम	19-4-83	र० ले० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली		_	13.
15. श्री बीग लाल	19-4-83	<u> </u>			14
16. श्री बीठ बीठ प्रसाद 17. श्री आर० जीठ खटावकर 18. श्री एस० डीठ अप्रवाल 19. श्री पीठ एम० साठे 20. श्री एस० एन० श्रीवास्तव 21. श्री ठीठ केठ सुम्बर्जी 22. श्री वीठ एम० साठे 23. श्री भगवान दास 24. श्री केठ एस० जसदास 25. श्री केठ एस० जसदास 26. श्री केठ एस० जसदास 27. श्री भगवान दास 28. श्री केठ एस० जसदास 29. श्री केठ एस० जीठाता 28. श्री क्रा० पन श्रीवास्तव 29. श्री केठ एस० श्रीवास्तव 21. श्री केठ एस० जीठाता 28. श्री क्रा० पन पन पिठ एक० श्रीवास्तव 29. श्री केठ एन० श्रीवास्तव 30. श्री योगपाल सिह 31. श्री योगपाल सिह 32. श्री योगपाल सिह 33. श्री एम० एस० राखत 34. श्री एम० एस० राखत 35. श्री पीठ श्रीदास्तव 36. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 37. श्री टीठ एच० राख 38. श्री एम० एस० राखत 39. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 31. श्री ए०० एस० राखत 32. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 33. श्री एम० एस० राखत 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 35. श्री पीठ श्रीदास्तव 36. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 37. श्री टीठ एच० राख 38. श्री एम० एस० राखत 39. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 31. श्री एम० एस० राखत 32. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 33. श्री एम० एस० राखत 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 35. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 36. श्री जीठ वीठ सुख्याराव 37. श्री टीठ एच० राव 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी 39. श्री विक सान, पुणे 30. श्री पीठ श्रीरातायण 31. श्री एम० वीरतारायण 32. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 33. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 34. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 35. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 36. श्री एम० ए० रविन्द्रत 37. श्री टीठ एच० पाय 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी 39. श्री मदन मोहन श्रवस्थी 39. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 30. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 31. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 32. श्री जीठ वीठ कुळ्णामूर्त 33. श्री गु० किए (श्रव्य रैक), मध्य नागपुर 34. श्री गु० कोव्यला राव 35. श्री पु० एक० सिह 38. श्री विठ एस० कुळ्णामूर्त 38. श्री विठ एस० कुळ्णामूर्त 39. श्री गु० एस० सुळ्णामुर्त 39. श्री गु० एस० हुळ्णामुर्त 39. श्री गु० एस० हुळ्णामुर्त 30. श्री गु० एस० हुळ्णामुर्त 30. श्री गु० एस० हुळ्णामुर्त 30. श्र	19-4-83			<u>-</u>	15.
17. श्री धार० जी० खटावकर 18. श्री एम० डी० ध्रप्रवाल 19. श्री पी० एम० साठे 20. श्री एम० एम० श्रीवास्तव 21. श्री टी० फ० मुखर्जी 22. श्री दी० फ० मुखर्जी 23. श्री के० एम० मिह 24. श्री के० एम० मिह 25. श्री के० एम० जसरास 26. श्री वी० एम० पी० दत्ता 27. श्री हण्ण चन्द्र निगम 28. श्री के० एम० श्रीवास्तव 29. श्री के० एम० जसरास 29. श्री के० एम० जसरास 20. श्री एम० पी० दत्ता 21. श्री एम० पी० दत्ता 23. श्री एम० पी० दत्ता 24. श्री के० एम० जसरास 25. श्री हण्ण चन्द्र निगम 26. श्री वी० मत्यमूर्ति 27. श्री याप० बी० कोटनाला 28. श्री के० एम० श्रीवास्तव 29. श्री के० एम० श्रीवास्तव 30. श्री योगपाल मिह 31. श्री यू० एम० पांडेय 32. श्री सी० मत्यमूर्ति 33. श्री एम० एस० रावत 34. श्री एम० एस० रावत 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 36. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 37. श्री टी० एक० राव 38. श्री पम० एस० श्रीवास्तव 39. श्री ती० वि० स्थाराव 31. श्री एम० एस० रावत 32. श्री सी० श्रीरामचन्द्रन 33. श्री एम० एस० श्रीवास्तव 34. श्री एम० एस० श्रीवास्तव 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 36. श्री ठी० एक० राव 37. श्री टी० एक० राव 38. श्री मतन मोहत ध्रवस्थी 39. श्री वित्रम सिह 31. श्री एम० वेरनारायण 32. श्री वित्रम सिह 33. श्री एम० नि० पमन 34. श्री एम० रावत 35. श्री दी० एक० राव 36. श्री वित्रम सिह 37. श्री टी० एक० राव 38. श्री मतन मोहत ध्रवस्थी 39. श्री वित्रम सिह 39. श्री वित्रम सिह 39. श्री वित्रम सिह 39. श्री वित्रम सिह 30. श्री एम० वेरनारायण 30. श्री एम० के० राय 31. श्री एम० एक० सिह 32. श्री जो० वी० कुळ्णामूर्ति 33. श्री एम० एक० सिह 34. श्रवम कुळ्ण मार्थुर 35. श्री नि० (ग्रन्य रैक), मध्य नागपुर 37. श्री जो० वी० कुळ्णामूर्ति 38. श्री मान, एम् स्थान स्थास 39. श्री क० कोन्द्रला राव 39. श्री एम० एस० मिह 39. प्रवम कुळ्ण मार्थुर 30. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्थुर 30. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्थुर 31. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्युर 32. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्थुर 33. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्थुर 34. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्थुर 35. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्थुर 36. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्युर 37. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्युर 38. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्युर 38. श्री ग्रवभ कुळ्ण मार्युर 39. श्री ग्रवभ कुळ	19-4-83			श्री बी०बी०प्रसाद: .	16.
18. श्री एम० डी० श्रग्रवाल 19. श्री पी० एम० साठे 20. श्री एस० एन० श्रीवास्तव 21. श्री टी० के० मुखर्जी 22. श्री टी० के० मुखर्जी 23. श्री भगवान वास 24. श्री के० एस० जसदास 25. श्री के० एस० जसदास 26. श्री के० एस० जसदास 27. श्री श्रार० बी० कीटनाला 28. श्री कुष्ण चन्द्र निगम 29. श्री के० एन० श्रीवस्तव 20. श्री श्रार० बी० कीटनाला 20. श्री श्रार० बी० कीटनाला 21. श्री हुष्ण चन्द्र निगम 22. श्री के० एन० श्रीवस्तव 23. श्री मारण चन्द्र निगम 24. श्री कुष्ण चन्द्र निगम 25. श्री श्रार० बी० कीटनाला 26. श्री हुष्ण चन्द्र निगम 27. श्री स्रार० बी० कीटनाला 28. श्री हुष्ण चन्द्र निगम 28. श्री हुष्ण चन्द्र निगम 29. श्री के० एन० श्रीवस्तव 30. श्री योगपाल मिह 31. श्री पुष्ण एन० पश्चिय 32. श्री सी० सत्यमूर्ति 33. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 36. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 37. श्री टी० एच० रावत 38. श्री पन० एस० श्रीवास्तव 39. श्री वी० वी० हुस्थारव 30. श्री वी० वी० हुस्थारव 31. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 32. श्री मारण मारण प० एच० 33. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 36. श्री ठी० एच० राव 37. श्री टी० एच० राव 38. श्री मारन मोहल श्रवस्थी 39. श्री वित्रम सिह 30. श्री वित्रम सिह 31. श्री एम० वीरनारायण 32. श्री वित्रम सिह 33. श्री एम० वीरनारायण 34. श्री एम० वीरनारायण 35. श्री प्रव्रम कुष्णमाम्ति 36. श्री एम० ए० रखीद्रत 37. को० नि० (श्राय रैक), मध्य नागपुर 38. श्री एम० वीरनारायण 39. श्री वित्रम सिह 30. श्री एम० ए० रखीद्रत 30. श्री एम० ए० रखीद्रत 31. श्री एम० ए० रखीद्रत 32. श्री एम० ए० रखीद्रत 33. श्री एम० ए० रखीद्रत 34. श्री एम० ए० रखीद्रत 35. श्री प्रव्रम कुष्ण मार्युर 36. श्री कुष्ण मार्युर 37. श्री एम० एम० मिह 38. श्री प्रव्रम कुष्ण मार्युर 38. श्री पाम० एम० मिह	13-6-83		•	श्री ग्रार० जी० खटावकर	17.
19. श्री पी० एम० साठे र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 20. श्री एस० एन० श्रीवास्तव 21. श्री टी० के० मुखर्जी र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), उत्तर मेरठ 22. श्री बी० एन० मिह ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 23. श्री भगवान दास ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 24. श्री के० एस० जसदास ग०ले० नि० प्रध्य कमान, पृणे 25. श्री एस० पी० दत्ता लेखा नियंद्रक (फैन्ट्रीज), कलकत्ता 26. श्री बी० सत्यमूर्ति त्०ले० नि० (श्रन्य रैंक), द्रिषण मद्राम 27. श्री ग्रार० बी० कोटनाला लेखा नियंद्रक (फैन्ट्रीज), कलकत्ता 28. श्री कृष्ण चन्द्र निगम ग०ले० नि० णवायु सेना), देहरादून 29. श्री के० एन० श्रीवास्तव ग०ले० नि० पवायु सेना), देहरादून 30. श्री योगपाल मिह ग०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 31. श्री शू० एन० पांडेच ग०ले० नि० पटना 32. श्री सी० सत्यमूर्ति लेखा नियंद्रक (फैन्ट्रीज), कलकत्ता 33. श्री एन० एत० रावत ग०ले० नि० पटना 34. श्री एन० एत० रावत ग०ले० नि० पिनमी कमान, चण्डीगढ़ 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन ग०ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 36. श्री जी० वी० सुख्याराव ग०ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 37. श्री टी० एच० राव ग०ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी ग०ले० तन० दक्षणी कमान, पूणे 39. श्री निश्रम सिह ग०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्म् 40. श्री एस० वीरनारायण ग०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्म् 40. श्री एस० के० राव ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 41. श्री एस० के० राव ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 42. श्री गो० वी० कृष्णामूर्ति ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रामा 43. श्री गो० वी० कृष्णामूर्ति ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रामा 44. श्री गुम० एक० माबुर ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रामा 45. श्री गुम० एक० माबुर ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), विषण मद्रामा 46. श्री गुम० एक० माबुर ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 47. श्री गम० एक० माहुर ग०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	19-4-83			श्री एम० डी० ग्रग्रवाल .	18.
20. श्री एस० एन० श्रीवास्तव 21. श्री टी० के० मुखर्जी 22. श्री वी० एन० मिह 23. श्री नी० एन० मिह 24. श्री के० एस० जसदास 24. श्री के० एस० जसदास 25. श्री एस० पी० दत्ता 26. श्री पा० कोटनाला 26. श्री वा० कोटनाला 27. श्री ग्रार० बी० कोटनाला 28. श्री के० एन० श्रीवास्तव 29. श्री के० एन० श्रीवास्तव 20. श्री के० एन० श्रीवास्तव 21. श्री ग्रार० वी० कोटनाला 22. श्री के० एन० श्रीवास्तव 23. श्री ग्रापाण मिह 24. श्री के० एन० श्रीवास्तव 25. श्री ग्रापाण मिह 26. श्री के० एन० श्रीवास्तव 27. श्री ग्रार० वी० कोटनाला 28. श्री क्रुण्ण चन्द्र निगम 28. श्री के० एन० श्रीवास्तव 29. श्री के० एन० श्रीवास्तव 20. श्री ग्रीपाणाण मिह 20. के० नि० (वायु सेना), देहरादून 21. श्री ग्रूण एन० पांडेय 22. श्री सी० सत्यमूर्ति 23. श्री ग्रीपाण एस० रावत 24. श्री एम० एस० रावत 25. श्री ग्री० श्रीवास्तव 26. श्री जी० वी० सुख्वाराव 27. के० नि० पश्चिमी कमान, पण्डीगढ़ 28. श्री ग्री० स्वाराव 28. श्री ग्री० स्वाराव 29. श्री के० एन० एवर 20. वि० नि० दक्षिणी कमान, पण्डीगढ़ 20. श्री जी० वी० सुख्वाराव 21. श्री एम० एस० रावत 22. श्री ग्री० श्रीवास्तव 23. श्री ग्री० श्रीवास्तव 24. श्री एम० एस० रावत 25. श्री ग्री० श्रीवास्तव 26. श्री जी० वी० सुख्वाराव 27. के० नि० दक्षिणी कमान, पण्णे 28. श्री नि० सान, पण्णे 29. श्री वित्रम सिंह 20. वि० नि० उत्तरी कमान, पण्णे 20. श्री वित्रम सिंह 20. वि० नि० उत्तरी कमान, पम्म् 21. श्री एस० के० राय 22. श्री एस० के० राय 23. श्री ग्री० श्रीवास्तव 24. श्री एम० ए० रवीन्द्रत 25. श्री ग्री० वि० क्रण्णामूर्ति 26. श्री के० कोन्दला राव 27. वि० नि० (श्राय रैंक), मध्य नागपुर 28. श्री ग्री० वि० क्रण्णामूर्ति 28. श्री ग्री० एस० कोन्दला राव 28. श्री ग्री० एस० के० सिंह 29. वि० नि० (श्राय रैंक), दक्षिण मद्रास 20. वि० नि० (श्राय रैंक), दक्षिण मद्रास 20. वि० नि० (श्राय रैंक), दक्षिण मद्रास 20. वि० नि० एस० रैंक), मध्य नागपुर 21. वि० पम० एस० सिंह 21. वि० पम० हळ्णामूर्त	19-4-83			•	19.
21. श्री टी० के० मुखर्जी	19-4-83				20.
22. श्री बी० एन० सिंह	31-5-83				
23. श्री भगवान दास	18-5-83				
24. श्री के० एस० जसदास	27-5-83				
25. श्री एस० पी० दत्ता लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 26. श्री बी० सत्यमूर्ति ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 27. श्री ग्रार० बी० कोटनाला लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 28. श्री कृष्ण चन्द्र निगम ए० ले० नि० णवायु सेना), देहरादून 29. श्री के० एन० श्रीवास्तव ए०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 30. श्री योगपाल सिंह ए०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 31. श्री यू० एन० पांडेय ए०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 32. श्री सी० सत्यमूर्ति लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 33. श्री एम० एस० रावत ए०ले० नि० पश्चिमी कमान, पण्डीगढ़ 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव ए०ले० नि० पश्चिमी कमान, पण्डीगढ़ 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन ए०ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे 36. श्री जी० वी० सुब्बाराव ए०ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे 37. श्री टी० एच० राव ए०ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे 38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी ए०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 40. श्री एम० वीरनारायण ए०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 40. श्री एम० वीरनारायण ए०ले० नि० पुल्य रैंक), मध्य नागपुर 41. श्री एम० के० राय ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 43. श्री जी० वी० कृष्णामूर्ति ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 44. श्री राजमणी सिंह ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 45. श्री प्रदुमन कृष्ण माथुर ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 46. श्री के०कोन्दला राव ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	8-8-83				
26. श्री बी० सत्यमूर्ति ए०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मब्रास 27. श्री ख्रार० बी० कोटनाला लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 28. श्री कृष्ण चन्द्र निगम र०ले० नि० णवायु सेना), देहरादून 29. श्री के० एन० श्रीवास्तव र०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 30. श्री योगपाल सिंह र०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 31. श्री यू० एन० पश्चिय र०ले० नि० (वायु सेना), देहरादून 32. श्री सी० सत्यमूर्ति लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 33. श्री एम० एस० रावत र०ले० नि० पश्चिमी कमान, घण्डीगढ़ 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव र०ले० नि० पश्चिमी कमान, पृणे 35. श्री गी० श्रीरामजन्द्रन र०ले० नि० दक्षिणी कमान, पृणे 36. श्री जी० वी० सुझ्बाराव र०ले० नि० (बायु सेना) देहरादून 38. श्री मदन मोहन ध्रवस्थी र०ले० नि० (बायु सेना) देहरादून 39. श्री दिकम सिंह र०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 40. श्री एम० वीरनारायण र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 41. श्री एम० के० राय र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 43. श्री जी० वी० कृष्णामूर्ति र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 44. श्री राजमणी सिंह र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 45. श्री प्रथम कृष्ण माथुर र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 46. श्री के०कोन्दला राव र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र०ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्त	27-5-83	•			
27. श्री ग्रार० बी० कोटनाला	27-5-83	, , ,			
28. श्री कृष्ण चन्द्र निगम	31-5-83	, ,		•••	
29. श्री के० एन० श्रीवास्तव	30-5-83				
30. श्री योगपाल मिह्	28-5-83				
31. श्री यू० एन० पांडेय 32. श्री सी० सत्यमूर्ति 33. श्री एम० एस० रावत 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन 36. श्री जी० वी० सुब्बाराव 37. श्री टी० एच० राव 38. श्री मदन मोहन ध्रवस्थी 39. श्री बिक्रम सिंह 40. श्री एम० वीरनारायण 41. श्री एस० के० राय 42. श्री एम० ए० रबीन्द्रन 43. श्री जी० वी० कुष्णामूर्ति 44. श्री राजमणी सिंह 45. श्री के० कोन्दला राव 46. श्री के० कोन्दला राव 47. श्री एम० एस० सिंह 48. श्री विक्रम सिंह 49. श्री एम० ए० रबीन्द्रन 40. श्री एम० ए० रबीन्द्रन 41. श्री एम० ए० रबीन्द्रन 42. श्री एम० ए० रबीन्द्रन 43. श्री जो० वी० कुष्णामूर्ति 44. श्री राजमणी सिंह 45. श्री के० कोन्दला राव 46. श्री के० कोन्दला राव 47. श्री एम० एस० सिंह 48. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 48. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 49. श्री एम० एस० सिंह 40. श्री के० कोन्दला राव 41. श्री एम० ए० रबीन्द्रन 42. श्री प्रवुमन कुष्ण माथुर 43. श्री के० कोन्दला राव 44. श्री राजमणी सिंह 45. श्री के० कोन्दला राव 46. श्री के० कोन्दला राव 47. श्री एम० एस० सिंह 48. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 48. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 49. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 40. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 41. श्री एम० एस० सिंह 42. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 43. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 44. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 45. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 46. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 47. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 48. श्री वी० एस० कुष्णामूर्ति 49. विष्य रैक), मध्य नागपुर	19-5-83				
32. श्री सी० सत्यमूर्ति लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज), कलकत्ता 33. श्री एम० एस० रायत र० ले० नि० पिक्सी कमान, घण्डीगढ़ 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव र० ले० नि० पेक्सन), इलाहाबाद 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 36. श्री जी० वी० सुब्बाराव र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 37. श्री टी० एच० राव र० ले० नि० (बायु सेना) देहरादून 38. श्री मदन मोहन ग्रवस्थी र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 39. श्री विक्रम सिंह र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 40. श्री एम० वीरनारायण र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 41. श्री एस० के० राय र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 42. श्री एम० ए० रश्रीन्द्रन र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 43. श्री जी० वी० कृष्णामूर्ति र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 44. श्री राजमणी सिंह र० ले० नि० (श्रान्य रैंक), दक्षिण मद्रास 45. श्री प्रवुमन कृष्ण माथुर र० ले० नि० (ग्रान्य रैंक), दक्षिण मद्रास 46. श्री के० कोन्दला राव र० ले० नि० (ग्रान्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह र० ले० नि० (ग्रान्य रैंक), मध्य नागपुर 88 वी० एस० कृष्णामूर्ति र० ले० नि० (ग्रान्य रैंक), मध्य नागपुर	7-6-83			3	
33. श्री एम० एस० रावत र० ले० नि० पश्चिमी कमान, घण्डीगढ़ 34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव र० ले० नि० पेंजन), इलाहाबाद 35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 36. श्री जी० वी० सुब्बाराव र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पूणे 37. श्री टी० एच० राव र० ले० नि० (वायु सेना) देहरादून 38. श्री मदन मोहन भ्रवस्थी र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 39. श्री विक्रम सिंह र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू 40. श्री एम० वीरनारायण र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 41. श्री एम० के० राय र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), मध्य नागपुर 43. श्री जी० वी० कृष्णामूर्ति र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 44. श्री राजमणी सिंह र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 45. श्री प्रवुमन कृष्ण माथुर र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 46. श्री के० कोन्दला राव र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	27-5-83	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रोज), कलकत्ता		•••	
34. श्री एन० एस० श्रीवास्तव	21-8-83				
35. श्री पी० श्रीरामचन्द्रन	3-12-83	र० ले० नि० पेंशन), इलाहाबाद			34.
37. श्री टी० एच० राव	30-5-83				35.
37. श्री टी० एच० राव	13-6-83	र० ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे		श्री जी० वी० सुब्बाराव	36.
38. श्री मदन मोहन श्रवस्थी	28-6-83	र० ले० नि० (वायु सेना) देहरादून		-	
40. श्री एस० वीरनारायण	13-6-83	र० ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू		श्री मदन मोहन भ्रवस्थी	38.
40. श्री एस० वीरनारायण	16-6-83	र०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू	, .	श्री बिक्रम सिंह	39.
41. श्री एस० के० राय	6-6-83	र० ले० नि० (भ्रन्य रैंक), मध्य नागपुर		-	40.
43. श्री जी० वी० कृष्णामूर्ति . र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 44. श्री राजमणी सिंह . र० ले० नि० (पेशन), इलाहाबाद 45. श्री प्रदुमन कृष्ण माथुर . र० ले० नि० (व्ययु सेना), देहरापूद्न 46. श्री के० कोन्दला राव . र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह . र० ले० नि०, पटना 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति . र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	25-5-83	र० ले० नि०, पटना		· ·	41.
43. श्री जी० वी० कृष्णामूर्ति . र० ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 44. श्री राजमणी सिंह . र० ले० नि० (पेशन), इलाहाबाद 45. श्री प्रदुमन कृष्ण माथुर . र० ले० नि० (व्ययु सेना), देहरापूद्न 46. श्री के० कोन्दला राव . र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह . र० ले० नि०, पटना 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति . र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	30-5-83	र०ले० नि० (भ्रन्य रैंक), मध्य नागपुर			
44. श्री राजमणी सिंह र० ले० नि० (पेंशन), इलाहाबाद 45. श्री प्रदुमन कृष्ण माथुर र० ले० नि० (श्राय सेंग), देहरापूद्न 46. श्री के० कोन्दला राव र० ले० नि० (श्राय रैंक), दक्षिण मद्रास 47. श्री एम० एस० सिंह र० ले० नि०, पटना 48. श्री वी० एस० कृष्णामूर्ति र० ले० नि० (श्रान्य रैंक), मध्य नागपुर	30-5-83				
45. श्री प्रबुमन कृष्ण माथुर	30-5-83	· ·		41	
46. श्री के० कोन्दला रावर० ले० नि० (श्रन्य रैंक), दक्षिण मद्रास47. श्री एम० एस० सिंहर० ले० नि०, पटना48. श्री बी० एस० कृष्णामूर्तिर० ले० नि० (श्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	29-7-83	• • •			
47. श्री एम० एस० सिंह र० ले० नि०,पटना 48. श्री वी० एस० क्रुष्णामूर्ति र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	17-6-83			-	
48. श्री वी० एस० क्रुष्णामूर्ति र० ले० नि० (ग्रन्य रैंक), मध्य नागपुर	30-6-83				
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	30-5-83			· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
and the parties of the second that the second the second that	16-5-83	र०ले० नि० (पेंगन), इलाहाबाद		श्री उजागर सिंह .	49.
50. श्री प्रबोध घोष लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज): कलकत्ता	23-5-83	,		•	
		र० ले० नि० मध्य कमान, मेरठ (एन०बी०श्रार०)			

1	2	3	4
52.	श्री पी० सी० राजबेदी .	. र०ले० नि० (पेंशन) इलाहाबाद	1-6-83
53.	श्री पुरुषोत्तम दास शर्मा .	. र०ले० नि० (बायु सेना) देहरादून	6-6-83
54.	श्री एस० के० गोयल .	. र०ले० नि० (ग्रफसर) पुणे	28-6-83
55.	श्री जय कुमार गोयल	. र०ले० नि० पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़	20-6-83
56.	श्री वेद प्रकाश	. र० ले० नि० (बायु सेना) वेहरादू न	1-6-83
57.	श्री टी० एम० गोपालकृष्णन .	. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	29-6-83
58.	श्रीबी०एल० ग्रोझा	. र०ले० नि० (पेंशन) इलाहाबाद	1-6-83
59.	श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह	. र०ले० नि०पटना	30-6-83
60.	श्री एम० पी० सिंह	. र० ले० नि० पेंशन) इलाहाबाद	17-10-83
61.	श्री कुबेर नाथ	. –यथोपरि	10-6-83
62.	श्री ग्रमर सिंह ग्रार्य	. र०ले० नि० (त्र्रफसर) पुणे	13-6-83
63.	श्री राम फल सिंह	. र०ले० नि० (अफसर) पुणे	29-6-83
64.	श्री देसराज	. र०ले०नि० (अफसर) पुणे	23-7-83
65.	श्री णेरसिंह	. र०ले० नि० (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	22-7-83
66.	श्रो मीताराम	. र०ले० नि० (अन्य रैंक) मध्य नागपुर	11-7-83
67.	श्री मंगल सिंह	. १०ले० नि० उत्तरी कमान, जम्मू	1-7-83
68.	श्री हरीहर हलदर .	. र० ले० नि० (वायु सेना) देहरादून	1-7=83
69.	श्री रती राम	. र०ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	26-8-83
7 0.	श्रो राम राज गुलाब चन्द	. र०ले०नि० (बायु सेना) देहरादून	1-8-83
71.	श्री हरीराम . ,	. र०ले०नि० (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	1-8-83
72.	श्री धोर सिंह	. र०ले० नि० मुख्यालय, नई दिल्ली	5-8-83
73.	श्री गुर प्रसाद कुरील .	. र०ले० नि० पटना	11-8-83
74.	श्री श्रीदास	र०ले०नि० पटना	25-8-83
75.	श्री ज्योति प्रसाद .	. र० ले० नि० पटना	1-9-83
76.	श्रो रामनाथ	. र०ले० नि० पटना	23-8-83
77.	श्री ननकू राम .	र०ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	2-9-83
78.	श्री एन० सरकार .	. लेखानियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-9-83
7 9 .	श्री एम० बी० गदपाल .	. —-यथोपरि	1-9-83
80.	श्री राम सिंह	. लेखा नियंत्रक (फैंक्ट्रीज) कलकत्ता	2-9-83
81.	श्रीपी०एल०मित्रा	. —-यथोपरि	2-9-83
82.	श्रीएम० पी० सिंह .	. र०ले० नि० (अन्य रैंक) मध्य नागपुर	6-9-83
83.	श्री महेन्द्र सिंह	. र०ले० नि० (वायु सेना) देहरादून	5-9-83
84.	श्री फकीर चन्द .	. र०ले०नि० मध्य कमान, मेरठ	3-9-83
85.	श्री राम नारायण (. लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता	1-9-83
86.	श्रो एच० आर० सागर .	. र० ले० नि० (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	5-9-83
87.	श्री मंगल प्रसाव .	. र०ले० नि० (पेंशन) इलाहाबाद	1-9-83
88.	श्री ए० डी० बहादुरे	. र०ले०नि० दक्षिणी कमान, पूणे	1-9-83
89	श्री एस० जे० मोरापगर	. र०ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिणी, मद्रास	1-9-83
90.	श्री जी० राज सिंह .	. र ले० नि० (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ	16-9-83
91.	श्री बी० आर० वाघमारे	. र०ले० नि० (अफसर) पुणे	1-9-83
92.	श्रो बो० आर० काम्बले	. र०ले० नि० दक्षिणी कमान, पुणे	1-9-83
93.	श्री तरसेम लाल .	. र० ले० नि० पश्चिमी कमान, चण्डीगढ़	15-9-83
94.	श्री राम सिंह पाली .	. र०ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	5-9-83
95.	श्री एम० गोपालकृष्णन .	. र०ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	3-10-83
96.	श्री बी० एल० पीपल	. र० ले० नि० मध्य कभान मेरठ	12-10-83
J	श्री विश्व प्रकाश .	. र०ले० नि (पेंशन) इलाहाब्राद	IO GU

1	2			3	4
98.	श्री एस० एस० सिंगल .	,	_ ,	र० ले० नि० पटना	19-10-83
99.	श्रीबी० रंगांदास .			र०ले०नि० (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-10-83
100.	श्री एम० आर० सिंह .	•		र०ले० नि० (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	28-10-83
101.	श्री के० एम० महादेवस्था			र०ले०नि० (अफसर) पुणे	3-10-83
102	श्रीबी० बसव राजू			र०ले०नि० (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	1-10-83
103.	श्रीबाबुलाल .	•		र०ले० नि० दक्षिणी कमान पुणे	4-10-83
104.	श्री एस० सीवन कुट्टी .			र० ले० नि० नौमेना, बम्बई	1-10-83
105.	श्री टी० आर० नटराजन			र०ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-10-83
106.	श्रीसी० देवराजन् .	•		रु० ले० नि० पटना	24-10-83
107.	श्रीजी० एम० वसगम् .			र० ले०नि . (<mark>वा</mark> यु सेना) दे <mark>हरादून</mark>	3-10-83
108.	श्री आर० एन० रायं.			ले० नि० (फैक्ट्रीज) कलकता	28-10-83
109.	श्री बी० पी० योराट	•		र० ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	20-10-83
110.	श्री एम० विजय प्रसाद .	•		र०ले०नि० (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास	1-10-83
111.	श्री ईशवर दयाल .	•		र०ले० नि० मध्य कमान, मेरठ	5-10-83
112.	श्री एम० बी० सोनकुसले			र०ले० नि० (अन्य रैंक) उ त्त र, मेरठ	17-10-83
113.	श्री एस०टी० सोनावणे .	•		र० ले० नि० पटना	16-11-83
114.	श्री पी० जै० जोस	,		र० ले० कि० (अफसर) पृणे	1-10-83
115	श्री बी० एन० बर्मन			र० ले० नि० (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ	28-11-83

ए० के० घोष र० ले० उप महानियंत्रक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110066, दिनांक 29 फरवरी, 1984

सं प्रशा/I/1150/1/जिल्द-'V--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1982 में आयोजित सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित व्यक्तियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन के रूप में उनके नामों के समक्ष दर्शायी गये विनोक से सहर्ष नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम			नियुक्त का
1	2			3
. — <u>, —, —, —, —, —, —, —, —, —, —, —, —, —,</u>				(पूर्वाह्न)
1. श्री	सवित्र प्रसाद .	•		29-08-83
2. श्री	राजबीर सिंह राना			29-08-83
3.%বী	एम० विजया सिन्हा रेड्डी			29-08-83
4. श्री	उपेंद्र साह	-		12-12-83
5. श्री	जगवानंद दास .			13-12-83
6. জুঞ	कोमपेल्ला जानकी			14-12-83
-	राजेंद्र कुमार नायक	•	•	15-12-83
8 श्री	छज्जू राम राना	•	•	15-12-83
9. श्री	जयपाल सिंह .			17-12-83
10 श्री	डी० बाल कुष्ण रेड्डी			15-12-83
	बिपन बिहारी मलिक			21-12-83

1 2	3	
12. श्री राजेंद्र जी० गुलेच्छा	22-12-83	3
13. कु० मंजुला मजुमदा र	. 23-12-8	3
14 श्रीमती सस्वती चक्रवर्ती	. 26-12-8;	3

স্ত্রি-দঙ্গ

सं० प्रणा०/I/1401/4/ — इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रणा/I/1401/4/III दिनांक 14-11-83 में, जो भारतीय रक्षा सेवा के लेखा अधिकारियों की समयमान (एपये 700-1300) में स्थानापन्न के रूप में नियुक्त के बारे में है, निम्नलिखित संशोधन किया गया है:

क्रम सं० 15 के सामने:— 'किस दिनांक से नियुक्ति हुयी हैं' कालम के अन्तर्गत श्री सी० सुर्यनारायणा की दिनांक 2-6-83 के बजाय 11-7-83 पढ़ी जाये।

> वी० एस० जफा रक्षा लेखा अगर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० <mark>ओ० एफ० मुख्यालय सि</mark>धिल सेवा

आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकला~69, दिनांक 1ली मार्च 1984

सं० 6/84/ए०/ई०-1 (एन० जी०)—बार्छक्य निवृति आयु प्राप्त कर, श्री निरंजन गुप्ता राय, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अऊसर (मौलिक एवं स्थायी आणुलिपिक ग्रेड-2 दिनांक 29-2-84 (अपराक्क) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी० आर० अय्यर डी० डी० जी०/कार्मिक कृते महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1984 आयात--निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/22/83 प्रशासन (राज०)/1676—राष्ट्रपति
श्री एस० आई० विपाठी, भारतीय राजस्व सेवा (आयकर)
(जन्मतिथि: 1-6-29) आर्थिक प्रशासन मुधार आयोग के
भूतपूर्व संयुक्त सचिव को 8 फरवरी, 1984 के अपराह्न से आगे
आदेश जारी होने तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय,
नई दिल्ली में अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त
करते हैं।

प्रकाश चन्द जैन मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० 6/432/56-प्रणासन (राज०)/1593--सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, श्री उम्मेद सिंह रावत ने 31 जनवरी, 1984 के अपराह्म से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयास एवं नियित्त (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली के कार्यालय का कार्यभार छाड़ दिया।

> शंकर चन्द उप–मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

उद्योग मंत्रालय श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1984

सं० ए०19018/387/79-प्रणा० (राज०)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के महायक निर्देशक, ग्रेड-1 श्री रणजीत सिंह (यांत्रिकी) को दिनांक 30-1-84 (पूर्वाह) से श्रमले ग्रादेणों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान के श्रधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, तूरा में उपनिदेशक (यांतिकी) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 6 मार्च, 1984

सं० 12(33)/61-प्रमा० (राज०) खण्ड-2-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, ग्रागरा के निदेशक, ग्रेड-2, (यांतिकी) श्री ग्रार० एन० देवा को दिनांक 6-2-1984 (पूर्वाह्र) से ग्रगले श्रादेशों तक, उसी संस्थान में निदेशक, ग्रेड-1 (यांतिकी) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० पुरकायस्थ उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रणासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी, 1983

सं० प्र०-1/1(1156)——निदेशक पूर्ति (वस्न) बम्बई के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक तथा स्थानापन्न रूप से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर कार्य कर रहे श्री टी० वी० पोटे, शारीरिक रूप से असमर्थ होने के कारण दिनांक 12-1-84 के अपराह से अक्षमता पेंशन पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एस० बालासुम्ममणियन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 28 फरवरी 1984

मं 1431बी । ए०-19012 (एल०के०बी०) / 84--19 ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूव वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (डी० थ्रो०) श्री एस० के० बाल को धार्टिस्ट, के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमान्तुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानाप्त्र क्षमता में, प्रागामी आदेश होने तक 1 फरवरी, 1984 के पूर्वाह से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक) **कृते** महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 28फरवरी 1984

सं० 1420बी०/ए०-32014(2-ए० जी०)/79-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भू- भौतिकी) को सहायक भूभौतिकीविद के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं:--

1. श्री दुलाल चन्द्र घोष . 6-1-1984 (पूर्वाह्र)

2. श्री एच० वेनुनादा राव . 12-1-1984 (पूर्वाह) श्रमित कुमारी

निवेशक (कार्मिक)

नागपूर, दिनांक 27 फरवरी, 1984

सं० ए०-19011 (349) / 84-स्था० ए० — कुमारी एस० डब्ल्यू० वादिया, भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड 4 के ग्रधिकारी में पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली में सहायक निदेणक (सांख्यिकी) के पद से कार्यमुक्त होकर भारतीय खान ब्यूरो, नाग-पुर में दिनांक 6 फरवरी 1984 के पूर्वाह्न से सहायक खनिज अर्थ-शास्त्री (सांख्यिकी) का पदभार ग्रहण कर लिया है।

ग्राभाराम कण्यव वरिष्ठ प्रभासन ग्रधिकारी क्ते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

म्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० 4/1/84-एस० दो--महानिवेशक, स्राकाशवाणी, एसद्द्वारा श्री ए० बी० शर्मा, "सरोज" विर्ष्टि हिन्दी स्रनुवादक, अंडमान और निकोबार प्रशासन, सचिवालय, पोर्ट ब्लेयर को प्रतिनियुक्ति पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वितनमान में विनोक 27-1-84 स्रपराह्र से स्राकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर में हिन्दी स्रिधि-कारी के पद पर तदर्थ स्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 मार्च 1984

सं० 1/12/83-एस० दो- महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एनद्द्वारा श्री एम० गननप्रकाणम को मुख्य श्रीभयंता (पिष्चमी क्षेत्र) श्राकाणवाणी, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 13-2-1984 (पूर्वाह्र) मे लेखा श्रीक्षकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं।

मं० 1/12/83-एन०-दो---महानिदेशक, श्राकाणवाणी, एनद्द्वारा श्री एस० के० वसु को मुख्य श्रभियंता (पूर्वी क्षेत्र) श्राकाणवाणी, कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 6-2-84(पूर्वाङ्क) से लेखा श्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

कृषि मंद्रालय

(कृषि भौर सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध भौर संग्रह निदेशासय फरीदाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० 7-33/74-प्रशासन ग्रनुभांग -1(ख)--धनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार इस निदेशालय के ग्रधीनस्थश्री कृषा शंकर, निगरानी ग्रधिकारी, केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, लखनऊ को उनके नाम को ''कृषा शंकर गौतम'' में तत्काल परिवर्तन करने की ग्रनुमति सहर्ष प्रदान करते हैं।

> जै० कृष्णा मुख्य प्रशासनिक प्रधिकारी कृते वनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 1 मार्च 1984

सं० ए० 31014/4/83-प्र० I—निम्नलिखित श्रिधिका-रियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से विपनन एवं निरीक्षण निदेशालय के ग्राधीन सहायक विपणन श्रिधिकारी (वर्ग 1) के स्थायी पद पर मल रूप से नियुक्त किया जाता है।

श्याया पद पर मूल रूप स । नयुक्त । कथा	ગાતા ફ	l
 श्री एन० गमारुद्दीन 	•	31-10-79
2. श्रीपी० ई० थामस .	•	3-11-79
 श्री उमेश कुमार 		21-12-81
4. श्री एस० सी० हल्दी (ग्र० जा०)		29-12-81
5. श्रीएस०पी०सवसैना .		29-12-81
 श्रीमती ग्रनुसुया सिवराजन 		29-12-81
7. श्री एम० सी० बजाज .		29-12-81
8. श्री एस० एस० ग्रार० शर्मा		29-12-81
9. श्रीएम० वी० एस० मूर्ति		29-12-81
10. श्री एस० ग्रार० मुक्ला .		29-12-81
11. डा० शलैन्द्र कुमार .	•	29-12-81
12. श्री ई० मोहन नायडू	,	29-12-81
13 श्री किशन स्वरूप (ग्र० जा०)		29-12 - 81
14. श्री भ्रो०पी० बन्सल .		29-12-81
15. श्रीएन०एच०अब्ज्ञासी .		29-12-81
16. श्री आर०सी० सिंगल .		29-12-81
17. श्री राकेश सक्सैना		14- 5-82
18. श्री एस० एन० सिंह तोमर		15 - 9 - 82
19. श्री सी० बी० भवानी संकरन		15-9-82
20. श्री ए० थामस ग्रोमन		15-9-82
21. श्री एस० सी० सरकार		15-9-82
2.2 श्री वाई० के० पांडे .		15-9-82
2.3. श्री एम० के० सिवानन्दन		15-9-82
24. श्री एन० एल० सिंह .	•	15-9-32
25 श्रीपी० आर० पदमानाभन		15-9-82
2.6. श्रीके०के०विजयन •	•	15-9-82

27. श्री ए० एस० वासनिक (अ० जा०)	15-9-82
28. श्री एस०टी० रजा	21-12-82
29. श्री ए०पी० गोपीनाथनकार्था .	21-12-82
3.0. श्रीएस०एम०भर्ने(अ०जा०) .	21-12-82
31. श्रीटी० के० घोष	21-12-82
32. श्री के० के० एस० सिरोही .	21-12-82
33. श्री बी० एल० वैरागर (अ० जा०)	21-12-82
34. श्री एम० जे० डेविस	21-12-82
35. श्री ए० एच० हरिस	21-12-82
36. श्री आर० के० मीना (अ० जं० जा०)	21-12-82
37. श्री के० रामाराव	21-12-82
38ः डा०टी० सत्यानारायण .	21-12-82
39. श्री ए० ये० वर्मा	21-12-82
40. श्री आर०पी० जायसवाल	21-12-82
41. कुमारी सजनी बतरा	21-12-82
42 श्री के० एम० बाला क्रुप्राान .	21-12-82
43. श्रीसी०एम०तबाने (अ०जा०) .	21-12-82
44. श्री आर० आर० एस० राठौर .	21-12-82
45. श्रीएन० जी० शुकला .	21-12-82
46 श्री लल्लन राय	21-12-82
47. श्री बी०ई० एडबिन	21-12-82
48 श्री रामसागरसिंह	21-12-82
49. श्रीराम शब्द सिंह्	21-12-82
50. श्रीजान जार्ज	19-2-83
51. श्री के०पी० सिंह्	19-2-83
52ः श्रीवी०एन०के०सिन्हा .	19-2-83
53. श्री बी०एम० मेहरोत्रा	19-2-83
54 श्री ए०के०नमबूदिरी .	19-2-83
55. श्रीटी० के०रे	19-2-83
56. श्रीआर०वी० एस०यादव .	19-2-83
57. श्री एस० ए० गमसी	19-2-83
58. श्रीपी०एस०मूर्ति . <u>.</u>	19-2-83

उपरोक्त अधिकारियों का सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर स्थायी होने की नारीख से निचले पद पर उनका ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो, स्वतः ही समाप्त माना जाएगा।

दिनांक 2 मार्च 1984

सं० ए०-19025/34/81-प्र० त०--श्री ज़गपाल सिंह अहलावत द्वारा सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-I) के पद से दिया गया त्याग पत्न दिनांक 14-2-84 में स्वीकृत कर लिया गया है।

गोपाल शरण मुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार सं० ना०ई० स०/का० प्र० 5/2606/1367/159——जब कि यह आरोपिन किया गया कि:

आदेश

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईधन सम्मिश्र

हैवराबाद-500762, दिनांक 9 फरवरी 1984

''श्रनुष्छेद-I—श्री महमूद अली खान जब कि नाभिकीय इँधन सम्मिश्र के समृद्ध पूरेनियम आंक्साइड संयंत्र में कारीगर ''ग' के रूप में सेवारत थे, दिनांक 3-3-1983 से अप्राधिकृत : कार्य से श्रनुपस्थित रह रहे हैं तथा इस प्रकार से केन्द्रीय नागरिक सेवा (श्राचरण) नियम, 1964 के नियम 3 (1) (ii) के अनुसार कदाखरण का कार्य किय।'':

अनुच्छेद-II— समृद्ध यूरेनियम अनिसाइड संयंत्र के कारीगर ''ग'' श्री महमूद अली खान ने कार्य से अनुपस्थित रहते हुए नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए निदेश करते हुए सरकारी संदेश अर्थात्, तार को स्वीकार करने से इनकार करके केन्द्रीय नागरिक सेवा (आधरण) नियम, 1964 के नियम 3 (1) (iii) के अनुसार कदाचरण का कार्य किया;

श्रीर जब कि उक्त श्री महमूद अनी खान को ज्ञापन सं० ना० ई०स० /का० प्र० 5/2606/1367/1613, दिनांक 21-11-1983 द्वारा उनके विरुद्ध आरोप की तथा उनके विरुद्ध की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

ग्रीर जब कि उक्त श्री महमूब अजी खान ने आरोपपत्र नहीं लिया तथा उस अधितरित पत्न को डाक प्राधिकारियों ने इस अभ्युक्ति के साथ लौटा दिया, ''ब्यक्ति बाहर गया हुआ है, पत्न प्रेषक को लौटाया जाता हैं";

श्रीर जब कि यह विचार किया गया कि आरोप की एक जांच करवाई जाए तथा तदनुसार सं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/ 2606/1367/1681, दिनांक 8-12-1983 में दृष्ट अरोशा-नुसार एक जांच अधिकारी नियुक्त किया गया ;

श्रीर जब कि जांच अधिकारी ने ग्रपनी दिनांक 25-1-1984 की रपट प्रम्तुत की जिसमें लिखा कि उक्त श्री महमूद अली खान के जांच में भाग न लेने कारण में एक पक्षीय जांच की गई तथा दोनों ही आरोपों को सिद्ध पाया गया;

ग्रौर जबकि जांच रषट (प्रति संलग्न है) सह मामले के अभिलेखों का सावधानीपूर्वक मनन करने के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी आरोपों को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री महमूद अली ख़ान सेवा में रखने योग्य व्यक्ति नहीं हैं तथा उन पर सेवा से निष्कासन का दंड अधिरोपित किया जाए; प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री महमूद अली खान को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

> जै० ती भारः प्रसाद रासु. उप मुख्य कार्यपालक (प्रणा०)

अतः, अब, केन्द्रीय नागरिक सेवा (नियंत्रण, वर्गीकरण, अपील) नियम 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) के अनुच्छेद (ख) को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेण सं० 2/2/82—सतर्कता, दिनांक 9-5-1983 के साथ संयोजित कर उनमें प्रदत्त अधिकारों का

अनुलग्नक : एक श्री मह्मूव अली खान निवास सं० 3.2.552 चप्पल बाजार हैंदराबाद-500 027

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1984

सं० ए० 32013/5/82-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित संचार अधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेंड में नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:---

ऋम सं०	नाम		वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभारग्रहण करने की तारीख
1	2	-	 . 3	4	5
1. ×		·	 	 वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	25-11-83
2	श्री ऐल० आंर० सिंह		वै० संचार स्टेशन, मब्रास	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	7-12-83
3. 2	श्री एमं० आर० मेठी		वै० संचार स्टेशन, अहमदाबाद	वै० सं० स्टेशन, दिल्ली	30-1-84
4. 8	श्री एम० वी० के० मृति		बै० संचार स्टेशन, बम्बई	बै० सं० स्टेशन, बम्बई	1-12-83

जी०बी०लाल सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1984

सं० ए०-38013/1/84-ई० सी०--वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:---

_		,— <u>—</u> ——————————————————————————————————					
3	ъщ	नाम व पदनाम				स्टेणन	मवानिवृति की तारीख
. 7	र्स०					·	·
		ب سا سا سا سا چې اسا اسا اسا سا سا سا سا سا پېټارسا پسا سا سا مې اسا پېټارسا پي سا مې اسا پې اسا وي. 			_ 		
:	1.	अमूल्य कुमार मुखर्जी, सहायक संचार अधिकारीः				बै० सं० स्टेशन कलकत्ता	31-1-84 (अपराह्न)
	2.	श्री डी० एन० कुन्डू, सहायक संचार अधिकारी 💎				वै० सं० स्टेशन, कलकत्ताः	31-1-84 (अपराह्न.)
		श्री एस० के० नन्दी, सहायक संचार अधिकारी	. •	•	•	वै० सं० स्टेशन कलकत्ता	3 1-1-84 (अपराह्न)

विनांक 24 फरवरी 1984

सं० ए० 38013/3/83-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री टी० जी० नायर, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, मंगलौर ने 1 फरवरी 1984 (अपराक्त) से मूल नियम 56(के) प्रावधानों के अधीन सेवा निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> जी० बी० लाल सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1984

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधीक्षकों की प्रशासिनिक अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अवधि तक और जारी रखने की अनुमित प्रदान की है:—

ऋम'० सं ०	नाम				तैनाती स्टेशन		के रूप में तदर्थ आधार की अनुमोदित अवधि
1.	श्री ओ० एन० सहीरे	-			विमान क्षेत्र अधिकारी, सफदरजंग	23-12-83	22-6-84
2.	श्री जी०एन० मेहरोत्रा				ना० वि० प्र० के०, इलाहाबाद	30-12-83	29-6-84
3.	श्री एस० एन० शर्मा .				क्षेत्रीय निवेशक, दिल्ली	1-2-84	29-2-84
4.	श्रीजी० बालन	. /	,		क्षेत्रीय निवेशक, मद्रास	19-2-84	18-8-84

ठाकुर पत्त विशेष कार्य अधिकारी

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय वेहरादून, दिनांक 27 फरवरी, 1984

सं० क० 16/414/83-स्थापना-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, डा० सैयद इरफान अहमद, अनुसंधान सहायक (प्रथम), वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को 5-12-83 पूर्वाह्म से भ्रगले श्रादेशों तक वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय के अन्तर्गत, वन अनुसंधान केन्द्र, बर्निहाट (असम) में ह० 650-1200 के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी के पद सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० एस० ग्रोबर उपकुस सचिव, वन अनसंधान संस्थान एवं महाविद्यासय

सीमा गुल्क, उत्पादन गुल्क तथा
स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण
नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1984

सं० 7/सी० शु० उ० स्व० अ० अ०/83—श्री पी० जी० बाखम, जो कि पहले सीमा शुल्क उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर कार्य कर रहे थे, ने 20 फरवरी, 1984 पूर्वाह्न से वेतनमान ६० 650-1200 तथा 75 रुपये के विशेष वेतन प्रति मास पर तकनीकी अधिकारी सीमा शुल्क उत्पादन शुल्क, तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील, अधिकरण, बम्बई के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एफ० एस० गिल अध्यक्ष

नौबहन भ्रौर परिवहन मंत्रालय नौबहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 3 मार्थ 1984

सं० 11-टी० आर० (1)/84---भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण, कलकत्ता के प्रणासी अधिकारी श्री टी० एन० सरकार को तारीख 27-1-1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रणिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में, प्रतिनियुक्ति पर, उसी हैसियत में नियुक्त किया गया है।

अभिताभ चन्द्र नौवहन उप-महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1984

सं० ए०-32012/1/84-स्था० 5—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित तदर्थ स्थानापन्न अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (सिविल/यांत्रिकी) को केन्द्रीय जल आयोग में उसी ग्रेड में तथा ४० 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 26 दिसम्बर, 1983 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्रीटी॰ कन्नन।
- 2. श्रीबी०सी० गुप्ता।
- 3. श्री जी० एल० दुदानी।
- श्री एस० श्रीनिवासन।
- श्री एस० के० क्षत्री।
- 2. उपरोक्त अधिकारी उपरोक्त तिथि से दो वर्ष तक केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में परिवीक्षा पर रहेंगे।

3. उपरोक्स अधिकारियों की पदोन्नित माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लिम्बित 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (अब्ल्यु०) के परिणाम के अध्यक्षीन है।

सं० ए०--32012/1/84-स्था०5--विभागीय पदोस्तति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री जगन्नाथन एम०, डिप्लोमा होल्डर पर्यवेक्षक, जो कि राष्ट्रीय जल विकास एजेन्सी में महायक इंजीनियर के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं तथा जो प्रतिनियुक्ति बाह्य सेवा से संवर्गबाह्य पद पर रहते हुए अगले निम्न नियम की सभी शर्ती को पूर्ण करते हैं, को उनकी अनुपस्थित में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमना में 26 दिसम्बर, 1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री जगन्नाथन एम० अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 26-12-1983 से दो वर्ष तक परिवीक्षा, पर रहेंगे।
- उपरोक्त अधिकारी की पदोन्नित माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित 1980 के सिविल नियम संख्या 10823 (उब्ल्यू०) के परिणाम के अध्याधीन है।

सं० ए०-32012/1/84-स्था०5-विभागीय पदोन्नित सिमिति की सिकारिकों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री एम० एन० गूंडू राव, स्नातक पयंवेक्षक, जोकि प्रतिनियुक्ति पर वापकोस (भारत) लि० में सर्वेक्षण के पद पर कार्यरत है स्नौर प्रतिनियुक्ति/बाह्य सेवा से संवर्गवाह्य पद पर अगले निम्न नियम की सभी कार्ती की पूर्ण करते हैं, को अतिरिक्त सहायक निदेणक/ सहायक इंजीनियर के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, उनकी अनुपस्थिति में, स्थानापन्न क्षमता में 26 दिसम्बर, 1983 पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री एम० एन० गूडू राव अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 26-12-1983 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष तक के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।
- 3. उपरोक्त अधिकारी की पदोक्षति माननीय उच्च न्यायालय, फलकत्ता में लिम्बत 1980 के सिविल नियम संख्या 10823 (डब्ल्यू) के परिणाम के अध्यधीन है।

डी० कुष्णा अवर सचिव कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग निर्माण महानिदेशालय शुद्धिपत्न

नई दिल्ली विनांक, फरशरी 1984

विषय:--- श्री पी० एम० महत्ता, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) की दिनांक 31-7-83 (अपराह्म) से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के बारे में अधिसूचना जारी करना—-णुद्धि के बारे में

मं० 27/ई०/एम०(28)/69-ई० सी०-2-अधोहस्ताक्षरी को इस कार्यालय के दिनांक 26-7-83 की अधिसूचना सं० 27-ई०/एम०(28)/69-ई० मी०-2 का मंदर्भ देने ग्रीर यह बताने का निदेश हुआ है कि अधिसूचना की उपान्तिम पंक्ति में उल्लिखित नियम ''समय-समय पर मंशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंगन) नियमावली, 1972 के नियम 48-ए० के अधीन के बजाए'' 'समय-समय पर संशोधित मूल नियमावली के नियम 56 (के) के अधीन'' पढ़ा जाए)।

मिन मोइन दास प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 29 फरवरी 1984

सं० 1/451/69-ई० सी०-9-इस विभाग के तकनीकी अधिकारी, श्री पी० डी० यादव वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर 29-2-84 (अपराह्म) बुधवार की सरकारी सेवा से निवृत्त हो रहे हैं।

पृथ्वी पाल सिंह प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय ग्रौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग,) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर चीरन एपद कम्पनी प्रास्त्रेट

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर चीरन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन विनांक 25 फरवरी 1984

सं० 2802/लिक्वि/560(3)/2037/84—कम्पनी
अधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण
में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
अवसान पर चारन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया
जाएगा और उक्स कम्पनी विघटित कर दी आएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर पट्टाबी साँ मिल्स लिमिटेड के विषय में।

कोचीन विनांक 28 फरवरी 1984

सं० 1608 लिक्बि/560(5)/2050/84—कम्पती अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि पट्टाबी सॉ मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पॅनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर मिथिला बूलन मिल्स लिमिटेड के विषय में :---

पटनां-800001, दिनांक 2 मार्च 1984

1206/47/560/480—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मिथिला बूलन मिल्स लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर इनलैन्ड वेसेल्स मैन्युफैक्चरर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांकः 2 मार्च 1984

सं 1342/50/560/481/---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि इनलैन्ड वेसेल्स मैन्युफैक्चर्स प्राध्वेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर कालबेन (इन्डिया) लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 2 मार्च 1984

संव 1352/28/560/482—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कालवेन (इन्डिया) लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर पुष्पांजली इन्वेस्टमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 2 मार्च 1984

सं० 1380/16/560/483—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एत्द्द्वारा सूचना दी जाती है कि पुष्पांजली इन्वेस्टमेन्ट प्राइवेट लि० का नाम भ्राज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर साभरवाल बदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 2 मार्च 1984

सं० 1390/12/560/484—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना की जाती है कि साभरवाल बदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम् 1956 ग्रीर विहार क्रोमेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 2 मार्च 1984

सं० 1403/49/560/485—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण सें एतव्हारा सूचना वी जाती है कि बिहार कोमेट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० वहाब अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और लातुर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1984

सं० 659/16312/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लातुर कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

श्रो०पी०जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बस्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं काट सिल्क अपरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

सं० 2014/टी॰ए॰ III 560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर काट सिल्क अपरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं आंध्र प्रदेश टेक्नोकाटस इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

सं० 1395/टी॰ए॰ III /560---कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आंध्र प्रदेश टेक्नोकाटस इंडस्ट्रीयल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण विशित न किया गया तो रिजस्टर से फाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विभाका मूबीस लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 5 मार्च 1984

सं० 896/टी॰ए॰ III /560--कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना

दी जानी है कि इस नारीख से तीन माह के अवसान पर विशाका मूबीस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कस्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> वी० यस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कार्यालय आयकर आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 18 फरवरी 1984 आदेश

सं० 72--अब्रयांकित आयकर अधिकारी की पुष्टि आयकर अधिकारी, वर्ग-II के रूप में उनके नाम के सामने स्तम्भ संख्या ं 3 में अंकित तिथि से हुई है।

ऋम०सं०	आय हर अधिकारी का नाम, पदनाम और कार्यरत स्थान	पुष्टि की तिथि	रिक्त कैसे हुई ?
(1)	(2)	(3)	(4)
	र०पी ० मी ० क्षेत्रर रात्र, आ० अ०ए-बार्ड, वेतन किल, हैदरासाद ।	1-7-83	श्रो जी० अमा महेश्वर राव, आ० अ० केसेवानिवृक्त होनेसे।
	राधा कृष्ण मूर्ति, आ० अ० (आ० ले० और मु० प०) आयक्रर आयुक्त, हैवराबाद।	1-12-83	श्री एन० मौरिराजन, आ० अ० श्रेणी-1 के सेवा निवृत्त होने से (आ० अ० श्रेणी-2 में पुष्टीकृत) ।
3.श्रोपो∘	िसिंगा राव, आ० अ० एच-वार्ड, विजयवाड़ा .	1-12-83	श्री ऐे० डी० प्रवर्धन राव, आ० अ०के सेवा निवृत्त होने से।
4 श्रोडो०	o वें हट णास्त्री, आ० अ० बी०-वार्ड, तेनाली	1-1-84	श्री ओ० गोपालङ्गष्ण मूर्ति, आ० अ० श्रेणी-1 के सेवा निवृत्त होने से (आ०अ० श्रेणी-2 में पुष्टीकृत)।
5. श्रीकें	நुडग राव, आ० अ० सो-घाडँ, सिकल-2 का किनाडा	1-2-84	श्री बी० गोपाल राज, आ० अ० श्रेणी-2 के सेवा निवल होने से।

पूर्ण कर निवि पार्थ निथि में आशोधन योग्य है, यदि ऐसा करना आवश्यक समझा जाए।

एस॰ रामस्वामी आयकर आयुक्त आन्ध्र प्रवेश-1, हैदराबाद प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देण सं० ग्राईएमी/एसीक्यू/31/13/83-84-ग्रतः मुझे, एम० सी० जोशी,

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य और जिसकी फ्लैट नं० 3, निग नं० 13 है, जो कैम्प एरिया, अमरावती में स्थित है (और उसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ण प्रधिकारी के कार्यालय अमरावती में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-6-1983

की प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिनिष्ठित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उप्तत जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, प्रधीत् :--- (1) श्री श्रनिल कुमार णंकररावजी पाटिल (भाम्बुर-कर), श्रमरावती ।

(ग्रन्तरक)

(1) मैं कर्ब इनवेस्टमेंट कारपोरेशन पार्टनर—शमे-श्वर रतनलाल कर्वा, अमरावती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हूँ।

जन्त्रची

फ्लैट नं० 3, जिसका नझुल मिट नं० 13 है फ्रीर जो कैम्प एरिया भ्रमरावती में स्थित है। जिसका एरिया कुल 5187 स्के० फीट है।

> एम० मी० जोशी सक्षम प्राधिकारी. सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपूर

दनीक: 4-2-1984

मोहरु 🖫

प्ररूप कार्षः, टी., एन्., एस.,-=---

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुबना

भारत तरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त शायुक्त (निडिक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 फरवरी 1984 निदेश सं० ग्रम्बाला/30/8-84--श्रतः मुझे, श्रार० के० यानाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० रिह।पशी मकान 525 व० ग० है तथा जो श्रम्बाला गहर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिखित उव्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अंबरण से हुई किसी आयुकी बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निष्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :— 3 —516GI/83 (1) श्री लिलिस मेहरा पुत श्री देवेन्द्र नाथ मेहरा पूत मेहर चन्द्र नि० बी-170 श्रणोक नगर, गाजियाबाद (उ० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रणधीर सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह पुत्र श्री मुन्त्री राम, फील्ड ग्राफिसर, इफको, ग्रम्बाला शहर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्विस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्यव्होकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्म जी

सम्पत्ति रिहायगी मकान 525 व० ग० ग्रम्बाला गहर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 2054 दिनांक 16-6-1983 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 16-2-1984

मोहुद् 🛭

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 16 फरवरी 1984

ं निदेश सं० सोनीपत /6-83--84---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 34 बीघे 16 बिस्चे है तथा जो पट्टी मुसलमानान सोनीपत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1983

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण मिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कीं बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय, जायकर जिथिनियम, '1922 (1922 का 11) या उनत जिथिनियम, या धन-कर जीविनियम, या धन-कर जीविनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, जियाने में जुनिया के दिवस:

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ्रः

(1) सर्वश्री हरबन्त सिंह पुत्र प्यारा सिंह पुत्र तारा सिंह द्वारा रिछपाल सिंह पुत्र हरबन्स सिंह नि० माङल टाउन, करनाल (2) कुलबन्त सिंह, (3) हरभजन सिंह (4) त्रिलोचन सिंह (5) प्रीतम सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र प्यारा सिंह नि० नेहरु पार्क, जोधपुर, (6) नौनि-हाल सिंह (7) जसविन्दर पाल सिंह (8) सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्रान हरबरण सिंह पुत्र प्यारा सिंह नि० माङल टाउन, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

2 (1) महाबीर प्रसाद पुत विशम्बर दास पुत इंशरी प्रसाद (2) शांता जैन पत्नी महाबीर प्रसाद पुत्र बिशस्बर दास (3) जिनेन्द्र कुमार पुत्र महाबीर प्रसाद पुत्र बिशम्बर दास (5) स्वदेश कुमार परिन जिनेन्द्र कुमार पुस्न महाबीर प्रसाद (5) कमल नयनी पुत्नी महाबीर प्रसाद पुत्र बिशम्बर दास (6) धनपाल सिंह पुत्र श्रनुप सिंह पुत्र मंगत राय (7) बलवन्स राय (8) विनोद कुमार पुत्रान धनपाल सिंह पुत श्रनूप सिंह (9) शशि कान्त परिन धन पाल सिंह पुत्र ग्रनूप सिंह (10) रेखा जैन पहिन विनोद कुमार पुत्र धनपाल सिंह (11) विजय कुमार पुत्र महेन्द्र पाल पुत्र अनूप सिंह (12) मन्जु जैन पत्नि विजय कुमार पुत्र महेंद्र पाल (13) प्रेम चन्द पुत्र दलीप सिंह पुत्र मुन्शी लाल (14) कैलाश भूषण (15) विजय भूषण (16) जयवन्त भूषण (17)मुकेश भूषण पुन्न प्रेम चन्द पुत्र दलीप सिंह (18) कमलेश पत्नि जैवन्त भूषण पुत्र प्रेम चन्द (19) नंशी जैन पत्नि मुकेश भूषण पुत्र प्रेम चन्द (20) श्री भ्रोम जैन पुत्र सुन्दर लाल पुत्र गरीबू मल (21) राकेश कुमार (22) मुकेश कुमार पुत्रान श्रीपाल पुत्र सुन्दर लाल (23) शांति देवी पत्नि श्री पाल पुत्र सुन्दर लाल (24) विपिन कुमार पुत्र शाम सरूप पुत्र विशन सरूप (25) मीला रानी परिन माम स्वरूप पुत्र विमान सरूप (26) उषा रानी पुत्री शाम सरूप पुत्र विशन सरूप (27) हुक्म चन्द पुन्न छोटे लाल जैन (28) पवन कुमार पुत्र तदमसैन पुत्र जुगमन्दरदास (29) सरिता जैन पहिन जगीश राय पुत्र देवी चन्द (30) सुभाष चन्द पुत्र चतरसैन पुत्र रती राम (31) मिसरी देवी पत्नि धन्ना राम पुत्र देवी चन्द (32) कस्तूरी देवी पहिन देवी चन्द पुत्र इन्बराज मल (33) धन्ना राम पुत्र देवी चन्द पुत्र इन्दराज मल (34) सतपाल सचदेवा पुत्र राम सहाय पुत्र मेहर चन्द (35) मुकेश पाल (36) स्नेष्ट् पाल पुत्रान सतपाल सचदेवा पुत्र राम सहाय (37) पूनम सचदेवा पत्नि मुकेश सचदेवा (38) एस० पी० सचदेवा एंड सन्स, एच० यू० एफ० द्वारा सत्तपाल सचदेवा पुत्र राम सहाय नि० सोनीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतितृ के मूर्जन् के सिद् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

(क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वे कि क्ष्मिक्त होती हो, के भीतुर पूर्वे कि क्ष्मिक्त होती का कि का कि

(क) इस सुकान को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों द्वित-बृह्भ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताक्षद्री के पास विवित्त मों किए या सकींगे।

रक्कीकरूण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो उक्त अधित्वम् के अध्याय 20-क में परिभावित इं, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुसुची

सम्पत्ति भूमि 34 बीध 16 बिस्वे पट्टी मुसलमानान, सोनी पत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय सोनीपत में, रजिस्ट्री संख्या 2163 दिनांक 30-6-83 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

विनांक: 16-2-1984

मोहर 🕄

प्ररूप भार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत सुरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भोर जिसकी सं० गोदाम एम० सी० नं० 935 है तथा जो पुरानी मम्डी, करनाल में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अप्रीहए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री भ्रवनाण चन्द्र पुत्र श्री सरवारी लाल पुत्र श्री श्री ठाकुर दास नि० म० नं० 4, ब्रुवणीर चन्द कालोनी, करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बेनी प्रसाद पुत्र श्री भोलर मल वैश्य, नि० कोठी नं० 9, चमन गार्डन निकट स्टैंट बैंक श्राफ पटियाला, रेलवे रोड, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

सम्पति गोदाम एम० सी० नं० 935 पुरानी मन्धी; करनाल में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्द्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 1623 दिनांक 8-6-83 पर विया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 16-2-1984

मोहर :

प्रकल बाह्री, टोंं एना एसेंड ५ ० ० ०००

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सुचना

भारत सहकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

म्ममृतंसर, दिनांक 6 फरवरी 1984

निर्वेश सं० एएसम्रार/83-84/299—श्रतः मुझे, सी० एस० काहलों भाई० भ्रार० एस०

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रा. से मिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक जायवाद है

तथा जो बसन्त एवेन्यू ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ती में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्श्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण हे हुई कि:सी जाव की बाबता, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे जचने में स्विधा के तिल्ए जाँद्व/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा नन्य भास्तिवों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविद्य व्यक्तियमों, अर्थात् हु---

- (1) श्रीमित श्रजीत कौर विध्वा मंगत सिंह श्रानन्द 108 बसन्त एवेन्यू श्रमृतसर श्राप श्रीर जनरल ग्रटारनी श्रीमित कुलवीप कौर श्रीमित हरमीत कौर पुनियां मंगत सिंह 106 बसंत एवेन्यू श्रमृतसर (श्रन्सरक)
- (2) डा॰ ध्रमरजीत सिंह पुल मंगल सिंह 106 बसेत एवेन्यू, अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भीर कोई (यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वाय अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 200 व० ग० जो बसंत एवेन्यू श्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2908 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृत-सर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, श्रमृतसर

विनांक : 6-2**-**1984

सोहर 🤈

प्ररूप बाह्ये हो हो एक है ऐसे हैं ५----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, प्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1984 निवेश सं० एएसग्रार/83-84/300--ग्रतः मुझे, मी० एस० काहलो ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो जी० टी० रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित् की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहशमान प्रतिफल से, एसे रहशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रति-फल निम्नसिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

भतः जब उक्त जिथिनियम कौ भाग 269-ग कै जनुसरण मों, मैं, उच्चत अधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित निरन्दर कौर पुत्नी करतार सिंह चौक पराग-वास श्रम्तसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चरन दास पुत्र देस राज, हार्डीसग बोर्ड कालोनी गरीन एवेन्यू; भ्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई रिश्तेषार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति को नुर्वन को निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के मुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्त्वज्वन्थी व्यक्तियों पूर त्चना की तानीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हि एवस्प् किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड निवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तोकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्तों का, को उक्छ, निधिनयम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

समस्यों

एक भूमि का प्लाट जो जी० टी० रोड निकट मयूर होटल प्रमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 3562/15-6-1983 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, ग्रमुतसर

दिनांक: 13-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप **वार्**. टी., एन<u>.</u> एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० एएसभ्रार/83-84/301---ग्रतः मुझे, सी० एस० काहलों भ्राई० भ्रार० एस०

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक आयदाद है तथा जो विजय नगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल निम्मसिखित उष्दिस्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) निरायण से सूद्र किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने वा उससे क्यने में सूबिशा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औं लिए।

अतः अन, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री श्रमृत मोहन शर्मा पुत्र रघु नाथ सहाय 187 श्रजीत नगर, श्रमृतसर।

(भन्तरक)

- (2) श्रीमित कृष्णा पहिन बालकृष्ण महाजन वासी 2/एस, गली सूबेदारां हाथी गेट, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 🏗 --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद 142 थ० गज जो गली नं० 2 विजय नगर भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 4062/22-6-83 रिजस्ट्री-कर्ता श्रीघकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज,श्रमृतसर

दिनांक : 6-2-1984

मोहर 🌣

इक्ष् वार्<u>द</u>ेटी...एत्.. एत्...-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-नु (1) के नधीन सूचना

भारत बंदकार

कार्यास्य , सङ्घायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, विनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं० एएसम्रार/83-84/302-मृतः मुझे, सी० ए० काहलों, म्राई० म्रार० एस०

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसने परवात् 'उनत निर्धानयम' कहा गया है), की पारा 269-व के निर्धान सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से निर्धक है

प्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाहर भगतांत्राला, प्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल निम्निति उद्देश्य से उसते अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शिवत्य में कमी करने या उससे व्यन्ते में सृद्धि। के किए; श्रीट/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा वो निए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निस्नीरिसचित अधीनत्यों हु अभीत् ह—

- (1) श्री किशन सिंह पुत्र हुकम सिंह गांव मूल चक तह-सील व जिला भ्रमृतसर । (भ्रस्तरक)
- (2) श्री गुरवीप सिंह महिंदर सिंह पुत्रान प्यारा सिंह 19-20 संत नगर, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के ज़िल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

जनत् संपर्ति के वर्षन् के संबंध् में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकने।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उत् वृध्याय में दिवा प्रवाही।

अगस जी

एक जायदाद 1462 वं० गं० जो गांव मूल चक ध्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3886/17-6-1983 रिजस्ट्री-कर्ना श्रिधकारी श्रवृतसर में वर्ज है।

सी० एस० काहलों, ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेंज, ग्रमृतसर

विमान : 3-2-1984

सोहरू 🛭

प्रक्म बाइ . टी. एन . यह . -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43), की वारा 269-व (1) के नुषीन सूचना

BIZO SZANI

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 फरवरी 1984

निदेश सं० एएसम्रार/83-84/303---म्रतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० म्रार० एस०

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० एक जायबाद खानकोट है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूं भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पस्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादिस्य में कनी करने मा उसने मुन्ने में सृद्धि। के लिए; बीर/मा
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-अन्द अधिनियम, या वन-अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्व बन्तदिती बुवारा प्रकट नहीं किया थना था वा किया वाना आहिए वा, कियाने के तृतिथा के निए;

जक्ष : जब , उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरज में , में उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अभीम , निम्निल्जित व्यक्तियों अर्थात् ८—

- (1) श्री प्रीतम कुमार, किशान कुमार पुत्राम हरबंस लाता गांव सुलतान विंड तहसील व जिला श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कुलबन्त कौर पहिन प्रीतम सिंह 67 इस्ट मोहन नगर, ग्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- 3 ् जैसा कि उत्पर नं ु 2 में कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के मुर्चन के सम्बन्ध में कोड् भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इत स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्द्ध किसी नन्य स्थावत स्वारा, नथोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

एक जायदाद 1305 व० ग० जो निकट गांव खानकोट, जी० टी० रोड भ्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 4005/ 20-6-1983 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भ्रमृतसर में धर्ज है।

> सी० एस० काहलों, ग्राई० ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 2-2-1984

मोहर 🕄

वक्ष बाहील होते प्रस्तु प्रस्तु नगरस्याय

भायकार जीभीत्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के स्थीन सूचना

शारद ब्रुक्ट

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1984

निवेश सं० एएसग्रार/83-84/304--श्रनः मुझे, सी० एस० काहलों, ग्राई० ग्रार० एस०

नावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभीनय्न' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य हो कम के स्वयमान प्रतिकल को लिए बन्तरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकष का पंत्रह प्रतिस्त से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भय-कर अधिनियम, या भय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती एवारा प्रकट नहीं फिया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

- (1) श्री बेद प्रकाश पुत्र पूरम चन्द कटड़ा आहुलूवालिया ग्राप श्रीर जनरल भटारनी मैं रमेश एंड कंपनी श्रीर श्री राम रखा मल श्रीर श्री राम लाल। (श्रन्सरक)
- (2) श्रीमिति संतोश रानी पित्न धरम पाल पुन्न निहाल चंद वासी कटड़ा परजा कूचा नाइयां श्रमृतसर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर सं० 2 में है ^{*}(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि त्रह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

स्त्रे बहु बहुषता थाडी कड़के पूर्वा कत सम्मृतित के वर्षत् के दिवय कार्यवादियां करता हुं।

उक्त कम्दित् के वर्षय् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षयः →

- (क) इत् त्यूना के रावपन में प्रकादन की राष्ट्रीय से 45 दिन की जबाधि या तत्त्वस्थान्थी क्यां कर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिंध, यो भी अवश्रेष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी स्थानित स्वारा;
- (च) इब सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पृत्ति में हित्बद्ध किसी मृत्य व्यक्ति प्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वृद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भूर पर्वों का, थी उक्त विधित्वत, के कथान 20-क में प्रिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मुका हाँ 18

नमसर्ची

1/4 भाग जायदाद जो न्यू गारङन कालोनी सरकुलर रोङ श्रमृतसर में है जैसा मेल डीइ नं० 2924/2-6-1983 रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> सी० एम० काहलों, श्राई० ग्रार० एम०, सक्षम द्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक : 6-2-1984

मोहर :

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 6 फरवरी 1984

निदेश सं० एएसम्रार/83-84/305---म्रतः मुझे, सी० एस० काहलों, श्राई० म्रार० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो न्यू गारडन कालोनी श्रमृतसर, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुर्व किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या दिल्ली धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द कटड़ा श्राहलूबालिया ग्राप श्रीर जनरल ग्रटारनी मै० रमेश एंड कंपनी श्रीर श्री राम रखा मल श्रीर श्री राम लाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री धरम पाल पुत्र निहाल चन्द वासी कटड़ा परजा कूचा नाइयो, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रांर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई" भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत् व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो न्यू गारङन कालोनी सरकुलर रोड ध्रमृतसर में है जैसा सेल ड़ीड नं० 3373/15-6-83 रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी ध्रमृतसर में दर्ज है।

मी० एस० काहलों. श्राई० भ्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

दिनांक: 6-2-1984

मोहर:

प्रकृत आहु . दी . एन् . एव . -----

बावफर माधिनियम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वप्रयांत्रय, स**हायक कायकर बायुक्त (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज,ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1984

निदेश सं० एएसग्रार/83-84/306--- प्रतः मुझे, सी० एस० काहलीं भ्राई० श्रार० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो न्यू गारडन कालोनी अमृतसर में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण हिखित में बास्तिक रूप से कथित गहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की वाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः, ज्वा, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग की जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित स्वृक्तियों, जर्मात् ः—

- (1) श्री वेद प्रकाण पुत्न पूरन चन्द कटड़ा म्राहलूबा-लिया भ्राप भौर जनरल भ्रटारनी मै० रमेश एंड कंपनी भौर श्री राम रखा मल भौर श्री राम लाल (भ्रन्तरक)
- (2) श्री हरजीत पाल पुत्र श्री धरम पाल वासी कटड़ा परजा कूचा नाइयां श्रमृतसर (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना चादी करके पूर्वोक्त स्म्मित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज सं 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खुंधी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गैम्पित में हित- बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग जायदाद जो न्यू गारडन कालोनी सरकुलर रोड ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 3372/15-6-1983 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, श्राई० ध्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांभ : 6-2-1984

मोहर 🖫

प्रकृत कार्यं हो . पुर्व , पुर्व ,

भावकर विभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भं (1) के मधीन सूचना

भाउत चंडकाड

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृक्षसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 फरवरी 1984

निदेश सं० ए एस श्रार/83~84/307—श्रतः मुझे, सी० एस० काहलों श्राई० श्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उथत विधिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो न्यू गारडन कालोनी म्रम्तसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावत म्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय म्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्सह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्मीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बलारण वे हुई किसी बाव की वावत , उक्क बीधीनवस्के बधीन कर दोने के जलारक के दावित्व में कसी करने या जबसे वचने में तृतिशा के सिए; बीट/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रश्नद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जन, उपत गीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

- (1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द कटड़ा धाह्लूबा-लिया आप और जनरल श्रटारनी मैं० रमेश एण्ड कं० श्री राम रखा मल और श्री राम लाल। (श्रन्सरक)
- (2) श्री मलिक राम पुत्र निहाल चन्द वासी 3082/ 12 कटड़ा परजा कूचा नाइयां प्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रोर कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन सची

1/4 भाग जायदाथ जो न्यू गारखन कालोनी सरकुलर रोड श्रमुतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2925/2-6-1983 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, भ्राई० ग्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरौक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

विनांक : 6-2-1984

मोहर 🗈

प्ररूप नार्ह्य दी, एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० ए एस श्रार/83-84/308--श्रतः मुझे, सी० एस० काहलों श्राई० श्रार० एस०

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जसकी सं० एक जायदाद जेल रोड अमृतसर है तथा जो अमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बंतरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अभ, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) को अभीना, निक्तिलिकित स्पिक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरजीत सिंह तेजिन्द्र सिंह पुत्रान श्री कृपाल सिंह श्रीमित जितन्द्र कौर पित्न श्री सुरजीत सिंह श्रीमित मीना पत्नी श्री तेजिन्द्र सिंह वासी धाव बस्ती राम श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश सिंह पुत्र श्री ध्यान चन्द कोठी नं० 6 पुरानी जेल रोड, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है। (बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीरकोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

एक जायवाद जेल रोड श्रमृतसर सेल डीड नं० 3583 तिथि 15-6-1983

> सी० एस० काहलों, ग्राई० ग्रार० प्एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

ं विनांक 13-2-1984 मोहरः∷

त्ररूप वाद<u>ौ</u>.टी..एन<u>..</u>एस...------

आयकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की आहर। 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पो० नं० 5199—अत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-ब्रिशियम के अधीन के देने के अन्तर्क के दायिश्व में कमी करने वा उसरे वजने में सुविद्या के लिए, बीए/या
- (ख) ऐसी किसी भाग का किसी धन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतोर भायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर श्रिष्ठित्यम, 1957 (1937 का 27) के भूगोजनार्थ अन्यास्ति द्वारा भक्त नहीं किया गया मा या किया जाना चाहिए का कियाने में मुखिधा के लिए।

जतः वस, उस्त जीभीगृबन की भारा 269-न के जनसरक मों, मीं, उक्त जिम्मिनयम की भारा 269-में की उपधारा (1) के जधीन, निम्मिलिसत व्यक्तियों, अर्थास्:— (1) श्रीमित सुखदीप कौर पत्नी कैप्टन शिवदेव सिंह मारफत एस आर० भटिखा।

(अन्तरक)

(2) श्रोमित सुरजीत कौर पत्नी कैप्टन सरूप सिंह प्रमिन्द्र सिंह पुत्र कैप्टन सरूप सिंह मारफत एस० आर० भटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इप सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन की सबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1469 विनांक जून 1983 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 16-2-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5200——अतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में सिखा है तथा जो गांव निहानवाला जिला भटिंडा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गीई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जगजीत सिंह पृत्र करम सिंह गांव निहान वाला ।

(अन्तरक)

(2) श्री दलवार सिंह पुत्र वचन सिंह गोनियान मन्डी जिला भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रु**षी** रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस तूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकींगे।

स्यक्कीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 1494 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल०गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, जालन्धर

विनांक: 16-2-1984

मोहर:

शक्य बाह⁴ंटी. एन . एस . ------

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्भान

शारक संद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फंरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5201—अतः मुझे,जे० एल० जिल्हार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित् बाजार मृस्म 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के श्रम्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके श्रम्यान प्रतिफल से एसे श्रम्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमति चन्द कौर विधवा विशान सिंह मानसा रोड. भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(3) श्री वर्णन सिंह और मोहिन्दर सिंह सुपुत्र गुरचरन सिंह मारफन एस० आर० भटिण्डा

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) व
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजी रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

अनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की नविध, को भी सबिध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1635 दिनांक जून, 1983 को रिणस्ट्रीकर्ना अधिकारी भटिण्डा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज. जालन्धर।

दिनांकः 16-2-1984 कोन्यः =

मोहरु ■

प्ररूप नार्च. टी. एव. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 16 फरवरी 1984

🕌 निवेश सं० ऐ० मी-- नं० 5202--अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव अवलू जिला भटिंखा में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण इस्प में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन 1983

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के अध्यमान .तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया .तिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) जे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--5 --- 516GI/83

(1) श्री दरबारा सिंह पुत्र बचन सिंह, भीगा सिंह पुत मुख्तियार सिंह, गुरमुख सिंह पुत्र प्रेम सिंह, जी० एन० ऐ० मन्ड: मारफत गुरमुख सिंह वकील, सिंबल कोरट, भटिंका ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्र जागीर सिंह मुखमन्दर सिंह, कौर सिंह सुपुत्र भागसिंह गांव अवलू जिला भटिंडा सुरजीत सिंह, अंग्रेज सिंह, मरा सिंह पुत्र लाल सिंह गांव अवलू जिला भटिंडा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1648 दिनांक जून, 1983 को राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में सिखा है।

> जै० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 16-2-1984

मोहर 🤌

प्रकप् नाइ^र. टी. एन. एव.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत ब्रकार

कार्यास्य, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984 निदेश सं० ऐ० पी०नं० 5203—अत: मुझे जे० एलं० गिरधर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसािक अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिंकारी के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की वावत, खक्त निभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृविधा के लिए; जारू/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र मुख्स्यार कौर पुत्री श्री जवाला सिंह गांव जक्षी पनवाली।

(अन्तरक)

(2) श्री जरनेल सिंह, गुरनाम सिंह, जगजीत सिंह णाना सिंह और वलौर सिंह पुत्र मल सिंह गांव जसी पनवाली।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पति में इचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है। कि वह सम्पति में हितकका है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कार्क भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींबल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सृथाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, यही मर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1925 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंखा में लिखा है।

> जे० एलं० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 16-2-1984

मोहर:

प्ररूप आर्ध.दी.एन.एस.-------आयकर अर्थिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5204---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

गायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

औरपिजसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है मधा जो भटिंडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक जन 1983

जो प्वेक्ति संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिज्ञल, निम्निसिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तविक प्रसे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीत कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सृविधा के के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिपाने में सनिधा के लिए;

बतः वयः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त विभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के विभीन, निम्नसिविस व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जलौहर सिंह पुत्र कंकड़ सिंह बासी कोठी कमा के शिवा रोड सामने एन० एफ एल० भटिंडा (अन्तरह)
- (2) श्री जगवंत सिंह, जनकरन सिंह सुपुत्र श्री मान सिंह मारफन सब रिजिस्ट्रार, भटिंडा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में एवि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना बारी करको पृत्राँक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ध्वाकारणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुत अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

सम्पति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं 1992 दिनांक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 16-2-84

मोहर:

प्रकप आहे. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5205---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव डगाना कलां, जिला हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्य से उच्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए; और्द्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिएानं में स्विधा के लिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन., निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- (1) श्री परस राम पुत्र जीवन सिंह वासी सरहाला मुर्ड:या तहि॰ हुणियारपुर मुख्तियारे आम आन बिहाफ आफ गुरमीत कौर, सुरजीत कौर उर्फ सरसेम कौर पुत्री तन्द वासी उगाना कलां, जिला हुणियारपुर । (अन्तरक)
- (2) तरसेम सिंह पुत्र नन्द वासी गांव ङगाना कलां तिहि० हुशियारपुर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि जिलेख नं ० 1014 विनोक जून, 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

> जे० एस० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जासन्छर।

विनांक: 16-2-1984

भोहर ;

प्रस्त आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पो० नं० 5206---अतः मुझे, जे० एल० गिरम्रर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्त-मर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (थ) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिम्हियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्

जतः जब उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के अमृतरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भाग 269-च की उपभाग (1) को अभीत, निम्नतिकित व्यक्तियों, अभित्ः— (1) श्री जरनैल सिंह पुक्ष भगत सिंह वासी भटिंडा रोड, मुक्तसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री मेजर सिंह सोहन सिंह सुपुत्र नारा सिंह पता मैसर्स मोगा ऐग्रीकल्चरल वक्सँ भटिङा रोड, मुक्तसर । (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि उत्पर नं 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्न में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :—इसमें प्रयास शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो जम अध्याय में विया गया है!

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 969 दिनांक जून 83 के रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे॰ एल॰ गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर,।

दिनांक 16-2-1984

मोहर:

प्ररूप जाई.टी.एन.एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, **सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोंज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश मं० ऐ० पी० नं० 5207—अतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञत है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जुलाई 1983

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से अम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तेत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री जरनैल सिंह पुत्र भगत सिंह वासी भटिका रोड, मुक्तसर।

(अन्तरक)

(2) केवल सिंह, जीत सिंह, प्रीतम सिंह श्री जगासिंह और कौड़ा सिंह सुपुत्र तारा सिंह पता मोगा एग्रीकल्चरल वर्क्स भटिंडा रोड, मृतक्सर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में विच रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबीध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यव्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1216, दिनांक जुलाई 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एला० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज, जालन्धर ।

दिनीक 16-2-1984

मोहर:

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1984

निदेश मं० ऐ० पी० नं० 5208—अनः मुझे जे० एल० गिरधर

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं(, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्यन में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस उक्तं अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अमरनाथ पुत्र पूर्ण चन्द वासी गली दर्जियां मानसा ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री नोहर चन्द पुत्र आसा राम पता मैसर्स तिलक राम, प्रेम कुमार, ग्रेन मार्किट मानसा । (अन्तरिसी)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि--भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बर पर्यो

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं ० 1399, दिनांक जुन 83 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

> जै० एस० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, जालन्धर ।

दिनांक 17-2-1984 मोहर: प्रसप माई. टी. एन्. एस.-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुचना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर जालन्धर दिनांक 17 फरवरी 1984

निदेश सं० ऐ० पी० सं० 5209—अतः मुझे जे० एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण ते हुई किती जाय की वावत, उक्त शिशितयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः जब्, उत्स्त् श्रीभीनयम की भारा 269-ग के वन्तरण कों, में उक्त अन्धनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री अमर नाथ पुत्र पूर्ण चन्द वासी गली दरिजयां मानसा ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमित मूर्ता रानी पत्नि बोहर चन्द्र पता मैसर्ज तिलक राम प्रेम कुमार ग्रेन मार्किट, मानसा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि कपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में एचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके में बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में वह हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षित संपत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया समा है।

मन्त्र्यी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 1552 दिनांक जून 1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर,

दिनांक 17-2-1984 मोहर 5 प्ररूप मार्ड.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर दिनांक 17 फरवरी 1984

निवेश सं० ऐ० पी० नं, 5210--अतः मुझे जे० एल० गिरधर

`बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**सम⁻ इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से शिधक ह *

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्टोकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

का पूर्वीक्त संपत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण 'लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुशरण भ", भ", उचत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--6-516GI/83

(1) श्री जुगल साहनी पूत्र भदन लाल मुख्तयार खास अशोक कुमार पुत्र र्तिलू राम वासी लिजातम नगर, जालन्धर ।

i (अन्तरक)

(2) श्री रमेण चन्द्र नारंग पुत्र नियामत राय वासी 338 3 3-शास्त्री नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसाकि उत्पर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫 —

- (क) इस सूचनाकेराजपत्र में प्रकाशन की **तारीखसे** 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों परु स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कार्में हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनस्यो

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1807 दिनांक जुन 83 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर,

दिनांक 17-2-1984

मोहर:

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-------बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेष सं० सी० ए० 5/1074/83-84--अतः मुझे गणि-कांत कुलकर्णी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं भौजे गोकुल शिरगांव हद एस नं 217 हिस्सा नं 4 और आर एस नं 217 हिस्सा नं 3 ता करिवर जिला कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है). रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय वुय्यम निबंधक करवरि में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुद्दं किसी जाम की वावत, अक्छ, जीभीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विभा के निए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) 1. राम चंद्र मारूत राव जाधव (2) शंकर सखा-राम मगधुम कोल्हापुर सी वार्ड घर नं० 1418 कोल्हापुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाण यलगौंडा पाटिल राहाणार टाकवडे, ता० णिरोव जिला कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और न्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजे गोकुल णिरगांव तहसील करविर आर० एस० नं० 217हिस्सा नं० 5 श्रीर 3

(जैसो कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3085 जो तारीख जून 1983 को द्रयम निबंधक करविर के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी ⁽सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 9-2-1984 मोहर : प्रस्प बाह्र .टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० सी० ए.० 5/43 7जी 107 5/83-84-अतः मुझे भाशिकांत कुलकर्णी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं० 292 है तथा जो ठाकुर्ली जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञ है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुख्यम निबंधक कल्यान में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-6-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उस्वेश्य से उस्त स्न्तरण सिसित में बास्तिवक कप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आग की आगत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री चिंतामण देम्हाले और अन्य पाथलीं, ता० कल्याण जिला थाना।

(अन्तरक)

(2) रामकृष्णविष्मदभानी, चेयरमेन, श्रीसिथीविनायक को॰ श्राप हाउसिंग सोसायटी लि॰ पंडित बीनवयाल रोड डोंविथलि ता० कल्चाण जिला थाना। (अन्सरिती)

को यह स्थान आरी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**त्**यी

जिमन जो सर्वे सं० 292, मौजे, ठाकुर्ली जो डोंबिवली ता० कल्याण जिला थाना क्षेत्र 900 स्के० यार्ड)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नंबर 706 दिनांक 1816/1983 को दुय्यम निबंधक, कल्याण के दप्तर में लिखा है)।

शक्षिकांस कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **प्राधुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, पूना

दिनांक 9-2-1984 मोहार ध

प्ररूप बाइ, टी. एन., एस.=----

जायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भूभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

सखनऊ दिनांक 14 फरवरी 1984 निर्वेश सं० जी० आई० आर० संख्या पी 116/ अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 42 है तथा जो नबीउल्लाह रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-6-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) 1. श्री बाबूलाल (2) श्री सुरेन्द्र ।

(अन्तरक)

(2) पूर्वान्चल सहकारी आधास समिति लि० लखनऊ, द्वारा सचिव, श्री विनोद बिहारी वर्मा

(अन्तरिती)

(3) स्वयं।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ने कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र गें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 42, स्थित नबीउद्धला रोड, लखनऊ, कुल क्षेत्र, पैमाईसी 17719 वर्ग फिट मय 250 वर्ग फिट कवर्ड एरिया, और सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 7623 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार- सखनऊ के कार्यालय में दिनांक 18-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहाय क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,लखनऊ

दिनांक 14-2-1983 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 15 फरवरी 1984 निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या के-127--अतः मुझे ए० प्रसाद

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आराजी खसरा सं० 25 है तथा जो खुर्रम नगर, परगना, तहसींल, जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-6-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से कृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिष्याने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निस्तिलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री मो॰ वसीम द्वारा अटार्नी श्री मो॰ नसीम (अन्तरक)
- (2) श्रीति कृष्णा सहकारी आवास समिति लि०, लख-नऊ द्वारा सचिव, श्री एस० पी० तिवारी। (अन्तरिती)
- (3) विकेता।

(व व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता आराजी खसरा नं० 253, पैमाईसी 8 बिस्वा, स्थित खुरंम नगर परगना, तहसील व जिला लखनऊ, और सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 7889, में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ,

दिनांक 15-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज लखनऊ

लखनक दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या बी-300/एसीक्यू-अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं ए-4/बी है तथा जो अली गंज, स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत,, उबते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-श की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमति शांति सिंह

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सरोज भारबाज

(अन्तरिती)

(3) विक्रोता।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है:

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० ए-4/बी, अली गंज स्कीम, लखनऊ, टोटल एरिया 7150 वर्ग फीट मय कवर्ड एरिया 500 वर्ग फिट और सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 7502 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ)

दिनांक 14-2-1984

मोहर:

प्रक्प मार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या श्रार 213/एसी-क्यू--श्रत: मुझे ए० प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है, की धारण्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भ्रारा जी नं० 42 सी है बी/6 है सथा जो नदीजल्लाह रोड, लखनऊ में स्थित है (भ्रौर इससे जपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिकस्ट्रीरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के गंद्र प्रप्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेचय से उच्त अन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह्य :--- (1) मैसर्स पूर्वान्चल सहकारी श्रावाम समिति लि० लख-नऊ द्वारा सचिव, श्री विनोद बिहारी वर्मा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित रजनी श्रीवास्तव

(श्रन्तरिती)

(3) स्वयं ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पृतित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ननुसूची

स्राराजी नं० 42 सी बी/6, पैमाईशी 3400 वर्ग फुट स्थित नवी उल्लाह रोड, लखनऊ श्रोर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37—जी संख्या 8448 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सव-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम श्रधिकारी, (सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 9-2-1984 मोहर 🏽

प्ररूप वाह^{*}. टी. एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० श्राई० ग्रार० संख्या एन 76/एसीक्यू—— श्रतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 53 ए, है तथा जो लक्ष्मणपुरी हाउसिंग सोसाइटी कालोनी, फैजाबाद रोड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालयं लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) यूनाईटेड श्राफिशियल कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि०, लखनऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० बी० सिंह

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेसा।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों यों से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् तिस्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 63ए, पैमाईशी 5775 वर्ग फीट स्थित लक्षमणपुरी हाउसिंग सोसाइटी कालोनी, फैजाबाद रोड, लख-नऊ ग्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 7406 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षीण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ,

दिनांक 9-2-1984 मोहर ब प्रकप. नाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज लखनऊ

लखनक, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश संख्या जी० धाई० घार० संख्या एम 171/ एसीक्यू—ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो बी-711/ए, महानगर हाउसिंग स्कीम, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अक्ट्बर 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अलरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प्रसृतिथा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :-7—516GI/83

(1) श्रीमति कून्ती विहारी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित मीरा जोहरी

(भ्रन्यरिती)

(3) श्रीमति कुन्ती विहारी

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है:)

को यह सुचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुत्रुची

्लाट पैमाईसी 5000 वर्ग फिट स्थित नं० बी०—711/ए, महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ श्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 10085 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लखनऊ

विनांक 9-2-1984

माहर:

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्वेश संख्या जी० ग्राई० ग्रार० संख्या के० 126/एसीक्यू— ग्रत: मुझे ए० प्रसाद

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सम्पति संख्या 31/96 है तथा जो एम० जी० मार्ग लखनऊ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 4~6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंगे के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या सन्य आस्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, क्रिन्निविक लगक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री एम० एहसानुल्ला (2) श्री एम० समीउल्ला (ग्रन्तरक)
- (3) कहकसान सहकारी श्रावास समिति लि० लखनऊ, द्वारा सचिव, श्री मोईनउदीन श्रहमद।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रियां करता ह्रं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से: 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति (भूमि मय बिल्डिंग) नं० 31/96, स्थित एम० जी० मार्ग लखनऊ ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जीकि सेलडीड व फार्म 37 जी मंख्या 6682 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 4-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षीण) प्रजीन रेंज, लखनऊ

दिनांक 14-2-1984 मोहर : प्रकृप आहूं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत बरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देण सं० जी० म्राई० ग्रार० संख्या म्रार० 214/एसीक्यू— अतः मुझे ए० प्रसाद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो गांधी नगर, मुरादाबाद में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबज ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कक निम्निलिबत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अभ्यरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में स्विवा के लिए;

बतः अब, बक्त जीधीनवन की भारा 269-व के जन्हरू में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री गंगाधर

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री राम प्रकाश स्रग्नवाल (2) श्रीमित शारदा रानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) विकेसा।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है।)

को यह सूचना चारी करके पृतांकित सम्पत्ति के वर्जन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कुन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 185.77 वर्ग मीटर स्थित गांधी नगर, मुरादाबाद ग्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडी इव फार्म 37 बी संख्या 3730 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त, (निशेक्षण) श्रजंन रेंज, लखनऊ

दिनांक 14:2-1984

मोहर:

त्रक्ष्य वाष्ट्री. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 57 राम तीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० जी० म्नाई० मार० संख्या वी-69/ एसीक्यू---म्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या श्राराजी नं० 172 है तथा जो मौजा शिव-पुरवा वेहात अमानत, वाराणसी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 28-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त जंतरण किवित में वाकाविक क्यू से कीचत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, अक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिनाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसदण मों, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री भानु प्रसाद

(ग्रन्सरक)

- (2) दि वाराणसी उपनिवेशन ग्रावास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० द्वारा सचिव, श्री रामानुज उपाध्याय (ग्रन्सरिती)
- (3) वित्रेता । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त पत्थों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहु अर्थ हारेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भाराजी सं 172, पैमाईसी 262 1/2, डिसमिल (11543 वर्ग फिट) स्थित मौजा शिवपुरवा, परगना—देहात स्रमानत, जिला वाराणसी, श्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 13563 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 28-6-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, भ्रजीन रेंज, लखनऊ

ं दिनांक 9-2-1984 **मोहर**्

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 57 राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एस 301/एसीक्यू— श्रतः मुझे ए० प्रसाद

शायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं

न्नौर सिकी संख्या भूमि है तथा जो चक्कर का मैदान, छावनी मारुफ, सिविल लाईन्स, मुरादाबाद में स्थित है (न्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में न्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निस्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ःच – (1) श्रीमति चन्द्राधली बहु ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री सुमन कुमार, (2) श्री सुबोध कुमार (3) श्री सुधेश कुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंत्रच ची

एक किता श्राराजी प्लाट पैमाईशी 416 वर्ग मीटर स्थित चक्कर का मैदान छावनी मारुफ सिविल लाईन्स मुरादाबाद, श्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37— जी संख्या 3804 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम ग्रधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

दिनांक 9-2-1984

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस 299-/ एसीक्यू०--श्रतः सुझे ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० $42-\sqrt{2}$ है, तथा जो नबीउल्लाह रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15-6-1983

को प्वेंक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स पूर्वान्चल सहकारी श्रावास समिति लि० द्वारा सचिव, श्री विनोद बिहारी वर्मा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्यामा सिंह

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नं० 42-ए/2, पैमाईशी 5358 वर्ग फिट स्थित नबीउल्लाह रोड, लखनऊ ग्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37 जी जो संख्या 7419 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-6-1983 को किया जा चुका है ।

> ए० प्रसाद सक्षम भ्रधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, लखनऊ

विमान 9-2-1984

मोहर 🕹

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - - -

आयकर आधिनियभ, 1961 (1961 की 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 57 राम तीर्थमार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एस-298/एसीश्यू--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या श्राराजी नं 42 ए/2 है तथा जो नकी उल्लाह रोड, थाना वजीरगंज, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाब छ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-5-1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्द्ध िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविक्षा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, बिन्हें भारतीय पायकर प्रिणित्यम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त पश्चित्यम, या प्रन-कर पश्चित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किय गया या था किया जाना चाहिए था, कियाने में मुखिशा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मैसर्स पूर्वान्चल सहकारी श्रावास समिति लि० द्वारा सचित्र, श्री विनोद बिहारी त्रमां

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंजीव वर्मा

(ग्रन्तरिती)

(3) **स्वयं**

(बह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील मं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यकिरण :--इसमे प्रयक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्सची

स्राराजी नं० 42-ए/2, पैमाईणी 2600 वर्ग फिट स्थित नबीजल्लाह रोड, थाना वजीरगंज, लखनऊ स्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 8002, में वणित है जिसका पूजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 24-6-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

िषनांक 9-2-1984 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० एल-42/**एसीक्यू**--यतः मुझे, ए० प्रसाद.

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उब्दे अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 54 ए है तथा जो लक्ष्मणपुरी हाउसिंग सोसाइटी कालोनी, फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युष्टेश्य से उक्त अन्तरण निखित में नास्तविक हुए से किथा गया है:---

- (क) अंतरण से हुई िक मी आय काँ बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किएपने से पविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ाक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीप, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् :-- (1) युनाईटेड आफिणियल कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोगाइटी लि०, लखनऊ ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती लोला सिंह

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसंची

प्लाट नं० 54, स्थित लख्नमणपुरी हाउसिंह सोसाइटी कालोनी, फैजाबाद रोड, लखनऊ, श्रौर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37—जी संख्या, 7407 में विणित है, जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 9-2-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्राई० श्रार० के० 125/एसीक्यू—यतः मुझे ए० प्रसाय बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या श्रार० जी० भूमिधरी नं० 46 मौजा-मोरापुर है तथा जो परगना चायल, जिला-इलाहाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30जून 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुनिया के दिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अधीत् :—— 8—516 GI/83 । (1) श्रीवजीर चन्द कपूर

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती कौशल्या देवी
 - (2) श्रीविजय कुमार
 - (3) श्री प्रमोदकुमार
 - (4) श्री स्रनूप कुमार

(अन्तरिती)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोंक्त अध्यत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीक रणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और वदों का, को जनक किंधिनयम, को अध्याव 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननसची

ग्राराजी भूमिधरी नं ० 46, पैमाईगी 467 1/2 स्ववायरयार्ड स्थित मौजा-मोरापुर परगना-चायल, जिला-इलाहबाद, ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विकरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 3262 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 30-6-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 13-2-1984

मोहर 🕄

BANGLORING, TOMOTORIO

इक्ष्य नार्वः टॉ. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंद क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1984 .

निर्देश सं० जी० आई० स्रार० एम 172/एसीक्यू—यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम दुरगू नगला, तहसील, सदर, जिला-रामपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है). राजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय रामपुर में राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 28-6-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को जिसत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जुम्मा

(अन्तरक)

(2) मैं० मोदी रबर लि०, मोदी एक्सरोक्स लि० नवीन प्रस्तावित कम्पनी, नाम में, मोदीपुरम मेरठ द्वारा भूमि प्रबन्धक श्रधिकारी श्री पुरपोत्तम स्वरूप

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्**या है**।

अनुसूची

भूमि पैमाईणी 4 बीघा 4 बिस्वा श्रांर 4.5 बिस्वान्सी स्थित ग्रामन्दरग नगला, तहसील-सदर, जिला रामपुर, श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या | 1569 में विणित है जिसका पजीकरण सब-रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 28-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 14-2-1984 **मोहर** : प्ररूप नाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश मं० जी० आई० श्रार० संख्या एन० 77/एसीक्यू---यत: मुझे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 75,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम बहादुरपुर, तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्मिस के उिचत बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुशिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ५(1) श्रीमती खदोजा खामून

(अन्तरक)

- (2) दि नेशनल इण्डस्ट्रियल कारपीरेशन लि० "मैसर्स ग्रज्ध्या डिस्टलरी राजा का साहसपुर", नाम में द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एस० पी० सेट (अन्तरिती)
- (3) विकेता

(यह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)। को यह सुभना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्तची

भूमि पैमाईशी 4.65 एकड़, स्थित ग्राम बहादुरपुर तहसील, बिलारी जिला-मुरादाबाद, श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 863 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-6-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 14-2-1984 **मोहर**ः

प्रकृष् बाह्र दी पुन् पुन् .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंद क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश मं० जी० भ्राई० आर० संख्या एन-78/एसीक्यू— यतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक हैं

प्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम बहादुरपुर, तह० बिलारी, जिला मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठितमा, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिवांक 21-6-1983 को पूर्वेक्त संपरित के उचित आजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अचित आजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) ज्लारण ते हुई किसी आय की वाबस, उक्स जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दामिरण में कमी करने या उससे दणने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खै लिए;

भतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनजर जमील

ك العداد بين يعري الإن الدين المراكز العدالية المجاهد المراكز المراكز المعتر المراكز المراكز المراكز المراكز المراكز

(श्रन्तरक)

(2) दि नेणनल इण्डस्ट्रीयल कारपोरेशन लि० मेसर्स प्रजुध्या डिटलरी राजा का साहसपुर नाम में द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एम० पी० सेट

(अन्तरिली)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग मेंस सम्पति है)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्थन् के संबंध् में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कें
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिबित में भिए वा सकी।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईशी 2.32 एकड़ स्थित ग्राम बहाबुरपुर, तहं० बिलारी, जिला मुरादाबाद ग्रीर सम्पति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेंसडीड व फार्म 37-जी संख्या 862 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-2-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ दिनांक, 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० जी० आई० आर० एन-79/एसीक्यू—यतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम-वहासुरपुर, तहसील विलारी, जिला मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्चा श्रिष्ठकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक 23-6-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में ग्रीपा के लिए; और/या
- (ल) एमें किसी आय या किसी धन या उत्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्लिमध्य अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !:--

(1) श्री मो० फिरोज सज्जाद

(ग्रन्तरक)

(2) दि नेणनल इण्डस्ट्रियल कारपोरेणन लि० "सैमर्स धजुध्या डिस्टीलरी राजा का साहसपुर नाम में,द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एस०पी०सेठ

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रेना

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों मों से किसी ध्यक्ति द्वारा ;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किये जा सकर्ग।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सची

भूमि पैमाईणी 3.38 एकड़, स्थित ग्राम-श्रहादुरपुर, तहसील-बिलारी, जिला मुरा दाबाद ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विश्वरण जोकि मेलडींड व फार्म 37-जी संख्या 864 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सव-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 23-6-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रमाद सक्षम **प्रा**धिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 14-2-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत बरकार

कायिलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 837/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- द के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विरवास करने का कारण है कि स्भावर संपरित जिसका उचित नाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लाट नं० 202, है, जो बंजाराहीलस्, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदरबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1983।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से किंदन नहीं किया गया है रूल्य

- (क) बन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत उक्त विधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थान :— (1) श्री सयद भ्रली जहीर, 5-9-48/2, बसीरबाग, हैदरावाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति पी० सरस्वती पति पी० एस० रेड्डी, रोड नं० 8, बंजारहीलम्, हैदबराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 202, एम० सी० एच० नं० 6-3-249/3/ मी० रोड नं० 1, बंजाराहील्म, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3836-84 रिजस्ट्रीकर्त्ती प्रश्चिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-2-1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस, ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

शाहक ब्रह्मकु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जद रेंज, हैदरबाद

हैदरबाद, दिनांक 3 फरबरी 1684

निर्देश मं० स्रार० ए० सी० नं० 839/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लाट नं० 511, है, जो रेड हील्स हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जायत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति श्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैंसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शनस को० मूक्टूँद लाल ग्रगरवाल, 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीयादर्शनी दाघ, पलाट न० 511, रेड हील्स हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित को अर्जन को निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्डीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसभें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नगा है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 511, ब्रिंदावन श्रापर्टमेंन्टस, एम० सी० एच० नं० 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1619/73 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाब

नारीख : 3-2-1984

मोहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदरबाद

हैदरबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 840/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लाट नं० 8 है, जो प्रेमनगर, खैरताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन जून, 1983।

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जे० सूगूना रेड्डी, एभ० नं० 3-6-419, हीमायतनगर, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० जे० श्रीनिवासामुती येरामंजील कालोनी, खैरताबाद।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 8 विस्तीणं 541 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3624/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी **खै**रताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहर 🔅

प्ररूप आहुर् टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरबाद, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्नार० ए० सी० नं० 883/83- 84-म्बतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो मीरीयालगुडा, जीला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मीरायालगुडा, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन 1983।

को पूर्वोक्त संप्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) कन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त रुधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित स्थिनितमों, कर्थात् हैं——
9—516 GI/83

(1) श्री के० रामय्य श्रोर भ्रन्य इरकीगुडा, वाडेपल्ली, मीरीयालगुडा जीला

(अन्तरक)

(2) श्री रासी सीमेंट लिमिटेड, घर न० 1-10-125 भाशोकनगर, हैदराबाद

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 92 एकर, 60 एकर, भार 60 एकर, कोथापल्ली, वाडेपल्ली और कोथापल्ली, कमणाहा, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2186, 2258, भीर 2215/83, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मीरीयालगुडा,

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 14-2-1984

मोहर 🌣

प्ररूप आहु², 2ी. एन. एस. ----

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्पना

बारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 24 फरवरी 1984

निर्देश सं० धार० ए० सी० नं० 882/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन गोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो बंजारा हीलस हैदराबाद स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन जून, 1983

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः स्व, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, स्वात् हु--- (1) श्री बंसल बिठ्ठल भीडे, पिता ब्ही० एस० भीडे, 8-2-605 बि०, रोड नं० 12, बंजारा हीलस हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स ६स्तूम मीका माइनिंग को०, 3855, ग्राइंगार रोड मद्रास-600 018।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना वार्डी क्रार्वी पृथीवत प्रिंपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकने।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्दोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, बिस्तीर्ण 283, चौ० गज, बंजारा हीलस, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1800/83, रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मो**ह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 14-2-1984

मोहर 🗈

प्रकप आहें हो ् एन ु एस . ------

आयकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक गायकर जायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 फरबरी 1984

निर्देश सं० ए० सी० नं० 866/83-84--यतः मुझे, एन० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है, जो रानीगंज सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल, से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः जब, जबत अधिनियम की धारा 269-त के. अनुसरण में, में जबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, रानीगंज सिकंदराबाद।

(ग्रस्तरक)

(2) श्रीमती शकुंतला श्रार० शाहा, 6-6-39, गांधीनगर, सिकंवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 25, रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 309 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3605/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैक्साबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख** : 4-2-1984

माहर 🖫

प्ररूप आहें ुटी. एन , एस ु-----

भागकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नाय्कर नायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरबाद, दिनांक; फरकरी 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 867/83-84-यतः मुक्को, एन**०** जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो एम० पी० रोड सिकदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकदराबाद में भारतीय रजिट्रकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1983।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकृत का निम्नतिबित उद्योग से उच्य अन्तरण निम्नतिबत में बास्त-विक कप से कृष्य नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्दिय के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके अकृते में सुविधा के सिष्ट; श्रीट्र/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन मा जन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय जान-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था कियाने में सृतिया के दिन्ए।

मतः मृतः, उक्तः मृश्तियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्री भ्रो० पी० मीठल भ्रौर भ्रन्य, बांम्बे

(ग्रन्सरक)

(2) श्री डा॰ इ॰ एस॰ रीपा टेरफैलट नं॰ 25, टैशीला श्रापार्टमेंटस, एस॰ पी॰ रोड, सिकंदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

जनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेत्र ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन्की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाद दिवास में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25 ग्रपार्टमेंटस, एस० पी० रोड सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1631 चौ० फूट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 294/83, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकंदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1984

मोहर अ

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

नासफर निभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-न (1) ने स्थीन स्थान

भारत बुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 868/83-84---यतः मुझे; एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है, जो पीं० जीं० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजच्डीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिक्त में बास्त्विक कम् निक्की लिए उप्रदेश से उक्त अस्तरण जिल्ला में बास्त्विक कम् निक्की लिए उप्रदेश से उक्त अस्तरण जिल्ला में बास्त्विक कम् ते कायत मही किया नवा है दि—

- (क) अन्तर्ण से हुई किती बाद की बादत उसल वीध-नियम के अंधीन कर वोने के अन्त्रक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर√वा
- (क) एंसी किसी बाद या किसी धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ वरी उपधारा (1) को अधीन, निम्नांसिक्षित व्यक्तिया, अर्थात् :--- (1) मेंसर्स विपाल बिरुडर्स, बाठ की नवनीत बी० लोटीया, सिकंदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती मंजुला सी० पारीक, 1-8-32/25/5 बापूबाग, पेंडरघास्ट रोड सिकंदराबाद। (अन्सरिती)

को यह सूचना थाड़ी कड़के पूर्वों थत सम्मृतित के नुर्जन के निए कार्यवाहियां कड़ता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विद की अविध, को भी वचीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी व्यक्ति ब्वाहा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिता ब्रिश किसी अन्य व्यक्ति इनारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, बो. अनदः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनु**त्र**ी

घर संम्पती पेंठर घास्ट्र रोड, सिकंवराबाव, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2064; 2065/83 रिजस्ट्रीकृत्ती अधिकारी वरलभनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

ारीख **:** 4-2-1984 मो**हर** 8 प्ररूप आहुँ. टी. एन. एसं. -----

बाब्कर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बाउद चुडकुई

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैवराबाद, विनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 869/83-84-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो ए० डी० रोड सिकंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-किस रूप से कृपित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें ब्रायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा कें सिए; औड़/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति एती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः जब, उस्त अभिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरण में, में उसत अभिनियमं की भारा 269-मं की उपधादा (1) के सभीन, निम्निलिखित अपित्रियों, सभृति ह—

- (1) श्री एम० एस० विस्वा शांती एंटरप्रैसस, 3-7-194 से 197, एस० डी० रोड, सिकंदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एम०/एस० लक्ष्मी टनर्स, 1-7-194 से 197 एस० डी० रोड, सिकंदराबाद। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथों का, यो अवत् विभिनियम, के वृभ्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं वृश्यें होगा जो उस वश्याय में दिया गया हैं।

अनुसूच्या

सेल्लार श्रौर ग्राऊंड फलोर, पेराडाठस कांपाडुड, एस० डी० रोड, सिकंदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2017/84 रजिस्ट्रीकरता ग्रधिकारी वल्लाभनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-3-1984

मोहर 🛭

प्ररूपः कार्दः टी. एनः एसः ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

आर० ए० सी० मं० 870/83-84—यतः मुझे एम० जेगम मोहम,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० पलैट है, जो एस० पी० रोड, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्वश्य से उक्त अंतरण निम्नितित् में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री श्रोमप्रकाश मीठल, 304, श्रीनाथ काम्प्लेक्स सिकंदरबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० सी० बरेह फ्लैट नं० 34, टेझीला आपार्टमेंटस, एस० पी० रोड, सिकंदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलैट टंझीला आपार्टमेंटस्, विस्तीर्ण 1516 चौ० फूट, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 295/83, रजीस्ट्रीकर्सा अधिकारी सिकंदर(बाद ।

> एम० जेगन मोहन सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मोहर द

तारीख : 4-2-1984

्रक्षे आई.टी.एन्.एसं.,------

भागसर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ(1) के सभीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैवराबाब, विनांक 4 फरनरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 875/83-84---यतः गृक्षे, एम० जेगन मोहन,

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो काथापालम विलज, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताऊपती, में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 11) के अधीन जून 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से हुइ िंक्सी नाय की वाबत., उनत् निवित्यम् के अधीन कर दोने के नन्तरक के तायित्व में कमी कड़ने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एन० चंब्रबाबूनायडू पिता एन० के० नायडू, नरवारीपल्ली, रंगमपेट पोस्ट, तालुका चंद्रगीरी,

(अन्तरक)

(2) श्री भूवनेस्वरी कारबाइटस, आंन्ड केमीकलसू प्रा० लि० बाई ए०म डी० तीस्वनूर रोड, तीऊपती,।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभि, जो भी अविभ जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केव क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा?
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी, कोथापालेंम, चंदगीरी सालूक, विस्तीर्ग 5 एकर रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3676 ग्रौर 3671/83, रजिस्ट्री-कर्ना अधिकारी सीरूपती।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख : 4-2-1984

मोहर:

प्ररूप आई⁵.धी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदरबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्नेश सं० आर. ए० मी० नं० 876/83-84—यतः मुझें एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि है. जो पंगुटा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्सा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिखत में बास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (स) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए।

(1) भी युव बिल समित्रद्राप्त, शाहलाएल एसल पील जिल्हा, पंजागुटा श्राफिसर्स क्वाटसं, हेदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बि॰ धनजयराव पित क्रीण्णा राव, नीडमनूर विलेज, क्रीण्णा जीला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकर्ग।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगसूची

खूली जमीन, विस्तर्ण 470 तौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3727/83, रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--

10-516 GI/83

नारीख: 4-2-1984

73

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 877/83-84---यनः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि है, जो तीमला तिरुपती में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीरुपती में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बदेय से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् है—— (1) श्री स्वामी हाथारामजी मठ, बाई असीसटेंटस कमीणनर इनाजे, तीरूपती।

(अन्तरक)

(2) श्री गडीरड्डी, गुरवारेड्डी तील्पति।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननुसूची

संस्पती, तीरपती, विस्तीर्ण 4 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 3786/83, रजिस्ट्रीकृत्ती अधिकारी तीरमती।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहाय आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदरात्राष

तारीखा: 4-2-1984

प्रकप बाद् . टी. एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार ..

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निहाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 79/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, तथा जो बंजाराहांलस हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारत य रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाम भया प्रतिफल, निम्निलिक उद्देश्य से उच्त अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) नैतरण ते हुइ किसी बाब की बाबता, उनता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्यूने में सृद्धिया के सिए; और/बा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) डा० जहीर अहमद, अरकत विलेण विसाइड 8-2-583/2, रोड नं० 7, बंजाराहिल्स, हैदराबाद। (अन्तरः)
- (2) श्री रुपकरन और अन्य, 21-2-588, ऊर्दूगली, हैयराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित् के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीवत स्वितयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, चो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

मन्स्यी

घर सम्पत्ति रोड नं 7, बंजारी हिस्स, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3631/83 रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, हैवराबाद

दिनांक: 14-2-1984

मोहर ∄

प्ररूप माइ.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मु (1) के सुमीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 फरवरी 1984 निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 880/83-84—यतः । मुझे, एम० जैगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रहे. से अधिक हैं

औय जिसकी मं० फ्लैट है, जो अंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) क्लाइन से हुई किसी नाय की वाक्स, उक्स मुभिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के सिए;

(1) मेसर्स बंजारा कन्स्टकलसन को०, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मनी कुमारी घर नं० 40/447-4, जीप्सन कालोनी, करनूल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्बन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त भीभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० वि-11, और बि०-12, बंजारा गार्डन अपार्ट-मेंटस, रोड नं० 17, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, श्रिस्तीर्ण 1248 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3733/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत :——

नारी**ष** : 14-2-1984

म्प्रेष्ट्र 🗵

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद विनांक 14 फरवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 881/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो बंजारा हिल्स, हैदरवाद में स्थित है (और इसो उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 1983

को पूर्विक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुफ़े, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा-पूर्विक्त सम्पर्तित का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योचय से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कासराण मिन

- (क) जन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत उक्त लिय-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिये; बौर/वा
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी धन जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या-उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) कुमारी डी० रामी राव पिता डी० जै० राम आपणी अपार्टमेंटस, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री णफीऊद्दीन, हैवर, बंजारा हिल्स, हैदराबाव (अन्तरिती)

को यह मूचना जारो क्रांच्के पूर्वोक्स सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

ममृत्यी

खूली जमीन, विस्तीर्ण 881 चौ० गज रोड नं० 3, बंजारा हील्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3356/83 रिमस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

वारीय: 14-2-1984

मोहर 🛭

प्रारुप् आई. टी. पन . एक. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवरबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्वेई सं० आर० ए० सी० नं० 848/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो कोथापेट, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नरसापुर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिरीकृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्सद्भग से हुइ किसी जाय की वाबस, उपस्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे यवने में सुविधा वीं सिए; आर्ट्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय था किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सविधा को लिए;

कत: अब', उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में', मैं', उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन गिम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:—

1 श्री आर० भूमारेडडी और अन्य, कोथापेट, तटनापुर, नरसापुर तालुक, मेवक,

(अन्तरक)

2 डा० पी० रविंद नाथ और अन्य, 7-1-28/4/1 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

ना बहु सूचना वारी करके पूर्वे निष् स्थ्यृतित के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्परित के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्सूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 95 एकर, 13 गंठे, कोथापेठ रंगारेड़डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 1465, 1550 1541 और 1466/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरसापुर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

वारीख : 3-2-1984

मोहर 🛚

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत चरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 849/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कृहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फलैंट नं० 605 है, जो अमारपेट हैदरबाद में स्थित है (और इससे उपबाद अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के उत्यमान प्रीतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औरं/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में मृतिधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1 मेसर्स विजया बिल्डर्स, 7-1-70/बी० 1, एम० सी० एच० रोड, अझीर पेट, हेदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री सी० वि० आर० प्रसाव, 1013 सी, वि० एच० ई० एल० कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

नन्त्यी

फ्लैट नं० 605, बिजया आपार्टमेंटस, एम० सी० एच० नं० 7-1-70/बि०/1, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत तिलेख नं० 3373/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्रकृपः आर्थः डी. एन्ः एसः -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंण, हैदराबाद

हैदरबााद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 851/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो वरंगल में स्थित है श्रीर इसमे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वर्रगल भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्निलित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्त्विक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी अाय की वाबत, अपत जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के जिए;

(1) श्री बि॰ पापव्या, 18/545 वरंगल।

्(अतरक)

(2) श्री सूनील इंडस्ट्रीज, संपतकुमार, ओल्ड बिट वाजार, वरंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया एवा हैं।

जनुजुषी

बंजर भूमि, फोर्ड वरंगल, रजीब्द्रीकृत विलेख नं० 2172, 2180/83, रजीब्द्रीकर्ता अधिकारी वरंगल।

> एमं० जेगन मोहम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैयराबाद

जतः जब उक्त जीधीनयम की धारा 269-ण की जनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—

तारीख : 4-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस. - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवरबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 852/84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संज 1-2-593/1, है, जो गगनमहल कलोनी, स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिकल, मिम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अम्तिकल हुए में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 11_516GI/83

(1) श्रीमती कौशस्या मेहता पति धरमपाल मेहता, सेक विलेज, सिकंदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० मुरलीधरलाल, 22-4-496, भ्रावनेबार चौक हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नन्स्ची

घर नं० 1-2-593/1, गगन महल कलोनी, घोमल गुडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3508/83, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 4-2-1984

प्ररूप आहाँ. टी एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यीलय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 फरयरी 1984

निर्देश मं० ए० मी०नं० 863/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रांफिय है, जो रानी गंज सिकंदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे बिणत है), रिजिट्टीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जुन 1983

को पृथिक्त संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अल्लरण म हाई किसी आप की बाबन उक्त बाधिन नियम के अधीन कर दोने के अल्लरक के दायित्य में शबी करने पर नमये बचने मी स्विधा के लिये बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, निक्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 102% (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना साहिए था, जियाने में भविष्य के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स वाब्रुखान बिल्डर्स 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकंदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी सवानिसागम बाई पिता श्री बहबूद आली खान, 1-8-322, बेगमपेट, पेलेस, हैदराबाद। (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

बनुसूची

वार्यालय, नं० 135, रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 244 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3342/83, रिजस्ट्री-कर्ना श्रिधकारी हैदराबादा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. ----

सायकर अभिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदरबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 864/83-84 स्वतः मुक्के, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० घर है, जो बतकुम्भाकटा, सिकंदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे रूर्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तः रण सं हुई किसी आय की साक्षतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वंद उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीश, निम्निलिसित व्यक्तिसों, वर्षीत है (1) श्री एस० क्रुप्णामुर्ती घर नं० 12-5-4, बतकम्भा-कुंटा; तारनाका सिकंदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० एम० चेन्ना रेड्डी श्रौर अन्य, वेइक तारनाका सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

घर संपती, बतकम्भा कुंटा, लालागुडा, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3583/83, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 4-2-1984

मोष्टर :

प्रकप् नाइ.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 865/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है, जो सिकंदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन रिजस्ट्रीकर्ता जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृतिवित उद्देश्य से उच्त अंतरण कि जित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे ब्यूने में सुधिधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों. अर्थातुः— (1) मेसर्स बाबूखान बिल्डर्स 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकंदराबाव।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रारूण सूद, 4 जी० गीताजल, 8-बि०, माडल टाऊन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किये जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रगुक्त शस्त्रों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

दुकान नं० 50 रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 1621 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3606/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-2-1984

प्रकृष. आहूर. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत उक्कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 847/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न्तः से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 401है, जो श्रमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रधीन जून 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्सिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नन्तरण से हुई किंती नाय की वाब्त, उक्त नीधिन्यस की नधीन कर दोने की न्याहक की वायित्व में कमी करने या उबसे वच्ये में बुविचा की सिए; नीट्र/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब उक्त विभिनियम कौ भारा 269-न के अनुसरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सर्थात् ः—

- (1) मेसर्स विजया विल्डर्स 7-1-70 / वि०-1 एम० सी० एच० रोड, श्रमीर पेट, हैदराबाद।
 - (म्रन्तरक)
- (2) श्री एस० सूरेश पिता रमना, टेलीकम्युनीकेशन्स, ए० पी० एस० ई० बि० निया पी० डी० ग्राऊंड्स, विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस भी

फ्लैट नं० 401, विजया बिल्डमं कॉम्प्लेक्स एन० सी० एच० रोड, भ्रमीर पेट रजीस्ट्रीकृत विलेख नं० 3291/83, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैवराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 843/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खैं के अधीन सक्षम प्रविध्वारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 404 है, जो अभीरपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में है रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि उथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत् नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स विजया बिल्डर्स 7-1-70/बि०/1, एम० सी० एच० रोड, अमीर पेट हैदराबाद।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री रंजीत पूनी 'होनेवालू' नं० 16, काठारी रोड, मद्रास-600034

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुत्त्वी

फ्लैट नं० 404, विजया बिल्डर्स कॉम्प्लेक्स एम०सी० एच० रोड, ग्रमीरपेट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3379/83 रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी हैवराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाव

तारीख: 3-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 842/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भ्रसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 306, है, जो ध्रमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय हैदरबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जून 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, चक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातुः— (1) मैंसर्स विजया बिल्डर्स 7-1-70 बि/1, ग्रमीरपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिंग्बहीं सुब्बाराव, इंडीयन श्रोव्हर्समंज बैंक गृग रोड, कामरेडी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकना।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 306, विजया बिल्डर्स कॉम्प्लेक्स एम० सी० एच० रोड, श्रमीरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3289/83, रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेज, हैक्साबाद

तारी**ख** : 3-2-1984

प्ररूप आहरें. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैवराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 841/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए० एफ० एफ० है, जो 4, 7-1-78 ग्रमीरपेट, में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचत जिल्लामिय के जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित स्वीक्तमों, जर्थात् ध— (1) श्री बाजाजी भाग्यनगर कोग्रांपरेटीव हाऊर्सिंग सोसाइटी लि० बाई श्री ए नवनीतराव, 1-8-725/ ए०/1, न्यू० नल्लाकूंटा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रार० चक्रपाणी पिता राधवेंद्रा राव, टी० म्रार० टी० 149 जवाहरनगर, हैदराबाद। (प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

फ्लैट नं० ए० स्राफ एफ० एम० सी० एच० नं० 7-1-78 स्रमीरपेट हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० \$3497/83, रजीस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरा बाढ

तारीख: 3-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

(1) प्रोग्नेसीव्ह बिल्डर्स, 3-6-309 बसीरबाग, हैदराबाद (ग्रन्तरक)

ज (2) श्रीमती इंदरजीतकुमार 3-6-309 बसीरबाग, हैदराबाद।

(म्रन्तरिती

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निर्वेश सं० प्रार० ए० मी० नं० 804/8-3-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उक्षित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 3-6-309, है. जो बसीरवाग, हैदराबाद स्थित हैं (श्रौर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित --- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकती।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

नग्ज्यी

फ्लैट नं० 41, चौथा मंजला, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 437/83 रजिट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-2-1984 मो**ह**र प्रस्थप जाइ .टी. एन. एस . ------

भाय हर अश्वितियम 1961 (1961 का 43) की चारण 269-ण (1) के प्रधीन सूचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० 805/83-84—श्रत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार भूका 25,000/- कार्य में प्रधिक है और जिसकी सं० 3-6-309 है तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

का पूर्वोक्त सम्मित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनात प्रतिकृत के लिए प्रनारित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिकृत से अधिक है प्रौर पन्तर (अन्तरकों) प्रौर यन्तरिते (अन्तरितयों) के दीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गना प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उका प्रनारण जिखित में बास्त्विक रूप से किन्तर नहीं किए गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किनी साथ या किसी धन या घरव प्राहितयों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रिवानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनयम, या एत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिधा के लिए;

भत: अब, उनत प्रधिनियम को बारा 269 में के प्रतृत्तरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 69 में की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्वक्तियों, अर्थात :--- नैंससॅ प्रोग्रेसीघ्ह बिल्डर्स, 3-6-309, बसीरबाग, हैदराबाद।

(बन्तरक)

 श्रीमती चंदरजीत सीमा, 3-6-309, बसीरजाग, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए जार्यवाहियां करता हुने।

एक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी **प्राक्षेप :**→-

- (ह) इस मूबना क राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन ही अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती ो, के भीतर (वॉक्त व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति तारा;
- (ख) इस सुवना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, श्रक्षोत्रस्ताक्षरी के पास विकित में किये जा सकेंगे।

स्वश्तीकरण म्—इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पर्यो का, जो उक्त पश्चिम नियम के अध्याय 30-ए में परिभाषित है, वहीं पथ झाना, जो उन पश्चाप में दिया गर है।

अनुसूची

फ्लेट नं∘ 519, पांचवा मंजिला, 3-6~30, बसीरबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं∘ 436/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ऋधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 3-2-19

भोहर ;

प्रकृष् वार्ड, टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 806/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1-1-524/ए है, जो गांधीनगर, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पृवांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई जिसी बाय की कावत, उक्त बहिबिबय के बधीन कर दोने के बलारक के दाबित्य में क्सी करने वा उबसे वचने में तृतिया के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

मैसर्स कामत बिल्डर्स,
 बी-3, बिन्दू शापिंग सेंटर, तिलक रोड,
 बाम्बे ।

(भ्रन्तरक)

श्री सी० पांडू पिता सी० दुर्गया,
 1-7-55, झमीस्तानपुराग्र हैवराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की बरिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर लक्त स्थावर मम्पिति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे:

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनसम, के संभ्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अभ्याय में दिखा नवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-14, एम० सी० ए**च**० नं० 1-1-524/ए, ग्रीर ए 1, गांधीनगर, हैदराबाद । रजिट्रीकृत विलेख नं० 3754/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन र्रेज, हैदराबाद

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

तारी**ख** 3-2-1984 मोहर : प्ररूप नाइ . दी. एन. एस. ------

भायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत बुद्रकारु

कार्यात्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराधाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० मी० नं० 807/83-84 यत:—— मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति चित्रका उचित वाषार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं०] 1-1-524/ए है तथा जो गांधीनगर, हैवराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक जून, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के स्वयमान प्रतिफक्ष के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से क्थित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कभी करने या जससे वचने में सुविधा के लिए; जीक/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन वा बन्य आस्तिवाँ का जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

जतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, वर्धात् स्—— मैसर्स कामत बिल्डर्स,
 बी-3, बिन्दू शापिंग सेंटर, तिलक रोड,
 बाम्बे।

(ग्रन्सरक)

खाजा मोधनुद्दीन,
 16-4-58/1,
 चंचल गुडा, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण हि—इसमें प्रयुक्त खर्को और वर्षों का, वो अवस विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में विका नवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० ए 12, एम० सी० एच० नं० 1-1-524/ए भीर ए 1, गांधीनगर, हैदराबाद। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3777/83, रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-2-1984

भाहर :

व्यक्त बाह्य, डी., एवं, एवं.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

वारा 269-वृ (1) के बभीत् यूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 808/83-84 यत: - मुझे, एम० जेंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भ्राँर जिसकी सं० 3-5-796 है तथा भी किंग कोठी, हैवराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधित k मैसर्स नटराज बिल्डर्स केयर श्राफ : महाबीर श्रपार्टमेन्ट्स, हैवराबाव ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० ग्रार० चंद्रन पिता लेट सी० एन० रामस्यामी 1-2-33/6, श्री सदन,गगन महल रोड, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्मिति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक सं 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ि प्लाट मं∘् 406,∰भौया∤ मंजिला, ॄमाहवीर प्रपार्टमेन्ट्स, 3–5–96, किंग√ कोठी, हैदराबाद । रजिस्ट्रीकृत विक्षेख नं∘ 3772/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 3-2-1984

माहर 🔅

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984 निदेश सं० म्रार० ए० मी नं० 809/83-84~श्रयतः मुझे एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है:

श्रौर जिसकी सं० 3-5-873 है, तथा जो हैदरगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चीकडपहली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाःं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित से नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 मातृश्री इंजीनियसं एण्ड बिल्डर्स, प्रा० लि०, 3-5-873, हैदरगुडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

प० व्ही० भ्रार०के० नागेश्वर राव,
 4थ, जी, सुबोधिनी श्रपार्टमेन्ट्स,
 बगुलक्टा, हैदराबाद।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्षरके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सभ्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्परकोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भन्स्ची

पलेट $\frac{104}{100}$, बि ब्लाक, 3-5-873, हैवरगुडा, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 360/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकिकारी, चीक्कडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

तारीख: 3-2-198**4**

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांभ 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 810/83-84——यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3-5-781/5 है, तथा जो कि कोठी, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ग्रामा ग्रमा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उथत अन्तरण विस्तर अन्तरण विस्तर अन्तरण विस्तर अन्तरण के लिए तथ

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अभा, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रो मोहम्मद आलो बहरन पिता हाबिब्बे मुसा बाहारन 3-5-781/5, किंग कोठी, हैदराबाद।

(अन्तरक)

सेंट, जोसेफस, एजुंकशन सोसाइटी,
 बाई यू०, गीरोगेरी रेड्डी पिता जोगी रेड्डी,
 आरविन नगर कालोनी, हैदराबाद। (प्रन्तरिती)

करों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कायंवाहियां करता हों।

जनतां सम्परित को वर्णन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायार संपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, ओ उन्स अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

संतर्स ची

घर का भाग, नं० 3-5-781/5, किंग कोठी, हैदराबाद। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3675/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्ररूप माई० डो० एन० एन०---

भ्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) ने प्रमीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 811/83 84—यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-कप्त से अधिक है

और ज़िसको सं भूमि है तथा जो पोक्षादोगुडा, हायातनगर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिक नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ए कें, प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

 श्रीमती पी० ऊषादेवी, और अन्य, जी० पी० ए० एम० रत्ना राव नायडू, 12-10-416/6/1, नामालगूंडू, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री अन्तपूर्णा को-आपरेटिय हार्ऊसिंग मोसायटी लि० बाइ श्री सी० एच० फकीर अहमद, ऊप्पल, हैदराबाद।

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

बंजर भूमि सर्वे नं० 51ए, 1-10, गूंठे, पीरझादीगुडा, हायाननगर, तालुक, रंगारेड्डी जिला। रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 4559/83. रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 3-2-1984

मोहर 🥕

प्रकृष बाहे टी. एंग्. एंस्. प्रमानना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सीं० नं० 812/83-84---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वजरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नीयानपुर, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अं।र पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुन, 1983

का पृथा नित सम्मित्त के अधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रीक्त संपरित का अधित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिबळ कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में अभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की, प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (†) के सधीन, निम्निलिसित <u>क्यित्तियों, अर्थात् ६——</u>
13—516 GI/83

 श्री के० नारायगराव औय अन्य. 3-4-520, बरकतपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. दि दप्तीश्री को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी बाइश्री ए० सुब्धाराव मासाब टंक, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण : --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बंजर भूमि विस्तीर्ण 5 एकर, नीयानपुर रंगारेड्डी जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4635/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा**ट**

तारीख: 3-2-1984 मोहर् 🛭 प्ररूपः नाइं, टी, एक्, एस ु ----≅

नायकर मिथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 813/83-84--यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है तथा जो हैवरनगर, रंगारेड्डी जिला में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनोक जून, 1983

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रमान प्रतिफल से, एसे श्रमान प्रतिफल का गंबह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत पहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम जो जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६——

 श्री टी० कृष्णा और कमलम्मा, 1-1-526/5, गांधीनगर, हैवराबाद।

(अन्तरक)

2. षि एकलब्य को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी लि॰ बाइ पी॰ वेंकटेस्वर राव और अन्य, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अन्नीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया है।

बन्द्रची

बंजर भूमि बिस्तीर्णं 5 एकर, हैवरनगर, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5138/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्रक्य भार्द , डॉ. , एन , १४ ,-----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 814/83-84---यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो ननेपाल, नंबीयाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नंबीयाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औरु/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री डी० श्रीधर राय पिता रामाराव,
 बी० प्रस्हाद राव पिता रामाराव,
 नंदीयाल, करनूल जिला ।.

(अन्तरक)

 दि नंदीयाल पंचायतराज एम्प्लाइज को-ाश्रपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, मंदीयाल, करनूल जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय औं दिया गया है।

बन्स्ची

खुली बंजर भूमि, विस्तीर्ण एक एकर, तूनेपल्ली, नीयाल तास्त्रुक, जित्रा करनूल, रिजस्ट्रीइत विलेख नं० 2117/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नंबीयाल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2—

सारीखा: 3-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) क्री धारा 269-व(1) के अधीन सूचना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं. भ्रार० ए० सी० नं० 815/83-84—यतः, मुझे एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न् कं से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7-1-70/बि०/1, है, तथा जो ध्रमीरपेट हैदराबाद में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप से बाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- मैसर्स विजया बिल्डर्स,
 7-1-70/बि/1, एम० सी० एच० रोड,
 श्रमीरपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० जी० एस० राय पिता सत्यनारायण 13-2-40, लच्चीराजू, स्ट्रीट, सूर्याराव पेट, काकीनाडा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैट नं० 506, विजया बिल्डर्स, काम्प्लैक्स, एम० सी० एच० रोड, श्रमीरपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3380/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन **रें**ज, **हैदरा**बाद

तारीख 3-2 1984 मोहर प्

प्रुरूप भार्द. टी. पुन. पुरू.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिर्काण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी, 1984

निदेश सं० घ्रार० ए० सी० नं० 816/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7-1-70/बि०/1, है जो श्रमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गृद्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से, ऐसे द्रियमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बार्यित्व में कमी करने या उसते बचने में सुर्रिवभा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भून या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मैसर्स विजया बिल्डर्स,
 7-1-70/बि/1 इएम० एसी० एच० रोड,
 ग्रमीरपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ज० जी० प्रेमचन्द, पिता चदानी, फ्लैट, नं० 205, विजया श्रापार्टमेन्ट्स, एम० सी० एच० रोड, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त, सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की श्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याग्;
- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंधित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 205 विजना बिल्डर्स, काम्पलैक्स, एम० सी० एच० रोड, श्रमीरमेट, हैदराबाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3377/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, क्टैदराबाद

तारीख 3-2-1984 मोहरः प्ररूप आई, टी, एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश स० श्रार० ए० सी० नं० 817/83-84—यत: मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० 8-2-695/बि० है, तथा जो बंजाराहित्स हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16 के म्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखितः उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसता विशिष्यम के वृशीन कर दोने के जन्तरक के दायित्थ वों कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्रीमती ऊषा इदूरा भाडे, पति बसंठ विट्ठल भीडे, रोड, नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

मैससं ऊस्तूम माइका माइनींग को०,
 उ8 एस० एस० श्राइंगार, रोड,
 मद्रास-600018

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृतित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवित्यों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्ची

घर न० 8-2-695/वि० बंजाराहिल्स, <mark>हैदराबाद,</mark> रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1799/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-2-1984 **मोहर** ु श्रुरूप् आहे. दी. एन. एस : ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद बंबई, दिनांक 3 फरवरी 1984

हैदराबाद दिनांक 818/83-84—यतः मुझे एम. जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 7-1-70— $\left| \overline{a} \right| 1$, है ,जो भ्रमीरपेट, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पृष्ठींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिलित में बास्तविक रूप से कशित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्मरण सं हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- मैसर्स विजया बिल्डर्स,
 7-1-70/वि०1, एम० सी० एच० रोड.
 भ्रमीरपेट, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

 वाई० एस० सी०बोस, पिता कोय्या, पेनमस्टसा, युपूरु कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताकरों से पास लिखित में किए जा सकोंगे [1]

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 302, बिजया बिल्डर्सं, काम्पलैक्स, एम० सी० एच० रोड, श्रमीरपेट, हैदराबाद, । रजिस्ट्रीकृत विलेंण ख नं० 3290/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्ररूप आर्थः, दी. एन्, एस., ----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० श्रारं० ए० सी० नं० 819/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7-1-70/बि/1, है, तथा जो श्रमीरपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपावछ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जूत 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के जभीन, निम्नसिचित स्पीक्तयों अर्थात् ह—--

मैसर्स विजया बिडर्स,
 7-1-70/बि/1, एम० सी० एच० रोड,
 म्रमीरपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० भ्रार० कृष्णा रेड्डी, फ्लैट नं० 103 विजया बिल्डर्स, एम० सी० एच० रोड, श्रमीरपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के भर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन को तारीब से 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्य
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त कड़वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।]

श्रनुसूची

प्लैट नं ० 103, विजया बिल्डर्स, काम्प्लैक्स, एम० सी० एच० रोड, ग्रमीरपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3375/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद।

> ऐम० जगन मोहन सक्षम ग्रश्विकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहुरु 🖁

प्ररूप आहर्ं ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिमांक 3 फरवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० 820/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

कायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसका सं० 7-1-70/बी/1,है तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाब इ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान व्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जार मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योग्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिभा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीम , निम्निलिसित व्यक्तियों , अर्थात् ६—

14-516G[83

1 मैंसमें विजया विल्डमं, 7-1-70/बि/1, एम० सी० एच० रोड. अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तर्कः)

श्री राज आनन्द राम;
 131 श्रीनगर कालोती, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलैट नं. 403, विजया बिल्डर्स काम्पलैक्स, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद, । रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3382/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरायाद

दिनांक 3-2-1984 मोहर : प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर **अभिनियम, 1**961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 821/83-84—स्यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिमकी सं० 7-1-70/बि/1, है, तथा जो अमिरिपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण का मे विणित है) रिजिक्ट्रोकर्गा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त संम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रीटिस्थ मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिनहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स विजया बिल्डर्स,

7-1-70/वि/6, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद ।

ु(अन्तरकः)

2. श्री एम० विकराम अलवार, पत्नैट नी० 402, विजया अपार्टमेन्टर, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **है**।

अनुसूची

पलैट नं० 402 विजया बिल्डर्स काम्पतैक्स एम० सी० एच० रोड अमीरपेट हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख र्न० 3383/83, रिजस्टीकर्मा अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-2-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेणसं० आर० ए० स°० नं० 822/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी र्सं० 7-1-70/बि/1, है जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मंवास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अञ्चलनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स विजया वि ल्डर्स,
 7-1-70/बि/1, एम० सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

श्रीमती ए० सीता देवी पति ए० व्ही० ए० रामा द्वाव,
 7-1-63/4, एम० सी० एच० रोण,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 305, विजया बिल्डर्स, काम्पलैक्स, एस० सी० एच० रोड, अमोरपेट, हैयराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3381/ 83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेमन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरादाद

तारीख: 3-2-1984

प्ररूप आहे, टी. एन. एस., -----

भायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-न (1) के नभीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश र्स० आर० ए० सी०नं० 823/83-84--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7-1-70-/बि/1 ई, तथा जो अमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 27 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैसर्स विजया बिडल्डर्स,
 7-1-70/बि/1, एम० सी० एच० रोड,
 अमीरपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्रीमती भेषा महेश भाष्य पति महेस एम० भावे, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

न्त्रे सह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के द्विष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

जनव सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 405, विजया बिलडर्स, काम्पलैक्स, एम० सी० एच० रोड, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3374/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाट।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखं: 3-2-1984

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० सं० 824/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7-1-70/बि/1 है, तथा जो अमीरपंट, हैदराबाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांश जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण निलिस मे बास्तिवक हम से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय आ किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनःकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — मैंसर्स विजया बिल्डर्स,
 7-1-70/वि/1, एम०सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री के० वत्सला पति वेंकटाराम, फ्लेट नं० 303, विजया अपार्टमेन्ट्स, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपंत्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द सस्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे

स्पष्टिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पलैट नं० 303, विजया बिल्डर्स कॉम्प्लैक्स, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद में रजिल्ट्रीकृत विलेख नं० 3376/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन भोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहर ः

अरूप आईं.टी.एन.एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए. सी०नं० 825/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनहों मं० 7-1-70/बि/1 है तथा, जो अमीरमेपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वर्णित है) एजि:द्रोक्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स विजया बिल्डर्स,
 7-1-70/बि/1, एम० सी० एच० रोड, अमी'रपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री एम० रिवन्द्रनाथ पिता एम० व्हि कृष्णाय्या चेट्टी, ए/6, 31स्ट क्रास, 7थ ब्लाक, जय नगर, बंगलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्गिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट[†]नं० 301, विजया बिल्डसं काम्पलैक्स, एम० सी० एच० रोड, अमीरपेट, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3378/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, हैदराबाद

तारी**खा**: 3-2-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी०नं० 826/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-301 से 305 है, तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद वें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उभत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 कुंप बिहारी लाल और अन्य 13, 6-3-967 से 969, फी मंजिन, खैरताबाद।

(अन्तरक)

 एल० राम लिगय्या, लक्ष्मीपूरम, गृंदूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हों, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 604 ची० गज, घर नं० 3-6-301 मे 305, ब्रसीरबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3317/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 3-2-1984

प्रक्रम् आर्द्धं टी. एन. एस. ----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आरं० ए० सी० नं० 827/83-84—-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 3-6-301 से 305 है, तथा जो बसी खाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुन 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री कुंज बिहारो लाल और अन्य 13, 6-3-967 में 969, फोगोन वैरताबाद ।

(अन्तरक)

2 श्री एम० श्रोनिवासा रेड्डी पिता एम० राघवारेड्डी, नेलीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृजाँकत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जनत सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा?
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया व्या हैं ॥

नन्स्यी

फ्लॉट नं० 3, विस्तीर्ण 601.6 चौ० गज, घर नं० 3-6-301 मे 305, बमीरवाग, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3312/83, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 3-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहूर्. टी. एन . एस . ------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आगकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज,हेदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

्रिक जोगन मोहन,

गायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार १69-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अरण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उदिन वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

औय जिसको सं० 3-6-301 में 305 है जो वसिरवाग, हैदराबाद में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

्तो पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य में कम के रश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरिं। की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम उरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेखित में वास्तियक हैं भे किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायि व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिल्पान में सृविधा के लिए;

 श्रा कुंच बिह्तरा लाल और असा 13, 6-3-967 से 969, फ्रोमंत्रील, खैरनाबाद ।

(अन्तरका)

2 श्री एम० सुव्विरामी रेड्डी पिता एम० राघवारेडी, नेलीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उभत स्थावर संपत्ति में हित्यद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुस्ची

पनॉट नं २ 2. विस्तोर्ग 597 चौ० गज, घर नं० 3-6-301 से 305. विभोरबाग, हैदराबाद, रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3311/83. रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सडायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नाराँखा: 3-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 829/83-84---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस् दसमें इसके पदवाक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की नक्ष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

आंर जिसकी रं 3-6-301 से 305 है, तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक जून, 1983

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूस्य से कम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बंग्जार मूस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और जंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरख जिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरणे में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री कुंग मिहारो लाल पिक्षा कन्ह्य्यालाल और अन्य 13, 6-3-967 से 969, फिनेह मंजील, चौरताबाद, हैदराबाद।
- 2. श्री डी० क० आदिकुणवलू पिता डी० के० नायडू, लक्ष्मीनारायण कॉलनी, चीर्र,।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचिमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रची

प्लॉट नं०, विस्तीर्ण 929 चौ० खुली जमीन, घर नं० 3-6-301 से 305, बसीरबाग, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3310/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मो**ह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं०/आर० ए० सी० ने० 830/83-84---यतः मुझे, *≸एम०* जेगन मोहन

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-301 से 305 है, तथा जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यभान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विश्वास् करने का कारण है कि यभापूत्रीकर सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं मन्तरण के निए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेरव से अक्त बस्तरण सिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की नानत, जनत अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक की कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय भाय-कर अभिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकार नहीं किया गया या याकिया जाना चाहिए चा, छिचाने में सविधा के लिए;

जत: स्व, जनत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्षे अधीनः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. कंज बिहारी लाल, पिता कन्हैयालाल, ग्रौर ग्रन्य 13, 6-3-967 से 969, फतेह मंजील, चौरताबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० मुधाकर रेड्डी, पिता एम० राघवारेड्डी, नेलौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसूची

खुली जमीन, प्लाट नं० 4, विस्तीर्ण 625, चौ० गज, बसीरबाग, हैदराबाद, घर नं० 3-6-301 से 305, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3313/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-2-1984

प्रकप बाइ.टी.एन्.एस. ------

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार 269•ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हेदराबाद हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी, 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 87 1/83-84-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संग्रति जिस्र हा उचिन बाजार मूल्य 25,000/- व० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है, जो बाजार स्ट्रीट, पाकाला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पाकाला में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त जंगित के अभि बाजार मूल्य में का के दृष्णभात शितफल के लिए अन्तरित का गई है गीर मूले यह विज्ञाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का अचिर भागार मूल्य, उसके वृष्यभात प्रतिकल से, ऐसे दृष्यभात प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल लिम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्यत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) प्रस्तरण संदुई किया आप का बाबत नियम के प्रधीत कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचार्त सुविधा के लिए; और/छ
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रीव्यतियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त श्रीव्यतियम, या धन कर श्रीव्यतियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री एन० सुक्रामन्या, रेड्डी, दामारा पत्न्नी, पाकाला, जिला चित्तर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० गीता रानी, बाजार स्ट्रीट, पाकाला. चित्तूर जिला।

(ग्रन्तरिती)√

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मरित के अर्जन के जिहुर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसची

घर सम्पत्ति, बाजार स्ट्रीट, पाकाला, रजिस्ट्रीकृत विलेखें नं 1152/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पाकाला।

> एस. जंगन मोहन अर्जन रॉज, हौंदराबाद सक्षम प्राधिकारी: सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

तारीय : 3-2-1984

महिर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० न० 872/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहनः

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० घर है जो विदावलुक कोऊरू, तालुक में स्थित है (श्रीर इसरो उपावब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोऊर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उषित काजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उषत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई 'कसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन नर द'न के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री वाई० दणरथारामी रेड्डी, ग्रौर श्रन्य विद्याबालुक, विलेज, कोऊक, तालुक, नेलौर जिला।

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० कृष्णा रेड्डी, पिता बेंकू रेड्डी, बिडाबलुष्ट, बिलेज, कोऊरु तालुक. नेलीर जिला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया रूपा है।

अनुसुची

घर सम्पत्ति, विदावलुर, कोऊर तालुक, जिला नेलौर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 540/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी कोऊरू ।

एम० जेगन^{कु}मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अवः, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

नारीख : 10-2-198∔

मोहर 🗧

प्ररूप बाइ . टी . एन् . एव् .) ------

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को ब्योन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 873/83-84-यतः मुझे, एस० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का वां अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० घर है जो स्टेशन रोड, खम्मक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खम्मम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसीबाय की बावस, उनस विधिनिय्य के बभीन कर दोने के अन्तरक के दाक्तिय में कनी करने या उदस्ते वजने में सुविधा के किए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना बाहिए था जिपाने में सविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीर, निम्निः लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-- 1. श्रीमती सी० एच० अवा देवी, पति लक्ष्मी नर सिम्हा मुर्ती, गुडीवाला ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती जी० विजया लक्ष्मी पति श्रापालास्वामी, द्वारा : जी० राम मोहन राव, मेट्रो श्राप्टीकल्स एण्ड स्टूडियो, गांधी चौक, खम्मन-507002

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सन्दित् के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष्ठ :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुसूची

घर सम्पत्ति , स्टेशन रोड, खम्मम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2095/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी खम्मम।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 874/83-84-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं विष्य है जो वार्ड 20, ती रुपती में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सीरुपती में

रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक जून, 1983

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेह्य से उच्चत अन्तरण निकास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में भविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी, धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्प मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्री ए० कृष्णा रही, श्रीमती पी० राजम्मा श्रौर श्रीमती लक्षमम्मा, तीक्ष्पती, ।

(भ्रन्तरक)

 श्री पी० द्वारकान्ता रेड्डी, ध्रौर ध्रन्य यंराकोंड रेड्डी, गारीपल्ली, चित्तूर जिला ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सम्पत्ति विस्तीर्ण 279 चौ० गज ग्रौर 2512 चौ० फुट, (2) 279 चौ० गज, ग्रौर 2512 चौ० फुट, (3) 480 चौ० गज, ग्रौर 4320 चौ० फुट, वार्ड नं० 20, तिस्पति, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3436, 3437, ग्रौर 3481/83, रिजस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी तिस्पति।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-2-1984

माहर :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी, 1984

निदेण सं आर० ए० मी० नं० 831/83-84--अतः मृझे एम० जेगन मोहन

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 84 है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्झीकर्सा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजर्झीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 83 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वोध्य रो उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुत्रिधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थित्:—

 श्री कुंज विहारी लाल पिता राइ कन्हैयालाल श्रीर अन्य 13,
 6-3-967 में 969, खैरताबाद, हेदराबाद, मैमर्स श्रीतिवामा आसोसिएट्म, हीमायत नगर,

(अन्तरक)

 श्री अशोक कुमार पिता शामलाल जी: 21-1-431, रीक्य गंज, हैदराबाद ।

हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को <mark>गहस्चना जारी करके पूर्वीक्त</mark> संम्पत्तिके अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उभत स्थावर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयूपन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगर, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 84. विस्तीर्ण 488 चौ० गज घर न० 3-6-301 से 305, बसीरवाग, हैदराबाद रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3319/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> ^{ारस}० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गा रेज, हैइराबाद

नारीत: 3-2-1984

प्ररूप भार्यः, टी. एतः, एसः -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक जायकर वायुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 832/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-301 से 395 है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक ज्न, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया इतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उस्त अंतरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उत्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

 श्री कुंज बिहारी लाल पिता राइ कन्हैयालाल ग्रीर अन्य 13 6-3-967 से 969, खैरताबाद, हैदराबाद मैसर्स श्रीनिवासा एसोसियेट्स, हिमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

श्रीमती व्ही० देवकी पति व्ही० प्रताप रेड्डी,
 3-3-1002, कृतबिगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सृचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षथ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट विस्तीर्ण 442 चौ० गज घर नं० 3-6-301 से 305, हैदराबाद, बशीरबाग, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3314/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहर 🕒

16---516G[83

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. १ - - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 833/83-84—प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. हे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3-6-301 है तथा जो हैदर(बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 83 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में गृविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिधित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः--- श्री कुंज बिहारी नान पिता राइ कन्हैयालान श्रीर अन् 6-3-967 से 969, फते मंजिल, खैरताबाद, हैदराबाद मैसर्स श्रीनिवासा एसोसियेटस 3-6-735/1, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

मैसर्स श्री क्रुष्णा ज्वेलर्स,
 5-8-612,
 अबिडस, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्लाट आफ लैण्ड, विस्तीर्ण 383 चौ०गज, घर नं० 3-6-301 से 305, बशीरबाग, हैदरबाबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3323/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिशारी हैदराबाद;

> एम० ज्यान मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 3-2-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 834/83-84—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० 3-6-301 से 305 है जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्थिभ के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

 श्री कुंज बिहारीलाल पिता राइ कन्हैयालाल और अन्य 13, 6-3-967 से 969 फरों मंजिल, खैरताबाद, हैदराबाद । मैसर्स श्रीनिवासा एसोसियेट्स, 3-6-735/1, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री ए० ब्रह्मय्य पिता ए० वीरा मलय्या, लक्ष्मीपुरम, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

प्लॉट धूमि, विस्तीर्ण 563 ची० गण, घर नं० 3-6-301 से 305 , बसीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3316/ 83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद !

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

अरूप आई.टी.एन.एस.------

मारत का राजपन्न, मार्च 24, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 3 फरवरी, 1984

निदेश सं० आर्० ए० सी० नं० 835/83-84---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से **अधिक हैं**

श्रीर जिसकी सं० 3-6-301 है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वे क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- 寓) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री कुंज बिहारीलाल पिता राइ कन्हैयालाल ग्रीर न्य 13, 6-3-967 से 969 फते मंजिल, खैरायाद हैदराबाद । मैसर्स श्रीनिवासा एसोसियेटस, 3-6-735/1हिमायतनगर, हैवराबाद ।
 - (अन्तरक)

2. श्री निवासा राव, 3-5-1141, रामकोट, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के धूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उत्स अध्याय में दिया गया 💕 ।

मन्स्ची

भिम विस्तीर्ण 410 चौ० गज घर नं० 3-6-301 से 305 बसीरबाग, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3315/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० श्रारण ए० सी० नं० 836/83-84---यतः मुझे , एम० जेगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 307 है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हूं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैंसर्स भाग्यतगर कन्स्ट्रक्शन को०, 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रनवेरूनीसा बेगम, फ्लैट नं० 307, ब्लाक नं० 'ए', बृन्दाबन श्रपार्टमेन्ट्स, लकड़ी का पुल, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु: ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होरा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

फ्लैंट नं० 307, बृदायन ग्रापार्टमेन्ट्स 11,4-656/1, रेड हील्स , हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8283/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**ः 3-2⊌1984

मोहर 🛭

प्ररूप. आर्इ. टी. एन. एस. ----

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० स्रार० ए० सी०न० 838/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काण है कि राजार गर्पात्व, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 52 है, तथा जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आश्रत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात :--

- भीलानी लाल , 6-3-967, खरताबाद, हैदराबाद ।
- श्री वासीरेडडी कृष्णाम्तीं,

(अन्तरक)

कर्टैरु विलेज, मंगलगीरी, गुटूर जिला, ए०पी० । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (सं) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

प्लाट नं० 52, हैदरगुड़ा, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 331/8/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

मोहरु 🖫

प्रस्थ गार्ड, टी. एन. एस. *****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 844/83-84— यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- एउ. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० प्लॉट है, तथा जो बसीर बाग, हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधि शारी के कार्यालय हैदराबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का विश्व है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नितियों उद्देश्य से उच्च अंतरण सिष्टित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया प्या है है——

- (क) अन्तरभ वे हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीप-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जममें बचने में सिवधा के निष् वीट्र/का
- (च) एसी निकसी अाय या किसी भन वा अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा जो बिद;

 श्री कृति विहासीलाल और अन्य 12. 6-3-967 में 286, ग्रीरहाजाय. हैदरायाद 1

(भ्रन्तरक)

श्रीमती रूक्मिनी बाई, पति महेन्द्र प्रसाद ,
 8-2-626/6, रोड नं० 1, बंजारा हिल्म,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट विस्णेत्ती 382, चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3322/83, रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी हैदराबाद, बसीर बाग, हैदराबाद।

> एम**०** जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

चन: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसर्ण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

भारीख: 3-2,1984

मोहु 🗓

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 845/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / -रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं०47 है, जो हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के जिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री कुंग बिहारी लाल पिता राइ करस्यालाल श्रीर श्रन्य 13.
 6-3-967 से 969 फते मंजील, खैरताझाद, हैदराबाद मैसर्स श्रीनिवासा एसोसियेट्स,
 3-6-735/1, हिमायत नगर, हैदराबाद।
 - (श्रन्तरक)

 मैसर्स श्री कृष्णा ज्वैलर्स, श्रबिड्स, हैदराबाव ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्लाट नं० 47, विस्तीर्ण 383 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3321/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हैदराबाद घर नं० 3–6–30 1 से 305 ब बसीरणाग, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्रकप बार्षः दी. एन. एस. ----

मायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984

निवेश सं० म्रार० ए० मी० नं० 846/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन भोहन,

श्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- द० से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी संव प्लाट संव 19 है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधील दिनांक जून,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए बन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ज) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-भारा (1) कें अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 7 —516 GI/83

 कुंज बिहारी लाल पिता राइ कन्हैयालाल ग्रौर श्रन्य 13, 6-3-967 से 969 फते मंजिल, खैरताबाद, हैदराबाद मैंगसं श्रीनिवास एमोसियेट्स, 3-6-735/1. हिमायत नगर, हैदरावाद ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती इंदिरावनी, देवी पति पुरुपोत्तम दाम,
 501, मोगल, अपार्टमेंट्स, दक्कन टावर्स,
 हैदरावाद ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंब किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसल प्रश्नित्यम के श्रव्याय र्20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 49, विस्तीर्ण 404 चौ० गज, घर नं० 3-6-301 से 305, बसीरबाग, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख 8 नं० 3324/83, रिजस्ट्रीकर्ती स्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 3-2-1984

प्ररूप आधै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज,हैदरायाद

हैदराबाद, दिनांक 3 फरवरी 1984 निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 850/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 46 है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में और जो पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तित्ति की गीई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वंतरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त विभिनियन के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री कुंज बिहारीलाल पिता राइ कन्हैयालाल श्रौर श्रन्य 13, 6-3-967 से 969 फते गंजील, खैरताबाब, हैदराबाब, मैसर्स श्रीनिसवा, ग्रासोसियेट्स, 3-6-7,35/1 हिमायत नगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पुष्पलता बाई पित शिवचरन,
 8-2-626/6, बंजारा हील्स, रोड, नं० 1, हैदराबाद ।

(श्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकोंगे।

स्युक्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 382, चौ० गज, घर नं० 3-6-301 से 305, बसीर बाग, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत यिलेख नं० 3320/83, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 3-2-1984 मोहर ±

प्रकप् आइं.टी.एन.एस.-----

आयक<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंबराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984 निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 853/83-84---यतः सुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्यत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संघ 4-4-445 है, जो सुलतान बाजार, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ज्तः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री रमेश जे० शाहा,
 प्रेसीडेन्ट, फ्रेन्डस् क्लब, सुलतान बाजार,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती यशोदा बाइ पित रतनलाल श्रागरवाला, 4-4-445, सुलतान बाजार, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की व्यविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित एँ, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

वो मंजिला की इमाप्त तं 4-4-445 सुलतान बाजार, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3329/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैषराबाद

तारीखः 4-?-1984 मोहरः

प्ररूप आहें हो, एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 855/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

स्रौर जिनको सं 1-9-1015 है, तथा जो स्राडीकमेट, हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इसरो उनाबढ़ स्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन विनांक ज्न, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल से एसे रहसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण जिल्हित में सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ब्ल्डडल से हुई किसी बाब की बाबत, उसक जिम्मिन्यम के अधीन कर दोने के बन्तुरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भार्डिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिये था छिपाने में सविभा को लिए;

अतः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपनास (1)। के अधीन निम्नीलासन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मीर श्रकबर भाली खान,
 21-4-195, हस्नी श्रालम, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती

श्री एम० ए० रसीद,
 1-9-1015, ग्रडीकमेंट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संप्र्यात्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया हैं।

अनुसूची

घर नं. 1-9-1015 और 1015ए, आडिकमेन्ट, **हैदराबाद** रिजसीक्ष्रित विलंख नं. 3581/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एम. जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सक्षम आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रजे, हैंदराबाद

तारोव . 4-2-1984 मोहर ः प्रस्पाः आद्रौ्, टी ु एन , एस्, ु ० ० ० ० ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्रारण ए० सी०नं० 856/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफीस है, जो यमराल्ड हाऊस, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी
के कार्यालय बल्लभनगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अडि/बा
- (ख) ऐसी निसी आय या सिनी प्रन या घण्य घारितयों को, जिन्हें मारतीय आयहर अखिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत धाधिनियम, या घन-कर घाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविभा के सिए;

श्रतः श्रवः, उत्तर्त ग्रीभिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— श्री गोपाल राइ श्रग्रवाल, एमराल्ड बिल्डर्स, एबिड्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती देव इचा श्रौर मेजर जें० जें० सींग, जीत विला, 3-4-529/3, श्रार० बि० व्ही० श्रार० रोड, नारायण गुडा, हैदराबाव ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्यध्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय का नं० 4, पांचवी मंजिल, एम्राल्ड हाऊस, सरोजिनी देवी रोड, सिकन्दराणाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1939/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **हैदराबा**द

तारी**ख**: 4-284

माहर:

प्ररूप बाइ . टी. एत. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के मुधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैवराणाद, दिलांक 4 फरवरी, 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी०नं० 857/83-84- यतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भाकजिस रोष्ठ एम्राल्ड हाऊस, एस० डी० रो ।, सिकन्दराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन 1983

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिनित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूर्विधा के सिए; और/या
- (च) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित् व्यक्तितयों, अधित् :— श्री गोपाल राइ भ्रम्नवाल, एम्राल्ड बिल्डर्स, एबिड्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती देव इचा श्रीर श्रीमती मुनीता सिह, के-4-529/इ, ग्रार० बि० व्ही० ग्रार० नारायण गुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पूना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पूना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कार्यालय का नं० 3, पांचयी मंजिल, एमरारुड हाऊस, एस० डी० रोड, सिकन्दराणाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1938/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी बल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 4-2-1984 मोहरः प्रक्रप काई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज- हैक्सबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 858/83-84—यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 5→63 है, जो विययापुरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उगावद्ध अनुसूची म श्रीर जो पूर्ण भग से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन, 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसित् व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मेजर के० राजमराजु,
 33-21-44, सीलारागपुरम, विजयवाडा,
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पी० सी० चौधरी, सीताराम पुरम, विजयवाडा-4 . (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

घर नं 5-63, विजयापुरी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1899/83 , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 4-2-1984 मोहर प्ररूप आहू⁵. टी. एत. एस.-----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

थ्यापलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, हैदशवाव

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी, 1984

निदेश स॰ आर॰ ए० सी० नं० 859/83-84—यन मुझे एम० जैंगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 6 है, जो नाचाराम, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊप्पल, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य रासके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है प्रति

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वावत, सक्त अभिनियम के अभीन कर येने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री एन० डी० रावला,
 35-3- हब्सीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

ई० सुधा माया,
 6-1-324, पी० आर० नगर,
 मिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पहित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीय से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुज्दी

प्लाट नं० 6, दूसरा मंजिला प्लाट नं० 16, बी० नाचाराम, रंगामेरेड्डी, जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2173/83, पजिस्ट्रीकर्ता अधाकारी ऊप्पल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदगबाद

तारीख :4-2-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निवेण सं० आर० ए० सी० नं० 860/83-84—यतः मुझे, एम० अगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. में अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7. है, तथा जो नाचाराम, सिकन्दराबाद में स्थित है, (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उप्पल में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून, 1983

को पूर्वोवश सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मन्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री एन० डी० रावला, धर नं० एफ / 4, 3-3, हक्सीएडा. हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती इ० लीला,
 घर नं० 52/ए, सिकन्द्रराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रॉक्स सम्परित हे अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रमण की

प्लैट नं० 7, दूसरा मंजिल, प्लाट नं० 16, विलें, नाचाराम, रंगारेड्डी जिला रजिस्ट्रीकृत विशेष नं० 2174/83, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी अप्पल ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिका**री** महायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्ष**ण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1984

मोहर 🖫

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 861/83-84—यतः मुझे, एम० जेगन भोहन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 441 है, जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुन, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण गैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स बाबू खान बिल्डसे,
 5-4-86, से 92,
 एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

कुमारी नफीसा हामीद आली खान।
 3-6-361/7, बसीरंबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रबुक्त सन्दों नीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुस्ची

कार्यालय नं० 441, 5-4-86, से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3343/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 4-2-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 862/83-84—यत., मुझे, एम० जेगन भोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 116 है, तथा जो रानीगंज सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर. जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किर्दा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित स्यक्तियों , अधीत् क्ष्म मैसर्स बाबू खान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92, एम० जी० रोड, सिकन्वराबाद।

(अन्तरक)

2 जाफर अकंबार हूमन, 16-3-945, चेंचलगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

नकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन। की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रभी

दुकान नं० 116, प्रथम तल, 5-4-86 से 92, रानीणंज, सिकादराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3341/83, रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 4-2-1984

प्ररूप नाइ. टी. एम. एस.------

भायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज:III; बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1984

निदेश सं० अह० III/1705/83-84--अत:, मुझे, अर० लहिरी,

*बाय*कर अ**धि**नियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11. कैलाश क्रुपा, काजुर को०-आप० हाउसिंग सोसायटी, प्लाट नं० 69, डामले कालोनी. कांजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री किया है, दिनांक 2-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्या, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रनिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसे किसी जाथ या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थातु :---

1. मैं० अशोक कार्पोरेशन,।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रेसिला फर्नांडिस ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कर्मे परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

भगस्थी

फ्लैट नं० 11, 2रा माला, कैलाश कृपा, कांजुर, को०-आप० हाउसिंग सोसायटो लि०, कांजुर मार्ग, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई० III/982/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेज-III, बम्बई

दिनांक 21-1-1984

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई०/[[[/1758/83-84--यतः, मुझे, अ० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और, जिसकी सं० फ्लैंट नं० 125, बिल्डिंग नं० 7 न्यू शास्त्री नगर को०-प्राप० मोसायटी, मूलड, बम्बई-81 है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार नामा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 कंख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दिनांक 3-6-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे उरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी नाम की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन-कर दोनेकी अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्त) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बत: अब उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उसत अधिनियम की भाग 269-म की उपधाय (1) के अभीन निम्नलि**सित व्यक्तियों, अर्थात्:—**

1. श्रीमती ललीता बी० धारा,

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० सत्यनारायण,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्तु सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ों भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की मुंबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगं।

स्परकोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं", बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्री

फ्लैट नं 125 बिल्डिंग नं 7, न्यू शास्त्री नगर, को ० आप० सोसायटी मुलुंड बम्बई में 81 में स्थित है।

अन्मूची जैसा कि ऋ० सं० आई० III/987/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-83 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज- , बम्बई

दिनांकः 9-2-1984

प्रकप शाही.टी.एन.एस.------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1984

निवेश सं० आई-I/37-ईई/356/मार्च 83/82-83----यतः मुझे, आर० के० बकाया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ंख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 206 निर्मेल को० ग्रॉप०-इंडस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, 109-सी सायन (पूर्व) बस्बई-400022 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन विनांक 22-6-1983

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिसिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उन्तर जिसीनयम के अभीन कर बोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री मदन लाल मल्होस्रा

(अन्तरक)

2. श्री कुलित सिंह हरनाम सिंह छड्डा, श्री रूप सिंह, जगत सिंह, भांगा, श्री भगवान सिंह चाइत सिंह संधू, श्री नरिन्दर सिंह, हुनम सिंह, मट्टा,

(अन्तरिती)

3. नहीं

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. पार्टनर

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितअब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

यूनिट नं० 205, निर्मल को-आप० इंडस्ट्रियल इस्टेट लिमिटेड, 109-सी, सायन (पूर्व), बम्बई-400022 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-1/37ईई/454/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-83 को रिजस्टिङ किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I , बस्बई

तारीख: 14-2-1984

प्रकृप भाष' . दी . एन . एश . -----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

MITCH STATE

कर्यात्तय, सहायक भायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए०आर०-I/37ईई/553/83-84—स्वतः मुझे आर०के बकाया

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के प्राप्तीत सकाम पाछिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 'इंडस्ट्रियल प्रिमाय सेस, नं० 18, समेक्स. इंडस्ट्रियल इस्टेट, बिल्डिंग भाय खला, बम्बई-27 में स्थित है (और इसमें उपाबत्व अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालब, बम्बई और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1608 (1908का 16) के अधीन दिनांक 30-6-83

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया पया प्रतिफल, निम्निसित्त उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों क्ये, चिन्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निस्तिसन व्यक्तित्यों अर्थात् :—— 1. रामाइ श्वा,

(अन्तरक)

2. श्रीमती साफिया, गब्बीर प्रेस वाला.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित् के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल प्रिमाय सेस नं० 18, सिसेक्स इंडस्ट्रीयल इस्टेट, बिल्डिंग 'ए, दादाजी कोंडदेव कास मार्ग, भाय खला, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं० आई-1/467/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-6-1983 की राजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 13-2-1984

में हर:

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० अई०-1/37ईई/522/83-84----यतः, मुझे. आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

औय जिसकी मं० शांप नं — 1, ग्राउन्ड फ्लोर, ताडदेव एअर-कन्डीशन्ड मार्केट, ताडदेव रोड. बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथस्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. व्हाइटबे क्लिनर्स प्राइवेट लिगिटेड,

(अन्तरक)

2 श्री विट्ठल काडिया सुबर्णा

(अन्तरिती)

(3) भ्रम्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्पाक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गॉप नं० 1. ग्राजम्ड फ्लोग्रर, ताडदेव एअर-कंडीगम्ड मार्केट, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कर संर्था आई-1/481/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 25-6-1983 को रिअस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-2-1984

प्रकर गार्ड, टी. एन. एस. ------

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज . 🖽 बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1984

निर्देश मं० आई-III/1864/83-84--यन: भूझे अ०

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000 /- एत. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 23, बी बिल्डिंग, भागनीरी को० आप० सोसायटी, सायन डंकन रोड, चुनाभटी बम्बई-22 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, बम्बई विनांक 10-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्परित को उचित वाजार मुख्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंबरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्त्रीलिकित व्यक्तियाँ, वर्धात :---19~516GI/83

1 श्रीमती आर० जे० ददानी

(अन्तरका)

2. श्रीमती पी० आर० खंडेलवाल

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्यो

फ्लट नं० 23, विल्डिंग, भागनीरी को० प्राप० क्राउसिंग मोसायटी सायन डंकन रोड़, चुनाभटी, बम्बर्ड 22

अनुसूची जैसाकि क० मं० आई-IIJ/983/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1983 करारनामे को रजिस्टर्डकियागयाहै।

> अ० लहीरी प्राधिकारी सक्षम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज•ााा, बम्बई

विसोक: 21-1-1984

मोहर 🥄

प्रक्ष-, आहें.. टी.. एन., एस्.. - : - - -

1. श्री एस० के० दोंड

(अन्तरक)

आयकदु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

2. कु० ए० एम० खान

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी 1984

निर्देश सं० अ**०**ई-III/1905/83-84---अतः मुझे अ० सहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० III, सी० क्लाक, ऊषा नगर, को० श्राप० हाऊर्सिंग सोसायटी है जो भाँडूप बम्बई, 78 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया गया है, दिनांक बम्बई 13-6-1983

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि युथापृत्रों कत संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्पिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृतुची

फ्लैंट नं० 3, सी० ब्लाक, ऊषा को०आप० हाउसिंग सोसायटी, विलेज, रोड़, भाड़्ंप बम्बई-78

श्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई० III 875 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसौक 13-6-83 करारनामें को रजिस्टर्श किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-III, बम्बई

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीन :---

दिनांक 21-1-1984 मोहर : प्ररूप आहर् . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निर्देश सं० आई-1/37ई/514/83-84—अतः मुझे प्रार० के० वकाया

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० आफिस नं० 123, 'मित्तल टॉवर, 'सी' विग, 12 वीं मंजिल, 210 नरीमन पाइंट, बम्बई-400 021 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप वर्णित हैं) और जिसकी सरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरममान प्रतिफल से, एसे बरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंग्रित नहीं किया गया है:——

के कार्यालय में रजिजदी किया है दिनांक 25-6-1983

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आग की बाबत उकत भौभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बनवारी लाल सिकानिया,

(अन्तरक)

मैसर्स राहुल खुगवाहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

आफिस नं० 123 मित्तल टॉबर 'सी, 12 मंजिल, नरीमन पॉइंट, बम्बई- 400 021 में स्थित है। मनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-I/485/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1983 को रजिस्ड किया गया है

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

विनांक 14-2-1984 मोहर : प्रकप नाहाँ, ही: एन: एस: -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्डांा, बस्बई

बम्बई, दिनांक ६ फरवरी 1984

् निर्वेश सं० अई० $\Pi I/2103/84$ -84--अतः मुझे अ० लहीरी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206, गोकुल 2रा माला, गवनपाडा रोड़, मूलूंड बम्बई-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा

269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है कार्यालय बम्बई दिनांक, 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावस, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी फारने या उसने अवने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

अतः जब, उक्त जिथिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में.. उमत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. पटेल कापे ०

(अन्तरक)

2. आ लिक मोहमन,

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रह्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्ची

फ्लेट नं॰ 201, गोलूल, 2 रा माला, गवनपाडा रोड, मूर्लूड बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० आई० III 974/83/84 और जो समक्ष प्राधिकारों बम्बई वारा दिनांक 6-6-83 को रजिस्टड किया गया है।

> श्र० ल**ही**री सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक: 9-2-1984

मोहर 🤋

प्रकार बाहाँ, टी. एनः एव . ----

भायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्चना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज- III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी, 1984

निर्वोग सं० आई-III/1779/83=84——अतः मुझे अ० सहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 33, 'अ विंग० नीलमा, अपार्ट मेन्ट्स जंगल मंगल रोड, भंडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विंगत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिषस्टी किया है बम्बई दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यामान प्रतिफल के सिए अंतरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्कोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उद्देशों से उक्त जन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन् जिसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी थन वा जन्म वास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए:

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मैसर्स गणेश बिल्डर्स.

(अन्तरक)

2. के० टी० लारस,

(अन्तरिती)

का यह सूचना धारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के नर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में पकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो. भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के एजपण में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ब्रभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो उक्त किंतियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं भूर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा हाँ।

अनुसूची

फ्लेट नं० 33, 'अ भाग, नीलमा अपार्टमेन्ट्स, जंगल-मंगल रोड, भाडप, बम्बई-78

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-III/ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 कराएनामें को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनोंबा 21-1-1984

प्रकृष बाइ . टी. एनं. ऐस. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना . . .

(अन्तरक)

2. श्री चंपक लाल जीवनलाल शाह,

1. के० पटेल एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड,

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग सें मंपत्ति है)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांस 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/2241/83-84:——अतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं. 401 जी, 'पटेल नगर, एम० जी० कास रोड, नं० 4, कौंदिवली (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में राजस्ट्री क्रिया है दिनांक 3-6-1983

करे पृत्रों कर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से शुर्द किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मिन्यम के जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में केनी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अव, उक्त सिधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण मों., मों, उक्त सिधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सधीन, निस्तिचित स्मिक्तमों, अर्थाद :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त कक्यों और प्रयों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 401, जी, 'पटेल नगर, एम० जी० कास रोड, नं० 4, कांडियली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-4/2241/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1983 को रिजस्टर्ड कियागयाहै।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 2, बस्बई

विनाम : 10-2-1984

मोहर 🕄

प्रक्रम बाइ". टी. एन. एस.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

हारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निवेश सं० अ०६०-/III/2191/83----यतः मुझे, अ० लहीरी शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 226, रमेण घाट कोपर (पिण्चम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है और दिनांक 9-6-83 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभै यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्व दृश्वेस्य से उनत बन्तरण जिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क' ननारण से हुव् भिन्ती बाय की बाबत, उक्त बीयीवबंद के बंधीन कर दोने के बन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिक्श करें/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म को अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत्—ः 1. मैं० सेठ इंटरप्राइजेस,

(अन्तरक)

2. एस० जोगिन्दर सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्परित के कर्षन के सम्बन्ध में आहे भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की अविध जो भी व्यक्ति को से समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावरा;
- (कं) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबक्थ किसी बन्य व्यक्ति क्यारा, बभोहस्ताकारी के पास सिबित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 226, रसेश घाटकोपर बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०ई-० III/1004/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

विनोक 14-2-1984 मोहर: प्रकल नाहरी, द्वी . एन् . एस . ----------

जायकर ज्यानियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1984

निवेश सं० आई०- $\frac{111}{1967/83-84}$ —यतः मुझे, अ० लहीरी

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसंकी मं० फ्लैंट नं० 19 सी भाग गोवर्डन नगर मूलूंड बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनिक्षमं 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री किया गया है दिनांक 9-6-1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्ट्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्मसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तिरती दूपारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में समिधा के लिए;

1. श्री मोती चन्द परमधी लदया

(अन्तरक)

2. श्री रंजीत मन्ता भारद्वाज

(अस्तरिती)

को सह बुज़ना चारी करके पुनोंक्त सम्पर्ति को अर्जन को लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्वी

फ्लैट नं० 19, सी भाग, गोवर्धन नगर, एल० बी० एस० मार्ग, मूलुंड वस्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क्र० सं० अ०ई०-[II/1001/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 9-6-83 को रिजस्टर्ड] किया गया है।

अ० नहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

जतः जब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरक में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक : 14-2-1984

मोहार 🌣

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जामकार अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 15फरवरी 1984

निर्देश मं० आई III/1976/83-84—स्यतः मुझे अ० लहीरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ओर जिसकी है तथा जो तं 0 42-बी, बिल्डिंग बी जलाराम अशीशा मूलूड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारणामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित संभम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है और दिनांक 13-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्मलिखत उद्विध से उक्त अन्तरण शिकित में बास्त- जिक कप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवय के वधीन कर दोने के बन्तरफ के दावित्य में कमी करने वा उत्तये अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, गा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिएकों, जुर्धात् :--- 20 -- 516G1/83

1. श्रीअणीण

(अन्तरक)

2. श्री मित निर्मला परमानन्द बम्बानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 'तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिचित् में किए जा सकींगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्**स्थ**ी

पलैंट नं० 42-बी, बिल्डिंग बी जलाराम अणीण मूलंड बम्बई, में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि किं सं III/1007 /83-84 औरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रिज्ञस्टर्ड किया गया है।

> अ० नहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बम्बई

दिनांक 15-2-1984 मोहर ∄ प्ररूप आई. टी. एव. एय.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्वेश सं० आई० -III/2211/83-84--अतः मुझे अ० लहीरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से विधिक हैं

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल यूनिट नं० 122, पहला माला, राम गोराल इंडस्ट्रीयल प्रेमाइस्स, को० आप० सोसायटी लि० आर० पी० रोड, मूलूंड बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया गया है बम्बई विनांक 9-6-83

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के लिए;

अतः अय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरू में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिजित व्यक्तियों. अर्थात् :--- ा. श्रो लक्ष्मी चन्द भानजी दे दिया

(अन्तरक)

2. श्री राम निवास भगतराम अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रीयल यूनिट नं० 122, 1ला माला, रामगोपाल इंडस्ट्रीयल एस्टेट, प्रमाइसेस, आर०पी० रोड, मूलूंड बम्बई स्थित है।

अनुसूची जैसा कि का संव आई०-III/85/983-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 9-6-83 को रिजस्टर्ड में किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

विनांक 9-2-1984 महिर : प्रकल् कार्ड ्टी, एन्, एस_., ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत संड्रकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०/[[[/2045/83-84-- अतः मुझे अ० लहीरी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट नं 15-सी तीसरा माला, नव स्वगरकुल सहकारी घर बंदी संस्था, सिद्धार्थ नगर, सांताकूज, बम्दई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री किया है बम्बई दिनांक 16-6-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दबयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बद् पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिबित बें शस्तिक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से झुड़ किसी आय की वाबत, उन्त विधिनियुत्र के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करते या उसने वचने में सुविधा के. सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नीलिखिक स्थितियाँ, सर्थात् ः— 1. श्री जी० एल० पीटो

(अन्सरक)

2. श्रीमती किलोरा लोपस,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शंन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्वी

फ्लेट नं० 15-सी, तीसरा माला, न्यू स्वगरकुल सहकारी घरवंदी, संस्था कार्यालय, सिद्धार्थ नगर, सांताऋूज, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची में जैसा कि ऋ० सं० आई० | 45 III 4 | 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 16-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-111, बम्बई

दिनांक 9-2-1984 मोहर : त्रक्य भाष**्**य द्वी. एन. एस.------

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालव, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, III-बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्देण सं० आई-III/2161/83-84-अतः मुझे अ० लहीरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, वैकुंठ विल्डिंग, लिटल मालबार हिल, सिधी, सोसायटी बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जी पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है,, कार्यालय बम्बई दिनांक 13-6-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रिधमल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितवा) के बीच एसे बन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल नम्निसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा को किए:

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० श्रोमप्रकाश तोलाराम,

(अन्तरक)

2. श्री अमर गांधी श्रीर श्रीमती

गांधी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उभत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्वष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अभूसूची

फ्लट नं० 503, बैंकुण्टबिल्डिंग, 357 लिटल मालवार हिल सिंधी, सोसायटी चेम्बूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-III/1005/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक [आयक़र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक 15-2-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-111, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-1[1/1856/83-84——अतः मुझे, अ० लहीरी

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पर्लंट नं 12-ए, सर्वे नं 364 वकोला विज के नजदोक, सांताकूज, बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में जो पूर्ण रूप से विणत है) भ्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया है वम्बई दिनांक 9-6-1983

को पूर्विक्स संप्रिति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिलिखत उच्चेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से केथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मै० आणा कंस्ट्रक्शन

(अन्तरक)

2. श्रीमती माया एल० भगतानी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीशर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 12-ए, सर्वे नं० 364, बकोला क्रिज, सॉताऋूज बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई-III/965/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक 9-2-1984 मोहर । प्ररूप भाद: . टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं० अई०-4/37ईई/2576/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इडक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० गाप नं० 14, बिल्डिंग, नं० 1, गणपित अगार्ट मेन्टस, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया है दिनांक 17-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निसत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बायत, उक्त जिभिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी भूत या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए भा, खिपान में सुविभा के बिए;

मतः बन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जयंती लाल दास जी वाघडा।

(अन्सरक)

2. श्री लाल जी विरजी गाला,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी मन्धि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसुची

णाप नं 14, बिलिंडग नं 1, गणपति अपार्टमेन्ट्स, बाभाई नाका, एल टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित ।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० ग्रई 2/2516/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, यम्बई

तारीख: 13-2-1984

प्रकृप काइ ुटो. एक, एस,------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के न्धीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं०अई/III/2147/83-84-अतः मुझे अ० लहीरी

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 8, 4था माला सी० टी० एस० नं० 6379 हैतथा जो कोले कल्यान, कालीना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया गया है दिनांक 9-6-1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्स्रित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, इसके द्वरमान प्रतिफल से एसे द्वरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैलिखत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बिभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को वियरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; अट्रि/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त किभिनियम की भाग 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भाग 269 क की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. ब्ल् डायमन्ड कन्स्ट्रक्शन कं०,

(अन्सरक)

2. श्रीमती जानकी एण्यरन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाप;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ममुस्ची

फ्लैट नं० 8, 4था माला, सी० टी० एस० 6379, कोले कस्यान गांव,कालीना बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई /III 995/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्बई

विनांक: 9-2-1984

त्रकष् बाहर् . टी. एन. एस: ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक मायकर आयुक्त (पिरक्षिण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9-2-1984

निर्देश मं० आई- $/\PiII/1780/83-84$ —-प्रतः मुझे अ० लहीरी

नायध्यर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियत्र' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, बी भाग, तल मंजला, नीलमा अपार्टमेन्टस, जंगल मंगल, रोड,भांडूप वम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

असः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. श्री गणेण विल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री पो० के० केश्वन

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 2, तल मंजला, नीलमा अपार्टमेन्ट्स, जंगल मंगल रोड, भांडूप बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० आई०III/986/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बस्ब

दिनांक: 9-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश मं० अर्ह-4/37ईई/1972/83-84——अतः मुझे विजय रंजन

शायकर शिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं० यूनिट नं० 15, ग्राउन्ड फ्लोर, बिह्डिंग ए, सर्वोदय इंडस्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली कावस रोड, अंधेरी (पूर्व). बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, दिनांक 18-6-1983

को पृयों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के स्विधा के लिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थास् ः— 21 —516G|83 श्री कोर्ति कुमार, रतीलाल ग्रष्टा, और श्रीमती हेमलता, रमनीक लाल महेतालीया,

(अन्तरक)

2. श्री अणोक कुमार कान्तीलाल, डेलीवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शक्तों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, श्रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 15, ग्राउन्ड फ्लोरि बिहिंडग ए, सर्वोदय इंडम्ट्रीयल इस्टेंट, महाकाली कावम रोड, अंधेरी, (पूर्व), वम्बई-93 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकि कर मंर आई-4, 38/83-84—- और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन मक्षम प्राधिकारो सवायक आयकर आयुक्त (निरोक्ण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 8-2-1984 मोहर: प्रकप आइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बर्ड

> > बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/2675/83-84—अतः मुझे विजय रंजन मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है औय जिसकी सं० 'सांई वावा धाम', फ्लैट नं० बी/3, 1 ली मंजिल, श्रॉफ एस० वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961

कार्यालय में राजिस्ट्री किया है, दिनांक 24-6-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित्त में शास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

की धारा 269 क. ख, के अधीन सक्षम प्राधीकारी बम्बई के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिस्न्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 6. मेसर्स अरूण इन्टरनेशनल

(अन्तरक)

2. श्री हंसमुख रामजी छेदा,

(अन्तरिती)

3: अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

'साईबाबा धाम' पलैट नं० बी/3, 1 ली मंजिल, श्रॉफ एस० बी० रोड, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-4/2675/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 13-2-1984

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.----

बायकरु मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भाउत सरकार

कार्योलय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/2668/83-84---यतः मुझे विजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० बी-61, 6 वी मंजिल, नालंदा में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण जिल्लिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स क्वीन्स पार्क,

(अम्तरक)

2. श्रीमती मनोरमा जार्ज, औय वालेन्टीन वी० नरीकट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास् सिसित में किए या सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूचीं

फ्लैट नं० बी-61, 6 वीं मंजिल, नालंदा बिल्डिंग, नं० 7, फ्लाट नं० 32, और 33, बाल नाय विलेज, मार्थे रोड, मालाई (पश्चिम) बम्बई-400 064 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2 /2668/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1983 को राजस्टडं किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

विनांक: 13 फरवरी, 1984

प्रस्प आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरघरी 1984

निवेश मं० आई०-437ईई/1935/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी मं० यूनिट नं० 37, 1 ली मंजिल, सर्वोदय इंडस्ट्रीयल इस्टेट, महाकाली कावस रोड, बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय रजिस्ट्री है विनांक 15-6-1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए, और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : टिम्नलिसित व्यक्तियों , अर्थात् :--- 1. श्री इंद्र कुमार जैन,

(अन्तरक)

2. मैसर्स रेकन मशीन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड,

(अन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करके पृशोंकत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यांदिलयों में से किसी क्यांवित ब्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकेंगे।

स्थक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सरसची

यूनिट नं० 37, 1लीं मंजिल, सर्वोदय इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली कावस रोड, बम्बई-93 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-4/34/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, अम्बई

दिनांगः 9-2-1984

प्रकार वार्ष .बी. एवं . एवं . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूच्ना

संस्थ राज्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई-4 /3ईई/2469 83-84—स्वतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाद 'उक्त विधिनियम, कहा बना हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिवस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंग्फलेट नंग 38, 4 थी मंजिल, बिल्डिंग, नंग एसे 2, ब्रारकाधीण को आपरेटिक्स, हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बंगूर नगर, बम्बई-400 090 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्टर्ड है, दिनांक 13-6-1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल से निम्बलिखत उद्विश्य से उच्छ अन्तरण निखित में बास्ति कि कप से कि शित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री चंद्रा हरलाल मकवाना

(अन्तरक)

2. चंद्रभागा, एन० जोशी,

(ग्रन्सरिती)

3. अन्तरित

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. द्वारकाधीज कोग्रापरेटिव हाउधिंग सोसाइटी लि॰ वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५थों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 38, 4 थी मंजिल, बिल्डिंग नं० एस/2, द्वारकाधीण को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बंगूर, नगर, बम्बई-400 0 90 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/2460/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रिक्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-4, **सम्बर्ध**

दिनांक: 10-2-1984

माहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/2254/83 84—यतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 308, 3 री मंजिल, पंडिस निवास, श्रीनगर सोसाइटी, पहाडी, गोरेगांव, बम्बई-62 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसकी करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4-6-1983

को पूर्वोक्त संप्रित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

1. गुंडेचा (ग्रुप) डेबलपमेंट

(अन्तरक)

2. मनुभाई अर्जन भाई, तारसारिया

(अन्तरिती)

अन्तरिती
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्धोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 308, 3 री मंजिल, 'पंडित निवास', श्रीनगर सोसायटी' पहाडी, गोरेगांव महात्मा गौधी रोड, बम्बई-62 में स्थित।

अनूसूची जैसा कि कि सं आई-2/2254/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> त्रिजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अधः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

विनांक 13-2-1984 .

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० अई-4/37 ईई/2003/83-84:——यअः मुझे, विजय रंजन.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिमको सं० युनिट नं० सी-114, 1ली मंजिल, हंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, साकी विहार रोड, अंधेरी (पूर्व), वम्बई है लथा जो अन्धेरी (प०)में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बांजित है,) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वम्बई के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 20-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण मिखित में बास्तिक हम से कीयत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण वे हुई किबी जाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तर्व क्यने में सुविधा के सिए-और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाब में सुनिधा के निए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरिन्दर सिंग पाथेजा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोरनी देवी सेवा राम माकद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ग 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूच्ये

यूनिट नं० सी-114, 1ली मंजिल, हंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, साकी विद्यार रोड़, अंधेरी (पूर्व), वस्वई में स्थित। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/57/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) [अर्जन रें**ण**–4, बम्बई

तारीख: 10-2-1984.

माहर ह

प्रसप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मिपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निवेश सं० आई०-4/37 ईई/1795/84-83:---यतः मुझे, विजय रंजन,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का ज्ञारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं ० प्लाध्ननं ० 407, 4थी मं जिल, 'सी, ब्लाक, मितल प्लाट नं ० 6, सेवन बंगलोज, वरसोवा, अंधेरी (पिष्चम), वस्बई-58 है श्रीर जो अम्धेरी (प०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है,)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उच्क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- [च] ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपानी में स्विभा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् है——

- (1) श्री गौत्रिन्द कालीयम दास दर्यनानी । (अन्तरक)
- (2) श्री जमाल्हीन जाफरअली संयानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म अस्वित दुवारा कथोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकी।

स्पत्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

बनुसुची

्लाटनं० 407, 4थो मंजिल, 'सी' ब्लाक, सितल प्लाट नं० 6,सेवन बंगलो, वरसोवा, अंधेरी (पण्चिम), बस्बई-58 में स्थित। अनुसूची जैसा— कि ऋ० सं० अई-4/44/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनांक 7-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई।

नारी**ख** : 10—2—1984.

मोहर 🚁

प्रारुप आहर्ष. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० आई-1/37 ईतू/2239/83-84:—यनः मुझे, विजय रंजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हुं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 606 एच० 'पटेल नगर', कांदिवली (पिषचमी'), बम्बई-67 हैं तथा जो कांदिवली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री ह, तारीख 4-6-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या धन-(1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--22---516GI 83

- (1) श्री के॰ पटेल एण्ड कंपनी प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) श्री वसंतलाल छोटालाल पटेल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्**ची**

प्लाट नं० 606, एच० 'पटेल नगर' एम० जी० कास रोड नं० 4, कांदिबली (पिण्नम), अम्बई-400067 में स्थित । अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/2239/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1983 को रजिस्टर्ड यागया है।

्रविजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 13-2-1984.

प्ररूप नाव् .टी .एन .एस . -----

मायकर प्रविश्विषय 1961 (1961 का 43) की छारा 269-व(1) के घंबीन सुवना

बार्डत सरकार

कार्यालय, सञ्जयक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 10 फरवरी 1984

मिवेश सं० अई-4/37 ईई/2233/83-84:--यतः मुझे, विजय रंजन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 104, 1ली मंजिल, सी-ब्लाक, बिल्डिंग नं० 4, प्रेंम नगर, एस० व्ही० पटेल रोड, बोरीवली (पिश्वम), बम्बई-92 है धौर जो बोरीबली (प०) में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 4-6-83

करं पृत्वां का सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने फा कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नलिबित उद्देष्य से उक्त मन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर वीधीनयम, या भन-कर वीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, जिया विश्वा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री रजनीकांत सी० गांधी,।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री किरीतकुमार हरीलाल मेहता और,
 - 2, श्रीमती तरलता किरीत नुमार मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन **के लिए** कार्यक्षाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**इ भी** आक्षोप:----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्निथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड सिवित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ववा हैं।

जग्लुचीं

पलाट नं ० 1014, 1 ली मंजिल, मी—क्लाक, बिल्डिंग न ० 8, प्रेम नगर, एस० व्ही० पटेल रोड, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई—92 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि के में० अई-4/2233/83-84 और और जो सक्ष म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1983 कत रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, बम्बई

तारीख: 10-2-1984

प्रकप् बार्ड्, टर्डे, एन्, एस्. -------

भायकरु मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं अ अई-4/37 ईई/2389/83-84:--अत: मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मृस्य 25,000 /- रा. से अभिक **ह**ै

और जिसकी सं० फ्लैट नं० एफ/1, 'साईबाबा धाम', बिल्डिंग, ग्रॉफ एस० बी० रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10~6-83

को प्रांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पासा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मृन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए: वरि/वा
- (ब) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय जाय-कर जिभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम करिधारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस स्यक्तियों, अर्थास्:---

(1) मेसर्स अरुण इन्टरनेशनल ।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीम वरजिवनवास माह ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पृत्ति के अर्थन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में वरिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नया 🗗 ।

नन्त्रभी

प्लाट नं० एफ/1, 'साईबाबा धाम' बिल्डिंग, ऑफ एस० वी० रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/23 89/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1983 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4. बम्बर्ध

दिनांक : 13-2-1984.

भोहर :

प्ररूप माई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/2438/83-84:--अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी नं पलैट नं ए ए 51, 2री मंजिल, प्लाट नं 32 और 33, बिल्डिंग नं 2, बालधानी धिलेज, मार्वे रोड, मालाड बम्बई 64 (पिश्चम) में स्थित है। और इसमे उपाबंब अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है, और जिसका कंटारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरिक्तिकों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैंसर्स क्वीन पार्क।

(अन्तरक)

(2) श्रीनजिब खान।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्लाक्षरी के पास निल्वित में किए जा सकेग।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट तं ० ए--51, 2री मंजिल, फ्लैंट नं ० 32 और 33, बालबानी तुलेज, भावें रोड, मालाड (पश्चिम), अभ्वई--64, में स्थित ।

अनुसूर्या जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37 ईई/2438/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रंजन; सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--4, **बम्ब**ई

ता**रीख** : 10-2-1984.

माहर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

भाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-व (1) के अभीन सूच्**ना

भारत सूरकार

थार्थालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4.बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई-4/37 ईई/2436/83-84:--अतः मुझे , विजयराजनः

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी में प्रलैट नं वि 455, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं 2, प्रलीट नं 32, 33, बालवानी बिलेज, मालाड (पिण्चम), बम्बई-64 में स्थित है, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष में विणत है, और जिसका कराश्नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्हा है, नारीख 14-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार गृल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित-कल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिस में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्बने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत्तः ब्रबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीर निकासिता व्यक्तियों, अर्थात् — ~ (1) क्वीन्स पार्क ।

(अन्तरक)

(2) श्रां हीरालाल शर्मा और श्रीमती विजी शर्मा। (ध्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क,रता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

फ्लट नं० बी:-55, 2री मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लीट नं० 32 और 33, बालबानी विलेज, मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित।

अनुमूची जैसा कि फ्र॰ मं॰ आई-4/2436/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बस्मई

तारीख: 10-2-1984

नीहर :

प्रकृप बाइ .टी. एन् . एस .-------

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के वृभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

धम्बर्ध, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेण सं० आई-4/37ईई/2406/83-84:--अतः मुझे, विजय रंजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्मित्त, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लेट नं० 14 ऋषिकेश बिल्डिंग नं० 2, एवर-गाईन नगर, मालाड (पिष्चम), अम्बई-64 में स्थित और इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है, और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 10-6-1983

को पुनों कर सम्पत्ति के उिष्तृ वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुनों क्त संपरित का उचित वाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वृतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उच्तु अन्तरण लिखिल के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्वा है :---

- (क) बन्तरण् से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मूँ कमी करने दा उससे बचने में सूदिशा के लिए; और्-/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ज्व, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ए के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) गरीफ गुरुराजा राव ।

(अन्तरक)

(2) श्रंकाजा फनीन्द्र रामानंदम ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिस की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्त्री

प्लौट गं० 4, ऋभिकेग बिल्डिंग नं०2, एवरशाहन नगर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कं० मं० आई-4/2406/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बस्बई

वारीय: 10-2-1984.

मोहार 🖫

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. -----

जाबकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० अई-4/37 ईई/2242/83-84:--अत: मुझे, विजय रंजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 402 "जी", 'पटेल नगर', एम० जी० कास रोड नं० 4, कांदिवली. (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 3-6-1983

को पूर्वोक्स संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुव किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना आहिए था. छिपानं में स्विका के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के॰ पटेल अण्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री दिनेशचन्द्र चिमणलाल णहा । (अन्तरिती)
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोज्य सम्परित के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति की नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नवित्र मा तत्सम्बन्धी स्थानतमां दर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानतमां में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त -अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवृत्यो

पलैट नं० 402, 'जी', 'पटेल नगर', एम० बी० काम रोष्ट नं० 4. कोविषली (प०), बम्बई-67 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-4/37 ईई/2247/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 3-6-1983 को राजस्टड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख: 10-2-1984.

प्ररूप आहरं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अधीन सम्मना

भारत संरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-4, वरवई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेण मं० अई-4/37 ईई/2669/83-84:—-अतः मुझे , विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी नं पलट नं ए ए 61, 6वीं मंजिल, नालंदा बिहिड्स नं 2, कार्वे रोड़, मालाड (पिष्चम), बम्बई – 64, में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के, कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22–6–1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिम्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अयः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स क्वीन्स पार्क ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्भ पत्रतकुमार विशय कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप ्---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्बों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लट नं॰ ए-61, 6वीं मंजिल, नासंदा बिल्डिंग नं॰ 2, क्लाट नं॰ 32 और 33, बालवानी विलेज, मार्वे रोड़, मालाड, बम्बर्ड-64, में स्थित ।

अनुसूची जैसी कि ऋ० सं० अई-2/2669/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 22-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय दंजन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

तारीख: 13-2-1984.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहस्कार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई/2269/83-84:—अतः मुझे, विजय रंजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फेंट नं ० 601-एच०, 'पटेल नगर', एम० जी० कास रोड़, 4, कांदिवली (प०), बग्बई-67 में स्थित है, और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 4-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन- बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— 23—516 GI/83

- (1) श्री के० पटेल अण्ड कंपनी प्रायवेट लिमिटेंड। (अन्तरक)
- (2) श्रीमनी कैनाण रंगीतलान दुधारा। (अन्तरिती)

(3) -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 601-एच०, 'पटेल नगर', एम० जी० क्रास रोड़, 4. कांदिवर्ला (प०), बम्बई-67 में स्थित ।

अनुसूर्या जैसा कि क्रम सं० अई-4/2269/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–4. बम्बई

दिनांक: 10-2-1984.

शंक्य कीहें हा एन एसं .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-III

बम्बई, विनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश मं० अई०, 2190/83-84:→-अतः मुझे, अ० लहारी,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो पलट नं . 4, घाटकोपर शांती को . आप . हाउसिंग सीसाइटी, हिंगवाला लेन, टी . पी स्कीम III, घाटकोर बम्बई में स्थित है (और इसने उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, कार्यालय, बम्बई तारीख 9-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंग था किया जाना वाहिए था स्थिपान में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री भीमंत्री वेलजी कलासर्या ।

(अन्तरक)

(2) श्री कीर्ती गर्भारदास मंघर्वी ।

(अन्तरिती

को यह स्वना जारी कारके प्वाक्ति संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि औद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्सीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियमं, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 4, घाटकोपर णांती को० आप० सोक्षाइटउ लि० हिंगवाला लेन, घाटकोपर बम्बई-78 में स्थिमे है।

अनुसूची जैसे। कि कि नं अई ITI 972 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-III, ब्रम्बर्ड ।

विनांक : 9-2-1984.

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयक् र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1984

बम्ब६, ादनाक 14 फरवरा 1984 निर्देश सं० अ० ई० III/2116/83-84--अतः मुझे,

अ०लहोरी,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 34, 3रा माला, मधूगिरो को० आप० हाउसिंग सोसाइटी, सायन ट्राम्बे रोड, चेन्बूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर [धिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित असम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है.

विनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या तससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रेखा एम० पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक अग्रवाल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभार्धकत हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

पनैट नं 34, 3रामाला, मञ्जूगिरी हाउसिंग स्रोसाइटी, सायन, ट्राम्बे रोड, चेम्बुर, बम्बई में स्थित है।

अतुसूची जैसा कि कि० सं० आई० III/1003/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहीरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

विनांक : 14-2-1984

भूकप नाहाँ <u>: टी. एन्. एस.</u> = -- -

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जनरें ज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984 ि निर्वोग सं० अ०ई० III/2144/83-84- अतः मुझे, अ० लहीरीः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० जी० 3, सं० नं० 305 वकोला कोले कलयान कालीना, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, बम्बई तारीख 9-6-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-न की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० गोल्डन कंस्ट्रक्शन कं०।

(अन्तरक)

(2) श्री एलक्स पिंटो।

(अन्तरिती)

Ĭ.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारो।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हु¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु²।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 3, सं० नं० 305, कोले कल्यान गांव, कालीना बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैता कि कर्मा० अई० III/994/83-84 और जो सन्नम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनोक 9-6-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंजी-III, बम्बई

तारीख: 9-2-1984

भूरूप **कार्ड**् टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देण सं० आई० /2050/83-84--अतः मुझे, अ० लहीरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. सं अधिक हुँ और जिसकी सं० है तथा जो गली नं० 23, भारत टोकम को० आप० सोसाइटी, लि० लालवाडी गिंदेवाडी, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, बम्बई तारीख 6-6-83 को पूर्वों कत संपत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नीलीजत उच्चवेयों से उकत् बन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की आंबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्नारा प्रकट न्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अत् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ः— (1) श्रीएन० ए० सूचरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीयूनीक केमीकल्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आरे उपस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुबा हैं।

अनुसूची

बंगलो नं० 23, भारत टोकम को० आप० सोसाइटीज लि० लालवाडी शिदेवादी, चेम्बुर बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई० III/997/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 9-2-1984.

मोहर 🖫

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज III, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1984 नेर्वेश सं० अ० ई० III/2145/83-84:--अतः म

निर्वेश सं० अ० ६० IJI/2145/83-84:--अतः मुझे, अ०लहोरी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बो-4, गोलंड कौन अपार्टमेंटस कोले कल्यान वकोला बवर्म्ह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्प से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है, वम्बई तारीख 9-6-83

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्मतिसित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिसक कप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) संतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिन्यिम के जधीन कर दोने के अंतरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धृन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के सिए:

अतः, अबः, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) मैं० गोल्ड कौन बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीवश्रीमतीगोम्स।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्ची

फ्लैट नं ० बी० – 4 गोल्ड कौन अयार्टमें ट कोले कल्यान, बकोला बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई III/521/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-83 को रिजस्टई किया गया है।

अ० लहीरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज ,बम्बई

दिनांक: 9-2-1984

मोहर:

श्रक्य नाइं, टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत इंस्कार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 21 जनवरी, 1984

निर्देश सं० अ० ई० 111/1704/83-84—अतः मुझे, अ० लहीरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, 3रा माला, कैलाश कुपा को० आप० सोसायटी है तथा जो कांजूर, डामले कालोनी, कांजूरमार्ग, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई, के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नसिस्ति उद्वेदय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एक का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :-- मैसर्स अशोक कापाँ०

(अन्तरक)

2. श्री इब्राहीम जासेफ,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसुची

पवैट नं० 14, 3रा माला, कैलाश कृपा बिल्डिंग, प्लाट नं. 69 कांजूर, को० आप० हाऊसिंग सोसायटी, लि० डामले कालोनी बम्बई।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-III/981/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहीरी सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक 21-1-1984 मोहर: प्ररूप बाइ .टी. एन . एस . ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 फरवरी 1984

निदेश मं० आई-4/37ईई/2166/82-83——यतः मुझे, विजय रंजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम'. कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० शाप नं० 2, ग्राउन्ड फ्लोर, मिल अपार्टमेन्ट्स कांदिवनो तिर्पत्न को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, कांदिवली वस्वई-67 है नया जो कादिवली में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-6-1983

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है (और अंतरितों) और अंतरितों (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिलिखत में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अवस अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री दिनेश पोपट लाल शाह
 श्री मनोहर लाल अरदी चन्द जैन,

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शांताबेन किशनलाल जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदब्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

मनसूची

णाप नं० 7, ग्राउन्ड फ्लोर, निर्मल अपार्टमेर्न्टस कांदिवली निर्मल को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेंड, कांदिवली, बस्बई-67 में स्थित ।

अनुसूत्रो जैसाकि कि सं० अई-4/2166/83-84 और जो सभम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा: 10-2-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-४, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश मं० अर्ध-4/37ईई/1950/83-84---यतः मुझे, विजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 105, 1ली मंजिल, 'ए, बिल्डिंग इन मुन्दर पार्क एट आफ बीरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-39 है तथा जो अंधेरी (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 18-6-1983

जे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिहिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— 24—516 GI/83 मैसर्स सुन्दर फ्रन्स्ट्रक्णन कंपनी।

(अन्तर्क)

2. श्रोमता सिताबाई रामहर्ग। कदम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मीं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं 105, 1ली मंजिल, 'ग्' बिल्डिंग इन सुन्दर पार्क, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-59 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकि कर संर आई-4/36/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 18-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

दिनांक : 9-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्र∎4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश मं० अई-4/37ईई/2094/83-84--यन: मुझे,

विजय रंजन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा अठ-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करते का

इसके परचात् उकेत अभिनियमं कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रुट. से अधिक है

और जिसकी तं ० 15, ओशिवरासी साइड, मोसायटी, वरमोवा, अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 है तथा जो ग्रंधेरी (प०) में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख. के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाात् :--- 1. श्रीमती रत्ना शर्मा

(अन्तरक)

2. श्री चंद्र शेखर एम० वारा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सची

15, वरसोता सी साइड, सोसायटी, वरसोता, अंधेरी पश्चिम, वस्तर्इ-61 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकि कि सं अई-4/46/83-84 और जो तत्र प्रतिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 25-6-1983 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकप आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, वस्पर्द

दिनांक : 10-2-1984

मोहर 🏅

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.----

बाय्कर विभिन्यिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 4, बम्बई, बम्बई,दिनांक 13 फरवरी 1984

निवेश यं० अई-4/37ईई/2695/83-84-- यतः मुझे, विजय रंजन

श्रायकर श्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिश्वित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिश्वीन सक्षम श्रीश्विकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु• से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302 जी, पटेल नगर, कांदिवली (पिष्टम), बम्बई-67 हैं तथा जो कांदिवली (पि०) में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खके अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 25-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुखे पह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृण्यमान पिक्ति से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित मे वास्तविक छप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण संदूई किसी भाग को बाबत, उपत भक्ति नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिस्व में कमी करने या उसा बचने में मुविधा के लिए। श्रीर/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरण भों, भीं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. के० पटेल एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड,

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार विश्राम ठक्कर,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसूची

फ्लैट नं० 302, जी, पटेल नगर, एम० जी० ऋास रोड, नं० 4, कांदिवली (पश्चिम) बम्बई-400 067 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/2695/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 13-2-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984 निदेश मं० आई-4/37ईई/2272/83-84—अर्थः मुझे विजय रंजन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी मं० गाला नं० 13, पारम इंडस्ट्रियल इस्टेट, राम चन्द्र लेन, (एक्सट०), मालाड, (पिण्चम), वम्बई-64 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 4-6-1983

को पृषेक्षित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स हिन्दुस्तान दूल्स एण्ड डाइस

(अन्तरक)

2. श्री महादव खेउर,

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (▼) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

नम्स्थी

गाला नं० 13, पारस इंडस्ट्रियल इस्टेट, रामचन्द्र लेन, मालाड, (पश्चिम), बस्बई-64 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-/2272/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजयः रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक 10-2-1984 **भोहर**ः प्रकथ भार्षः दी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काय लिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई-2439/83-84---अन: मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-75, 7वीं मजिल, नालंध बिल्डिंग, नं० 2, प्लाट नं० 32, ग्रीर 33, वालमाय विलेज मार्वे, रोड, मालाड (पिष्चम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 14-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रीराशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) सन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्धात् :— 1. मैसेर्स क्वीनस पार्क

(अन्तरक)

2. किशोर जे० शेठ गाडियन आफ मास्टर सचिन शेठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्षितरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

फ्लैट नं ० ए-75, 7वीं मंजिल, नालंदा बिल्डिंग, नं० 2, प्लाट नं० 32 ग्रीर 33, वालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाङ (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित।

अनुमूची जैसाकि कि में आई -2/2439-83/84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दनांक 13-2-1984 **मोहर्** ॥ प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984 निदेश सं० आईब4/37ईई/1868/83ब84—अतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है);, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० फ्लाट नं० 4, 'सुमित', राजस्थान को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, श्रेंधेरी (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 6-6-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिसित उस्देश्य से उक्त अन्तरण तिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ः-- 1. श्री मधुरादास नारायन दास मजिधिया,

(अन्तरक)

 श्रीमती किरण कमल काबरा ग्रीर श्रीमती लिलिमा नारायण काबरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, 'मुमीत' ग्राउन्ड फ्लोर, प्लोट नं० 17, राजस्थान, को-आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, जें० बी० नगर, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई० 3/50/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज़्4; ब**म्ब**ई

विनांक 13-2-1984 **बोहर ॥** प्ररूप नाइ", टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984 निर्देश सं० आई-4/37ईई/1858/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी फलैंट नं० 109, 1ली मंजिल, 'सुन्दर पार्क', 'वी' बिल्डिंग एट श्रॉफ वीरा देसाई रोड, श्रॅंधेरी (पश्चिम) वस्त्रई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर

पूर्ण रूप से अणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया गया है दिनांक 11-6-83
की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के ख्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पन्यह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती
(अन्तरित्यार्) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्याँ से उक्स अन्तरण लिखित
में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने रे सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में समिथा के सिष्ट;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित्:—

मैसर्स सुन्दर कन्स्ट्रमशन कंपनी

(अलग्क)

2. श्रीमती निर्मला महाग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिस्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

थगुसुची

फ्लैट नं 109, 1नी मंजिल, 'सुन्दरपार्क', 'बी' बिल्डिंग एट आफ वीरा देसाई शेड, अंबेरी (पश्चिम), वम्बर्र-58 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकि ऋ० मे० आई-4/35/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-6-1983को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, वस्वई

विनांक 9-2-1984 **मोहर** % अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

चम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1984 सं. अर्जुट-1 37ईई, 2666/83-84-

निर्देण सं० अ०ई०-4,37ईई/2666/83-84---यतः मुझे,

विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-62, 6वीं मंजिल, नार्लंदा विलिंडग, नं० 2, मार्वे गोड, मालाड (प०), बम्बई 64 में स्थित है। (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विलिंद है) और जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में लिखा गया है दिनांक 22-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— ा. मैसर्थ वर्धात्स पार्क

(अन्तरकः)

2. मैसर्न पवन कुनार विजय कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगें।

स्पाष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० ए-02, 6वीं मंजिल, नालंदा बिल्डिंग नं०2, बालनाय विलेज, मार्वे रोड, मालाइ पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अ०ई-2/2666/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 22-6-1983 की राजस्टर्ड किया गया है।

> जिवा रंगत सक्षम प्राधिकारो सहस्यक अस्यकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रोज-4, **ब**स्बर्ध

दिनांक 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप आ**र्द**् टी. **एन**. **एस**..-----

नायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्राजन रेज - 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० शर्ई-4/37ईर्ड/2100/83-84—यन: मुझे. विजय रंजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-क. से अधिक हैं और जिसकी सं०

इन्डस्ट्रीयल णेड न० 61 णिव णिक्त इस्टेट, श्राफ मरोल विलेज, श्राफ प्रंथेरी रोड, ग्रंथेरी (पूर्व), बस्बई-69 है तथा जो अन्थेरी (पू०) में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्णरूप में विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंथिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रंथीन मक्षम प्राधिकारी बस्बई वे कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-6-1983

को प्यों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ए से दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित सं विश्व पोस जिस्स से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से अधित अन्तरण निम्नित सं विश्व सन्तरण निम्नित सं विश्व सन्तरण निम्नित सं विश्व सन्तरण निम्नित सं विश्व सन्तरण निम्नित सं किया गया है :----

- (क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन फर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--25--576GI/83 ा. शिव शक्ति बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. के०के० श्रम्रवाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गमा है।

नन्त्री

इन्डस्ट्रीयल गैंड नं० 64, शिव गिक्त, इन्डस्ट्रियल इस्टेट, श्राफ मरोल विलेज, श्राफ श्रंधेरी कुर्ला रोड, श्रधेरी (पूर्व). वस्बई-69 में स्थित ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/31/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1983को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4. अम्बई

विनांक 8-2-84 म**ाहर**्ड प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) ध्रजीन रेंज,-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० म्राई-4/37ईई/1887/83-84—यतः मुझे थिजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि** स्थावर संपरित जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-रुट. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3. श्रौर 4 श्राफ बिल्डिंग नं० 6. **ध्राचाडी**. नगर, नं० 3, मोगरा व्हिलेज ग्रंधेरी (पूर्व). बस्बई-93 है तथा जो श्रन्धेरी (पू०) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधि-कारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 13-6-1983 का पर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण में लिखित बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बीर/वा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भूविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उपधार्य (1) को अधीन, निम्नानिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री बद्दृद्दिन मोघम्मद, म्घरीझ जयराजपुरी, (ग्रास्तरक)
- श्रीमती हकींमुन निभान बाइफ ग्राफ श्री मोहम्मद ग्रारीफ (श्रन्तरिती)
- 3. (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी दे पास निश्चित में किए जा राक्ती।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयास्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा पदा है।

अनुसूची

पलैट नं० 3 श्रीर 4 श्राफ विल्डिंग नं० 6 श्राघाडी नगर, नं० 3, मोगरा व्हिलेज, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/32/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बर्ध**

दिनांक 9-2-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 10 फरवरी, 1984

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 202-वं। वरमीया समार की-आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड मेवन बंगाली रोड वरमोधा, अंधेरी, बम्बई-5 है तथा जो अन्धेरी (पू०) में स्थित है (और इसने उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यान्य में राजिन्ही है दिनांक 15-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्दिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुद्दं किसी आव की वान्स, सम्बद्धः आभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री परमजीत सिंग आरोरा,

(अन्तरक)

2. श्री के० राजगोपाल और रजनी आर०

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

202 **ब** वरसोवा समीर को-आप० हाउसिंग मोसायटी लिमिटेड, सेवन बंगलोज रोड, वरसोवा, अंधेरी बम्बई-5के में स्थित है।

अनुसूची में जैसा कि कि संगुअई-4/43/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 15-6-1983 को र्राजस्टई किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म

दिनांक 10-3-1984 मोहर : प्रक्रम बार्ड, टी. गृन गृस् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ुअर्जन रोज-4 बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 पःरवर्गः, 1984

निवेश सं० आई-4/37ई5/2088,83-84--अत: मुझे विजय रंजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), करी भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैट नं० 32, 'बी' विल्डिंग अंधेरी गुल-मोहर कोआप० हाउसिंग मोभायटा आँफ जुह लेन, अंधेरी (पांण्यम) बन्बई-5 में स्थित हैं (और ६समे उपायक अनुमुची में और जो पूर्णरूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अर्धान सक्षम प्राधिकारी, बन्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 25-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम के दूर्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए अम पामा गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण निश्चित में वास्तविक स्व से कथित महीं किया। गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एम किभी आय या किमी धन या अन्य आस्सियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:— ा. श्री पवानी पूर्ण बन्द्र। राव

(अन्तरक)

अं। नलीन मनसुखलाल गहा

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नैम्पित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैट नं० 32, 'बी' बिविडग अंधेरी पुल मोहर कोआप० हाउसिंग सोमापटी आफ जुट लेन अंधेरी, (र्णाण्चम) बम्बई-59 में स्थिमे ।

अनुसूचा जैसाकि कर एंट अहित्र4,58, 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईडारा दिनात 256वा 583 को रिजस्टर्ड किया गया र ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन गृंग-4, बम्बर्ष

दिनांक 10-2-1984 मोहार : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

1. श्री विभूति सिंह

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० एन० राजेन्द्र प्रसाद

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-ग, बम्बई

त्रम्थई, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश म० ग्राई-4/37ईई/1715/83-81—यतः मुझे, विजय रजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, है तथा जो श्रनिता ग्रपार्टमेन्ट्स, 4 बगलोज, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम ग्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथ्न नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/घा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **सं**45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कटीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं ० 8, श्रानिता श्रवार्टमन्ट्स, 4 अंगलोज, श्रंधेरी (पण्चिम), बम्बई-61 में स्थित।

भ्रनुसूची जैसा कि कल्मं आई-[11/51/83-84 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> त्रिजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज~4, जम्बई

दिनांक : 13-2-1984

मोहर ध

प्ररूप आहर्ष, टी. एन्. एस. = - - - - 🕫

1. मनोहर भ्रंतू पंढरे,

(भ्रन्तरक)

2. डा० सी० एच० महता

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश मं० ग्राई-4/37ईई/2489/83-84—-ग्रतः मुक्षे, शिजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० पलेट नं० 3 है तथा जो 3री मंजिल, टेगोर पार्क, एस० व्हि० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वस्बई के कार्यालय में रजिस्टई किया गया है दिनांक 15-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तिथत नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी आम की शायत, जंबत, अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (म) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित् ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

नन्स्यो

फ्लेट नं० 3, 3 री मंजिल, टागोर पार्क, एस० व्हि० रोड, मालाउ (पश्चिम), बम्बई-400 064 में स्थित । श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-4 /2489/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा, दिनांक 15-6-1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

[।]दनांक : 13-2-1984

मोहर :

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

. 7

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1984

निदेश सं० ग्राई-4/37ईई/2021/83-84—यतः मृझे $_{f}$ विजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रुत. खे अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 77, है तथा जो इन मधुरन गोदी काम-गार सहकारी गृह संस्था लिमिटेड, जे०पी० रोड, ग्रंधेरी (पश्चिम) बम्बई- 58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया है दिनांक 21-6-1983

को पृथेंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथेंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री विष्ण दास जगन्नाथ कामत

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती णिला राम दास फाटाटे और श्री राम दास फाटाटे

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्थ्वितयों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 77, इन मधुरन गोदी कामगार सहकारी गृह संस्था लिमिटेड, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी (पिष्चम) बम्बई-58 में स्थित ।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्राई-4/40/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक - 9-2-1984 मोहर : प्रारूप आर्ड्, टी. एन. एस . ------

मैसर्स क्वीन्स पार्क

(ग्रन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती माधुरी पी० पणणिकर

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० ग्राई०-4/37ईई/2437/83-84— ग्रत: मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिमकी मं० फ्लैंट नं० ए-24, है तथा जो 2री मंजिल, प्लोट नं० 32 श्रीर 33, बालवानी विल्डिंग, नं० 2. ब्लिलेंज, मार्बे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबंद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अधीत :-- को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांधित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संयक्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरतक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जे उस अध्याय मे- दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० ए-24, 2री मंजिल, फ्लेट नं० 32 स्रौर 33, बालवानी बिल्डिंग, नं० 2. व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64में स्थित ।

श्रनुसूची जैसाकि क॰ सं० श्राई-4/2437/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई के द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्राय्**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन ^{रंज}-4, बम्बई

दिनांक : 10-2-1984

मोहर 🗯

one on the and the order of the 4. भैजर्ग जनीन्छ पार्फ

(ग्रन्तरक)

A COURT COLLEGE WA

श्रीमती मावेल फर्वान्डीम

(श्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

mere game = 1 to 1 to 1 to 1

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, वस्वई बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० म्राई-4/37ईई/2665/83-84--यन: विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य. 25,000/-रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-34 है सथा जो 3री मंजिल, नालंदा विल्डिंग नं ० 2, मार्वे रोड, मालडा (पश्चिम),बम्बई- 64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी किया है दिनांक 22-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के इङ्यमान **प्रतिफ**ंच **के** लिए अंतरित की ग**र्इ** हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण जिल्लित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) लन्तरण से हुई किसी अध्य की भग्नत, सकत अधिनियम के अभीन कर दाने के प्रत्यक्रण के वायित्य में कभी करने या उससं अचने मा सिंगभा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया **नया भा पा कि**या खाना चाहिए था. ^{किस्तान} ही विवास 🗅 भिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नित्रियत व्यक्तियों, अर्थातु :---26—516GI/83

को यह सचना जारी करके पर्योक्त मस्परित के अर्जन के लिए कार्यशिक्सिं करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस संखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तिमाँ में से किसी व्यक्ति पुत्रास
- (का) इस सम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति दवारा मधोहस्ताक्षरी के पास िर्माणम में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं वर्ग होता को इस अध्याय भा दिया गया है।

भगमुखी

फ्लैट नं ० ए-३ ।, ३र्ग मंजिल, नालंदा बिल्डिंग, नं० 2., प्लाट नं० 32 ग्रीर 33, बालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई-६१ में स्थित।

यनुमुची जैसा कि ऋ० गं० प्राई-2/2665/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बर्ड

दिनांक : 14-9-1984

मोहर :

प्ररूप भार्तः टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/2566/83-84—स्यतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शिक्त परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० फ़लैट नं० 422, 4थी मंजिल बनानी नगर बिल्डिंग नं० 1, एस० व्ही० रोड, कोरा केन्द्र के पास, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई 400 092 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री किया गया है दिनांक 18 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का प्रवित्त बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में असी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रामनी ज्योत्स्ता मतहरतालगाडीया,

(अन्तरक)

 श्रीमती मधुबेन रमेणचन्द शाह और रमेण चन्द्र पोपटलाल शाह

(अन्तरिती)

मैसर्स दलानी एन्टरप्राइसेस
 (यह व्यक्तिश जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पृषाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्तारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयूक्त सन्दों और पूदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 422, 4 थी मंजिल, दत्तानी नगर बिल्डिंग, नं० 6, प्लाट सी०टी० एस० नं० 60, और 61 (पार्ट), मौजे मगठाणे, एस० व्ही० रोड, कोरा केन्द्र के पास, बोरी वली (प०), बम्बई-400092 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कि सं आई-4/2566/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-6-83 को रजिस्डटई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनोक 10-2-1984 मोहर : प्रकृष ग्राहं० टी • एन • सं०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का ६३) के धारा 269•भ (1) के प्रधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-4/37ईई/2275/83-84---यतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उात अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 34-बी, 3 ली मंजिल, दात्तानी नगर, बिल्डिंग, नं ० 2 व्हिललेज मौजे मागठाणे एस० व्ही० रोब, बोरोवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधोन दिनांक सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री किया गया है दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संबुद्ध िं, सी आयु की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर विने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

भतः अधा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधी-यों, अर्थात :---

1. श्री अशोक रमंणीकशाल भुवा

(अन्तरक)

2. श्रीमती हंसाबेन धनसुखलाल मोदी

(अन्तरिती)

मैसर्स दात्तानी इन्टरप्राइसेस
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

श्वब्दोक्षरमान्--इनमें प्रमृत गण्दों थोर पदौँ का, जो उक्त अखिनियम के अध्यार 20 क में परिमाणित है, वही भवें होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

फ्लैट नं 34-बी, 3 री मंजिल, 'दत्तानी नगर, बिल्डिंग नं 2, विहसेज मौजे मागठाणे, एस व्ही रोड, बोरीवली (पश्चिम) बम्बई 92 में स्थित।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं आई-4/2275/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिसांक 10-2-1984 `—

मोहर :

प्रस्प- आह्र*.टी.एस.एस.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जामृक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-4. जम्मर्ह बम्बई, दिनांक 13 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई०-4/37र्हर्द/2670/83-84----2त: मुझे विजय रंजन

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत जिल्लाका' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-63, 6वी मंजिल, नालंदा बिल्डिंग, नं०2 मार्चे रोड मालाङ (प०) वम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में आर जो पूर्ण रूप में विणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी वम्बई के कार्यालय भें रिजिस्टी किया है दिनांक 22-6-1983

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरित्यों) के बेंच एस बेंच कर के दिन् तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वित्य से उस्त अशरण जिल्हा में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण ना हुइ किमी अप की भावत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अगय या किसी घर या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिष्धा के लिए;

अतः अब, अबत अधितियम को भाग 269 ना के अनुमरण मी, मी, अकत अधितियम को भाग 260 ना की भागांग (1) के अभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाद् :--- 1. मैसर्स क्वीनस पार्क

(अन्तरक)

2. मैसर्स पवन कुभार विजय कुमार

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारों करके प्योक्त सम्पत्ति के अजन के लिए लायेगिहियाँ कारता हुए ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लैट नं० ए-63, 6वी मंजिल, नालंदा बिल्डिंग नं० 2, प्लैट नं० 32 ओर 33, पालनाय व्हिलेज, मार्चे रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/2670/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांकः । 3-7-1984 मोहर: प्ररूप . आई. दी . एन . एस . - -

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजन्यः वस्वर्धः वस्वर्षः दिसांकः १ फरवरः, १९८३

निदेश स० अई०-Ш/1703/83-84---वतः मुझे अ० लहीरी

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० -अ-52, अभाग में, 5 वां माला, नीलम अपार्टमेन्ट्से, जंगल मंगल, रोड, मांडूप, वस्बई 78 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) ऑर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 व खोंके अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री ह, बस्बई दिनांक 2-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के दीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिता में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संष्ट्राई किसी आय की वाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध्न, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- १. मै० गणेश विल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री ए० ल० जार्ज

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति को शर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्स मा भी

फ्तैट न० ए-52 ए भाग, में 5वां माला, नीलमा अपार्ट-मेन्ट्य, जंगल मंगल रोड, भांड्य, वम्बई-78 ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-III/971/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक 9-2-1984

मोह्नर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.,-----

1. मैं० ओमप्रकाश तोलाराम

(अन्तरक)

2. श्रीमती कल्पना गोकल दास प्रभू

(अन्तरिती)

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 फरवरी 1984

निर्वेण मं० आई-3/2158/83-84---यतः मुझे, अ० लहिरी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं ७ फ्लैट नं ० 306, वैकुण्ठ विलिष्ड ग 357 लिटल मल्बारिहल सिधी सोसायटी, वस्वई-71 में स्थित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी किया है दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्त- किक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी नाय की नायत उच्छ बीध-नियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के दायित्व के कसी करने या उससे वचने में सुविधा के किये; बीट/मा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीश निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्ः— को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन की निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

पलैट नं० 306, वैकुण्ठ बिल्डिंग 357, लिटल मलबार हिल, सिंधी सोसायटी चेम्ब्र बम्बई 71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/1006/83-84 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, बम्बई

दिनांक : 15-2-1984

मोहर:

शक्य बाद. डी. इन्. यह.----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहायक भागकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, वस्बई बस्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई-3/2099/83-84--अतः मुझे, अ० लहिरीः

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं) की धारा कि कि की भारा कि कि की भारा कि कि की साम कि कि कि कि कि कि का कारण हैं कि स्थानर संपरित विसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 17 पर बंगला, अहुए पार्क, सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान शांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्य-विक रूप से स्थित नहीं किया क्या हैं---

- (क) अन्तरण वे हुई कि की नाय की नावत बक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में ख़जी करने वा अज़ले वचने में सुविधा के सिये; और/या
- (क्) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में मियधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री किशन जँ० राजार्नः

(अन्तरक)

2. श्री लाल क्षानी राम स्वरूप राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

धक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कांध्र मी बाध्रेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी स्पनित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :-- इसमें प्रयुक्त कब्दा और पवां का को उक्त मिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्भ होगा को उस क्ष्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

बंगलो जोकि अतुरपार्क, प्लाटनं० 17, सायन ट्राम्बे रोड, चेम्बूर बम्बर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/996/83-84 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, बम्बई

दिनांषः : 13-2-1984

मोहर:

प्रकृप आई. टो. एन. एम. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी, 1984

निदेश मं० आई III/1955/83-84---प्रतः, मुझे, अ० तहीरी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, 3 रा माला, बिल्डिंग नं० 2 डामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी किया है, दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मैसर्रा बेह्ल इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

श्रीमती मृजाता नटराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मत्ति को अर्जन के निए कार्यमाहियां करता हुं।

डाक्त सम्पन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास स्विभित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

अन्स्ची

पलौट र्गं० 2, 3 रा माला, सी भाग, बिस्डिंग गं० 2 डामोदर कृपार्के, एल० बी० एस० मार्गे घाटकोपर, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई-III/37ईई/1002/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्र० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर त्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-III,**बम्ब**ई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

विभाग 14-2-1984

मोहर :

प्रकप बाह्र . टी. एम् . एत् . ---------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बजीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० प्र०ई०-3/83-84—यतः, मुझे, अ० लहिरीः, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3 तल मंजला, अभिलाषा अपार्ट-मेन्ट्स, प्लाट नं० 170, जे० एन० रोड, म्लूंड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, दिनांक 6-6-1983

को पृश्वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में ,में उक्त अधिनियम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 27--516 GI/83

1. मैसर्स मंही क्षेत्रलय० कार्यो०।

(अन्तरक)

2. श्री तनसुखलाल हरी लाल छेढा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया नवाहै।

अनुसूची

प्लैट नं० 3, तल माला, अभिलाषा अपार्टमेन्ट्स; प्लाट नं० 170, जे० एन० रोड, मूलूंड, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०ई०-3/998/83-84 में और जो सक्षम प्राधि हारो, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को

> अ० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

विमांक : 9-2-1984

रजिस्टर्ड किया गया है ।

मोहर :

प्रकृष् बार्ड , टी. एन्. एस्. इन्न-----

भागकर ग्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

श्चारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी, 1984 निदेश सं अ०ई०-1/37ईई/434/83-84---यतः, मुझे, आर० के० बकाया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25-000/-रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० यूनिट नं० 87, ग्राउन्ड फ्लोर, शहा एण्ड नाहर इडिस्ट्रियल इस्टेट, (ए-2), लोअर परेल, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्य: में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई और जिसका करारनाम। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-1983

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के मिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिलत में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ग्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर लिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का २२) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ब्तः बब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-म के बजुबरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. मैसर्स शहा एण्ड नाहर एसोसिएट्स,।

(अन्सरक)

 श्रीमती सरस्वती अगरवाल, मास्टर अभयदीप अग्रवाल मास्टर अजयदीप अग्रवाल।

(अन्तरिती)

का यह स्वमा वारी करके पृत्रांक्त संप्रित के मूर्णन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्स किसी अन्य व्यक्ति वृतार अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय भी दिया गया इं।

मन्सची

य्तिट नं० 87, ग्राउन्ड फ्लोर, शहा एंड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेंट, (ए-2), धनराज, मिल्म कंपाउन्ड, सीताराम, जाधव मार्ग, लोअर परेल, बम्बई-400 013 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०ई०-1/404/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रजिस्डर्ड किया गया है ।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-2-1984

मोहर∶

प्रकल नाइ . टी. एम्. एस. -----

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुम्बा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, विनांक 7 फरवरी, 1984

निदेश सं० अ० ६०-1 /37ईई/438/83-84--अत:, मुझे, आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से बिधक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 3, 8वीं मंजिल वरली हिमालय को आप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिस्का करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख़ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है मैं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, दिनांक 3-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाकार मून्य से कम के श्रवमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिक्षत से बिक है और बंतरक (बंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में स्विधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन् या नन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर न्धिनियम, या धनकर न्धिनियम, या धनकर न्धिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया ने में सुविधा के निए;

नेतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती मुसुमबेन भालाभाई मिस्स्री ।

(अन्तरक)

2. श्री जुगल किशोरं बालाबक्स महेश्वरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप ः---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताकरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकर्णः --- इसमें प्रयुक्त सन्यां और पर्योका, जो उनत निश्चिमम्, के अध्याय 20-कं में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। भ्याहाँ।

मनुसूची

फ्लैट नं० 3, 8वीं मंजिल, वरली हिमालय की-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 109 वरली सिफेस रोड, बरली, बम्बई-400 018 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ०ई०-1/406/83-84 और जें। सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के. बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक 7 2-1984 भोहर प्रकृष मार्ड, टी. एन. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, संहार्यक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/449/83-84—अतः मुझे आर०के० बकाया

कायकर गृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5. 'बेनहूर' मलबारहिल, बम्बई में स्थित है (और जिसका इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विज्ञत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया गया है। दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ज़्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के ज़त्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. में सर्स संघनी कन्स्ट्रनशन प्रायवेट लिभिटेड

(अन्तरक)

2 बोल्टास लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पटकीकरण :--इसमें प्रथुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

फ्लाट नं० 5, 13 वी मंजिल, 'बेन-हूर 32, नारायण दामादलकर रोड, आफ नेपियन सी रोड, भलगार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० आई-1/425/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 6-6-1983 रिजस्टर्ड किया गया है ।

आर० के ० वकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बर्ड

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अब अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

धिनांक : 8-2-1984

हर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेण सं० आई०-1/37ईई/457/83-84---अतः मुझे आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 75. 7वीं मंजिल. मेहर-नाझ को-आप० हार्जासंग सांसायटी लिमिटेड, कुलाबा, बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है दिनांच 10-6-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंत्रण जिल्हा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त विधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया भया बा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निषः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- 1. श्री राधेश्याम वी पोदार

(अन्तरक)

2. डा० धिरेन्द्र कुमार वरिजवनदास शाहा और डा० श्रोमती प्रविना धिरेन्द्र कुमार शाहा श्री राधेश्याम वी० पोदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लैट नं ० 74, 7 वीं मंजिल, मेहर-नाझ को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लोट नं ० 91 कफ परेड, कुलावा, बम्बई-400 005 में स्थित ।

अनुसूत्रों जैसा कि ऋ० सं० आई-1/430/83-84 औरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1, बम्बई

दिनांक 8-2-1984 मोहर : प्ररूप आहें, टी. एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/456/83-84-यतः मुझे आर० के० बकाया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रूट से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, 'बेन-हूर' मलबारहिल, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णिम है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 6-6-1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अंतारतियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औड/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. मैसर्स संघवी कन्स्ट्रम्शन प्रायवेट लिभिटेड

(अन्तरक)

2. वोलटास लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्परित के अर्जन् के हैं जुए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पट्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, 13 वीं मंजिल, 'बेन-हूर/32, नारायण दामोलकर रोड, आफ नेपियन मी० रोड, मलबार हिल, बम्बई-400006 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/427/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 तक रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्ब**ई**

ब्तः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, प्रमालिकित व्यक्तियों, अधीन, प्रमालिकित व्यक्तियों,

दिनांक: 8-2-1984

मोहार 🛭

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1984

निवेश सं० आई-1/37ईई/469/83-84--यतः मुझे आर०के० बकाया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हरं. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 29, 5वीं मंजिल, आशा महल को-आप० हाँ उसिंग मोसायटी लिमिटेड, नवरोजी गमाडिया रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 14-6-1983 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अधित, उक्त प्रधिनियन के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्य में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने बें सुनिधा के लिए!

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— 1. श्री सुन्दर नारायण गिडवानी

(अन्तरक)

 श्री पंकज केणूभाई उदास और कुमारी फरीदाकावस वरीअवा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ann's

फ्लैट नं० 29, 5 वीं मंजिल, आशा महल को-आप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, प्लोट नं० 1ई/755, नवरोजी गमाडियारोड, बम्बई-400 026 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई-1/437/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० धकाया | सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक 7-2-1984 **मोहर** ध

प्रकृष बाह्य हो । एन , एस , ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984

निदेश सं० आई-1/37ईई/519/83-84——यनः मुझे आर० के० बकाया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लेट नं 1403 आत्मज बिल्डिंग है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री किया है दिनांक 25-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् ः—

1. चेतन दस्ट

(अन्तरक)

2 श्री इंदरमल नंदराम जी हलकारा श्रीमती सरोजनी देवी आय हलकारा और चेतनानन्द ट्रस्ट

(अन्तरिती)

(3) (श्रन्तरिती) वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र की

फ्लैट नं० 1403, 14वीं मंजिल, आस्मज बिल्डिंग, 94-सी, ऑगस्त कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/482/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर०के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

ंदिनांक 10-2-1984 मो**हर**्ड प्ररूप. वार्डं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहरू आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० आ॰ र्इ० 1/37ईई/429/83-84—अतः मुझे, आर० के० बकाया,

मायकर मिध्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं थूनिट नं 32, ग्राउन्ड फ्लोर, हिंद राजस्थान डिपार्टमेंट सेंटर दादर कर्माग्रियल प्रियायसेस को ऑप क् सोसायटी, लिमिटेड, 95, डी क्एस के फलके रोड, दादर (सी के रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है दिनांक 2-6-1984

को पूर्विक्त संपर्तित के उणित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नृहां किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 28--516GI/83

- श्री मोतीलाल एम ৹ जाजु श्रौर इंदरजीन सिंह एम ० सहगल ।
 (अन्तर्क)
- 2. श्रीमती ऐनी के० फिलिप

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 32, ग्राउन्ड फ्लोर, हिंद राजस्थान डिपार्टमेट सेंटर दादर कर्माणयल प्रिमायसेंग को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 95, डी० एस० फालके रोड, दादर (मी० रेलवे) क्यार्ड-14 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई०-1/415 /83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है:

> आर्०के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख 10-2-1984 मो**हर** / प्रकृष आई. टी. एन. एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाराँ 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1984 निदेश सं० अर्०ई०-1/37ईई/436/83-84—अत: म्झे, आर०के० बकाया

नायकर निर्मित्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से विश्वक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 802 8वीं मंजिल, 'सुन्दर टावर' सिवरी, वम्बई-15 में स्थित हैं (और इससे जपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा क, ख के शश्रीन वम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में मुश्धि। के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मिर्भा के लिए.

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—— 1. मैसर्म सुन्वर बिल्डर्स ।

(अन्सरकः)

2. मैसर्स मेहल इंटरप्राइजेस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कपुता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट नं० 802, 8वीं मंजिल, 'मुन्दर टावर', ठोकरणी जिवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित ।

अन्सूची जैसा कि क० सं० अ०ई०-1/401/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है '

आर० के० वकाया सक्षम प्राजिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -1, बम्बई

दिनांक 7-2-1984 मोहर: प्रकप बाइ .टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**भ (1) के अधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, वम्बई बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निदेश सं० अ० ई-1 /37ईई/453/83-84—अतः मुझे, भार० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० फ्लैट नं 2 'बेन-हूर' मलकार हिल, बम्बर्ड में स्थितहै (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खं के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबत उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की वानता, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाना वाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) मैसर्स संप्रवी कम्स्ट्रकशन प्राईवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- 2. वोस्टास लिमिटेड

(अन्तरिती)

का यह सुमना जारी करके पृषाँकत सम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकोप:--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृजीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजीक्ष
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त काट्यों और पर्यों का, जो सक्त अभिनियभ, के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस लध्याय में विका गया हैं।

अभसाची

पलैट नं ० 2, 13वीं मंजिल, 'बेन-हूर', 32, नारायण दाभोलकर रोड, ऑफ नेपियन सी0 रोड, मलबार हिल, बम्बई-400~006 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अ० ई-1/418/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-!. बम्बई

दिनांक: 9-2-1984

त्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

मैसर्स पटेल इंटरप्राइसेस

(अन्तरक)

2. श्री एन० पी० श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के नभीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-][], बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०/ $\Pi1/2022/83-84$ —अतः मृष्ठं, अ० लिहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, मथुरा तीसरा माला, गवनपाडा रोड, मूलूंड, बम्बई-81 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है दिनांक 9-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्री

मथुरा फ्लैट नं० 302, 3रा माला, गवनपाडा रोड, मलुंड बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई/III/973/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> अ० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[]], बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, वर्धात् :---

दिनांक 9-2-1984 मो**हर**ः प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, अभ्बई
बम्बई दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० **अर्ध-**4/37ईई/535/83-84- अतः मुझ बिजय रजन

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 002, ग्राउन्ड फ्लोर, सी-ब्लाक, फ्लैंट नं० 7, 7, बंगलोज, वरसोबा श्रंधेरी (पिष्चिम), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 29-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अगूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री गोविन्द कालीयन दास दर्यनानी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिनी गौविन्दराम गंगाशमानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयूक्त शक्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बहा अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 002, ग्राउन्ड फ्लोर, सी ब्लाव, समीर प्लोट नं० 7, वंगलोज, वरसोवा श्रंधेरी, (पश्चिम), ब्रम्बई-400 058 में स्थित ।

अनुभूची जैसा कि कि सं० अई-4/37ईई/49/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-6-1983 को रजिस्टडं किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांके 10-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 फरवरी 1984

निदेश सं० अई-4े37ईई/2361/83-84--- अतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 16, न्यू डिलाईट अपार्टमेन्ट, को-आप० हार्जसंग सोसायटी लिगिटेड, चंदावरकर रोड, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई-400 092 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है दिनांक 10-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उत्कस अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1 खेतगी पोपट शाह

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती जयाबेन पी० शाह,
 - (2) श्री प्रवीण बी० शाह

(अन्तरिती)

नवीम ट्रेडिंग कंपनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन व लिए कार्यवाहियां करता होू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---- 🏖

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

णाप नं 16, न्यू डिलाइट अपार्टमेन्ट्स, को अपाप हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड, चंदावरकर रोड, बोरीवली, (पिष्चम) बम्बई-400 092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2 /2361/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजब रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायम आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांका: 16-2-1984

मोहर 🐠

प्रकृष बाइं. टी. एन. एवं.----

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेण सं० अई-4/37ईई/2653/83-84——अतः मुझे अधिजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1105, निलंजना को-आप० के हाउसिंग सोसायटी लिमिटेश, मार्ने रोड, मालाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 21-6-83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगणन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूष से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अभ्यारण से इन्हाँ किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन क्षर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी कारने या उससे अचने में स्विधा के लिए; अरि/वा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री विरेन्द्र मनसुखलाल भोडिया,

(अन्तरक)

2. श्रीमती निता टी० वासदानी,

(अन्नरितो)

को यह सूचना सारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की दामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच वे 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थिति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित बही पर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया स्वाही।

ग्रन्सूघी

प्लाट नं० 1100, निलन्जना को-आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, मार्वे रोड, मालाड (पण्चिम) वम्बई में स्थित।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई-2/2653/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी |सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 13-2-1984

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० अई-4 37ईई/2240/83-84—अतः मुझे विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 406 जी, लनगर, क्रांदिवली (प), वम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्य रूप से विणित है) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 4-6-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरूच के किए तय पाया गय प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उन्त संन्यरण लिखित में वास्त विक अप से किन नहीं किना गया है:---

- (त) अन्तरण में हुई किसी भाष की बाबत उसता अधि-नियम के सभीन कर देने के अन्तरक के बावतव में कमें करने या उससे नवके में सुविधा के खिए। बीरणा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निस्**चित अ्यवित्यों, वर्धात्**ः— 1. के॰ पटेल एण्ड, कंपनी प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री अशोत्र कुमार जेठानन्द , दुधारा

(अन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हुं)

का यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मरित के वर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं ० 406 जी, 'पटेलनगर, एम जी कास रोड, नं ० *4,* कांदिवली (प), बम्बई-67 में लिखा है।

अनुसूची जैसाकि कर मंद्र अई-2-2249/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 4-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनां : 13-2-1984

मोहर ः

प्रकार बाद . ही . एन . एस , ।

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 फरवरी 1984

निवेश सं०एक्वी-4/37ईई/1854/83-84---अतः मुझे, विजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैटनं० ए-12/1, ग्राउन्ड फ्लोर, श्रीराम को -आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एस० व्हि० रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाब्द अनुसूची में औरजो पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करायनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धाया 269 के, खे, के अधिन सक्षमप्राधिका र दम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिनांक 9-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया इतिफस, निम्नसिचित उद्वेषय से उक्त अन्तरण शिवित में बाल्याक रूप वे कवित वहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण में हुई फिमी आय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्य में कमी करने या उसमें बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन. या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सिवध। के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ---29—516GI/83 1. श्री आए० लक्ष्मीकान्तन

(अन्तरक)

2. नामा। हेमानाः सुन्दर राजानन्द और श्रा एस० सन्दर राजन

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निक्षित में किए जा मक में।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमे प्रयोकत सन्दां और पदों का, जा उपन्त अधितियम के अध्याय २०-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया तै।

अनुस्ची

पत्रैट नं ० ए-12/1, प्राउत्तर फ्लोर श्रीराम को-आपरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, एस० व्ही० रोड, अंग्रेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित ।

अनुपूर्वी जैसाकि कर संर अर्थ्ड-2/45/83-84 और जो मक्षप प्राधिकारी बस्बई द्वारादिनांक 9-6-1983को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांकः 13-१ १२३४

प्रस्प आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निदेश सं० अ०६-4/37६६/531/83-84—या: मुझे, विजय रंजन

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 77, 4 थी मंजिल, दि गोदवरी प्रावाना की-आपरेटिव हार्जीसन सोसायटी वरसोवा रोड़, अंधेरी (पिष्चम), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 27-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है हु----

- (वा) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्भात :--- 1. श्रोमतो शोला शमदास फाटाटे

(अन्तरक)

2. श्रीमत्री सभद्रा, बाब राव, दाउ

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कि स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त कि व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं०77,4थी मंजिल, दि गोदावरी, प्रवरा को-आपरेटिव हार्डीसग सोसायटी, प्लैट नं० 106, दादाभाई नौरोजी नगर, निअर धाके कालोनी वरमोबा रोड, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि० क० सं० अ०ई-3/48/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1983 को एजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-4, बस्बई

विनाक: 13-2-84

मोह्रर 🕉

प्ररूप बार्षं.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालम , सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 8 फरवरी, 1984

निदेश सं० ए०आर०-4/2141/83-84—अतः मुझें, विजय

🕈 रंजन

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है')., की धारा र्269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य र्25,000/- रु. से अधिक ही

न्नौर जिसकी सं० शाप नं० 30 बी, 'विरल अगर्टमेन्ट्स', 50 एस० बी० रोड, म्रंधेरी (पश्चिम) बम्बई-58 में स्थित हैं (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) मौर जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी बम्बई स्थित कार्यालय में रिजस्ट्री, है दिनांक 26-6-1983

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ज अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती इन्द्र लखमीचन्द रावलानी
- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कुंदन बेन कान्तीलाल धामेचा

(अन्तरितीः)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वकाकिरणः -- इसमे प्रयूत्रत शब्दा और पदों का, जो उन्त जिल्लाभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

मन्त्रची

शाप नं० 30 बी, 'विरल अपार्टमेन्ट्स' 50 एस० वी० रोड, ग्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित ।

अनुमूची जैसाकि ऋ०सं० ए०आर०-4/29/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (विरोजग) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 8-2-1984

श्रह्म बाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीर स्वता

भारत सरकार

कार्यालय , अहायक आयाहर शाय्यत (किसीक्षण) **अर्जन** रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 फरवरी 1984

निदेश सं० **आई**-4/37ईई/520/83-84---अतः मुझं, विजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 5, प्लोट नं० 45, एच० सं० 13, ध्रंट बागणपुरी, ध्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है दिनांक 26-8-1983

को पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एरो दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नसिवित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उन्तर अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय. या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों, गर्थात् :--- 1. मैं सर्स पारी खाक्या विल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री सर्जी बिगिडो डायस और श्रीमती खिब्टिन डायस (अन्तरिती)

3. श्रन्सरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर्ब की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शन्वों और पदौ का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

फ्लैट नं० 5, प्लोट नं० 45, एच० सं० 13, एंट बामणपुरी, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि कि भे संवै आई-4 28/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक 8-2-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४. बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1981

निर्देश सं० आई-1/37ईई/1920/83-81---यतः. मुझे विजय रजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), बी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल शेंड, नं० 245, 2 री मंजिल, फास III आफ शिव शिवत इंडस्ट्रियल इस्टेंट, आफ मरोल व्हिलेंज, आफ श्रंधेरी कुर्ली रोड, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूर्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिससे करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में क्रेरजिस्ट्री है दिनाक 14-6-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गिई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा. शिव शक्ति बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. टैक्सोन प्लास्टिक्स

(अन्तरिती)

का पह सूचना भारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कायवाहियां करता हो ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[®], वही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया ह[®]।

नगसची

इंडस्ट्रिल शैंड नं० 245, 2 री मंजिन, फाने III आफ णिवशक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ मरोज डिहनेंज, पंजेरी कुर्जा रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/41/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-4 बम्बई

विनांक : 9-2-1984

प्रक्ष बाइं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मधीन सुजना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1984

निर्देश सं० ए०आर.०-4/37ईई/2734/88-84—अतः मुझे विजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट तं० 603, 6 वीं मंजिल, 'कीस्तूम नगर' रामचन्द्रलेन विस्तारित, मालाङ (पण्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 26-6-1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्त विक्त कर से किथित नहीं किया गया है :---

- क) जन्तरण से हुई किसी जान की वावत, उज्जा जीधीनयम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे व्यने में सृविधा के निए; जीर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियमः की भाग 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क्री अधीन जिल्लासित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैससं नवजीवन बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) श्री देश विपक भाल्ला,

(अन्तरिती)

(3) श्री देश विषक भल्ला और श्रीमित निना (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षंप :--

- (क) इस स्वान के राजप्त में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किनी त्यक्ति हुन्तरा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त धव्दों और पदों का, और शक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पर्लंट नं० 603, 6 वीं मंजिल, 'बी' विग, 'कौस्तूम नगर', व्हिलेज वालनाथम, रामचन्द्र लेन, विस्तारित मालाङ (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-II/2734/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-83 को रिजस्टिई किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज -4, बम्बई

दनांकः 18-4-1984

¹मोहर:

प्रकप् वार्च. डी. एन. एत. ------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 फरवरी 1984

निर्देश सं० आई०-4/37ईई/1782/83-84— अतः मुझे। विजय रंजन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी संव यूनिट नंव 115 इन रिव इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, व्लाट नं 25, श्राफ महल इंस्स्डट्रीयल इस्टेंट, आफ महाकार्की, कावस रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसमें करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजर्स्ट्री किया है, दिनांक 7-6-1983

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा मया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से किशव नहीं किया गया है ॥——

- (√6) बल्परण स द्वार किसी आभ की बावत, उपका अधिनियम के अधीन कर थोने के अस्तरक के दादित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ परक्षणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिये था, ख्रियाने में सिवध के सिए;

कत्तः वयः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसर्धं कों., मीं, उक्त सभिनियमं की भारा 269-थं की उपभारा (1) को सभीन, निस्नीसियतं स्पृतिस्तिमी, अभिन् क्रिक् 1. मैसर्स डिम्पल इंटरप्राइसेंस,

(अन्तरक)

2. श्री गोविन्द एस० थावानी

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी कारके पृथीयत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्विक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में हिस्स प्या है।

अनुसूची

यूनिट नं ० 115 इन रिव इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं ० 25, आफ महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, आफ महाकाली कावस रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० आई-4/37/83-84 धीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ई द्वारा दिनांक 7-6-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 9-2-1984 मोहर प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागृक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-4, बस्बई
बस्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1984
निर्वेण सं० श्रई-4/37ईई/2237/83-84—श्रवः मृझे,
विजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्राफिस प्रिमाय सेंस नं० ए/211 श्रौर ए/212, 2 री मं जिल, सुपर शापिंग काम्पलेक्स, डा० दलवी रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67, में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्दी है दिनांक 3-6-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित को गई है और मृभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उद्यत्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ,, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिश्चित स्थितियों, अधीत्।—

ा.मैसर्स ममता प्लास्टिक्स

(श्रन्तरक)

2.श्री प्रेमनाय स्रमरनाथ पूरी

(श्रन्तरिती)

मे सर्स प्लास्टिक्न —
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोष्ट्रस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्माण में हितबह है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुसुची

ग्राफिस प्रिमायसेस नम्बर्स ए-211 ग्रीर ए-212, 2 री मंजिल सुपर भाषिंग कम्पलेक्स, प्लोट नं० 17 ग्रीर 18 सी० टी० एस० नं० 324, डा० दलवी रोड, कांविवली (पश्चिम) बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क० सं० प्रई-4/37ईई/2237/83-84 ग्रौर जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-2-1984

मोहर 🏻

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1984

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/526/83-84--श्रत: विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- फ. से अधिक **ह**ै

ग्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० 12, 4 थी मंजिल, 'सी' ब्लाक, (पश्चिम) बम्बई-60 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी वस्बर्द के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 27-6-83 के पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उ**द्देश्य से उक्त अंतरण** लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने को अंतरक वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन : निरनितिस्तिन व्यक्तियों । अर्थात :---30-516G1/83

1. मैसर्म धमीर कन्स्ट्रकगन्स.

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहम्भद फासल इस्माइल चोनावाला ग्रीर श्रीमती नसीमा एफ० चोनावाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं ० 12, 4थी मंजिल, 'सी' ब्लाक प्लाट नं ० 5, एट करीमी पार्क श्रोणियरा गार्डन रोड, जोगश्वरी (पश्चिम) वम्बई-६ ० में स्थित ।

भ्रन्मुची जैसा कि ऋ० सं० स्राई-1/42/83-84 स्रीर ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1983 को रिजय्टर्ड कियागया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 10-2-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1984

निर्देश सं० त्रार्क-4/37ईई/2294/83-84—स्रतः मुझे विजय रंजन,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय सं अधिक है

श्रीर जिसकी सर्व फ्लैट नंव 5, ग्राउन्ड फ्लोर, श्रीराम कुंज, मालाड (पूर्व) , बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रिधिनयम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिसांक 6-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल तो, एमें दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में धास्तविक स्प स कथिल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसं िकसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ही प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या िकया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री पी०एम०देशपांडे,

(अन्तरकः)

2. श्रीमती शांता अजलाल कंसारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में कियों जा सकरें।

स्पर्वेकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस्प अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

पर्लंट नं ० 5, प्राउन्ड फ्लोर, श्रीराम कुंज, सर्वे न ० 45-46 हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), वस्बई-64 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि क्व० मं ० ग्राई०-2 2/294/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 6-6-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण), ध्रजन रेज-4, बस्बई

दिनांक 13-2-1984 मोहर : प्ररूप आर्च.टी.एन.एस. -----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) बम्बर्ड, दिलांक 15 फरवरी 1984

निर्देश सं० श्राई-3(4)2378/83-84---- प्रतः मुझे विजय रजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पदमा नगर, रामचन्द्र लेन एक्सटेंशन, मूलूंड बम्बई 64 में है श्रीर जिसका सी०एस० नं० 318 (पार्ट) 50 नं० 2611 (पार्ट), बलनाई बी० एस० डी० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 14-6-1983

न्ने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्च जिस्तियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी कारने या उससे बचने में स्विधा के सिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्तिभा के लिए;

1. श्री हनुमन्त वैकाण्ट लाड ।

(अन्तरक)

2. रमीला जेतें द्र लोडाया ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिर्भाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा गर्लोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्यों ब्रीट पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

अनुसूची जैसा कि विजेख सं 176681 श्रीर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बाई द्वारा दिनां हे 14-6-83 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज4, वम्ब≀ई

बतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरन में., मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थात्ः—

दिनांक : 15-2-1984

त्रक्त आहे. टी. एवं. एथं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन-रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 3 मार्चे 1984 निदेश सं० 5211---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० बुढलाढा है जैसा कि श्रन्सूची में लिखा है तथा जो बुढलाढा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुढलाढा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखे

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया भाषा किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्त्रिधा के लिए।

1. श्री रमेण चन्द्र पुस्न रोशन लाल वांसी बृढलाढा, जिला भटिंडा। (श्रन्तरक)

- श्री नरेश कृमार राधेश्याम बुह्यान वीरभान , 289 वार्ड नं० 2, बुढलाढा । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में लिखा है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूसूची

जालन्धर, सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 537 दिनांक जून, 83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी बृढलाढा में लिखा है। तारीख 3-3-1984

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन 'रेंण जासन्धर

अतः अबः, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :——

दिनांक 9,-2-1984 मोहर :

प्रकप नार्चं.टी.एन.एस, -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1984

निर्देश सं० ए० सी०-52/एसीक्यू रेंज -II/कल/1983-84 श्रतः मझे एस० के० बनार्जी

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 6 है तथा जो होस्टिंग पार्क रोड, कलकता27 स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि कारी (सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—[1]/ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 6-6-1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वकित संपत्ति का जिन्त बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिनने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की कारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों,, अधित् क्र— (1) मैसर्स प्रमोक मार्केटिंग लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मैसमं माह जैन चैरिटेबल सोसाइटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षा जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सची

फ्लैंट नं ० 1 से 5, 11 तल्ला में । मकान का नम्बर 6 हेस्टिंग्स पार्क, रोड, कलकत्ता-27 (राजनरंग) ।

पूरा फ्लैट का क्षेत्रफल 8000 वर्ग फुट।

मक्षम प्राधिकारी का दफ्तर में सिरियल नं० 26 के अनुसार 6-6-1983 में रजिस्ट्री कृत हुआ।

> ए० के० बनार्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11, कलकत्ता

रिनांक : 17-2-84

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 20th January 1984

No. A,32014/1/84-Admn. III(1).—The President is pleased to appoint the following Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers with effect from 30-12-83 until further orders:—

S. No. & Name

- 1. Shri Karan Singh (SC)
- 2. Shri Moti Ram (SC)

The 9th February 1984

No A 12025 (ii)/1/82-Admn.III—Consequent on their having been nominated to the cadres mentioned against each for appointment as Section Officers through 'Seniority' Quota for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1982, the following Section Officers are relieved of their duties in this office w.e.f. the afternoon of 9th February 1984:—

S. No. Name			Cadre to which	allocated
1 2			3	
S/Shri		 ,		
1. Shradha N	and, S.O.		Department of	Labour
2. P.S. Bhatn	agar, S.O.		Ministry of Shi Transport	pping &

2. There is no vigilance case either pending or contemplated against Shri Shradha Nand or Shri P. S. Bhatnagar.

The 24th February 1984

No. A.12025/1/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Bharat Ram, a Grade C Stenographer of the CSSS cadre of the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Legislative Department and Department of Legal Affairs) as a temporary Stenographer Grade B in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission on the basis of the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1982 (Rank 34) with effect from the forenoon of 17th February, 1984 until further orders. His appointment will, however, be subject to the decision of Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in Delhi High Court.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 28th February 1984

No. 2/1/83-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant in this Commission, as Section Officer in an officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650 (710)—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200

with effect from 30-1-1984 to 28-4-1984, or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd March 1984

No. A-19021/1/81-AD.V.—The services of Shri H. K. Chakraborty, IPS (A&M: SPS) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Silchar Branch on repatriation, are placed at the disposal of Govt. of Assam with effect from the afternoon of 24th February, 1984.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

STAFF SELECTION COMMISSION

New Delhi-110003, the 20th February 1984

No. 10/41/76-Ad.—The President is pleased to appoint Shri N. C. Kapoor, a permanent Stenographer Grade 'A' of Central Secretariat Stenographers Service borne on the Cadre of the Ministry of Home Affairs, to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for a period of 52 days with effect from 30-1-84 to 21-3-84 in the office of Staff Selection Commission.

GURBACHAN SINGH Under Secretary (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 25th February 1984

No. O.II-1900/84-Estt.—The President is pleased to appoint Shri Bhupender Singh as Deputy Superintendent of Police (Coy. Comdr./Quarter Master) in the CRPF until further orders. He will be on probation for a period of two years. He is posted to 2nd Bn., CRPF and has taken over charge of his post on 21-12-83 (AN).

The 1st March 1984

No. O.II-1612/81-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. P. C. Nigam, GDO Grade-II (Dy. S.P./Coy. Commander) in the CRPF with effect from the afternoon of the 15th February, 1984.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th March 1984

No. 10/29/80-Ad.I—The President is pleased to appoint, on deputation, the undermentioned officials as Assistant Director (Data Processing) in the offices as mentioned against their names on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 29-2-1984 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name of the officials						Office in Which working	Prescribed headquarters
1	2		 				 3	4
	Shri O.P. Ahuja				•		RGI, New Delhi	New Delhi
	Shri S.R. Garg					•	RGI, New Delhi	New Delhi
	Shri K.B. Rohtagi						RGI, New Delhi	New Delhi
	Shri P.N. Baweja						RGI, New Delhi	New Delhi
5.	Shri R.N. Pongurlekar						DCO, Maharashtra	Bombay
6.	Shri A.V. Vallinathan						DCO, Tamil Nadu	Madras
7. :	Shri G.D. Aggarwal						DCO, Rajasthan	Jaipur
8.	Shri G.C. Mishra						DCO, Bihar	Patna
9.	Shri M.M.A. Beg						DCO, Uttar Pradesh	Lucknow
10.	Shri B.M. Patel						DCO, Gujarat	Ahmedabad
11.	Shri A.G. Oak						DCO, Madhya Pradesh	Bhopal
12. 5	Shri R.Y. Revashetti						DCO, Karnataka	Bangalore
13.	Shri L.C. Sharma						RGI, New Delhi	New Delhi
14.	Shri N.K. Bhatnagar						RGI, New Delhi	New Delhi
15.	Shri K.B. Lakhan Pal						DCO, U.T. Chandigarh	Chandigarh
16.	Shri N.K. Purohit						DCO, Rajasthan ·	Jaipur
17	Shri Ch.P.C. Rao						DCO, Andhra Pradesh	Hyderabad
18. \$	Shri K.K. Sharma						DCO, Andhra Pradesh	Hyderabad
19.	Shri D.P. Chatterice						DCO, West Bengal	Calcutta
20.	Shii S. Jayashanker						DCO, Kerala	Trivandrum
21. 5	Shri A.S. Dhillon						DCO, Chandigarh	Chandigarh
22. 5	Shri K.P. Rout .						DCO, Orissa	Bhubaneswar
23.	Shri J. Thomas Machado)					DCO, Tamil Nadu	Madras
24. 5	Shri R.C. Bhargava						DCO, Rajasthan	Jaipur
-	Shri T.D. Agarwal						DCO, Uttar Pradesh	Lucknow
	Shri J.P. Baranwal						DCO, Uttar Pradesh	Lucknow
27. 5	Shri S.S. Kashyap						RGI, New Delhi	New Delhi
	Shri S.M. Nehal Hussair	1					DCO, Bihar	Patna
	Shri R.C. Kathuria			•			RGI, New Delhi	New Delhi
	Shri N.C. Sarkar						DCO, West Bengal	Calcutta

2. The ad-hoc appointment in the Assistant Director's Grade will not confer on them any claim for regular appointment in the grade and the service rendered and shoc basis will not count for the purpose of seniority and for promotion to the next higher grade.

V. S. VERMA, Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 26th February 1984

F. No. BNP/C/5/84.—In continuation to this office Notification number BNP/C/5/83 dated 13-8-83 the ad-hoc appointment of Shri H. S. Ronad as Technical Officer (Printing and Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of six months with effect from 9-2-1984 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 7th March 1984

No. Admn.I/O. C. No. 507.—Shri R. P. Verma, an officiating Audit Officer of this office, has been absorbed permanently in the Bharat Heavy Electricals Limited, New Delhi, with effect from 7-12-83 (F.N.) on the terms and conditions contained in the enclosed statement.

This has the approval of the Government of India conveyed vide C,A.G.'s letter No. 308-GE/II/29-83 dated 17-2-1984.

Sd./· ILLEGIBLE Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL I, BIHAR

Ranchi-834002, the 17th January 1984

Admn.-Conf.-1490.-...The Accountant General Bihar, Ranchi is pleased to appoint the following efficiating Accounts Officers in substantive capacity in the same codre with effect from dates mentioned against their names.

The appointment is without prejudice to Seniors who have not been declared as substantive and whose cases are under consideration :-

> Name and date

S/Shri

1 T. P. Sinha—1-1-83. 2. Ram Autar Kumar, No. II—1-1-83. 3. A. B. Prasad—1-3-83.

The 7th February 1984

No. Admn. II-Confirmation-1529.—The Accountant General I. Bihar, Ranchi is pleased to appoint the following officiating Accounts Officers in substantive capacity in the same cadre with effect from 1-12-83.

The appointments are without prejudice to the right of Seniors who have not been declared as substantive and whose cases are under consideration : -

Name

S/Shri

- 1. Dhirendra Nath Biswas.
- 2. Satya Narayan Chatterjee.
- 3. Naba Kumar Roy.
- 4. R. P. Shastri.
- 5. R. B. Sinha.
- 6. S. R. Ganguly.
- 7. Amiya Kumar Mitra.

The 10th February 1984

No. Admn.H-1572.—The Accountant General J. Bihar, Ranchi is pleased to appoint the following officiating Accounts Officers in substantive capacity in the same cadre with effect from the dates mentioned against their names.

prejudice to the right of The appointment is without Seniors who were not declared as substantive and whose cases are under consideration :-

> Nameand date

S/Shri

- 1. Deep Naryan Jha—1-2-84.
- 2. Ambika Prasad Dubey-1-2-84.

The 21st February 1984

No. Admn.II-1607.—The Accountant General (I) Bihar, Ranchi has been pleased to promote Shri Khudi Ram Roshan, a Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 14-2-84 (A.N.).

No. Admn. II / 1607.—The Accountant General (I) Bihar, Ranchi has pleased to promote Shri Naba Gopal Layak, a Section Officer of this Office to officiate until further orders as an Accounts Officer with effect from 15-2-84 (F.N.).

R. BASHYAM

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 25th February 1984

No. AN/II/2158-84.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent section officers (Accounts) as Accounts Officers in an officiating

capacity with effect from the date noted against each until further orders :-

Sl. No.	Name	Organisation	Datc
1	2	3	4
S/S			
	aj Narain Lal .	C.D.A.,	31-5-83
2. R.	Ramamurthy	Patna CDA (ORs),	4-5-83
3. R	tama Pati Srivastava .	South Madras CDA (ORs),	19-4-83
4. A	Anand Swaroop Sharma	North Meerut CDA W C	29-4-83
5. P	. Chandra Das .	Chandigarh CDA (ORs),	19-4-83
6. S	.M. Balakrishna	South Madras CDA SC,	19-4-83
7. R	k, Chandran	Pune Controller of Accounts (Factories),	2-6-83
8. S	uresh Kumar Choudhr	Calcutta y CDA WC,	19-4-83
9. K	.K. Sharma-Π	Chandigarh CDA WC,	19-4-83
10. M	I.P. Lele	Chandigarh CDA AF,	19-4-83
11. D). Justus	Dehradun C of A (Fys),	19-4-83
12. St	urinder Kumar Khanns	Calcutta CDA WC,	19-4-83
13. R	amesh Kumar Nagpal	Chandigarh CDA HQrs.,	19-4-83
14. Si	ita Ram Gupta	New Delhi CDA AF,	19-4-83
15. C	haman Lal	Dehradun CDA,	19-4-83
16. B	.B. Prasad	Patna CDA (Pensions), Allahabad	19-4-83
17. R	.G. Khatavakar .	CDA,CSD, Bombay	13-6-83
18. M	I.D. Agarwal , .	C of A (Fys), Calcutta	19-4-83
19. P.	M. Sathe	CDA (ORs), Central Nagpur	19-4-83
20. S.	N. Srivastava .	CDA AF,	19-4-83
21. T.	K. Mukherjee	Dehradun CDA (ORs) North,	31-5-83
22. V	.N. Singh	Meerut CDA (ORs) Central, Nagan	18-5-83
23. B	hagwan Dass , .	Nagpui CDA CC, Meerut	27-5-83
24. K	.S. Jusudas	CDA SC, Pune	8-8-83
25. S.	P. Dutta	C of A (Fys), Calcutta	27-5-83
26. V.	. Satyamurthy	CDA (ORs), South, Madras	27-5-83
27. R.	.B. Kotnala	a	31-5-83
28. K	rishna Chandra Nigam		30-5-83
29. K.	.N. Srivastava .	CDA AF, Debradua	28-5-83
30. Yo	og Pal Singh	CDA AF, Dehradun	19-5-83
31. U.	.N. Pandey	CDA, Patna	7-6-83
32. C.	Satyamoorthy		27-5-83

2		3	4	1 2	3	4
S/Shri		<u></u>		S/Shri		
3. M.S. Ra	iwat .	CDA WC, Chandigarh	21-5-83	64. Desh Raj	CDA (Officers), Pune	23-7-8
4. N.S. Sri	vastava	CDA (Pensions), Allahabad	3-12-83	65. Sher Singh	CDA (ORs) North, Meerut	22-7-8
5. P. Srirai	nach a dran .	CDA SC, Pune	30-5-83	66. Sita Ram	CDA (ORs) Central, Nagpur	11-7-8
6. G.V. Su	bha Rao .	CDA SC, Pune	13-6-83	67. Mangal Singh , .	CDA NC, Jammu	1-7-
7. T.H. R	ю	CDA AF, Dehradun	28-5-83	,	CDA AF, Dehradun	1-7-8
8. Mađan	Mohan Awasthi (CDA NC, Jammu	13-6-83		CDA SC, Punc	26-8-8
9. Bikram	Singh .	CDA NC, Jammu	16-6-83	70. Ram Raj Gulab Chand	Dehradun	1-8-8
0. M. Veci	anarayana	CDA (ORs) Central Nagpur	6-6-83	•	CDA (ORs) North, Meerut	1-8-8
1. S.K. Ro	-	CDA, Patna	25-5-83	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	CDA HQrs, New Delhi	5-8-8
2. M.A. R		CDA (ORs) Central Nagpur	30-5-83		CDA. Patna . CDA.	25-8-8
	-	CDA (ORs), South Madras	30-5-83	74. Shri Das	Patna CDA,	1-9-
_	-	CDA (Pensons), Allahabad	30-5-83		Patna CDA,	23-8-
15. Pradum Mathur	an Krishan	CDA AF,	29-7-83	77. Nankoo Ram	Patna CDA CC,	2-9-
6. K. K on	dala Rao .	Dehradun DA (ORs) South	17-6-83	78. N. Sarkar	Meerut $C ext{ of } \Lambda ext{ (Fys)},$	1-9-
7. M.S. Si	ngh .	Madras CDA,	30-6-83	79. M.B. Gadpal	Calcutta Do.	1-9-
8. V.S. Kr	ishnamurthy .	Patna CDA (ORs) Central Nagpur	30-5-83	01,	Do.	2-9- 2-9-
9. Ujagar	Singh	CDA (Pensions), Allahabad	16-5-83		CDA (ORs), Central Nagpur	6-9
i0. Prabodi	h Ghosh .	C of A (Fys), Calcutta	23-5-83	O.J. Mejimeri engli	Dehradun	5-8 3-9
81. Raj Ku	mar Sharma .	CDA CC, Mccrut(NBR)	1-6-83	84. Fakir Chand	. CDA CC, Meerut	1-9
52. P.C. R	ajvedi	CDA (Pensions), Allahabad	1-6-83	85. Ram Narain .	. C of A (Fys), Calcutta , CDA (ORs), North	5-9
53. Purusha Sharma		CDA AF,	6-6-83	86. H.R. Sagar	Meerut CDA (Pensions),	1-9
54. S.K. G	oyal	Dehradun CDA Officers,	28-6-83	87. Mangal Prasad 88. A.D. Bahadure	Allahabad CDA SC,	1-9
55. Jai Kui	mar Goel	Pune CDA WC,	20-6-83	89. S.J. Mirapagar	Pune CDA (ORs) South,	1-9
56. Ved Pr	akash	Chandigarh CDA AF, Dehradun	1-6-83	90. Ji Raj Singh	Madras CDA (ORs) North	16-9
57. T.M. C	Jopalakrishnan .	C of A (Fys), Calcutta	29-6-83	9]. V.R. Wagmare .	Meerut . CDA Officers,	1-9
58. B.L. O	jha	CDA (Pensions), Allahabad	1-6-83	92. B.R. Kamble	Pune , CDA SC,	1-9
59. Nareno	lra Bahadur Singh		30-6-83	93. Tarsem Lal	Punc . CDA WC,	15-9
60. M. P. S	Singh	CDA (Pensions). Allahabad	17-1-83	94. Ram Singh Pali .	Chandigarh CDA CC,	5-
61. Kuber 62. Amar	Nath . Singh Arya .	Do CDA Officers,	10-6-83 13-6-83	95. M. Gopalakrishnan	Meerut . CDA (ORs), South	3-10
	thal Singh .	Pune CDA Officers,	29-6-83	96. B.L. Pipal	Madras . CDA CC,	12-10

1 2	3	4
S/Shri		
97. Vishwa Prakash	. CDA (Pensions), Allahabad	1-10-83
98. S.S. Singhal .	. CDA, Patna	19-10-83
99. B. Ranga Dass .	. CDA (ORs) South, Madras	1-10-83
100. M.R. Singh .	. CDA (ORs) North. Meerut	, 28-10-83
101. K.M. Mahadevaiah	. CDA (Officers), Pune	3-10-83
102. B. Basava Raju	. CDA (ORs) South, Madras	1-10-83
103. Babu Lal .	. CDA S,	1-10-83
104. S. Sivan Kutty .	. CDA Navy, Bombay	1-10-83
105. B.R. Natarajan .	. CDA (ORs) South,	1-10-83
106. C. Devarajan .	. CDA, Patna	24-10-83
107 G.M. Vasagam .	. CDA AF, Dehradun	3-10-83
108. R.N. Roy	. C of A (Fys), Calcutta	28-10-83
109 B.P. Thorat	. CDA (ORs) South,	20-10-83
110. M. Vijayaprasad	. CDA (ORs) South Madras	, 1-10-83
111. Ishwar Dayal .	. CDA CC, Meerut	5-10-83
112. M.B. Sonkusale	. CDA (ORs) North. Meerut	17-10-83
113. L.T. Sonawane	. CDA, Patna	16-11-83
114. P.J. Jose	. CDA Officers,	1-10-83
115. B.N. Barman .	Pune . CDA (ORs) North Meerut	, 28-11-83

A. K. GHOSH Dy. C.G.D.A. (Admin.)

New Delhi-110066, the 29th February 1984

No. AN/I/1150/Vol.IV.—On the basis of the results of the Civil Services (Main) Examination, 1982 held by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationers in the Indian Defence, Accounts Service, with effect from the date shown against their names:—

Sr. No.	Name		Date of appointment
1	2	 	 3
1. Sh	ri Savitur Prasad .	•	29-8-83 (FN)
2. Sh	ıri Rajbir Singh Rana		29-8-83 (FN)
3. Sh	ıri M. Vijaya Sinha Reddy		29-8-83 (FN)
4. Sh	ri Upendra Sah .		12-12-83 (FN)
5. S h	iri Jagadananda Das		13-12-83 (FN)
6. K ı	um Kompella Janaki		14-12-83 (FN)

1	2		3
7. S	hri Rajendra Kumar Nayak		15-12-83 (FN)
8. S	hri Chhaju Ram Rana .		15-12-83 (FN)
9. S	hri Jai Pal Singh .		17-12-83 (FN)
10. S	hri D. Bal Krishna Reddy		15-12-83 (FN)
11. S	hri Bipin Bihari Mallik .		21-12-83 (FN)
12. S	hri Rajendra G. Gulechchha		22-12-83 (FN)
13. K	um Manjula Majumder .		23-12-83 (FN)
14. S	mt. Saswati Chakrabarti .		26-12-83 (FN)

CORRIGENDUM

No. AN/I/1401/4/III.—In this Department's notification No. A.N/I/1401/4/III dated 14-11-83 regarding appointment of Accounts Officers to officiate in the Junior Time Scale (Rs. 700—1300) of the Indian Defence Accounts Service, the following amendment is made:

Against Sr. No. 15—Shri C. Suryanarayana read 11.07.83 instead of 02.06.83 under Col. "Date from which appointed".

V S. JAFA
Additional Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE

(DG OF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE)

(ORDNANCE FACTORY BOARD)

Calcutta-700069, the 1st March 1984

SUB :--Retirement

No. 6/84/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Niranjan Guha Roy, Offg Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Stenographer Gr.II), retired from service with effect from 29-2-84 (A.N.).

D. R. IYER
D.D.G./Personnel
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 1st March 1984

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROI

(ESTABLISHMINI)

No. 1/22/83-Admn.(G)/1676.—The President is pleased to appoint Shri S. I. Tripathi, IRS (IT) (b: 1-6-29) formerly Joint Secretary in the Economic Administration Reforms Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Commission, as Additional Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the afternoon of the 8th February, 1984 until further orders.

Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi. the 24th February 1984

No. 6/432/56-Admn.(G)/1593.—On attaining the age of superannuation, Shri U. S. Rawat relinquished charge of the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi, with effect from the afternoon of 31st January, 1984.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMAIL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd February 1984

No. A.19018/387/79-A(G).—The President is pleased to appoint Shii Ranjit Singh. Assit. Director (Gr. I) (Mech.), Small Industries Service Institute, Jaipur as Deputy Director (Mech.) at Branch SISI, Tura under Small Industries Service Institute, Gauhati on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30-1-1984 until further orders.

The 6th March 1984

No. 12(33)/61-A(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri R: N. Deva, Director (Gr.II) (Mech.), Small Industries Service Institute, Agra as Director (Gr.I) (Mech.) at the same Institute on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6-2-1984 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA Deputy Director (Admn.)

DIRFCTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 29th February 1984

No. A-1/1(1156).—Shri T. V. Pote, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Grade II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay, retired from Government service on Invalid Pension with effect from 12-1-84 (A.N.).

S. BALASUBRAMANIAN Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 28th February 1984

No. 1431B/A-19012(SKB)/84-19A.—Shri S. K. Baul, Senior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st February, 1984, until further orders.

A. KUSHARJ Director (Personnel) for Director General

Calcutta-700016, the 28th February 1984

No. 1420B/A-32014(2-AG)/79/19B.—The following Sr. Tech. Asstt. (Geophysics), Geological Survey of India, have been appointed on promotion to the post of Asstt. Geophysicist, in the same Department by Director General, Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Shri Dulal Ch. Ghosh, w.e.f. 6-1-1984 (F.N.).
- 2. Shri H. Venunadha Raos w.c.f. 12-1-1984 (F.N.).

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th February 1984

No. A.19011(349)/84-Estt.A.—Ku. S. W. Wadiwa, a Grade IV Officer of I.S.S. on her release from the post of Assistant Director (Statistics) (Grade-I) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi assumed the charge of the post; of Assistant Mineral Economist (Stat.) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th February, 1984.

A. R. KASHAV Senior Administrative Officer for Controller General of Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 24th February 1984

F. No. 4/1/84-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. V. Sharma 'Saroj', Senior Hindi Translator, Andaman & Nicobar Administration, Secretariat, Port Blair as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis from the forenoon of 27-1-84 in the office of All India Radio, Port Blair.

The 3rd March 1984

No. 1/12/83-SII.—Director General, AIR is pleased to appoint Shri M. Gnanaprakasam to officiate as Accounts Officer on deputation basis at the office of CE(WZ), AIR, Bombay, w.e.f. 13-2-84.

No. 1/12/83-SII.—Director General, AIR is pleased to appoint Shri S. K. Basu to officiate as Accounts Officer on deputation basis at office of Chief Engineer (EZ) AIR, Calcutta w.c.f. 6-2-84 (A.N.).

H. C. JAYAL Deputy Director, Administration for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 24th February 1984

No. 7-33/74-Adm.I(B).—Plant Protection Adviser to the Government of India is pleased to permit Shri Kripa Shankar, Surveillance Officer, Central Surveillance Station, Lucknow, under this Directorate to change his name to 'KRIPA SHANKAR GAUTAM' with immediate effect.

J. KRISHNA Chief Administrative Officer

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st March 1984

No. A-31014/4/83-A.I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Dte. of Marketing and Inspection, with effect from the dates indicated below against each:

S/Shri

1.	N. Gamarudheen		-		31-10-79
2.	P.E. Thomas				3-11-79

_				-				
2	Umesh Kumar							21 12 91
3.	Omesn Kumar	•	•	•	•			21-12-81
4.	S.C. Halder (SC)		•	٠	•			29-12-81
5.	S.P. Sexona . Smt. Anusuya Siva	•	•	4			•	29-12-81
6.	Smt, Anusuya Siva	rajan						29-12-81
7.	M.C. Bajaj	. '						29-12-81
8.	S.S.R. Sarma M.V.S. Murty			1				29-12-81
9.			_					29-12-81
10	S.R. Shukla							29-12-81
11	. Dr. Shalendra Kui	mar						
12	E Mohan Naidu		•					29-12-81
13	. E. Mohan Naidu . Kishan Swarup (S	SCO	•	•	•	•		29-12-81
1.4	A D Dancal	<i>JC</i>)	•	•	•			29-12-81
1.5	. O.P. Bansal	•	•	•	•	•		29-12-81
13	. N.H. Abbasi . R.C. Singhal .	•	•	•	•	*	•	29-12-81 29-12-81
10	, R.C. Singnai	•	•			•		
17	. Rakesh Saxena	•	•		•	-		
18	3. S.N. Singh Toma	r	•	•	•		•	15-9-82
). C.V. Bhawanisan						•	15-9-82
). A. Thomas Oomr							J 5-9-82
21	. S.C. Sarkar . . Y.K. Pande .					-		15-9-82
22	. Y.K. Pande .							15-9-82
23	3, M.K. Sivanandan					,		15-9-82
24	N.L. Singh .							15-9-82
24	F. P.R. Padmanabha	ın						15-9-82
26	5, P.R. Padmanabha 6. K.K. Vijayan			Ċ				15-9-82
27	7. A.S. Wasmik (SC)		•	•	•	·	15-9-82
20	S. S.T. Raza	,	•	•	•	٠.	'	21-12-82
	A.P. Gopinathan		ha	•	•		•	21-12-82
			114			•	•	
3(). S.M. Bharne (SC	,	•	•	•	•	•	
51	I, I,K. Gnosn	•	•			•	•	21-12-82
32	2. K.K. Sirhi		٠	•	•	•		
33	I, T.K. Ghosh 2. K.K. Sirhi 3. B.L. Vairaghar (S	iC)	•	•				
34	4. M.J. Devis . 5. A.H. Haris				•			
								21-12-82
	6. RK Meena (ST)							21-12-82
3	7. K Rama Rao							21-12-82
38	8. Dr T Satyanaray	/ana						21-12-82
39	O. A.K Verma .							21-12-82
4() R.P. Jaiswal					•		
41	Km. Saini Batra		_					
42	2. K.M. Balakrishna 3. C.M. Tabhane (Se	ın					•	21-12-82 21-12-82
43	C.M. Tabhane (Se	C)		-				
44	4 R.R.S. Rathore	~,	•	•	•	•	•	21-12-82
	5. N.G. Shukla		•	•	•	•	•	
	5. Lallan Rai	•	•	•	•	•	•	21-12-82
	7. V.E Edwin	•	•	٠		•	•	21-12-82
			•	•	•	•	•	21-12-82
4			•	•		•	٠	21-12-82
	9. Ram Shabd Singl	1.	•	•	•			21-12-82
	0. John George	•						19-2-83
	I. K.P. Singh		-					19-2-83
	2. B.N·K. Sinha							19-2-83
	3. B.M. Mehortra							19-2-83
5	A.K. Namboodir	i						19-2-83
5	5. T.K. Ray							19-2-83
5	6. R.V.S. Yadav							19-2-83
	7. S.A. Shamsi							19-2-83
	8, P.S. Murthy ,				-	•	•	
_	o, 1.5, Multily .					•	•	19-2-83

2. The lien of the above officers in the lower post, if any, stands terminated with effect from the date of their substantive appointment in the post of Asstt. Marketing Officer (Group I).

The 2nd March 1984

No. A-19025/34/81-A.HI.—The resignation tendered by Shri Jappal Singh Ahlawat from the post of Assistant Market-

ing Officer (Group I) has been accepted with effect from 14-2-1984.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (NUCLEAR FUEL COMPLEX)

Hyderabad-500 762, the 9th February 1984

ORDER

Fef. No. NFC/PA.V/2606/1367/159.—WHEREAS it was alleged that:

"Article I—Shri Mahmood Ali Khan while employed as T/C, EUOP, NFC has been remaining absent from duty unauthorisedly from 3-3-83 and thus committed an act of misconduct in terms of Rule 3(1)(ii) of CCS (Conduct Rules, 1964:

Article II—Shri Mahmood Ali Khan, T/C, EUOP while remaining absent from duty has refused to accept the official communication i.e. telegram issued to him directing him to appear before Medical Officer, NFC and thus committed an act of misconduct in terms of Rule 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964";

AND WHEREAS the said Shri Mahmood Ali Khan was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide Memo No. NFC/PA.V/2606/1367/1613 dated 21-11-1983;

AND WHEREAS the said Shri Mahmood Ali Khan did not receive the charge sheet and the undelivered cover was returned by the postal authorities with a remark 'party out of station. Retd. to sender';

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/1367/1681 dated 8-12-83;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 25-1-84 stating that the inquiry was held ex-parte as the said Shri Mahmood Ali Khan did not attend the inquiry and held both the charges as proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report (copy enclosed) hold the charge as proved and come to the conclusion that the said Shri Mahmood Ali Khan is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of CCS (CCA) Rules 1965 read with DAE Order No. 2-2-82-Vig. dated 9-5-1983 hereby removes the said Shri Mahmood Ali Khan from service with immediate effect.

J. V. R. PRASADA RAO Deputy Chief Executive (A)

Shri Mahmood Ali Khan, H. No. 3-2-552, Chappel Bazar, Hyderabad-500027

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th February 1984

No. A-32013/5/82-EC(.)—The President is pleased to appoint the following Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on ad hoc basis for a period of six months w.e.f. the date of taking over charge of the higher post and to post and them at the stations indicated against each:—

Sl. No.Name					Present Station of pos	Present Station of posting Station to which posted				
1 2	 	 	 		3	4	over charge			
S/Shri										
1. B.R. Sena					. ACS, Delhi	ACS, Delhi	25-11-83			
2. L.R. Singh .					. ACS, Madras	ACS, Madras	7-12-83			
3. S.E. Sethi .				,	, ACS, Ahmedabad	ACS, Delhi	30-1-84			
4. M.V.K. Murthy					. ACS, Bombay	ACS, Bombay	1-12-83			

G.B. LAL.

Assistant Director of Administration, for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 22nd February 1984

No A-38013/1/84-EC—The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their officer with effect from the dates indicated against each on retirement on attaining the age of Superannuation :—

SI. Name & Designation No.				 	 Station	Date of retire
S/Shri						
I. Amullya Kumar Mukherjee, Asstt. Cor	nmn.	Office	r		ACS, Calcutta	31-1-84 (AN)
2. D.N. Kundu, Asstt. Commn. Officer					ACS, Calcutta	31-1-84 (AN)
3. S.K. Nandi, Asstt. Commn. Officer					ACS, Calcutta	31-1-84 (AN)

The 24th February 1984

No. A-38013/3/83-EC (.).—Shri T. G. Nair, Assistant Communication Officer. Aero. Comm. Station, Mangalore in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office on

retirement on 1st February 1984 (Forenoon) under the provisions of F.R. 56(K).

G. B. LAL
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 22nd February 1984

No. A.32014/3/81-E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of the following Superintendents as Administrative Officer for a further period indicated against their names:—

51 Name No.					Station of Posting	Period of adhoc appointment Admn. Officer approv					
I 2	.—	 	 	 	3	4	5				
1. Shri O.N. Sahore	<u>-</u>		 —— -		AO., Safdarjung	23-12-83	22-6-84				
2. Shri G N Mehrotra					C.A.T.C., Allahabad	30-12-83	29-6-84				
3. Shri S.N. Sharma .					RD., Delhi	1-2-84	29-2-84				
4. Shri G. Balan .					RDMadras	19-2-84	18-8-84				

THAKAR DATT

Officer on Special Duty (E)

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 27th February 1984

No. 16/414/83-Ests-I.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Dr. Syed Itan Ahmad, Research Assistant Grade I in the F.R.f. and Colleges, Dehra Dun to the post of Re-

search Officer, State Forest Service College-cum-Research Centre, Burnihat (Assum) under the F.R.I. & Colleges, Dehra Dun in the scale of Rs. 650—1200 with effect from 5-12-83 (Forenoon), until further orders.

G. S. GROVER
Dy. Registrar
Forest Research Institute & Colleges

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD (CONTROL)

APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 28th February 1984

F. No. 7-CEGAT/83.—Shri P. D. Bakhru, lately working as Assistant Registrar, Customs, Excise and Gold (Control), Appellate Tribunal, New Delhi (on deputation basis) assumed charge of Technical Officer, Customs, Excise and Gold (Control), Appellate Tribunal, West Regional Bench, Bombay in the scale of Rs. 650—1200/- plus special pay of Rs. 75/- per month in the forenoon of 20th February 1984.

Sd./-F. S. GILL President

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-4000038, the 3rd March 1984

No. 11-TR(11)/77.—Shri T. N. Sarkar, Administrative Officer, Geological Survey of India, Calcutta has been appointed on deputation in the same capacity in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta with effect from 27th January 1984 (F.N.) until further orders.

AMITABH CHANDRA

Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

Now Delhi-110066, the 28th February 84

No. A-32012/1/84-Estt. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints the following officers officiating as Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Civil/Mechanical) on ad-hoe basis in the Central Water Commission, on a regular basis in the same grade and pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th December, 1983 until further orders:—

S/Shri

- 1. T. Kannan
- 2. V. C. Gupta
- 3. G. L. Dudani
- 4. S. Srinivasan
- 5. S. K. Kshatri
- 2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years from the aforesaid date.
- 3. The promotion of the above mentioned officers is subject to the result of the Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble Court of Calcutta.

The 28th February 1984

No. A-32012/1/84-Estt. V.— On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Jagan nathan M., Diploma holder Supervisor, working as Assistant Engineer on deputation in N.W.D.A. who satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (C&M) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26th December, 1983 until further orders.

- 2. Shri Jagannathan M. will be on promotion in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two year with effect from 26-12-1983.
- 3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of the Civil Rule No. 10823 (W) of 1980 pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

No. A-32012/1/84-Estt. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri M. N. Gundu Rao, Graduate Supervisor, working as SURVEYOR on deputation in WAPCOS (India) Limited, who satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation/foreign service to ex-cadre post to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (C&M) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in absentia in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26th December, 1983 until further orders.

- 2. Shri M. N. Gundu Rao will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effece from 26-12-1983.
- 3. The promotion of the above mentioned officer is subject to the result of the Civil Rule No. 10823 (W) of 1980* pending in the Hon' ble High Court of Calcutta.

D. KRISHNA, Under Secy. for Chairman, C. W. Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 17th February 1984

CORRIGENDUM

Subject:—Issue of Notification regarding voluntary retirement from service in respect of Shri P. M. Mehta, E.E. (C) w.e.f. 31-7-1983 (AN)—correction regarding.

No. 27-E/M(28)/69-ECU.—The undersigned is directed to refer to this office Notification No. 27-E/M(28)/69-ECII, dated 26-7-83 and to say that the Rule mentioned in the penultimate line of the Notification may be read as "under Rule 56(k) of the F.Rs., as amended from time to time" instead of 'under Rule 48-A of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time'.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Director of Administration for Director General (Works)

New Delhi, the 29th February 1984

No. 1/451/69-ECIX.—Shri P. D. Yudav, Technical Officer of this department retires on attaining the age of superannuation with effect from 29th February 1984 (AN).

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Cheeran and Company Private Limited

Cochin-682 011, the 25th February 1984

No. 2802/Liq/560(3)/2037/84—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Cheeran and Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Pattambi Saw Mills Limited

Cochin-682 011, the 28th February 1984

No. 1608/1 iq/560(5)/2050/84.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Pattambi Saw Mills Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.
Mithila Woollen Mills Limited

Patna, the 2nd March 1984

No. (1206)/47/560/480.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/S Mithila Woollen Mills Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Inland Vassels Mfg. Private Limited

Patna, the 2nd March 1984

No. (1342)/50/560/481.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/S Inland Vassels Mfg. Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mfs.

Calben (India) Limited

Patna, the 2nd March 1984

No. (1352)/28/560/482.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/S Calben (India) Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of MJs. Pushpanjali Investment Private Limited

Patna, the 2nd March 1984

No. (1380)/16/560/483.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/S Pushpanjali Investment Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Shabharwal Bothers Private Limited

Patna, the 2nd March 1984

No. (1390)/12/560/484.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 the name of M/S Shabharwal Brothers Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of MJs.
Bihar Chromates Private Limited

Patna, the 2nd March 1984

No. (1403)/49/560/485.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956 the name of M/S Bihar Chromates Private Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Lature Construction Company Private Limited

Bombay-2, the 3rd March 1984

No. 659/16312/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Lature Construction Company Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. Jain, Addl Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2

In the mattar of the Companies Act, 1956 and of M/s Coll Silk Apparel Private Limited

Hyderabad, the 5th March 1984

No. 2014/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Cott Silk Apparel Private Limited. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Mfs. Andhra Pradesh Technocrats Industrial Estate Limited

Hyderabad, the 5th March 1984

No. 1395/TA:III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Andhra Pradesh Technocrats Industrial Estate Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will Dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Visakha Movies Limited

Hyderabad, the 5th March 1984

No. 896 TA:III 560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Visakha Movies Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU. Registrar of Companies Andhra Pradesh Hyderabad

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Hyderabad, the 18th February 1984

ORDER

No. 72 —The undermentioned Incometax Officers are confirmed as Incometax Officers, Class-II with effect from the dates noted against each,

Sl. Name of the I.T.O. & Designation & No. Place at which working	Date from which confirmed	How the vacancy has arisen
1 2	3	4
S/Shri		
1. R.P.C. Sekhara Rao, Incometax Officer, A. Ward, Salary Circle, Hyderabad	1-7-1983	Due to retirement of Sri G. Umamaheswara Rao Incometax Officer.
2. K. Radhakrishnamurthy, Chief Auditor & Incometax Officer (IA), O/o C.I.T., Vizag	1-12-1983	Due to retirement of Sri N. Sourirajan, ITO, Cl. I (confirmed as ITO, Cl. II)
3. P. Singa Rao, Incometax Officer, H Ward, Vijayawada	1-12-1983	Due to retirement of Shri I.D. Pravardhana Rao, Incometax Officer
4. D. Venkata Sastry, Incometax Officer, B. Ward, Tenali	1-1-1984	Due to retirement of Shri O. Gopal krishna Murthy, ITO, Cl. I (confirmed as ITO, Cl. II)
5. K. Krishna Rao, Incometax Officer, C. Ward, Circle- II, Kakinada	1-2-1984	Due to retirement of Shri V. Gopala Rao, Incometax Officer.

^{2.} The date of confirmation is subject to modification at a later date, if necessary.

S. RAMASWAMI Commissioner of Income-tax, Andhra Pradesh, Hyderabad

FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ashok Marketing Limited of 8. Camac Street, Calcutta-700 017.

(Transferor)

(2) M/s, Sahu Jain Charitable Society, of 8, Camac Street, Calcutta-700 017.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1984

Rcf. No. AC-52/ACQ.R-II/CAL/83-84.—Whereas, J. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 situated at Hastings Park Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority, Calcutta on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market 'value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—32—516G1/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 1-5 on the 10th Floor at "RAJTARANG", 6, Hastings Park Road, Calcutta-700 027 Registered before the Competent Authority vide S.L. No. 26 dated 6-6-1983. Total Flat area 8,000 Square feet

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitlon Range-II
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 17-2-1984

Scal:

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 4th February 1984

No. IΛC/ACQ/31/13/83-84.—Whereas, I,

M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 3 in Camp area Nazul Sheet No. 13,

Area 5187 Sq. ft

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Amravati on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anilkumar Shankarraoph Patil (Bhamburkar) Amravati

(Transferor)

(2) M/s. Karva Investment Corporation Partner—Shri Rameshwas Ratanlal Karva, Amrayati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Nazul Sh. No. 13, in Camp * at Amravati area 5187 sq. ft.

M. C. IOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 4-2-1984

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1984

Ref. No. AMB/30/83-84.--Whereas, I,

R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

residential house measuring 525 sq. yds situated at

Ambala City

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Lalit Mehra
 S/o Shri Devendra Nath Mehra
 S/o Shri Mehar Chand Mehra
 R/o B-170, Ashok Nagar,
 Gaziabad (U.P.)

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Shri Narain Singh S/o Shri Munshi Ram Field Officer, IFFCO, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being residential house measuring 525 sq. yds situated at Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2054 dated 16-6-1983 with the S.R. Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1984

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1984

Ref. No. SPT/6/83-84.--Whereas, I, R. K. BHAYANA, kei, No. 50170/85-04.—whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove-able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 34 bigha 16 biswas situated at Patti Mushalmanan Somenat

Patti Mushalmanan, Sonepat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shri Harbans Singh S/o Shri Piara Singh S/o Shri Tara Singh through Sh. Richhpal Singh S/o Shri Harbans Singh, Model Town, Karnal.
 Shri Kulwant Singh, 3. Shri Harbhajan Singh, 4. Shri Trilochan Singh, 5. Shri Pritam Singh S/o Shri Kartar Singh

S/o Shri Kartar Singh S/o Shri Piara Singh R/o Nehru Park, Jodhpur.

 Shri Nonihal Singh, 7. Sh. Jasvender Pal Singh & Shri Surender Pal Singh Ss/o Shri Harcharan Singh S/o Shri Piara Singh

(Transferor)

-) 1. Shri Mahabir Prashad S/o Shri Bishamber Dass S/o Shri Ishri Parshad,
 - Smt. Shanti Jain W/o Shri Mahabir Porshad S/o Shri Bishamber Dass

- 3. Shri Jinender Kumar S/o Shri Mahabir Parshad S/o Shri Bishamber Dass 4. Smt. Sawdesh Kumari W/o Sh. Jinender Kumar
- S/o Shri Mahabir Parshad 5. Smt. Kamal Naini D/o Sh. Mahabir Parshad
- S/o Shri Bishamber Dass
 6. Sh. Dhanpal Singh S/o Shri Anup Singh
- S/o Shri Mangat Rai 7. Sh. Balwant Rai 8. Vinod Kumar Ss/o Shri Dhanpal Singh S/o Shri Anup Singh

R/o Model Town, Karnal.

9. Smt. Shashi Kant W/o Sh. Dhanpal Singh S/o Shri Anup Singh

- 10. Smt. Rekha Jain W/o Sh. Vinod Kumar S/o Shri Dhanpal Singh
 11. Shri Vijay Kumar S/o Shri Mahenderpal S/o Shri Anup Singh
 12. Smt. Manju Jain W/o Shri Vijay Kumar S/o Shri Mahander Pel
- S/o Shri Mahender Pal 13, Shri Prem Chand S/o Shri Dalip Singh
- S/o Shri Munshi Lal, 14. Sh. Kailash Bhushan 15. Vijay Bhushan 16. Shri Jaiwant Bhushan 17 Mukesh Bhushan S/o
- Shri Prem Chand S/o Shri Dalip Singh, 18. Smt. Kamlesh W/o Shri Jaiwant Bhushan S/o Shri Prem Chand
- 19. Smt. Nansi Jain W/o Sh. Mukesh Bhushan S/o Shri Prem Chand
- 20. Shri Siri Pal S/o Shri Sunder Lal S/o Shri Garibu Mal
 21. Sh. Rakesh Kumar, 22. Sh. Mukesh Kumar Ss/o Siri Pal S/o Shri Sunder Lal
 23. Smt. Shanti Devi W/o Sh. Siri Pal
 24. Shri Sunder Lal
 25. Shri Sunder Lal
- S/o Shri Sunder Lal
 24. Shri Vipin Kumar S/o Shri Sham Sarup
 S/o Shri Vishan Sarup
 25. Smt. Shecla Rani W/o Shri Sham Sarup
- S/o Shri Vishan Sarup
- 26. Smt. Rsha Rani D/o Shri Sham Sarup S/o Shri Vishan Sarup
- 27. Shri Hukam Chand S/o Shri Chhote Lal Jain 28. Shri Pawan Kumar S/o Shri Padam Sain
- S/o Shri Jugmander Dass
- 29. Smt. Sarita Jain W/o Shri Jagdish Rai
- S/o Shri Devi Chand 30. Shri Subhash Chand S/o Shri Chatar Sain S/o Shri Ratiram
- 31. Smt. Mishri Devi W/o Shri Dhanna Ram S/o Shri Devi Chand
- 32. Smt. Kasturi Devi W/o Shri Devi Chand
- S/o Shri Indraj Mal

 33. Shri Dhanna Ram S/o Shri Devi Chand S/o Shri Indraj Mal,
- 34. Shri Satpal Sachdeva S/o Shri Ram Sahai S/o Shri Mehar Chand
 36. Sh. Mukesh Pal 37. Sh. Saneh Pal Ss/o
- Satpal Sachdeva S/o Shri Ram Sahai
- 38. Smt. Punam Sachdeva W/o Sh.Mukesh Sachdeva
- Shri S. P. Sachdeva & Sons HUF through Sh. Satpal Sachdeva S/o Ram Sahai Rs/o Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and hereoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 bighas 16 biswas situated at Patti Musalmanan, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2163 30-6-1983 with the S.R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Rohtak

Date: 16-2-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

D.I.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th February 1984

Ref. No. KNL/23/83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market of Registering Officer at

Godam M.C. No. 935 situated at Purani Mandi, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, at mely:—

(1) Shri Abnash Chandra
 S/o Shri Sardari Lal
 S/o Shri Thakur Dass
 R o H, No. 8, Wazir Chand Colony, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Beni Parshad S/o Shri Bholar Mal Vaish R/o Kothi No. 9, Chaman Garden near State Bank of Patialas, Railway Road, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being godam situated at Purani Mandi Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1623 dated 8-6-1983 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/288.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property beging a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said said, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ajit Kaur Wd/o S. Mangat Singh Anand, 108, Basant Avenue, Amritsar, Self & General Attorney Smt. Kuldip Kaur, Smt. Harmit Kaur, Ds/o Shri Mangat Singh, 108 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(2) Doctor Amarjit Singh S/o Shri Mangat Singh, 106 Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. Person in occupation of the property

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 200 sq. yds., situated at Basant Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2908 dated 1-6-1983, of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IKO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD

AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/300.---Whereas, I,

C. S. KAHLON, IRS,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A plot of land situated at G.T. Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at

S.R. Amritsar in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—44—476GI/83

(1) Smt. Narinder Kaur D/o Shri Kartar Singh, Chowk Prag Dass, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Charan Dass S. o Shri Des Rai. Housing Board Colony, Green Avenue. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersoigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land situated on G.T. Road, Near Mayur Hotel, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3562 dated 15-6-1983 of the Registering Authority, Amritsar,

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: \3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD **AMRITSAR**

Amritsar, the 4th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/301.—Whereas, I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Vijay Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in June, 1983

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no/ han

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Amrit Mohan Sharma 5 o Shil Rashn Nath Sahava, 187 Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna W/o Shri Balkrishan Mahajan, R/o 2/S, Gali, Subedaran, Hathi Gate, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 142 sq. yds., situated, in Gali No. 2, Vijay Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4062 dt. 22-6-1983 of Registering Authority, Amritsar,

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 3rd February 1984

Ref. No. ASR/83-84/302.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at outside Bhagtanwala, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
33—516GI/3

- (1) Shri Kishan Singh S/o Shri Hakam Singh, Vill. Mool Chak, Teh & Distt, Amritsar. (Transferor)
- (2) S. Gurdeep Singh, S. Mohinder Singh Ss/o Shri Piara Singh, 19-20, Sant Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 1462 sq. yds., situated at Vill. Moolchak, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3886 dated 17-6-1983 of Registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 2nd February 1984

Ref. No. ASR/83-84/303.—Whereas, I,
C. S. KAHLON, IRS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
One property situated at Khankot, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the Office of the Registering Officer at
S. R. Amritsar in June, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Pritam Kumar, Kishan Kumar Ss/o Shri Harbans Lal, Vill. Sultanwind, Teh & Distt. Amritsar. (Transferor)

(2) Smt. Kulwant Kaur W/o Shri Pritam Singh, 67 East Mohan Nagar, Amritan.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property measuring 1305 sq. yds., situated near Vil. Khankot, G.T. Road, Amritsar, dated 20-6-1983, of Registering Authority, Amritsar.

C. S.KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 2-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD **AMRITSAR**

Amritsar, the 6th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/304.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1980 (16 of

1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ved Parkash S/o Shri Puran Chand, Katra Ahluwalia, Self and General Attorney M/s. Ramesh & Co. and Shri Ram Rakha Mal and Sh. Ram Lal.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Rani W/o Shri Dharam Pal S/o Shri Nihal Chand, R/o Katra Parja, Kucha Nayyian, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2924 dated 2-6-1983 of registering authority. Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritaar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1984

Ref. ASR/83/84/305.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other; assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Ved Parkash
 S/o Shri Puran Chand,
 Katra Ahluwalia,
 Self and General Attorney
 M/s. Ramesh & Co. and
 Shri Ram Rakha Mal and Sh. Ram Lal.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal S/o Shri Nihal Chand, R/o Katra Parja, Kucha Nayyian, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be-interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3373 dated 15-6-1983 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice runder, subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1984

FORM .I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD **AMRITSAR**

Amritsar, the 6th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/306.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ved Parkash S/o Shri Puran Chand, Katra Ahluwalia, Self and General Attorney M/s. Ramesh & Co. and Shri Ram Rakha Mal and Sh. Ram Lal. (Transferor)

(2) Shri Harjit Pal S/o Shri Dharam Pal, R/o Katra Parja, Kucha Nayyian, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property situated at New Garden Colony, Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3372 dated 15-6-83 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 6th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/307.--Whereas, I,

Ref. No. ASK/03-04/ C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trans as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Shri Ved Parkash S/o Shri Puran Chand, Katra Ahluwalia, Self and General Attorney M/s. Ramesh & Co. and Shri Ram Rakha Mal and Sh. Ram Lal. (Transferor)

(2) Shri Malik Ram S/o Shri Nihal Chand, r/o 3082/12, Katra Parja, Kucha Nayyian, Amritaar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/4th share of property situated at New Garden Colony Circular Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2925 dated 2-6-1983 of registering authority, Amritan.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 6-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD AMRITSAR

Amritsar, the 13th February 1984

Ref. No. ASR/83-84/308.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at Jail Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer

at S. R. Amritsar in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-

(1) S/Shri Surjit Singh, Telinder Singh Ss/o Shri Kirpal Singh, Smt Jatinder Kaur W/o Shri Surject Singh, Smt. Meena W/o Shri Tejinder Singh, R/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh S/o Shri Dhian Chand, Kothi No. 6, Old Jail Road, Amritsor.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at 6, Jail Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 3583 dated 15-6-1983 of registering nuthority, Amritsar,

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No. 5199—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sukhdeep Kaur W/o Capt Shivdev Singh C/o S. R. Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Surjit Kaur W/o Capt. Saroop Singh, Parminder Singh S/o Capt Saroop Singh C/o S. R. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period est. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as; given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1469 of June 1983 of the Registering Authority. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

Soal:

(1) Shri Jagjit Singh S/o aram Singh, Vill. Nahianwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dalbar Singh S/o Bachan Singh, Goniana Mandi Distt. Bhatinda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No. 5200.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

as per schedule situated at Vill. Nahianwala Distt., Bhatinda.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1494 of June 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34—516GI/83

Date: 16-2-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No. 5201,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chand Kaur Wd/o Bishan Singh, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Shri Darshan Singh & Mohinder Singh 88/0 Gurcharan Singh C/o S. R. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1635 of June 1983 of the Registering Authorty, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No./5202.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Vill. Ablu Distt. Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in June 1983,

Bhatinda in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Darbara Singh S/o Bachna Singh, Bhola Singh S/o Mukhtiar Singh, Gurmukh Singh S/o Prem Singh, GNA Mandi C/o Gurmukh Singh, Advocate, Civil Courts, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh S/o Jangir Singh Sukhmender Singh, Kaur Singh SS/o Bhag Singh, V. ABLU Distt. Bhatinda, Surjit Singh, Angrej Singh, Bhura Singh S/o Lal Singh V. ABLU Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1648 of June 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

Seal 1

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No./5203,---Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jagjit Singh S/o Mukhtiar Kaur D/o Sh. Jwala Singh Vill. Jassi Panwali. (Transferor)
- (2) Shui Jarnail Singh, Gurnam Singh, Janjit Singh, Thana Singh & Ballour Singh St/o Mal Singh Vill. Jassi Panwali.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1925 of June 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No./5204.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, as per schedule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Shri Jallour Singh S/o Kakar Singh, R/o Kothi Kameke, Sivian Road, Opp. NFL, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh Jaskaran Singh SS/o Sh. Bhan Singh C/o Sub-Registrar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1992 of June 1983 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No./5205.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at V. Dagana Kalan, Distt. Hoshiarpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hoshiarpur in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Paras Ram S/o Jiwan Singh,
 R/o Sarhala Mundian, Teh. Hoshiarpur
 Mukhtar-am on behalf of Gurmit Kaur,
 Surjeet Kaur alias Tarsem Kaur D/o Nand
 R/o Dagana Kalan Distt. Hoshiarpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Tarsem Singh S/o Nand R/o V. Dagana Kalan Teh. Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person in occupation of the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1014 of June 1983 of the Registering Authority, Hoshiarour.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No./5206.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar in June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jarnail Singh s/o Bhagat Singh, r/o Bhatinda road, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Maior Singh, Sohan Singh ss/o Tara Singh c/o M/S Moga Agricultural Works, Bhatinda Road, Muktsar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated on Bhatinda Road, Muktsar and persons as mentioned in the registered deed No. 969 of June 1983 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 16th February 1984

Ref. No. A.P. No./5207.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in July 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jarnail Singh S/o Bhagat Singh, r/o Bhatinda Road, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Singh, Jit Singh, Pritam Singh, Jagga Singh & Kaura Singh ss/o Tara Singh C/o Moga Agricultural Works, Bhatinda Road, Muktsar.

(Transferce)

- (3) As Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house situated at Bhatinda road, Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1216 of July 1983 of the Registering Authority, Muktsar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 16-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1984

Ref. No. A.P. No./5208.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mansa in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds as apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incdme or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35--516/71/83

 Shri Amar Nath s/o Puran Chand r/o Gali Darzian, Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Nohar Chand s/o Assa Ram c/o M/S Tilak Ram Prem Kumar, Grain Market, Mansa.

(Transferee)

- (3) As s. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house situated in Gali Darzian, Mansa and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1399 of June 1983 of the Registering Authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1984

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1984

Ref. No. A.P. No. 5209.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section on 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Mansa in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amar Nath s/o Puran Chand r/o Gall Darzian, Mansa.

(Transferor)

(2) Shrimati Murti Rani W/o Nohar Chand c/o M/S Tilak Ram Prem Kumar, Grain Market, Mansa.

(Transferee)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Property House in Gali Dazzian. Mansa and persons as mentioned in the registered deed No. 1552 of June 1983 of the Registering Authority, Mansa.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 17th February 1984

Ref. No. A.P. No./5210.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jugal Sahni s/o Madan Lal Mukhtiar Khas Ashok Kumar s/o Telu Ram r/o Nijatam Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Romesh Chander Narang s/o Niamat Ral r/o 33-Shastri Nagar, Jalandhar. (Transferee)

(3) As s. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 80 situated in Gujral Nagar, Jalan dhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 1807 of June 1983 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 17-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th February 1984

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37-G/83-84/1074.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Mauje Kokul Shrigaon, Tal. Karvir, R.S. No. 217, Hissa No.
583 situated at Karvir, Tal. Dist. Kolhapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the Office of the Registering Officer at S. R.
Karvir in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri Ramchandra Marutrao Jadhav,
 Shri Shankar Sakharam Magdum,
 Kolhapur—C-Ward, House No. 1418, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Yalgaunda Patil, Takwade, Tal, Shirol, Diet, Kolhapur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property-Mouje Gokul, Shirgaon, Tal. Karvir, R.S. No.

217, Hissa No. 5 & 3. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Karvir under document No. 3085 in the month of June, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th February 1984

kef. No. IAC-ACQ/CA-5/37G/1075.—Whereas SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot S. No. 292, Mouje Thakurli, Post. Dombavali, Tal. Kalyan, Dist. Thana,

situated at Thana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Kalyan in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri C. D. Mhatre, S. C. Mhatre,
Smt. M. C. Mhatre,
Smt. R. C. Mhatre,
All residing at Mouje Fatharli, Post Dombavali, Tal. Kalyan, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri R. V. Madhabhani, Chairman, Shree Sidhi Vinayak Co-op. Housing Society Ltd., Pandit Deen Dayal Road, Dombavali, Tal. Kalyan, Dist. Thanc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot S. No. 292, Mouje Thakurli, Post. Dombivali, Tal. Kalyan, Dist. Thana, Arca 900 sq. yards.

Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan on Doc. No. 1816/1983 in the month of June 1983.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

Date: 9-2-1984

(1) 1. Shri Baboo Lal. 2. Shri Sukendra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Purwanchal Sahkari Awas Samiti Ltd., Lucknow Through its Secretary,

Shri Vinod Behari Verma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOV

Lucknow, the 14th February 1984

G.I.R. No. P-116/Acq.—Whereus I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 42, situated at Nabiullah Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 18-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 42, situated at Nabiullah Road, Lucknow, having total area of land measuring 17719 sq. ft. with covered area of 250 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7623, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-6-1983.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1984

(1) Shri Mohd. Wasim,

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Through Secretary, Shri S. P. Tiwari, (Transferee)

(2) Krishna Sehkari Avas Samiti Itd., Lucknow

Through Attorney, Shri Mohd. Nascem.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

- ACQUISTTION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW
- Lucknow, the 15th February 1984
- G.I.R. No. K/127.-Whereas J, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act) have least to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

 Plot of land Khasra No. 253, situated at Khurram Nagar, Pargana, Tehsil & District-

Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Lucknow on 23-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer, and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land Khasra No. 253, measuring 8 Biswa, situated at Khurram Nagar, Pargana, Tehsil and District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7889, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, 1.ucknow, on 23-6-1983?

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-2-1984

FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Shanti Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroj Bhardwaj.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1984

G.I.R. No. S-300/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. A-4/B, situated at Aliganj Scheme, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. A-4/B, Aliganj Scheme, Lucknow, total area-7150 sq ft. including covered area-500 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7502, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

THE SCHEDULE

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984

FORM TINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

Ref. No. G. I. R. No. R.213/Acq.-Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land No. 42C-B/6 situated at Nabiullah Road,

Lucknow.

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

36---516GI83

(1) M/c. Purranchal Sahkeri Avas Samiti Ltd. Lu know Through its Secretary 3b. Vined Behari Verma.

(Transferor)

(2) Smt. Rajni Srivastava

(Transferee)

(3) Self

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 42-C-B/6, measuring 3400 sq. tt., situated at Nabiullah Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 8448, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G. I. R. No. N.76/Acq.—Wherens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as t'ze 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 63A, situated at Laxmanpuri Housing Society Colony, Faizabad Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) United Officials Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri N. B. Singh.

(Transferec)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

.. -

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 63A, measuring 5775 sq. ft. situated at Laxmanpuri Housing Society Colony, Faizabad Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7406, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow

Date: 9-2-1984.

(1) Smt. Kunti Behari

(Transferor)

(2) Smt. Meera Johri

(Transferee)

(3) Smt. Kunti Behari.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G. I. R. No. M-171/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at B-711/A, Mahanagar Housing Scheme, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot measuring 5000 sq. ft. situated at No. B-711/A, Mahanagar Housing Scheme, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10085, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 9-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1984

G. I. R. No. K-126/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

Property No. 31/96 situated at M. G. Marg, Lucknow. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 4-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri M. Ahsanulla 2. Sh. M. Samiullah

(Transferor)

- (2) Kahkashan Sahakri Awas Samiti Ltd., Lucknow, through its Secretary, Sh. Moinuddin Ahmad.

 (Transferee)
- (3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (land with building) No. 31/96, situated at M. G. Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G, No. 6682, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-6-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range, Lucknow.

Date: 14-2-84.

(1) Sh. Gangadhar

(Transferor)

(2) 1. Sh. Ram Prakash Agaiwal 2. Smt. Sharda Rani

(Transferee)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1984

G. I. R. No. R-214/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

at Moradaad on June. 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ond bearing

No. I and situated at Gandhi Nagar, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 185.77 sq. mtrs. situated at Gandhingar, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3730, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 14-2-84.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat proceedings for the acquisition of the atomsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhanu Prasad

- (Transferor)
 (2) M/s. The Varanasi Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari Samiti Ltd.
 Through Secretary, Shri Ramanuj Upadhyay.
- (Transferce)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G.I.R. No. V-69/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Arazi No. 172 situated at Mauza—Shivpurwa, Dehat Amanat,

Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Varanasi on 28-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mote than liftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land Arazi No. 172, measuring 261 decimals (11543 sq. ft.) situated at Mauza-Shivpurwa, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13563, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 28-6-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-2-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Smi, Chandraweli Bahu

(Transferor)

(2) 1. Shri Suman Kumar 2. Shri Subodh Kumar 3. Shri Sumedh Kumar

(Tiansferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, 1UCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G.I.R. No. S-301/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Chakkar-Ka-Maidan, Chhawni Maruf, Civil

Lines, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Moradabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Obections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 416 sq. mtrs. situated at Chakkar ka-Ma'dan, Chhawani Maruf, Civil Lines, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3804, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 9-2-1984

Seal .

TOPM ITNS----

(1) M/s. Purvanchal Sahkari Avas Samiti Ltd. Through Secretary, Shri Vinod Behari Verma, (Transferor)

(2) Smt. Shyama Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G.I.R. No. S-299/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 42-A/2 situated at Nabiullah Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Lucknow on 15-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair G.I.R. No. S-299/Acq.-Whereas I, A, PRASAD

for an apparent consideration which is less than the fulr market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A/2, measuring 5358 sq. ft situated at Nabiullah Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7419, which have duly been registered in the office of the Sub-Regis rar, Lucknow, on 15-6-1983.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-2-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. Purvanchal Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Secretary, Shri Vinod Behari Verma.

(2) Shri Sanjiv Verma

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G.I.R. No. S-298/Acq.-Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land No. 42-A/2 situated at Nabiullah Road, P.S. Wazirganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 24-6-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--37—516GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 42-A/2, measuring 2600 sq. ft. situated at Nabiullah Road, P.S. Wazirgani, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the salt deed and form 37G No. 8002, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24th June 1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-2-1984

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. United Officials Cooperative Housing Society Ltd., Lucknow.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(2) Mrs. Lila Singh

(Transferor)

(Transferce)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th February 1984

G.I.R. No. —Whereas I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 54A situated at Laxmanpuri Housing Society Colony, Faizabad Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on June, 1983

for an apparent considered.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or 12 ... 101.12

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54-A, situated a Laxmanpuri Housing Society Colony, Faizabad Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7407, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 13th February 1984

G.I.R. No. K-125/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land Bhumidhari No. 46 situated at Mauza-Mcerapur, Pargana-Chayal, Distt. Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Payistration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 30-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Wazir Chand Kapoor

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kausalya Devi 2. Shri Vijai Kumar

3. Shri Pramod Kumar

4. Shri Anoop Kumar

(3) Seller

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Bhumidhari No. 46, measuring 4671 sq. yards situated at Mauza-Meerapur, Pargana-Chayal, Distt. Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3262, which have duly been registered in the office of the Sub Paris var. Allahabad, and the office of the Sub Paris var. registered in the office of the Sub-Regis rar, Allahabad, on 30-6-1983.

> A. PRASADI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1984

G.I.R. No. M-172/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Vill-Durgu Nagla, Tehsil-Sadar, Distt.

Rampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer/Registrar/Sub-Registrar at Rampur on 28-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely(1) Shri Jumma

(Transferor) (2) Modi Rubber Ltd. in the Name of Xerox Ltd. A Newly Proposed Company, Modi Puram, Meerut Through Bhumi Prabandhak Adhikari, Shri Purshot.am Swarup.

(Transferce)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 4 Bighas 4 Biswa and 4.5 Biswansi situated at Village—Durgu Nagla, Tehsil—Sadar, District—Rampur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1569 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Rampur, on 28-6-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1584

G.I.R. No. N-77/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Village-Bahadurpur, Tchsil-Bilari, District-Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer/Registrar/Sub-Registrar at Moradabad on 21-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khadija Khatoon

(Transferor)

(2) The National Industrial Corporation Ltd. in the name of M/s. Ajhudhia Distillery Raja-Ka-Sahaspur. Through its Managing Director, Shri S. P. Seth

(Transferce)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4.65 acres, situated at Village-Bahadurpur, Tehsil—Bilari, Distt. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 863, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 21-6-1983.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1984

G.I.R. No. N-78/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Jand situated at Village-Bahadurpur, Tehsil-Bilari, Dist.

Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registration Act 1906 (10 of 1908) in the office of the registrar at Moradabad on 21-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating me concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Manjar Jamil

(Transferor)

- (2) The National Industrial Corporation Ltd. in the name of M/s. Albudhia Distillery Raja-Ka-Sahaspur.
 Through its Managing Director, Shri S. P. Seth.
- (3) Seller

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.32 acres situated at Village-Bahadurpur, Tehsil-Bilari, Distt. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 862, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 21-6-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1984

G.I.R. No. N-79/Acq.—Whereas I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Village-Bahadurpur, Tehsil-Bilari, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering

icer/Registrar/Sub-Registrar at Moradabad on 23-6-1983
an apparent consideration which is less than the fair rket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as afored exceeds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohd. Firoj Sajjad

(Transferor)

- (2) The National Industrial Corporation Ltd.

 in the name of M/s. Ajhudhia Distillery Raja-Ka-Suhaspur.
 Through as Managing Director, Shri S. P. Seth.
- (3) Selier

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.38 acres, situated at Village-Bahadurpur, Tehsil-Bilari, Distt. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 864, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad, on 23-6-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC-837/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Flat No. 202 situated at Banjarahills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Syed Ali Zaheer, 5-9-48/2, Eusheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. P. Saraswathi, w/o Sh. P. S. Reddy, Road No. 8, Banjarahills, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 Hch. No. 6-3-249/3/C Road No. I Banjurahills Hyderabad Registered with Sub-Registrar Hydera bad vide document No. 3836/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

(1) M/s. Bhagyanagar Construction Co., Mukundlal Agarwal, 11-4-656/1, Red Hills, Hydeinbad.

(Transferor)

(2) Sri Priyadarshi Dagh, Flat No. 511, Red Hills, Hyderabad,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 839/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 511 situated at Red hills Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38--516GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 511 Brindavan Appartments MCH No. 11-4-6-6/1 Red Hills Hyderabad. Registered with Sub-Registrar Khairatabad vide document No. 1619/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

(1) Shri J. Suguna Reddy, H. No. 3-6-419, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

Shri M. J. Srinivasa Murthy, Erramangil Colony, Khairatabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **HYDERABAD** (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 840/83-84.—Whereas, I,

M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 8 situated at Premnagar Khairatabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8 at admeasuring 541 Sq. Yards at Premnagar Khairatabad. Registered with Sub-Registrar Khairatabad vide document No. 3624/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 15th February 1984

Ref. No. RAC. No. 883/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lands situated at Miryalaguda District.

(and more fully described in the Schedule annexed herelo), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Miryalaguda on June, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of he liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. Ramaiah and Others Irkiguda, r/o Wadepally, Miryalaguda Dt.

(Transferor)

Rassi Cement Limited,
 H. No. 1-10-125, Ashoknagar,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands admeasuring 92 acres, 60 acres and 60 acres situated at Kothapally, Wadepally and Kothapally respectively registered by the S.R.O., Miryalaguda vide document Nos. 2186, 2258 and 2215/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Vasanth Vittal Bhide, s/o V. S. Bhide, 8-2-605/B, Road Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Rustum Mic 3855, Iyengar Road, Mica Mining Co., Madras-600 018.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th February 1984

Ref. No. RAC. No. 882/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at a Banjara Hills Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on June, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Reditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 283 sq. yds., situated at Banjara Hills, Hyd'bad registered by the S.R.O., Khairātabad vide document No. 1800/83.

M. JEGÄN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14/2/1984

Scal:

(1)M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

Smt. Shakuntala R. Sheh, r/o 6-6-398, Gandbinagar, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC. No. 866/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe the temporary having a fally market value exceeding as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at Ranigunj, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred as per dead registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 25 stuated at Raniguni, Secunderabad admeasuring 309 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3605/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4/2/1984

(1) Sri O. P. Mittal and Others, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. E. S. Reporter, Flat No. 25, Taxille Apartments, S. P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC. No. 867/83-84.—Whereas, I,
M. MEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Flat situated at S. P. Road, Secunderabad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Rogistering Officer at
Secundrabad on June, 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25 in Taxila Apartments, S. P. Road, Secunderabad admeasuring 1631 sft., registered by the S.R.O., Secundereabad vide document No. 294/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4/2/1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTITON RANGE ITYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th February 1984

Ref. No. RAC. No. 868/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at P. G. Road, Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vishal Bulklers, Rep. by Sri Navnit B. Lotia, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula C. Parikh, 1-8-32/25/5, Bapubagh, Penderghast Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Penderghast Road, Secunderabad registered by the S. R. O., Villabhnagar vide document No. 2064/83, and 2065/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Viswashanti Enterprises, 1-7-194 to 197, S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s.Laxmi Towers, 1-7-194 to 197, S. D. Road, Secunderabad,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. RAC. No. 869/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flats situated at S. D. Rond, Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhanagar on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Cellar and ground floor in Paradise Compound, S. D. Road Secunderabad registered b ythe S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2017/83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4/2/1984

Scal:

(1) Sri Om Prakash Mittal r/o 304 Srinath Complex, Secunderabad.

(Titansferor)

(2) Sri R. C. Bareh, Flat No. 34, Taxila Apartments, S. P. Road, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDER∆BAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC. No. 870/83-84,---Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. Flat situated at S. D. Road, Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat at Taxila Apartments admeasuring 1516 sft. registered by the S.R.O. Secunderabad vide document No. 295/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-39-516GT/83

Date: 4/2/1984

 Sri N. Chandrababu Naidu, 8/0 N. K. Naidu Naravaripalle, Rangampet Post, Chandragiri Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Bhuvaneswari Garbides and Chemicals (P) Ltd., Rep. by M. D., Thiruchanur Road, Thirupathi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC. No. 875/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kothapalem Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983.

at Hyderapad on June, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at Kothapalem village in Chanduragiri Taluk admeasuring 5 acres registered by the S.R.O., Thirupathi vide document Nos. 3676 and 3671/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Datc: 4/2/1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC. No. 876/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Punjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)Sri U. B. Raghavendra Rao, I.A.S., PJ. 26, Punjagutta Officors Quarters, Hyderabad.

(2) Sri B. Dhananjaya Rao, S/o Krishna Rao, Nidamanur village, Krishna Dt.. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period c 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admensuring 470 sq. yds. situated at Punjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3627/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 4/2/1984

Scal:

(Transferce)

(Transferor)

FORM JINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1361)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. 877/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Land situated at Thirumala Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sri Gadireddy Guravareddy, Thirupathi.

(1) Sri Swamy Hathi Ramji Matt, Rep. by Assistant Commissioner incharge, Thirupathi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land situated at Thirupathi admeasuring 4 acres registered by the S.R.O., Thirupathi vide document No. 3786/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-1984

SenI;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1984

RAC. No. 879/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. House situated at Banjara Hills Hyderabad

and the agreement is registered u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Zahir Ahmed, Barkat village (Besides 8-2-583/2 Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Roopkaran & Others, 21-2-588, Urdugalli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3631/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/3 Banjara Construction Co., Road No. 12, Banjara Hills, Hydera'oad.

(2) Smt. S. Mani Kumari, H. No. 40/447-4, Gipson Colony, Kurnool.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1984

RAC No. 880/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. Flat situated at Banjara Hills

Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-11 and B-12 in Banjara Garden Apartment, at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1248 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3733/83.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th February 1984

RAC No. 881/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Bonjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on June 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kum. D. Rina Rao D/o D. J. Rao Aparna Apartments, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Shafiuddin Hyder, Bonjara Hills, Hyderabad, (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 881 sq. yds. situated at Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3356/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC848/83-84.—Whereas, I, M. JEAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Kothapet R.R. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Narasapur on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 8.5 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) R. Bhooma Reddy and Others Kothapet Tatnapur Narasapui TQ Medak

(Transferor)

(2) Dr. P. Ravindra Nath and 7 others 7-1-28/4/1 Ameerpet Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 95 acers 13 guntas at kothepet R.R. Dist. Registered with sub register Narsapur vide document No. 1465, 1550, 1541, 1466/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 3-2-1984

(1) M/s, Vijay Builders 7-1-70/B|1 NCH Road Ameerper Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) C. B. R. Prasad 1013 C BHEL Colony Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Fref. No. RAC No. 849/83-84.—Whereas, I, M. JEAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 605 situated at Ameerpet

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at Hyderabad on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- THE SCHEDULE

Flat No. 605 in Vijaya Appartments in MCH No. 7-1-70/B/I on NCH Road Ameerpet Hyderabad Registered with sub-registrar Hyderabad vide document No. 3373/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely:—40—516GI/83

Date: 3-2-1984

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC 851/83-84.--Whereas, I, M. JEAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant land situated at Warangal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Warangal on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bolleti Papaiah 18/545 Warangal.

(Transferor)

(2) Sunil Industries Sri B. Sampat Kumar old Beat Bazar, Warrangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land at Fort Warangal-Registered with Sub-Registrar Warangal vide document No. 2172, 2180/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC 852/83-84.—Whereas, I, M, JEAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

bearing No.

1-2-593/1 Gaganmahal Colony

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

situated at

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering

Officer at Hyderubad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Smt. Kausalya Mehata W/o Dharmpal Mehta Shek Village Secendrabad.

(Transferoi)

(2) Dr. Muralidharlal 22.4-496 Aitebar Chouk Hydcrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1-2-593/1 Gaganmahal colony Domalguda Registered with sub-registrar Hyderabad vide document No. 3508/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Miss Sabatunnisa Begum, Rep. by her father Sri Bahbood Ali Khan, 1-8-322, Begumpet Palace, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Rcf. RAC No. 863/83-84.—Whereas, I, M. JEAGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office situated at Ranigunj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

THE SCHEDULE

Office No. 135 situated at Ranigunj, Secunderabad admeasuring 244 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3342/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 4-2-1984

 Sri S. Krishna Murthy, H. No. 12-5-4, Bathkammakunta, Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. RAC No. 864/83-84.—Whereas, I, M. JEAGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Bathakammakunta Sec.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Dr. M. Chenna Reddy and Others 'VEIVU'
Tarnaka, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bathakammakunta, Lalaguda, Secunderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3583/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

RAC No. 865/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at Ranigunj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on June 1983

Officer at Hyderabad on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for each transfer as agreed to be true the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Arun Sud, 4 G. Geetajal, 8-B Middle Ton Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 50 situated at Ranigunj, Secunderabad admeasuring 1621 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 3606/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC 847/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 401 situated at Ameerpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s Vijaya Builders, 7-1-70/B/1 NCH Road, Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

 S. Suresh S/o Ramana Telecommunications APSEB Near P. D. Grounds Vijayawada.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401 in vijaya Builders complex at NCH Road Ameerpet-Hyderabad. Registered with sub-registrar Hyderabad dice document No. 3291/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

(1) M/g Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ranjit Punj 'Honeyvalu' No. 16 Kathari Road, Madras-6003.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC 843/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 404 situated at Ameerpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404 in vija Builders Complex at MCH Road Ameerpet Registered with sub register Hyderabad vide document No. 3379/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

FORM ITNS----

(1) M/3 V₃)aya Builders 7-1-70 'B₁'1 Amceipet Hyderabad.

(2) B. V. Subba Rao

(Transferor)

(Trunsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

 Λ COUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ .P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC 842/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 306 situated at Ameerpet

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Indian Overseas Bank Gung Road Kamateddy,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 in Vijaya Builders complet at NCH-Road Amcerpet Hyderabad Registered with sub register Hyderabad vide document No. 3289 '83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

Scal :

41-516GL 83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rajaji Bhagyanagar Co.op. Housing Society Ltd., By. Sri A. Navaneeta Rao 1 8-725/A/1 New Nallakunta Hyderabad. (Transferor)

(2) R. Chakrapani S/o Raghavendra Rao TRT 149 Jawahar Nagar Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC No. 841/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. AFF situated at 7-J-78

Ameerpet

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. AFF NCH No. 7-1-78 Ameerpet Hyderabad vide Registered with sub register Hyderabad vide document No. 3497/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquialtion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

(1) Progressive Builders, 3.6.309 Basheerbagh Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inderjit Kaur 3-6-309 Basheerbagh Hyderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

♣Ref. No. RAC 804/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. 3-6-309 situated at Basheerbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 41 in forth floor at 3-6-309 Basheerbagh Hyderabad Registered with Sub-register Hyderabad vide document No. 437/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

(1 Progressive Builders 3-6-309 Basheerbagh Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandrajit Scema 3-6-309 Bashcerbagh Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC 805 83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-309 situated at Basheerbagh Hyderabad (and 3-6-309) situated at Basheerbagh Hyderabad (and 3-6-309).

No. 3-6-309 situated at Basheerbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51 in 5th floor at 3-6-309 Basheerbagh Hyderahad Registered with sub register Hyderabad vide document No. 436-83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Kamarh Builders B-3 Bindu shopping Centre Tilak Road Bombay.

(Transferor)

(2) C. Pandu S. o C. Durgaian 1-7-556 Zamistanpura Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Rcf. No. 806/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-524/A situated at Gandhinagar exceeding

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-14 In Mch No. 1-1-524/A & A1 Gandhinagar Hyderabad Registered with subregister Hyderabad vide document No. 3754/83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1934

(1) M/s Kannath Builders B-3 Bindu Shopping Centre Tilak Road Bombay,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khaja Moinuddin 16-4-58/1 Chenchalguda Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 307 A3-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-1-524/A situated at Gandhinagar

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument with the object of:of transfer

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A12 in Mch. No. 1-1-524/A&A1 Gandhinagar Hyderabad Registered with Sub register Hyderabad vide document No. 3777/83.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 808/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 3-5-796 situated at King Kothi

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nataraj Builders
 C/o Mahaveer Appartments Hyderabad.
 (Transferor)

(2) C. R. Chandran S/o Late C. N. Ramaswamy 1-2-23/6 Sri Sadan Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 on 4th floor of Mahaveer Appartments 3-5-796 King Kothi Hyderabad registered with subregister Hyderabad vide document No. 3772/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

(1) Mathraeri Engineers & Builders (P) Ltd. 3-5-873 Hyderabad Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) P. V. R. K. Nageswararao IV G Subhodaya Appartments Boggulakunta Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 809/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

3-5-873 situated at Hyderguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpalli on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 in B-Block in 3-5-873 Hyderaguda Hyderabad Registered with sub register Chikadpalli vide document No. 360/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

(1) Mohd Ali Baharoon 570 Habech Moosa Bahatoon 3-5-781/5 King Kothi, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) St. Josesph's Educational Society,
 By. U. Girigeri Reddy
 Seo Jogi Reddy Arvinnagar Colony Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 810/83-84,--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-781/5 situated at King Kothi

Hyderabad

42-516GI/83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of house in No. 3-5-781/5 King Kothl Hyderabad Registered with sub register Hyderabad vide document No. 3675/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderahad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 3-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 811/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Peerzadiguda Hayatnagar Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R. R. Dist. on June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. P. Ushadevi and others G.P.A. M. Ratna Rao Naidu 12-10-416/6/1 Namalagundu Secendrabad (Transferor)

(2) Sri Annapurna Co. op. Housing Society Itd. By. Sri Ch. Pakeer Ahmed Upphl Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Land in Sy. No. 51A to the extent of 1-10 guntas at peerzadiguda Hayatnagar Taluk Registered with sub-register R. R. Dist. vide document No. 4559/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income (at
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

(1) K. Narayanarao and others 3-4-520. Barakatpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the same of th

(2) The deeptisri Co. op. House Building Society
By Sri A. Subba Rao Masab Tank Hyderabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 812/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Niyaupur R. R. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R. R. Dist. on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land to the extent of 5 acres at Niyanpur R, R. Dist. Registered with sub register R. R. Dist. vide document No. 4635/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 3-2-1984

(1) T. Krishna and Kamalamma 1-1-526/5 Gandhinagar, Hydorabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) The Eklavya Co-op. Housing Society Ltd. By. P. Venkateswararao and others Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 3rd February 1984

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. 813/83-84.—Whereas, 1,
M. JFGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. Land situated at Hydernagar R. R. Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. Dist. on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Five acres dry land at Hydernagar R. R. Dist. Registered with sub registrar R. R. Dist. vide document No. 5138/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 814/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land situated at Noonepalli Nandyala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nandyala in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any incom eor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri D. Sreedhararao S/o Ramarao D. Prahlada Rao S/o Ramarao Nandyala Kurnool Dist.

(Transferor)

(2) The Nandyala Panchayatraj Employees Co. op. House Building Society Ltd. Nandyala Kurnool Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One acer dry land at Noonepally Nandyala Taluk Kurnool Dist. Registered with sub register Nandyala vide document No. 2117/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd Fcbruary 1984

Ref. No. 815/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri M. G. S. Roy S/o Satyanarayana 13-2-40 Latchirajau Street Suryaraopet Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506 in Vijaya Builders complex at MCH Road No. Ameerpet Hyderabad registered with sub register Hyderabad vide document No. 3380/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 816/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet Hydera'oad.

(Transferor)

(2) Shri J. G. Premehand S/o Chandani Flat No. 205 Vijaya Appartments, MCH Road Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 in Vijaya Builders complex MCH Road Ameerpet Hyderabad Registered with sub register Hyderabad vide document No. 3377/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

(1) Smt. Usha Lidura Bhide W/o Vasant Vithal Bhidi Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rustum Mica Mining Co. 38 SS Iyengar Road, Madras-600018.

may be made in writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 817/83-84.—Whereas. I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. 8-2-695/B situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Khairatabad on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H No. 8-2-69/B Banjara Hills Hyderabad registered with sub registrar Khairatabad vide document No. 1799/3.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-2-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Vijaya Builders 7-1-70 B/I MCH Road Ameenpet Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Y. S. C. Bose S/o Kotaiah Penumastsa Vuyyuru Krishna Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 818/83-84,---Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in Vijaya Builders complex at MCH Road Ameerpet Registered with sub registrar Hyderabad vide document No. 3290/83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1984

Seal:

43---516GY/83

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 819/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderbad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the snid Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) M/s, Vijaya Builders 7-1-70/B/I MCH Road Ameetpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sh. N. R. Krishna Reddy Hat No. 103 Vijaya Builders MCH Road Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Vijaya Builders complex at MCH Road Ameerpet, Hyderabad registered with sub registrar Hyderabad vide document No. 3375, 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

(1) M/s. Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Raj Anand Ram 131 Sreenagar colony Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 820/83-84.—Whereas, I, M, JEGAN MOΠΛΝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403 in Vijaya Builders complex at MCH Road Ameerpet Hyderabad Registered with sub registrar Hyderabad vide document No. 3382/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Myderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

Scal:

(1) M/s. Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sh. M. Vikram Alwar Flat No. 402 Vijaya Appartments MCH Road Hyderabad Ameerpet,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 821/83-84.—Whereas, 1,

M, JEGAN MÓHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 in Vijaya Builders complex at MCH Road Ameerpet registered with sub registrar Hyderabad vide document No. 3383/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 822/83-84.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-1-70/B/ situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) M/s, Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Sita Devi W/o A. V. A. Rama Rao 7-1-63/4, M.C.H. Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Fint No. 305 in Vijaya Builders complex at M.C.H. Road Ameerpet Hyderabad Registered with Sub-Registrar, Hyd. vide document No. 3381/83. 3-2-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1984

M/s. Vijaya Builders
 7-1-71/B/1 MCH Road,
 Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mcdha Mahesh Bhaway W/o Mahesh M. Bhaway Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 823/83-84.—Whereas, I.

M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 405 7-1-70/B-1 situated at Ameorpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad in June, 1983

for as apparent consideration which in less than the fairf market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405 in Vijaya Builders complex at M.C.H. Road Amcerpet, Hyderabad Regd. with sub-Registrar, Hyd. vide document No. 3374/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Hydgrabad, (A.P.).

Date: 3-2-1984

(1) M/s. Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Ameerpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Vatsla W/o Venkataram Flat No. 303 Vijaya Appartments, MCH Road Ameerpet Hyderabad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 824/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beraing
No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever region available to the persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 in Vijaya Builders complex at MCH Road Ammerpet registered with sub registrar, Hyderabad vide document No. 3376/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.).

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Vijaya Builders 7-1-70/B/1 MCH Road Amcerpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sh. M. Ravindranath S/o M. V. Krishnaiah Chetty A/6 31st Cross 7th Block Jayanagar Bangalore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 825/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-70/B/1 situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in Vijaya Builders complex at MCH Road Ameerpet Registered with sub registrar Hyderabad document No. 3378/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tux,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.).

Date: 3-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Fathemanzii Khairatabad.

(1) Kunj Beharilal and 13 others

(Transferoi)

(2) Lanka Ramalingaiah Laxmipuram Gunturu

6-3-967 to 969

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 826/83-84.—Whereas, I, · M. JEGAN MOHAN,

'M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 3-6-301 to 305 situated at Basheergarh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at 1908 in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

ETHI ANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot admeasuring 604 sq. yards in H. No. 3-6-301 to 305 at Basheerbagh, Registered with sub register Hyderahad vide document No. 3317/83,

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authorrity Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.).

Date: 3-2-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-44---516GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kunj Beharilal and 13 others 6-3-967 to 969 Fathemanzil Khairatabad.

(Transferor)

(2) Sh. M. Srinivasa Reddy S/o M. Raghavareddy

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. 827/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-301 to 305 situated at Basheergarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Hyderabad on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 admeasuring 601.6 sq. yards in H. No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh. Registered with sub register Hyderabad vide document No. 3312/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authorrity Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.).

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. 828/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kunj Beharilal S/o Rai Kanhailal, and 13 others, 6-3-967 to 969, Fathe Munzil, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri M. Subbirami Reddy S/o M. Raghavareddy, Nellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 admeasuring 597 sq. yards in H. No. 3-6-301 to 305 cituated at Basheerbagh. Registered with sub registrar Hyderabad vide document No. 3311/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. 829/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Kunj Beharilal S/o Rai Kanhailal, and 13 others, 6-3-967 to 969, Fathe Munzil, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri D. K. Adikesavulu S/o D. K. Naidu, Laxminarayana Colony, Chittor.

(Transferce

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 admeasuring 929 sq. yards open land in H. No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh, Hyderabad. Registered with sub-register Hyderabad vide document No. 3310/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 3-2-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kunj Beharilal S/o Rai Kanhailal, 6-3-967 to 969 Fathe Munzil, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. 830/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(2) Shi M. Sudhakor Reddy, S/o M. Raghavareddy, Nellore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Open plot No. 4 admeasuring 625 sq. yards situated at Basheerbagh in H. No. 3-6-301 to 305. Registered with subregistrar Hyderabad vide document No. 3313/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1984

Ref. No. RAC No. 871/83-84.—Whereas, f. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Bazar St., Pakala (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pakala on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid cacceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri N. Subrahmanya Reddy, Dasarapaliy, Pakala. Chittoor Dt.

(Transfror)

M. Geetha Rani, Bazar Street. Kakala Chittoor Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bazar Street, Pakala registered by the S.R.O., Pakala vide document No. 1152/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 872/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing

No. House situated at Vidavaluru Kovuru Tq., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kovuru on June, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Y. Dasaradharamireddy and Others, Vidavaluru Village, Kovuru Taluk, Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Sri Mettu Krishna Reddym s/o Venku Reddy, Vidavaluru Village. Kovuru Taluk, Neilore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Vidavaluru, Kovuru Tq., Nellore Dt., registered by the S. R. O., Kovuru vide document No. 540/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

 Smt. Ch. Usha Devi w/o Laxmi Narasimha Murthy, Gudivada.

(2) Smt. G. Vijaya Lakshmi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1961 (43 OF 1961)

W/o Appalaswamy,
c/o G. Ramamoban Rao,
Metro Opticals & Studio,
Gandhi Chowk,
Khammam-507002,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 873/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Station Rd., Khammam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Khammam on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under said act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or

THE SCHEDULE

House property situated at Station Road, Khammam registered by the S.R.O., Khammam vide document No. 2095/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Adam Krishna Reddy, Smt. P. Rajamma tank Smt. Laxmamure, of Thirmpathy.

(Transferor)

(2) Sri P. Dwarakanatha Reddy and Others, Yerrakondreddygaripally, Chittoor Dt,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 10th February 1984

Ref. No. RAC. No. 874/83 84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0000 and bearing No. House situated at Ward 20, Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupati in June, 1983 an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——45—516GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property admeasuring 279 sq. yds. and 2512 sft., (2) 279 sq. yds. and 2512 sft., (3) 480 sq. yds. and 4320 sft., situated at Ward No. 20, Thirupathi registered by the S.R.O., Thirupathi vide 3 separate sale deeds bearing document Nos. 3436, 3437 and 3481/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 831/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 84 situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kunj Beharilal s/o Rai Kanhailal and 13 others, 6-3-967 to 969. Kairatabad, Hyderabad.
 M/s Srinivasa Associates, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Ashokkumar s/o Shamlalji, 21-1-431, Ricab Gunj, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 84 admeasuring 488 sq. yds. in the property by H. No. 3-6-301 to 305 situated at Hyderguda, Basheerbagh Hyderabad, Registered with Sub-Registrar, Hyderabad videdoc. No. 3319/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1984

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 832/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-301 to 305 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kunj Beharilak s/o Rai Kanhailal and 13 others, 6-3-967 to 969, Fathe Manzil, Kairatabad, Hyderabad.
 M/s Srinivasa Associates, Himayatnagar, Hyderabad.

(2) Smt. V. Devaki w/o V. Pratap Reddy, 3-3-1002,

W/O V. Pratap 3-3-1002, Kutbiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 442 sq. yds. in the property by H. No. 3-6-301 to 305 situated at Hyderguda, Basheerbag, Hyderabad, Registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide doc. No. 3314/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 833/83-84.—Whereas, J, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-6-301 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer

at Hyderabad in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Gunj Beharilal, s/o Rai Kanhailal and 13 others, 6-3-967 to 969, Fathe Manzil, Kairatabad, Hyderabad.
(ii) M/s Srinivasa Associates, 3-6-735/1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Sri Krishua Jewellers, 5-8-612, Abids, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 383 sq yds, forming part of the property covered by H. No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 3323/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 834/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. 3-6-301 situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kunj Beharilal s/o Rai Kanhailal and 13 others,
6-3-967 to 969, Fathe Manzil, Kairatabad, Hyderabad.
(ii) M/s Srinivasa Associates, 3-6-735/1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) A. Brahmaiah s/o A. Veera Malliah, Laxmipuram, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 563 sq. yds. form part of the property covered by H. No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide doc. No. 3316/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 835/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-6-301 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kunj Beharilal s/o Rai Kanhailal and 13 others,
 M/s Srinivasa Associates, 3-6-735/1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Srinivasa Rao, 3-5-1141, Ramkothi, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 410 sq. yds. forming part of the property covered by H. No. 3-6-301 to 305 situated at Basheerbagh, Hyderabad. Registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide document No. 3315/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. 836/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 307 situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656/1 Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Anwerunnisa Begum, Flat No. 307, Block 'A', Brindavan Apartments, Lakadikapool, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, Brindavan Apartments, 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad regd, with Sub-Registrar, Hyderabad vide doc. No. 8283/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HŸDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. 838/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 52 situated at Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhilanilal, 6-3-967 Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Vasireddy Krishnamurthy. Kanteru Village, Mangalagiri Tq. Guntur Dt. AP.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52 at Hyderguda, Hyderabad Registered with Sub-Registrar, Hyd. vide document No. 3318/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 844/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the *immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot situated at Basheerbagh Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numcly :---46---516GI/87

(1) Sri Kunj Beharilal and 12 Others, 6-3-967 to 969. Khairatabad Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rukmini Bai w/o Mahendra Prasad. 8-2-626/6, Road No. 1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of and admeasuring 382 sq. yds. situated at Basheer-bagh, Hyd'bad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 3322/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. RAC. No. 845/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and bearing No.

No. Plot No. 47 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269E of the said Act, to the following persons namely:—

- Kunj Beharilal s/o Rai Kanhaiahlal and 13 others, r/o 6-3-967 to 969, Fathe Manzil, Kairatabad, Hyderabad.
 M/s Srinivasa Associates, 3-6-735/1.
- Himayatnagar, Hyderabad.

 (2) M/s Sri Krishna Jewellers,

Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land (No. 47) admeasuring 383 sq. yds. forming part of the property covered by H. No. 3-6-301 to 305, Basheerbagh, Hyderabad Regd. with Registrar, Hyderabad vide doc. No. 3321/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. 846/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 49 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kunj Beharilal s/o Rai Kanhaiahlal and 13 others, r/o 6-3-967 to 969, Fathe Manzil, Kairatabad, Hyderabad.
 M/s Srinivasa Associates, 3-6-735/1, Himayatnagar,

Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Indiravathi Devi w/o Purushotham Das, r/o 501, Moghal Apartments, Deccan Towers, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49 admeasuring 404 sq. yds. forming part of the property covered by H. No. 3-6-301 to 305 Basheerbagh, Hyderabad regd. with Sub-Registrar, Hyderabad vide doc. No. 3324/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 3rd February 1984

Ref. No. 850/83-84.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 46 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Kunj Beharilal s/o Rai Kanhaiahlal and 13 others, r/o 6-3-967 to 969, Fathe Manzil, Kairatabad, Hyderabad. 2. M/s Srinivasa Associates, 3-6-735/1, Himayatnagar,

(Transferor)

(2) Smt. Pushpalatha Bai
 w/o Shivcharan,
 r/o 8-2-626/6,
 Banjara Hills, Road No. 1,
 Hyderabad.

Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 382 sq. yds. forming part of the property covered by H. No. 3-6-301 to 305 Bashcerbagh, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide doc. No. 3320/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 3-2-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, (A.P.), the 4th February 1984

Ref. No. RAC. No. 853/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-4-445 situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule appeared hereta).

No. 4-4-445 situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority
Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramesh Shah
President,
Intimate Friends Club,
Sultan Bazar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Yasoda Baı W/o Ratanlal Agarwal, r/o 4-4-445, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double stories Building in No. 4-4-445 and 446 at Sultan Bazar Registered with sub registrar Hyderabad vide document No. 3329/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, (A.P), the 4th. February 1984

Ref. No. RAC. No. 855/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. 1-9-1015 A situated at Adikmet Hydedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mir Akbar Alikhau, 21-4-195, Hussainy Alam, Hyderabad,

(2) M. A. Rasheed, 1-9-1015, A Adikmet, Hyderabad. (Transferor

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- > XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-9-1015 and 1015 A at Adikmen. Hyderabad. Registered with sub-registrar Hyderabad vide document No. 3581/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-1984

Scal

(1) Gopal Rai Agarwal Emarald Builders Abid Road Hyderabad I.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dev Icha & Major J. J. Singh Jeet Villa 3-4-529/3 RBVR Road Narayanaguda, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Hyderabad, the 4th February 1984

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 856/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Office situated at S.D. Road Secunderabad
- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Vallabhanagar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Office No. 4, Vth floor merald House, Sarojini Devi Road Secundembad. Registered with sub-register Vallabhnagar vide document No. 1939/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons. namely:-

Date: 4-2-84

FORM LT.N.S .--

(1) Gopal Rai Agarwal Emerald Builders Abid Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dev Icha & Mrs. Sunecta Singh 3-4-529/E R.B.V.R. Road Narayanaguda Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. 857/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office situated at Emarald House Sarojini Devi Road, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Vallabhanagar on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 3 Vth floor Emarald House S.D. Road Secunderabad Registered with sub register Vallabhanagar vide document No. 1938/83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-84

(1) Major K. Rajam Raju 33 21-41 Seetharampuram Vijavawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. C. Choudary Seetharampuram Vijayawada-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. 858/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

M. JEGAN MOHAN
bearing No. 5-63 situated at Vijayapuri Secunderabad
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
bearing No. 5-63 situated at Vijayapuri Secendrabad
(and more fully described in the Schedule annexed herto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registrating officer at 1908) in the office of the Registering officer at Vallabhanagar on June, 83

Valiabhanagar on June, 83
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transf
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. No. 5-63 A-1 Vayupuri Hyderabad. Registered with subregister vide document No. 1899/83,

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 D of the said Act to the following persons, namely :-- 47-516GI/83

Dated 26-3-84

Scal:

(1) N. D. Rawala 3-3-Habsiguda Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) L. Sudha Maya 6-1-324 PR Nagar Secunderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC-859/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat No. 6 situated at Nacharam Secendrabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uppal on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6 Hnd floor in Plot No. 16 B at Nacharan P.R. District Registered with sub register Uppal vide document No. 2173/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-84

Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC No. 860/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 7 situated at Nacharam, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secd. on June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. F. Leela H. No. 52/A Secendrabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(1) N. D. Rawla H. No. F/4 3-3-Hubsiguda

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 in Hnd floor in plot No. 16B at Nacharam R. R. Dist. Registered with sub register Uppal vide document No. 2174/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-84

(1) M/s Babukhan Builders 5-4-86 to 92 M.G. Road Secunderabad.

(2) Miss Nafisa Hamid Ali Khan 3-6-361/7

Bashir Bagh Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Ref. No. RAC No. 861/83-84.—Whereus, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 441 situated at Ranigunj

Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mode than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 441 at 5-4-86 to 92 Ranigunj Secunderabad Registered with subregister Hyderabad vide document No. 3343 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 4-2-84

(1) M/s Babukhan Builders 5-4-86 to 92 M.G. Road Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jafer Akbur Hussain 16-3-945 Chenchal Guda Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 4th February 1984

Rcf. No. RAC 862/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. 116 situated at Ranijung

Secundrabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on June 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 116 in 1st floor of 5-4-86 to 92 Ranigunj Secundrabad registered with sub-register Hyderabad vide document No. 3341/83.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-2-84

(1) M/s. Ashok Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Precilla Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/170/83-84.—Whereas I, A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing

Flat No. 11 in Knilash Kripa Plot No. 69, of Kanjur Co-Op. Hsng. Society Ltd., Damle Colony, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-83

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 in Kailash Kupa Bldg., 2nd Floor, of Kanjur Co.Op. Hsng. Society Ltd., Plot No. 69 Damle Colony, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/982/83, dated 2-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 31-1-1984

Scal:

(1) Smt. Lalita B. Dharra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Satyanarayan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1758/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(and more fully described in the Schedule an-No.

nexed hereto),

has been transferred as per agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 125, Bldg. No. 7, 2nd floor, Neo Shastri Nagar Co-Op. Soc. Ltd., Mulund Colony, Mulund (W), Bombay-82. dated 3-6-1983.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/987/83-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 14th February 1984

Ref. No. AR-J/37EE/356/Mar.83/82-83.—Whereas, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 206. Nirmal Co-op. Industrial Estate, Ltd., 109-C, Sion (East), Bombay-400 022. situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22nd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, Lamely :--

(1) Shri Madanini Malhetia.

(Transferor) (2) 1. Shri Kuljit Singh Harnam Singh Chadha; 2. Roopsingh Jagat Singh Bhanga; 3. Bhagwan Singh Chait Singh Sandhu; 4 Narindersingh Hakam Singh

(Transferee)

(3) None.

(Person in occupation of the property)

(4) Partners.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 206, Nirmal Co-op. Industrial Estate Ltd. 109-C Slon (East), Bombay-400 022. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I/37EE/454/82-83 dated 22-6-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 14-2-1984

FORM ITNS—

(1) M/s. Ramado Shoes.

(Transferor)

(2) Smt. Safia Shabbir Presswalla.

may be made in writing to the undersigned.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

New Delhi, the 13th February 1984

Raf., No. AR-I/37EE/553/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

the Lucometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and beading No.
Industrial Premises No. 18, Sussex Industrial Estate, Building

situated at Byculla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 30-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Premises No. 18, Sussex Industrial Estate, Building 'A', Dadoji Kondeo Cross Marg, Byculla, Bombay-400-027. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. Range-1/467/83-84, dated 20-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

48—516GI/83

Date: 13-2-1984

Scal:

(1) Whiteway Cleaners Private Limited.

(Transferor)

(2) Shri Vithal Kadia Suyarna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-1/37EE/522/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Tardeo Road

Shop No. 1, Gr. floor, Tardeo Air-Conditioned Market (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Asi, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo Road, Bombay-400 034. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/461/83-84, dated 25-6-1983.

R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:-

Date: 13-2-1984

FORM ITNS----

(1) Smt. R. J. Dudani.

(Transferor)

(2) Smt. P. R. Khandelwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1864/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 23 in B Bldg., Bhagnari Co-op. Society, Sion Duncun Causeway Rd., Chunabatti, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 10-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23 in B Bldg., Bhagnari Co-Op. Housing Society, Sion Duncun Causeway Rd., Near Chunabathi Station, Bombay-22.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/983/83-84 dated 10-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person:, namely:-

Date: 21-1-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri S. J. Dhond.

(Transferor)

(2) Shri Miss A. M. Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1905/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 111, Usha Nagar Co.Op. Housing Society, C Bldg., Bhandup Village, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 13-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, cr the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ox 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/83-84 dated 13-6-83.

Flat No. 111, Block C in Usha Nagar Co.Op. Housing Society, Village Rd., Bhandup (W), Bombay.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 21-1-84

FORM ITNS----

(1) Mr. Banwarilal Singhania.

(Transferor)

(2) M/s. Rahul Kushwaha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 14th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/514/83-84.—Whereas, I, R. K.

BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing Office No. 123, Mittal Tower, Wing 'C' 12th floor, at Nariman Point

man Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 25-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 123, Mittal Tower, Wing 'C', 12th floor, 210, Nariman Point, Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/485/83-84, dated 25-6-1983.

R. K. BAQAYA Compensent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2103/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 201, Gokul, 2nd floor, Gavanpada Rond, Mulund
(E), Bombay-81

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Patol Corporation.
- (Transferor)

(2) Shri Aliyic Mohanan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Gokul, 2nd Floor, Gavanpada Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/974/83-84, dated 6-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 9-2-1984

- (1) M/s. Gazesh Builders.
- (Transferor)
- (2) Shri K. T. Lawrence.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 21st January 1984

Rcf. No. AR-III/1779/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Flat No. 33, A wing Neelam Apts. 3rd Floor, Jungal Mangal

Rd., Bhandup, Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registored under-Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/984 dated 6-6-83.

Flat No. 33, A Wing, Neelima Aprts. 3rd Floor, Jungal Mangal Rd., Bhandup, Bombay-78.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 21-1-84

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Champaklal Jivanlal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/377EE 2241/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 401-G 'Patel Nagar', M. G. Cross Road No. 4 Kandivli (W), Bombay-67 and situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3rd June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401-G 'Patel Nagar', M. G. Cross Road No. 4 Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/241/83-84 dated 3-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 10-2-1984

_

FORM ITNS-

(1) M/s. Seth Enterprises.

(Transferor,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri S. Joginderasingh,

(Transferce,

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 14th February 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/2119/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 226, Ramesh Ghatkopar (W), Bombay-86 has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Flat No. 226, Ramesh Ghatkopar, Bombay-86. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/1004/83-84 dated 9-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—49—516GI/83

Date: 14-2-84

(1) Shri Motichand Parshi Laddya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjit Manna Bhardvaj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/1967/83-84.—Whereas, L.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 19, C Wing, Govardan Nagar LBS Marg, Muland,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 19, C Wing, Govardan Nagur LBS Marg, Mulund Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/1001/83-84 dated

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I herrby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-84

(1) M/s. Shrec Ashish.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Pormanand Bhambhani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 15th February 1984

Ref. No. AR-III/1976/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 42-B, B Building Jalaram Ashish, Mulund, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 13-6-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property. Within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 42-B, Bldg. No. B Jalaram Ashish, Mulund, Bom-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/1007/83-84 dated 13-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-2-84

Scal:

(1) Shri Laxmichand B. Dodia.

(Transferor)

(2) Shri Ramniyas Aggarwal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bomaby, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2211/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ind. Unit No. 122, Remgopal Ind. Estate Premises Ltd. R. P. Road, Mulund, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-83.

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 122, Ramgopal Ind. Unit Premises Ltd. Mulund, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/985/83-84 dated 9-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/2045/83-84.—Whereas, I A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 15-C, 3rd floor, Nav Swagharkul Sahakari Gharbhandani Samstha, Siddarth Nagari Vakole Santacruz (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Smt. Gertrude Lawrence Pinto.
- (Transferor)
- (2) Smt. Glaudina alias Clara Lopes.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15-C, 3rd sloor, New Swagharkul Sahakari [Gharbhandani Samstha, Siddarth Nagar, Vakola, Santacruz (E) Bombay-53. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/454/83-84 dated 16-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range--III, Bombay

Dete: 9-2-1984

(1) M/s. Omprakash Tolaram.

(Transferor)

(2) Shri Amar S. Gandhi & Smt. Kiran A. Gandhi, (Transferee)

(3) Transferor

the strength of the same of

(Person in occupation of the property)

(4) Vaikunth Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Person whom the undersigned known to be interest in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1984

Rcf. No. AR-III2161/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove the property having a fair market value exceeding Residential Flat No. 503 in 'Vaikunth' 357. Little Malabar Hill, Sindhi Society, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-6-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax A.t., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 503 in 'Valkunth' 357. Little Malabar Hill, Sindhi Society, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR III/1005/83-84 dated 13-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range--III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.—— -

(1) Asha Construction.

(Transferor)

(2) Mrs. Maya L Bhagtani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/37FE/1856/83-84.—Whereas, I A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a for exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. fair market value

Flat No. 12-A, 1st floor, Kole Kalyan, Vakola Bridge, Santacruz (E) Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Autho-

rity at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the soul Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, 1st floor, Kole Kalyan, Vakola Bridge, Santacruz (E) Bombay-400 055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/965/83-84 dated 9-6-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range--III, Bomb v

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2576/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANIAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 14, Building No. 1, Ganpati Apartments situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 17th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayantilal Damji Ghagdha.

(Transferor)

(2) Shri Lalji Virji Gala,

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Building No. 1, Ganpati Apartments, Babhai Maka, L.T. Road, Borivli (W) Bombay-400 092. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-1/2516/83-84, dated 17-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III. Bomb. v

Date: 13-2-1984

Seaf:

(1) M/s Blue Diamond Const. Co.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Mrs. Janki Easwaran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR 111/2147/83-84.—Whereas, I A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 8, 4th floor, CTS No. 6379 to 6380 Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the mansfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---50-516GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 4th floor C.T.S. 6379 to 6380, Village Kole

Kalyan, Santacruz (E), Bombayy.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/955/83-84 dated 9-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range--III, Bomb.y

Date: 9-2-1984

(1) M/s. (Ganesh Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. K. Keshvan.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/1780/83-84.—Whereas, I A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 2, Ground Floor, Neelima Apts, Jungal Mungal Rd Bhandup Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Autho-

rity at

Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly control to as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Ground Floor, Neelima Apts. Jungal Mungal Rd. Bhandup, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR JII/986/83-84 dated 8-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-III/1972/83-84.—Whereas, I VIJAY RAN-

JAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Unit No. 15, Ground floor, Bldg. A, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay-93 situated

at Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the

agreement is registered under section 269AB of the Income-tax

Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 18th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kirtikumar Ratilal Shah & Smt. Hemlata Ramniklal Mahetalia

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Kantilal Delivala.

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15, Ground floor, Bldg. A, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves Rd. Andheri (E), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/38/83-84 dated 18-6-83.

> VIJAY: RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--50-476GI/83

Date: 8-2-84

FORM ITNS——

(1) M/s. Arun International.

(Transferor)

(2) Mr. Hasmukh Ramji Chhada.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37-EE/2675/83-84.--Whereas, I VIJAY

RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

'Sai Baba Dham', Flat No. B/3, 1st floor, off S.V. Road, Borivali (W), Bombay-92 situated at Borivali (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at

Bombay on 24th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Sai Baba Dham Flat No. B/3, 1st floor, Off S. V. Road, Borivali (W), Bombay 400 092. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/2675/83-84 dt. 24-6-83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1984.

(1) M/s. Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manorama George & Valentine V Norikat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2668/83-84.--Whereas, I VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. B-61, 6th floor, Nalanda Building No. 2 situated at Malad (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is ergistered under section 269AB of the

Income-tax Act, 1961,

in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 22nd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-61, 6th floor, Nalanda Building No. 2, plot No. 32 & 33 of Valnai Village, Marve Road, Malad (W) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/2668/83-84, dated 22-6-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984

Scal:

(1) Mr. Indra Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Recon Machine Tools Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/1935/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Unit No. 37. 1st floor, Sarvodaya Industrial Estate Mahakali Caves Raod, Bombay-93 situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, x whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 37, 1st floor, Sarvodaya Industrial Estate, Sarvodaya Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/34/83-84 dated 15th June 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 9-2-1984

Scal:

FORM ITNE----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2460/83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 38 in Building No. S/3 on the 4th floor, Dwarakadish Coop. Hsg. Soc. Ltd. Bangur Nagar, Bombay-90 situated at Bangur Negar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Chandra Harlal Makwana.

(2) Shri Chandra Bhaga N. Joshi,

(Transferor)

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Dwarkadish C.H.S. Ltd.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 38 in Building No. S/3 on the 4th floor, Dwarckdish Coop. Hsg. Soc. Ltd. Bangur Nagar, Bombay-90. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2460/83-84 dated 13-6-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-2-1984

(1) Gundecha (Group) Development).

(Transferor)

(2) Manubhai Arjanbhai Tarsaria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-IV/37EE/2254/83-84.—Whereas, I, VIJAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 308, 3rd floor, 'Pandit Nivas' Shreenagar Society situated at Pahadi, Goregaon

and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 308, 3rd floor, 'Pandit Nivas' Shreenagar Society, Prhadi, Goregaon, Mahatma Gandhi Road, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR-II/2254/83-84, dated 4-6-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-2-7984.

Scal:

(1) Harinder Singh Patheja.

(Transferor)

(2) Mrs. Morni Devi Sava Ram Makad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-III/2003/83-84.—Whereas, I, V.IJAY RAN-AN, being the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred has the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property having a fair market value exceeding is. 25,000/- and bearing No. Jnit No. C-114, 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, aki Vihar Rd. Andheri (East), Bombay situated of Andheri

East), and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred

nd the agreement is registered under section 269AB of the numerax Act, 1961, in the office of the Competent uthority at Bombay on 20th June 1983

or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as afore-id exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between an eparties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. C-114, 1st floor, Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Saki Vihar Road, Andheri (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/57/83-84 dt. 20-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said it. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely:—
—516GI/83

Date: 10-2-1984

(1) Shri Gobind Kaliandas Daryanani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jamaudin Jaffareli Sayani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Rcf. No. AR-III/1795/83-84,—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovah'e property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 407, 4th floor 'C' Block, Sheetal Plot No. 6, Seven Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 7th June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor 'C' Block, Sheetal, Plot No. 6, S. No. 121, Seven Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/44/83-84 dated 7-6-1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombae

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2239/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

trying the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 606-H, Patel Nagar, situated at Kandivali (W), fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4th June 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vasantlal Chhotalal Patel.

(Transferee)

(3) —

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 H. 'Patel Nagar', M.G. Cross Road No. 4 Kandivali (W) Bombay-400 067. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/2239/83-84, dated 4th June 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-2-1984.

(1) Mr. Rajnikant C. Gandhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Kirtikumar Harilal Mehta & Mrs. Tarulata Kiritkumar Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2233/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 104, 1st floor C-Block, Building No. 4, Prem Nagar, SV Road, Borivli (West), Bombay.92 situated at Borivli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thi notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor C-Block of Building No. 4, Prem Nagar, SV Patel Road, Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE/2233/83-84, dated 4-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2389/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No. Flat No. F/1, 'Saibaba Dham' Building, Off S. V. Road, Borivali (W+Bombay-400 092) situated at Borivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Arun International.

(Transferor)

(2) Mr. Satish Varjivandas Shah

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F/1, 'Saibaba Dham' Building, Off. S. V. Road, Borivali(W) Bombay-400 092. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/2389/83-84, dated 10th June 1938.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-2-1984

(1) M/s Queens Park.

(Transferor) (Transferce)

(2) Najech Khan.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.2438/8.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Bidg No. 2, Plot No. 32 & 33 of Valvani Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the said instrum

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lincome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-51, 2nd floor of Plot No. 32 & 33 of Valvant village Marve Road, Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV, 37EE-2438/83-84 dated 14-6-83,

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-2-1984

(1) Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hiralal Sharma & Mrs. Birja Sharma,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.2436/83-84,—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-55 on 2nd floor Building No. 2, Plot No. 32 & 33 Valvani Village, Malad (West), Bombay-64 situated at Malad (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on June 1983

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-55 on 2nd floor Building No. 2 Plot No. 32 & 33 Valvani Village, Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE.2436/83-84 dated 14-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-2-1984

(1) Shroff Gururaja Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kaza Phanindra Ramanadham.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.2406/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Flat No. 4, Rishikesh Bldg No. 2, Evershine Nagar, Malad (West), Bombay-64

situated at Malad (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 Rishikesh Building No. 2, Evershine Nagar. Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE.2406/83-84 dated 10-6-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 1 amely:—

Date: 10-2-1984

(1) M. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dineshchandra Chimanlal Shah

(Transferee)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. RR-IV/37EE.2242/83-84.—Whereas, I,

VIJAY RANJAN, Soeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. 402 'G' Patel Nagar, M. G. Cross Road No. 4 Kandivli (West, Bombay-67 situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Acr 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3rd June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402 'G' Patel Nagar, M. G. Cross Road No. 4 Kandivli (West), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2242/83-84 dt. 3-6-1984.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of IncomeTax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--52-516GI/83

Date: 10-2-84

(1) M/s Queens Park

(Transferor)

(2) M/s Pawankumar Vijaykumar

may be made writing to the undersigned:-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2669/83-84.—Whereas, J. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-61, 6th floor, Nalanda Bullding No. 2 situated at Malad (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22nd June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-61, 6th floor, Nalanda Building No. 2, Valnar Village, Marve Road, Malad (W) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay. under Serial No. AR-II/2669/83-84, dt. 28-6-1983.

> VIJAN RANJAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income_tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-2-1984

(1) M. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt, Kailas Rangiltal Dudhara

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (4) Transferor.

(person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE. 2269/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 601-H, 'Patel Nagar', M. G. Cross Road 4, Kandivali (West), Bombay-67 situated at Kandivali (W) Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bambay on 4th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 601-H 'Patel Nagar', M.G. Cross Road, 4 Kandivali (W), Bomaby 67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR:IV/2269/8-3-84 dt. 4-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

(1) Shri Bhimjit Velji Kalsariya

(Transferor)

(2) Shri Kirti Chamberdas Sanghvi,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/37EE/2190.—Whereas I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, Ghatkoper shanti Co-Op. Hsng. society,

Hingwala lane, Plot No. 217, TP Scheme III. Ghatkopar Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the Office of the Competent

at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ghatkopar Shanti Co-op Hsg. Soc. Ltd., Hing-wala Lane, Plot 217, T.P. Scheme-III Ghatkopar, Bombay. The agreement has been registered with hie Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/972/83-84 dated 9-6-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II., Bombay

Date: 9-2-1984

(1) Smt. Rekha M. Punjabi

(Transferor)

(2) Shri Deepak Agarwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 14th February 1984

Ref. No. AR 111/2116/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 34, 3rd Fl., Madugiri housing society, Sien Trombay

Rd. Khembur Bombay: 74

(and more fully described in the Schedule amexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd Floor, Madhugiri Housing society, Sein Trombay Rd. Chembur Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Rombay vide serial No. AR III/1003/83-84 datd 9-6-84,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1984

Scal:

(1) M/s Golden Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Alex Pinto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR III/2144/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. G/3-S. No. 305 Village Kole Kalyan Santacruz (E) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay on 9-6-1983 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G/3 S. No. 305 Village Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/994/83-84 dated 9-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-2-1984

(1) Mr. N. A. Suri.

(Transferor)

(2) Unique Chemicals.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III, 2050/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bharat Tirath Co-operative Housing Lalwadi Shindewadi Banglaw No. 23 Chembur, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bangalow No. 3 Bharath Tlrath Co-operative Housing Society Lalwadi Shindewadi, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/997/83-84 dated 6-6-1983.

A. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 9-2-1984

(1) M/s. Gold Coin Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Juvel Gomes and Joseph A. Gomes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/2145/83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Flat No. B/4 CTS 860 to 919 Village Kole Kalyan, Santacruz (E), Bombay (and more fully described in schedule annexed hereto) has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-6-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/4 CTS. No. 860 to 919 Village Kole Kalyan, Vakola Santacruz (E), Bombay.

The Agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/521/83-84 dated 9-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-2-1984

(1) M/s Ashok Corporation.

(Transferor)

(2) Sbri Abhram Joseph.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY Bombay, the 21st January 1984

Ref. No. AR-III/1704/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove ble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 14 on 3rd floor of Kailash Kripa, Kanjur Coop. Housing Society, Plot No. 69, Damle Colony, Kanjur Murg,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed here o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the competent Authority at Bombay in 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Adt, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14 on 3rd Floor of Lailash Kripa of Kanjur Marg Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 69, Damle Colony Kunjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III, 981/83-84 dated

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 53-516GI/83

Date: 21-1-1984

(1) Dr. Dinesh Popatlal Shah.

(Transferor)

(2) Shri Manoharlal Vardichand Jain. Smt. Shantaben Kishanlai Jain.

(Transferce)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II /37EE.2166/82-83.—Whereas, I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
Shop No. 2, Ground floor, Nirmal Apartments, of Kandivli
Nirmal Co-operative Housing Society Ltd. Kandivli.

Pombay-67, situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Acr, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Nirmal Apartments of Kandivli Nirmal Cooperative Housing Society Ltd., Kandivli, Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2166/83-84 dated 1-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

(1) M/s. Sunder Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sitabai Ramhari Kadam.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1950/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 105, 1st floor, 'A' Building in Sunder Park at Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-59 situated at Andheri (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 18th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, A' Building in Sunder Park at Off Vecra Desai Road, Andheri (West), Bombay-59. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/36/83-84 dated 18th June 1983

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Date: 9-2-1984

(1) Mrs. Ratna Sharma.

(2) Mr. Chandrashekhar M. Khara,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-II/2094/83-84.—Whereas, I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15, Versova Sca side Society, Versova, Andheri West,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Fection 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bmobay on 25th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

15, Versova Sca side Society, Versova, Audheri (West), Bombay 61. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/46/83-84 dated 25-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-2-1984

Scal:

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(2) Shri Pramodkumar Vishram Thakkar.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2695/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 3026, Patel Nagar situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3026, Patel Nagar, M.G. Cross Road No. 4, Kandivli (W), Bombay-400067. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/2695/83-84 dated 25-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hindustan Tools & Dies.

(Transferor)

(2) Shri Mahadev Kheur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. $\Delta R-IV/37EE.2272/83-84$.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Gala No. 13, Paras Industrial Estate, Ramchandra Lune (Extn.), Malad (West), Bombay-64,

situated at Malad (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 4th June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 13, Paras Industrial Estate, Ramchandra Lane (Extn.), Malad (Wets), Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2272/83-84 dated 4-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-2-1984

(1) M/s. Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishore, J. Seth, Guardian of Master Sachin Sheth.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV 37EE/2439/83-84.—Wherens, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing

Flat No. A-75, 7th floor. Nalanda Building No. 2

situated at Marve Road, Malad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 14th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following petsons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-75, 7th floor, Nalanda Building No. 2, Flat No. 32 and 33 of Valnai Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-400064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/2439/83-84, dated 14-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-2-1984

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Mathuradas Narandas Malithia.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Kamal Kabra and Smt. Lalita Narayan Kabra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-III, 37EF 1768/83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 4, Sumeet, Rajasthan Co-op. Housing Society Ltd. situated at Andheri (E)

situated at Andheri (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 6th June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sumeet Building, Ground floor, Plot No. 17, Rajasthan, Co-op. Housing Society Ltd., J.B. Nagar, Andheri (E) Rombay-400 059. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/50/83-84, dated 6-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1984

(1) M/s Sunder Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala Sahai,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1858/83-84.---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 109, 1st floor, 'S/K' under Part 'B' Bld. at off Veern Desai Rd., Andheri (W), Bombay-58 situated at Andheri (W) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 11-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—54—516GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109, 1st floor, 'Sunder Park' 'B' Bldg., at Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-1V/35/83-84, dated 11-6-83.

VIJAY RANJA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 9-2-84

FORM ITNS——

(1) M/s. Queens Park.

(Transferor)

(2) Shri Pawankumar Vijaykumar.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE, 2666/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. A-62, 6th floor, Nalanda Bldg. No. 2 situated at Malad (W)

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22nd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1' of Section 269 of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-62, 6th floor, Nalanda Building No. 2, Valnai village, Marve Road, Malad (W) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/2666/83-84, dated 22-6-1983.

VIJAY RANJAN
, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 13-2-84

(1) Shiv-Shakti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. K. Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1964

Ref. No. AR-III/2100/83-84.—Whereas, J, VJJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Industrial Shed No. 64, Shiv-Shakti Industrial Estate, Off. Moral Village, Off. Andheri Kurla Rd., Andheri (E) Bombay-69, situated at Andheri (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 64, Shiv-Shakti Industrial Estate, Off. Marol Village. Off. Andheri Kurla Rd. Andheri (E), Bombay-69. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/31/83-84, dated 25-6-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 8-2-84

(1) Shri Badruddin Mohmed. Mughrib Jairajpuri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Hakeemun Nisan wife of Shri Mohammed

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR-III/1887/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 3 & 4 of Bldg. No. 6, Aghadi Nagar No. 3, Mogra Village, Andheri (E). Bombay-93

situated at Andheri (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 13th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3 & 4 of Bldg. No. 6, Aghadi Nagar No. 3 Mogra Village, Andheri (E), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Sl. No. AR-IV/32/83-84 dated 13-6-83.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-84

Scal:

(1) Mr. Paramjit Singh Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. Rajagopal & Rajiji R.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

No. AR-III/1940/83-84.—Whereas, VIJAY Ref. RANJAN.

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing 202 B Versova—Sameer Co.op. Housing Society Ltd. Seven Bungalow Road, Versova, Andheri, Bombay-58 situated at

Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15th June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

202 B Versova—Sameer Co.op. Housing Society Ltd. Seven Bungalow Road, Versova, Andheri, Bombay, 58. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/43,83-84 dated 15-6-1983.

VIIAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

AR-III/2088/83-84.—Whereas, VIJAY Ref. No. I. RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 32 in 'B' Bldg. Andheri Gulmohur Co.op. Housing Society of Juhn Lane, Andheri (West), Bombay-59 situated

at, Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Pabati Poorna Chandra Rao.

(Transferoi,

(2) Mr. Nalin Mansukhlal Shah.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32 in 'B' Building, Andheri Gulmohur Co.op. Housing Society of Juhu Lane, Andheri (West), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/58/83-84 dated 25 6-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-2-1984

(1) Mr. Vibhuti Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr T. N. Rajendra Prasad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/1715/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 8, Anita Apartments, situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3rd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Anita Apartments, 4 Bungalows, Andheri (West) Bombay-400 061. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/51 dated 3-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombav.

Date: 13-2-1984

Scal:

FORM I.T.N.S,---

(1) Shri Manohar Antu Pandhre.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Dr. C. H. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

No. AR-37EE.2489/83-84.—Whereas, 1, VIJAY Ref. RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3, 3rd floor at Tagore Park, S.V. Road, Malad (West). Bombay-64 situated at Malad (West)

(and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-6-1983

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officiel Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd floor at Tagore Park, S.V. Road, Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-IV/2489/83-84 dated 15-6-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Rcf. No. AR-III / 2021/83-84.—Whereas, J VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 77 in Dadhuran Godi Kamgar Sahakari Griha Sansthr Ltd. J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58 situated at Andheri (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 21st June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55-516GI/83

(1) Shri Vishnudas Jagannath Kamat.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Ramdas Phatate & Shri Ramdas Parappa Phatate.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 77, in Dahuram Godi Kamgar Sahakari Griha Sanstha Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/40/83-84 dated 21-6-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 9-2-84

(1) M/s Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Madhavi P. Panshikar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.2437/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 24, 2nd floor, Plot No. 32 & 33 Valvani Bldg. No. 2, Village Marve Road, Malad (West), Bombay-64 situated at Malad (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, od the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-24, 2nd floor of Plot No. 32, 33, Valvani Building No. 2, Village, Marve Road, Malad (West), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/37EE.2437/83-84 dated 14-6-83.

VIJAY RANJAN
Connecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1984

(1) M/s Queens Park.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mabel Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2665/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Flat No. A-34, 3rd floor, Nalanda Bldg. No. 2 situated at Malad (W) (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22nd June 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-34, 3rd floor, Nalanda Building No. 2, Plot No. 32 & 33 of Valnai village, Marve Road, Malad (W) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-II/2665/83-84, dated 22-6-1984.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 13-2-84

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE.2566/83-84.—Whereas, 1, VIJAY RANJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 422, 'Dattani Nagar
Building' No. 1, CTS No. 60 & 61 (Part). S. V.
Road, Opp. Gokhuldham, Borivli (W), Bombay-92
situated at Borivili (W), 92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18th June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore an apparent consideration that the property as afore the constant of the property as afore the constant of the property as afore the property as a fore the property as afore the property as afore the property as afore the property as a fore the p said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Jyotsna Manharlal Gadia.

(Transferor)

(2) Mrs. Madhuben Rameshchandra Shah & Mr. Rameshchandra Popatlal Shah.

(Transferee)

(3) M/s Dattani Enterprises. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 422, 'Dattani Nagar Building No. 1, 'KT CTS No. 60 & 61 (Part), S.V. Road Opp, Gokuldham, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2566/83-84 dated 18-6-1983,

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2275/83-84.—Whereas, I, No. Flat No. 34-B, Dattani Nagar Bldg.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. Flat No. 34-B, Dattani Nagar Bldg. No. 2, Village Mauja Magthaneat S.V. Road, Borivli (W),

Bombay-92 situated at Borivli (W), (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered Under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 6th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ashok Ramniklal Bhuva.

(Transferor)

(2) Mrs. Hansaben Dhansukhlal Mody.

(Transferee)

(3) M/s Dattani Enterprises.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 34-B, Dattani Nagar Bldg. No. 2 Village Maujæ Magthaneat S.V. Road, Borivli (West), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/2275/83-84 dated 6-6-84.

VIJAY RANJAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-2-1984

(1) M/s Queens Park.

(2) M/s Pawankumar Vijay Kumar.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2670/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. A-63, 6th floor, Nalanda Building No. situated at Malad (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered Under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 22nd June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which oungt to be disclosed by the transferce fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-63, 6th floor, Nalanda Building No. 2, Plot No. 32 & 33 of Valnai Village, Marve Road, Malad (W) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/2670/83-84, dated 22-6-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 13-2-84

Scal:

(1) Ganesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. L. George

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, ROMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 9th February 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR III/1703/83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. A-52 in A Wing Neelma Apts. Jangal Mangal Road, Bhandup Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-83 for an apparent agreement and the agreement agreement

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-52, in A wing, Neelima Apts. 5th Floor, Jungal Mangal Rd., Bhandup Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide script No. AR III/971/83-84, dated

> A. LAHIRI Competent Authority Inepecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons passely: ing persons, namely:--

Date: 9-2-1984

(1) Omprakash Tolaram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kalpana Gokuldas Prabhu

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1984

Ref. No. AR III/2158, 83-84.—Whereas, 1, Λ. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property maying a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Residential flat No. 306 in Vaikunth., 357, Little Mala-

bar Hill, Sindhi Society, Bombay 400 071

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in hie Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of th Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Flat No. 306 in Vaikunth, 357, Little Malabar Hill, Sindhi Society, Bombay 400 071.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/1006/83-84 dated 9-6-83.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1984

Scal:

(1) I. Shri K. J. Rajani and 2. Shri M. J. Rajani

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. R. Rai

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR III/2099/83-84---Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bangalow at Atur Park Chambur, Plot No. 17 Sion

Trombay Road, Chambur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

56-516GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Small Bangalow at Atur Park Chembur Plot No. 17 Sion Trombay Rd., Chembur.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide erial No. AR III/996/83-84 dated 9-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 13-2-1984

Seal ;

(1) M/s Parul Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Sujata Natrajan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th February 1984

Ref. No. AR 111/1955/83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. 2, 3rd Floor Bldg. No. 2, Damodar Park, LBS

Marg, Ghatkopar Bombay:86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2 3rd Floor, C Wing, Bldg. No. 2, Damodar Park LBS Marg, Ghatkopar Bombay:86.

The agreement has been registered with the Competent

Authority Bombay vide serial No. AR III/1002/83-84 dated 9-6-83.

> A, LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-2-1984

Scal:

(1) Mantri Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. T. N. Chheda and Smt. S. T. Chheda

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of he publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR III/2184/83-84.—Whereas, I, A. LAHİRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 3 GR. Fl. Abhilasha Apartments J. N. Rd.
Mulund(W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. Gr. fl. Abhilasha Apartment J. N. Rd. Mulund(W),

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/998/83-84 dated 6-6-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

(1) M/s. Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Saraswathi Agarwal, Master Abaydeep Agrawal and Master Abaydeep Agarwal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY.

Bombay, the 9th Feburary 1984

Ref. No. AR-I/37EE/434/83-84.—Whereas, I, R. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Unit No. 87, Gr. floor, Shah & Nahar Industrial Estate (A2)

situated at Lower Parel Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 2-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 87, Ground floor, Shah & Nahar Industrial Estate (A-2) Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lower Parel, Bombay-400 013. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ACQN RANGE-I/404/83-84, dated 2-6-1983.

R. K. BAQAYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-2-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Kusumben Bhalabhai Mistry.

(Transferee)

(2) Jugal Kishore Balabux Maheswari.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 7th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/438/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 3, 8th floor, Worli Himalaya Co-op. Hsg. Soc. Ltd. situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 8th floor, Worli Himalaya Co-op. Housing Society Ltd., 109 Worli Seaface Road, Worli, Bombay-400018. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/406/83-84 dated 3-6-1983.

R. K. BAQAYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 7-2-1984.

(1) M/s. Sanghvi Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Voltas Limited.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/449/83-84.--Whereas, I, R. K.

BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beraing

No. Flat No. 5, 'Ben Hur' situated at Malabar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 13th floor, 'Ben Hur' 32, Narayan Dabholkar Road, Off Napean Sea Road, Malabar Hill, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/425/83-84, dated 6-6-1983.

> R. K. BAQAYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-2-1984.

Scal:

(1) Shri Radheshyam B Poddar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Doctor Dhirendrakumar Varjivandas Shah and Doctor Shrimati Pravina Dhirendrakumar Shah, Shri Radheshyam B Poddar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY.

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/457/83-84.—Whereas, I, R. K. BAOAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 74, 7th floor, Mehr-Naz Co-op. Housing Society Ltd. situated at Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUULB

Flat No. 74, 7th floor, Mehr-Naz Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 91, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/430/83-84, dated 10-6-1983.

R. K. BAQAYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date: 8-2-1984.

(1) M/s. Sanghvi Construction Pvt. Ltd.

(2) Voltas Limited.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY.

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-1/37EE/456/83-84.—Whoreas, I, R. K.

Ret. No. AR-1/3/EE/430/03-04. Ret. BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, 'BEN HUR' situated at Malabar Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registeded under

has been transferred and the Agreement is registeded under Section 269AB of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/o-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 13th floor, 'BEN HUR' 32, Narayan Dabholkar Road, Off Napean Sea Road, Malabar Hill, Bombay-400 006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/427/83-84, dated 6-6-1983.

> R. K. BAQAYA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 8-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY.

Bombay, the 7th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/469/83-84.—Whereas, J, R. K. ΒΑQΛΥΑ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. Flat No. 29, 5th floor, Asha Mahal Co-op. Housing Society Ltd. situated at Naoroji Gamadia Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 14-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

57-516GI/83

(1) Mr. Sunder Narain Gidwani.

(Transferor)

(2) Mr. Pankaj Kazubhai Udhas & Miss Farida Cawas

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 29, 5th floor, Asha Mahal Co-op. Housing Society d., Plot No. 1E/755, Nowroji Gamadia Road, Bombay-400 026. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/437/83-84, dated 14-6-1983,

> R. K. BAQΛΥΑ, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1984

_____ FORM LT.N.S.

(1) Chetan Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Indarmal Nandramji Halkara, Smt. Sarojinidovi I Halkara & Chetanand Trust,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY.

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/519/83-84.—Whereas, I, R. K.

BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable of the competence of the c property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 1403, Atmaj Building, situated at August

Kranti Marg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1983

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1403, 14th floor, Atmaj Building, 94-C, August Kranti Marg, Bombay-36. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/482/83-84, dated 25-6-1983.

R. K. BAQAYA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. pemely :--

Date: 10-2-1984.

 Mr. Manital M. Jaju & Mr. Inderjeet singh M. Schgal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-I/37EE/429/83-84.—Whereas, 1, R. K. BAQAYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Unit No. 32, Hind Rajasthan Departmental Centre, Dadar Commercial Premises Co-op. Society Ltd., 95, D. S. Phalke Road, Dadar, Bombay-14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 2-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore is surrounded to the 2000 Act.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mrs. Annie K. Philip

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32, Ground floor, Hind Rajasthan Departmental Centre Dadar Commercial Premises Co-op. Society Ltd., 95, D. S. Phalke Road, Dadar (C. Rly) Bombay-400 014. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/415/83-84, dated 2-6-1983.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-2-1984.

FORM ITNS----

(1) M/s Sunder Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Mehul Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 7th February 1984

Ref. No. RA-I/37EE/436/83-84.—Whereas, I,

BAQAYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable averaging Rs 25,000/property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Flat No. 802, Sunder Tower situated at Sewri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269AB of the 1.T Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-6-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment or any mooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802, 8th 'lloor 'Sunder Tower', Tokarshi Jivraj Road, Seriw, Bombay-400 015. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/401/83-84, dated 2-6-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-2-1984.

Scal:

(1) M/s Saughvi Constructions Pvt. Ltd.

Chansfer :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Voltas Limited

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-1/37EE/453/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2, 'Ben Hur' situated at Malabar Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under Section 269 AB of the I.T Act. 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 6-6-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 13th floor, 'Ben Hur' 32, Narayan Dabholkar Road, Off Napean Sea Road, Malabad Hill, Bombay-400-006. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. ACQN. Range-I/418/-83-84, Dated 6-6-1983.

> R. K. BAQAYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of tail. Dotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 9-2-1984.

- (1) M/s. Patel Corporation
- (2) Shri N. P. Srinivasan

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/2022/83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mathura, Flat No. 302, 31d floor, Gavanpada Road, Mulund(E), Bombay-81.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-6-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Mathura, Flat No. 302, 3rd floor, Gavanpada Road, Mulund(E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Authority Bombay vide serial No. AR-III/973/83-84 dated 9-6-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-2-1984.

(1) Mr. Gobind Kaliandas Daryanani

may be made in writing to the undersigned :---

whichever period expires later:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mohini Gobindram Gangaramam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/535/83-84,---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2, Ground Jloor, C. Block Sameer, Plot

No. 7, 7 Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58 situated at Andheri (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transefrred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, C. Block Sameer, Plot No. 7, 7 Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR-IV'37/EE/49/83-84 dated 29th June 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 10-2-1984.

Scal

(1) Shri Khetshi Popat Shah Smt. Javaben P Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Pravin B Shah Navin Trading Co.

(Transferoe)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 16th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2361/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop No. 16, New Delite Apartment Co-op. Hsg. Society Ltd., Chandwarkar Road, Borivli(W) Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

whichever period expires later;

from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16, New Delite Apartment Co-op. Hsg Ltd., Chandwarkar Road, Borvili (W) Bombay-400 092. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav, under serial No. AR-II/2361/83-84, date 10-6-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

Date: 16-2-1984.

Senl:

(1) Mr. Virendra Nansukhlal Bhodia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neeta T. Vasandani

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned known to be interested in the Property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2653/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1105, Nilanjana Co-op. Housing Society Ltd. situated at A.arve Road, Malad (and more fully described in the schedule annexed hereto), here been transferred.

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent

Authority at Bombay on 21st June 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1105, Nilanjana Co-op. Housing Society Ltd., Marve Road, Malad (West) Bombay-400 064. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR-II/2653/83-84, dated 21-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1984.

Seal:

58---516GI/83

(1) K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashokkumar Jethalal Dudhara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION 'RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2240/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 406-G, 4th floor, Patel Nagar situated at Kandivli (W),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4th June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such mansfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with he objec of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406-G, 4th floor, Petel Nagar, M. G. Cross Road No. 4, Kandivali (W) Bombay-400 067. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby, under Serial No. AR-II/2240/83-84, dated 4th June, 1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Cmmissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13/2/1984

FORM ITNS----

(1) Mr. R. Lakshmikantan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hemlata Sunder Rajan and Mr. S. Sunder Rajan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-III/37EE/1854/83-84.—Whereas, f. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/nd bearing

Flat No. 12, Gr. floor, Shritam Co-op., Hsg. Soc. Ltd. situat-

ed at Andheri (W),

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AH of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombuy on 9th June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has rot been truly stated in the said instrument of transfer wit, the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. A-12, Ground floor, Shriram Co-op, Housing Society Ltd., S. V. Road, Andheri (West) Bombay-58. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/45/83-84, dated 9-6-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13/2/1934

Seal:

59---516GI/83

FORM ITNS-

(1) Smt. Sheela Ramdas Phatate.

(Transferor)

(2) Smt. Subhadra Baburao Dad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-IV/37FF/531/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a falr market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 77, 4th floor, The Godavati Pravana Co-op. Housing Society situated at Versova Road, Andheri (W). (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27 June, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 77, 4th floor, The Godavari Pravara Co-oo. Housing Society. Plot No. 106, Dadabbal Nauroji Nagar, Near Dake Colony, Versova Road, Andheri, Bombay-58. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-III/48/83-84, dated 27th June,

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13/2/1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th Lebruary 1984

Ref. No. AR-IV/2141/83-84.—Whereas, I, YJJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 30B' Viral Apartments', 50 SV Road, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered u/s, 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 26/6/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indra Lakhmichand Rawlani.

(Transferor)

(2) Smt. Kundanben Kantilal Dhamecha.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 30B 'Viral Apartments', 50 SV Road, Andherl (West), Bombay-58. The agreement has registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/29/83-84 dated 26-6-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8/2/84

FORM I.T.N.S. -

(1) M/s. Parikh Vaz Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sergie Brigido Dias and Mrs. Christine Dias.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/520/83-84.—Wherens, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 5, Plot No. 45, H. No. 13 at Bamanpuri, Anheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961.

in the office of the Competent Authority, at

Bombay on 26/6/1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Plot No. 45, H. No. 13 bt Bamanpuri. Andheri (East), Bombay-59. The agreement has been registered by the transferee for an Income-tax Act, 1922

1 Act, or the Wealth-tax

Date: 8/2/84

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income_tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

persons, namely :-

(1) Shivshakti Builders

(Transferor)

(2) Texon Plastics

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th February 1984

Ref. No. AR-III/1920/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Indl. Shed No. 245 2nd floor, Phase III of Shiv Shankti Indl. Estate of Marol Village off. Andheri-Kurla Rd. Andheri (E), Bombay-59 situated at Andheri (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14th June 1983

at Bombay on 14th June 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any natione or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 245, 2nd floor, Phase III of Shiv Shakti Industrial Estate of Marol Village Off. Andheri-Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/41/83-84 dated 14-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

subving Date: 9-2-1984

Scal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1984

Ref. No. AR-II/37EE/2734/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

VIJAY RANJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Flat No. 603 on 6th floor, 'Kaustubha Nagar' Ramchandra Lane Extn. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 269AB of the Income-

agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Navjivan Builders

(Transferor)

(2) Mr. Desh Deepak Bhalia

(Transferee)

 $(3) \rightarrow$

(Person in occupation of the property)

(4) Mr. Desh Decoak Bhalla and Smt. Neena Bhalla

(Persons whom the undersigned knows to be interest in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603 6th floor, 'Kaustubha Nagar, Ramchandra Lane Extension, Village Valnai, Malad (W) Bombay-64. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-II/2734/83-84, dated 26th June, 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 18-2-1984

(1) M/s. Dimple Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. G. S. Thawani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 8th February 1984

Ref. No. AR-III/1782/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing No. Unit No. 115 in Ravi Industrial Estate, at Plot No. 25, of Mahal Industrial Estate, Off Mahakali Caves Rd. Andheri

(East), Bombay-93 situated at Andheri (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the Agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 7th June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 115 in Ravi Industrial Estate, Plot No. 25, of Mahal Industrial Estate, Off Mahakali Caves Rd. Andheri (E), Bombay-93. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/37; 83-84 dated 7-6-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 8-2-1984

(1) M/s. Mamata Plastics

(Transferor)

(2) Shri Premnath Amarnath Puri

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) — (Person in occupation of the property)

(4) M/s. Mamata Plastics

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2237/83-84,---Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office Premiscs No. A/211 and A/212 on 2nd floor of Super Shopping Complex, Dr. Dalvi Road, Kandivli West), Bombay-67 situated at Kandivli (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 3rd June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. A/211 & A/212 on 2nd floor of Super Shopping Complex, Dr. Dalvi Road, Kandivli (West), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV/2237/83-84 dated 3-6-1984.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1984

(1) M/s. Amir Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Mohd, Fazal Ismail Choonawala, Mrs. Nascema F. Choonawala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1984

Ref. No. AR-IV/526/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Unit No. 12, 4th floor 'C' Block Plot No. 5 at Karimi Park Oshivara Garden Rd., Jogeshwari (West), Bombay-60 situated at Jogeshwari (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12, 4th floor 'C' Block Plot No. 5 at Karimi Park Oshivara Garden Rd., Jogeshwari (West), Bombay-60. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV/42/83-84, dated 27th June 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-2-1984

FORM ITN9 -

/**a** > 1

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Vrajlal Kansara

(1) Shri P. N. Deshpande

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 13th February 1984

Ref. No. AR-IV/37EE/2294/83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 5, Gr. Floor, Sri Ram Kunj situated at Malad (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6th June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Sri Ram Kunj, Survey No. 45 and 46, Haji Bapu Road, Malad (E) Bombay-64. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II/2294/83-84, dated 6th June, 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1984

- (1) Shri Hanumant Valkunth Lad
- (Transferor)
- (2) Jamila Jetendra Lodava

(Transferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 15th February 1984

Ref. No. AR-III/2378/83-84.—Whereas, I, VUAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 20, Padma Nagar, Ramchandra Lane, Malad,

Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 14-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1766/ 81 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 14th June 1983.

> VUAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the mid Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-2-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd March 1984

Ref. No. AP No./5211.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, as per schedule situated at Budhlada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhlada on June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Romesh Chand S/o Roshan Lal R/o Budhlada Distt. Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Kumar, Radhey Sham Ss/o Bir Bhan House No. 289, Ward No. 2, Budhlada, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 289 situated in Budhlada and persons as mentioned in the registration sale deed No. 537 of June, 1983 of the Registering Authority—Budhlada.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 3-3-1984